अमेरिका में रहना है तो उठाना होगा हेल्थकेयर का खर्च >> 13

राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

वर्ष 3 अंक 118

दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, रविवार, 6 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

सरोकार

विरोध की पहली आवाज ने बदल दिया समाज

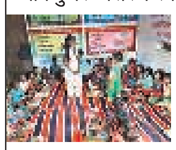

जमुई : बिहार के जमुई में गरीबी रेखा से नीचे गुजर-बसर करने वाले परिवार की बेटी बेबी आज हजारों लड़कियों के लिए प्रेरणा बनी चुकी है। बाल अवस्था में विवाह का विरोध कर बेबी ने समाज को इस कुरीति के खिलाफ सोचने-समझने के लिए मजबूर कर दिया। (पेज-11)

रविवार विशेष

लद्दाख आएं, प्लास्टिक न लाएं और अच्छी यादें लेकर जाएं

जम्मू : 'लद्दाख आएं पर साथ प्लास्टिक न लाएं, वापसी पर कचरा छोड़ कर नहीं अच्छी यादें ही लेकर जाएं'। लद्दाख की महिलाओं का एक संगठित ग्रुप पर्यटकों के साथ स्थानीय लोगों को इसी संदेश से पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक कर रहा है। (पेज-11)

भारत व बांग्लादेश के रिश्तों की डोर और मजबूत हुई

द्विपक्षीय वार्ता ▸ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शेख हसीना ने दुनिया के सामने पेश की पड़ोसी देशों के बीच सहयोग की नई मिसाल

कारोबार और रणनीतिक क्षेत्र में समझौते, रोहिंग्या समस्या और एनआरसी पर हुई बात

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने संक्षिप्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि दोनों देशों ने दुनिया के सामने पड़ोसी देशों के रिश्तों का बेहतरीन उदाहरण रखा है। वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान और दोनों देशों के बीच हुए विभिन्न समझौतों पर गौर करें तो साफ होता है कि पीएम मोदी ने यह बात क्यों कही। संयुक्त बयान और समझौतों का लब्बोलुआब यही है कि भारत अपना विशाल बाजार बांग्लादेश के लिए खोलकर उसे आर्थिक लाभ पहुंचाने को तैयार है, तो पड़ोसी देश भी भारत की रणनीतिक चिंताओं को दूर करने के लिए तत्पर है।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेताओं की अगुआई में हुई द्विपक्षीय वार्ता में कश्मीर व एनआरसी का मुद्दा भी उठा। हसीना ने एनआरसी पर चिंताएं जताईं तो उन्हें बताया गया कि यह प्रक्रिया कानून सम्मत व अदालत के निर्देश के तहत हो रही है। पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क में मोदी से हसीना की मुलाकात में भी यह मुद्दा उठा था। शेख हसीना ने तीस्ता जल बंटवारे का मुद्दा भी उठाया, जिस पर मोदी ने जल्द से जल्द सहमति बनने का आश्वासन दिया। बांग्लादेश को रोहिंग्या समस्या से निपटने में भी पूरी मदद देने का एलान किया गया। वार्ता में प्याज निर्यात पर पाबंदी का मुद्दा उठने पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आश्वस्त किया कि निर्यात के जितने समझौते हुए हैं, उनकी आपूर्ति अवश्य की जाएगी। दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन यानी सार्क पर कोई बात नहीं हुई, जबकि बिम्सटेक को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। इसे स्पष्ट तौर पर दक्षिण एशिया में भी पाकिस्तान को अलग-थलग करने का संकेत माना जा रहा है।

नई दिल्ली में शनिवार को हैदराबाद हाउस में बैठक के बाद द्विपक्षीय परियोजनाएं लांच करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना। जागरण

भारत को क्या मिला

- पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए बांग्लादेश से एलपीजी की आपूर्ति
- बांग्लादेश की फेनी नदी से त्रिपुरा को जलापूर्ति
- पाक को अलग-थलग करने के लिए सार्क की जगह बिम्सटेक को बढ़ावा
- बांग्लादेश की तटीय सुरक्षा की जिम्मेदारी यानी बंगाल की खाड़ी में चीन पर नजर रखने का अवसर

बांग्लादेश को क्या मिला

- घरेलू गैस भंडार के लिए भारत का तेजी से बढ़ता बाजार
- इलाज व शिक्षा के लिए बांग्लादेशी नागरिकों को असानी से आने-जाने की सुविधा
- उत्पादों के लिए भारत का बड़ा बाजार, विशेष आर्थिक समझौते के आसार
- जल्द से जल्द तीस्ता जल बंटवारे को लागू करने का आश्वासन

मोदी ने की तारीफ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद और अतिवाद से निपटने की दिशा में प्रयास के लिए शेख हसीना की तारीफ की। हसीना ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को बांग्लादेश जारी रखेगा। इस पर मोदी ने उनकी सराहना करते हुए धन्यवाद दिया।

राष्ट्रपति-विदेश मंत्री से की भेंट

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शेख हसीना से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। हसीना ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी मुलाकात की। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी रविवार को शेख हसीना से मुलाकात करेंगे।

गैस आपूर्ति परियोजना का शुभारंभ : मोदी और शेख हसीना ने बांग्लादेश से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में गैस आपूर्ति शुरू करने की परियोजना का शुभारंभ किया। बांग्लादेश के पास गैस का भरपूर भंडार है जिसे भारत को देने की बात पिछले दो दशक से चल रही है। पूर्व यूपीए सरकार के कार्यकाल में बांग्लादेश से भारत तक गैस पाइपलाइन बिछाने की भी बात हुई थी लेकिन वहां राजनीतिक विरोध की वजह से इसे टाल दिया गया। अभी ट्रकों के जरिये एलपीजी को भारत लाया जाएगा। आगे चलकर पाइपलाइन का भी विकल्प खुला है। भारत जिस तेज गति से अपनी अर्थव्यवस्था को गैस आधारित बनाने की योजना बना रहा है, उसमें बांग्लादेश का गैस भंडार पूर्वोत्तर राज्यों के लिए अहम साबित होगा। पीएम मोदी ने कहा कि इससे बांग्लादेश में रोजगार भी मिलेगा और अर्थव्यवस्था भी सुधरेगी। भारत पहले ही इस पड़ोसी देश को पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति शुरू करने के लिए एक पाइपलाइन बिछा रहा है।

तटीय सुरक्षा मुहैया कराएगा भारत : दोनों देशों के बीच जल संसाधन, युवा मामलों, संस्कृति, शिक्षा और तटीय निगरानी जैसे क्षेत्रों में कुल सात समझौते हुए। इनमें भारत की तरफ से ढाका को तटीय निगरानी राडार तंत्र मुहैया कराने का समझौता बेहद अहम माना जा रहा है। भारत इससे ना सिर्फ बांग्लादेश को एक प्रभावशाली सुरक्षा घेरा दे सकेगा बल्कि बंगाल की खाड़ी से लेकर अपने समूचे पूर्वी तट की निगरानी भी बेहतर तरीके से कर सकेगा। चीन की तरफ से भी बांग्लादेश को इस तरह का निगरानी तंत्र देने की कोशिश हो रही थी। 2016 में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने ढाका दौरे पर बांग्लादेश की समुद्री सुरक्षा की बात कही थी। इस तरह की व्यवस्था भारत ने अपने पूर्वी तट पर स्थित देश मालदीव को भी दी है। भारत बांग्लादेश को कई तरह के रक्षा उपकरण भी बेचना चाहता है और इसके लिए 50 करोड़ डॉलर की राशि बतौर कर्ज भी उपलब्ध कराई गई है।

बढ़ेंगे कारोबार के अवसर पेज>>3

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

पीएमसी बैंक के पूर्व चेयरमैन वरयाम सिंह गिरफ्तार

मुंबई : पंजाब एवं महाराष्ट्र कोआपरेटिव (पीएमसी) बैंक के पूर्व चेयरमैन वरयाम सिंह को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने वरयाम सिंह के बैंक खाते भी फ्रीज कर दिए हैं। 4255 करोड़ के बैंक घोटाले में तीन लोग पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

महासमर ▸ पृष्ठ 4

हरियाणा में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तंवर ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली : विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण से नाराज हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर ने आखिर शनिवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। तंवर चुनाव अन्य समितियों से पहले ही इस्तीफा दे चुके थे। उन्होंने सोनिया गांधी को चार पेज का पत्र भी लिखा है।

बिजनेस ▸ पृष्ठ 12

विनिवेश प्रक्रिया को धीमा नहीं कर पाएंगे मंत्रालय

नई दिल्ली : सार्वजनिक उपक्रमों की विनिवेश रफ्तार को अब उनके प्रशासनिक मंत्रालय धीमा नहीं कर पाएंगे। सरकार ने विनिवेश प्रक्रिया में सरकारी कंपनियों के संबंधित मंत्रालयों की भूमिका को सीमित करने का फैसला लिया है। वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक असेट मैनेजमेंट को सार्वजनिक उपक्रमों में रणनीतिक विनिवेश की पूरी जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय ▸ पृष्ठ 13

थाइलैंड के जज ने भरी अदालत में खुद को मारी गोली

बैंकाक : थाइलैंड के एक जज ने भरी अदालत में खुद को गोली मार ली। इससे ठीक पहले याला कोर्ट के जज कानाकोर्न पियाचना ने हत्या के पांच मुस्लिम आरोपितों को बरी कर दिया था। फिर उन्होंने देश की न्याय व्यवस्था की निंदा करते हुए एक भाषण दिया। उन्होंने अपना भाषण फेसबुक पर लाइव भी किया था। फिलहाल, उनका इलाज चल रहा है और वह खतरे से बाहर हैं।

कोर्ट के आदेश पर मुंबई में काटे गए पेड़, भारी विरोध

आरे कॉलोनी में मेट्रो शेड के निर्माण का एरिया, जहां पेड़ों की कटाई का विरोध हो रहा है। प्रेट्र

राज्य ब्यूरो, मुंबई

- पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आरे कॉलोनी में घुसने से रोका, 38 गिरफ्तार, धारा 144 लगाई
- सरकार ने कहा, विकास के लिए काटे जा रहे हैं पेड़

मुंबई की आरे कॉलोनी में मेट्रो शेड के निर्माण के लिए बांबे हाई कोर्ट के आदेश पर हो रही पेड़ों की कटाई का विरोध तेज हो गया है। शनिवार को बड़ी संख्या में लोग आरे कॉलोनी पहुंच गए और पेड़ों की कटाई का विरोध किया। लोगों को पुलिस ने कॉलोनी में घुसने से रोका। अब तक 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 60 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। आरे कॉलोनी और आस-पास के क्षेत्रों में धारा 144 लागू कर दी गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने यह कहते हुए पेड़ों की कटाई का बचाव किया है कि विकास के लिए ऐसा किया जाना जरूरी है।

बांबे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि मुंबई महानगरपालिका के वृक्ष प्राधिकरण का मेट्रो-3 के लिए वृक्षों की कटाई का निर्णय पूरी तरह उचित, पारदर्शी और तर्कसंगत है। हाईकोर्ट ने पेड़ों की कटाई रोकने के लिए दायर जोरू बाथेना की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट के फैसले के बाद शुक्रवार देर शाम पेड़ों की कटाई शुरू हो गई। इस कार्य के लिए 2,464 पेड़ काटे जाने हैं। पेड़ों की कटाई की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग आरे कॉलोनी पहुंचने लगे। वहां नागरिकों का हुजूम जुट गया और विरोध प्रदर्शन चालू हो गया।

सरकार में भाजपा की सहयोगी शिवसेना की प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी शनिवार को सुबह आरे कॉलोनी पहुंच गईं। पुलिस के साथ उनकी धक्कामुक्की भी हुई। लेकिन उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया। शिवसेना के युवा नेता आदित्य ठाकरे ने ट्वीट कर कहा कि आरे कॉलोनी में पेड़ों की कटाई करवाने वाले अधिकारियों को गुलाम कश्मीर भेज देना चाहिए, ताकि वे पेड़ों को काटने के बजाय वहां जाकर आतंकवादियों के कैंप नष्ट करें। विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों की गिरफ्तारी पर आदित्य ठाकरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस से दखल देने की अपील की। वहीं उनके पिता उद्धव ठाकरे ने भी समय आने पर पेड़ों की हत्या करनेवालों को देख लेने की धमकी दी है।

विपक्षी दल कांग्रेस की ओर से भी वृक्ष काटने की निंदा की गई है। टिकट बंटवारे के मुद्दे पर कल तक अपनी ही पार्टी के नेतृत्व पर बरस रहे मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष संजय निरुपम ने कहा कि पीएम मोदी की पर्यावरण को बचाने की खोखली बातें सिर्फ दुनिया को लुभाने के लिए थीं। घर में उनकी सरकार का काम एकदम अलग है। वृक्षों की कटाई रोकने के लिए कुछ लोग पिछले सात दिनों से भूख हड़ताल भी कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने दिल्ली मेट्रो से की तुलना पेज>>3

डरे इमरान ने पीओके के लोगों से कहा, पार न करें एलओसी

जागरण संवाददाता, राजौरी

- भारत ने कहा, जिसने सीमा लांघी उसे आक्रमणकारी माना जाएगा

पहले पाकिस्तान सरकार ने गुलाम कश्मीर के लोगों को जबरदस्ती एलओसी मार्च कर सीमा लांघने के लिए उकसाया। वहीं, अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान पाक सेना और लोगों को भारतीय क्षेत्र की ओर न बढ़ने की दुहाई दे रहे हैं। इसके साथ ही इमरान खान ने ट्वीट भी किया, 'कश्मीर में दो महीने से अधिक समय से अमानवीय कर्फ्यू जारी है।' तस्वीर साफ है- इमरान दोहरी चाल चल रहे हैं। एक तरफ लोगों को सीमा पर भेजकर हिंसा चाहते हैं और दूसरी तरफ उन्हें रोकर दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि हम शांति चाहते हैं।

इधर, भारतीय सेना ने भी साफ कर दिया है कि किसी को भी सीमा लांघने नहीं दी जाएगी, जो भी ऐसा करेगा उसे आक्रमणकारी माना जाएगा। भारतीय सेना की इस चेतावनी के बाद शनिवार को दूसरे दिन भी सीमा के निकट कोई नहीं आया। वहीं, एलओसी मार्च की कॉल का कश्मीर में कोई असर नहीं दिखा। स्थिति पूरी तरह शांत और नियंत्रण में रही।

पहले दिन कोई नहीं आया : शुक्रवार को ही गुलाम कश्मीर के विभिन्न गांवों से लोगों को पाकिस्तानी सेना अपने वाहनों में भरकर मुजफ्फराबाद लाई। लोगों के लिए खाने और रहने का भी प्रबंध किया गया, लेकिन एलओसी की तरफ आने की किसी की हिम्मत नहीं हुई और मार्च नाकाम रहा।

इमरान खान फाइल फोटो

दूसरे दिन आतंकियों ने भारत के खिलाफ उगला जहर : शनिवार सुबह दोबारा मुजफ्फराबाद से 56 किलोमीटर दूर चकोटी क्षेत्र की तरफ मार्च शुरू हुआ। मुजफ्फराबाद में जुटाई गई भीड़ को और भड़काने के लिए विभिन्न आतंकी संगठनों के सरगनाओं ने भाषण दिया और भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला। उसके बाद आजादी के नारे लगाते हुए मार्च चकोटी की तरफ निकल पड़ा। चकोटी से कुछ ही किलोमीटर की दूर एलओसी है और सामने भारत का उड़ी सेक्टर। मुजफ्फराबाद में गुलाम कश्मीर की पुलिस ने मार्च को रोकने का प्रयास किया, लेकिन लोग आगे निकल गए। वहीं, गुलाम कश्मीर के रावलाकोट की तरफ से भी कुछ लोगों ने एलओसी के करीब आने का प्रयास किया। इस दौरान लोगों की पुलिस के साथ भी झड़प हुई। माना जा रहा है कि यह कार्रवाई दिखावे के लिए थी।

रविवार को भी हो सकता है सीमा लांघने का प्रयास : सूत्रों के अनुसार, शनिवार रात को लोगों को चकोटी से लगभग 15 किलोमीटर पहले गढ़ी रोपटा में रोका गया है। यहां जेकेएलएफ के साथ-साथ अन्य आतंकी संगठन लोगों को भड़काते रहे। पाकिस्तान और आतंकी संगठन चाहते हैं कि रविवार को सीमा लांघने का एक और प्रयास किया जाए।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के खिलाफ सड़कों पर उतरीं बलूच महिलाएं पेज>>13

रावत ने कही थी आतंकियों के फिर सक्रिय होने की बात

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को अपने देश की सेना और लोगों को कश्मीरियों की सहायता के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) के माध्यम से भारतीय सीमा पार नहीं करने की चेतावनी दी। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की यह सलाह भारतीय सेना प्रमुख बिपिन रावत के दिए उस बयान के लगभग 10 दिन बाद आई, जिसमें उन्होंने बालाकोट में आतंकी शिविर फिर से सक्रिय होने की बात कही है।

अनंतनाग में डीसी कार्यालय पर ग्रेनेड हमला, 14 जख्मी

श्रीनगर : आतंकियों ने शनिवार को अनंतनाग में जिला उपायुक्त (डीसी) कार्यालय पर ग्रेनेड हमला किया, जिसमें 14 लोग घायल हुए हैं। घायलों में एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी, स्थानीय मीडियाकर्मी और एक बच्चे की हालत गंभीर है। हमले के बाद अनंतनाग समेत वादी के सभी प्रमुख शहरों व कस्बों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। देर शाम तक किसी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली हैं। (पेज-5)

रोहित 'रिकॉर्ड' शर्मा

जेएनएन, नई दिल्ली : दायें हाथ के बल्लेबाज रोहित शर्मा का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विशाखापत्तनम में जारी पहले टेस्ट में रिकॉर्ड बनाना जारी है। टेस्ट क्रिकेट में ओपनिंग में पदार्पण कर रहे रोहित ने पहली पारी में 176 रन की पारी खेली थी। फिर इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में 127 रन बनाकर रिकॉर्डों की झड़ी लगा दी। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 395 रनों का मुश्किल लक्ष्य दिया। जवाब में मेहमान टीम ने शुक्रवार को चौथे दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 11 रन बनाए और उसे जीत के लिए 384 रन की जरूरत है जबकि भारत को नौ विकेट की दरकार है।

संबंधित खबरें >> पेज 14

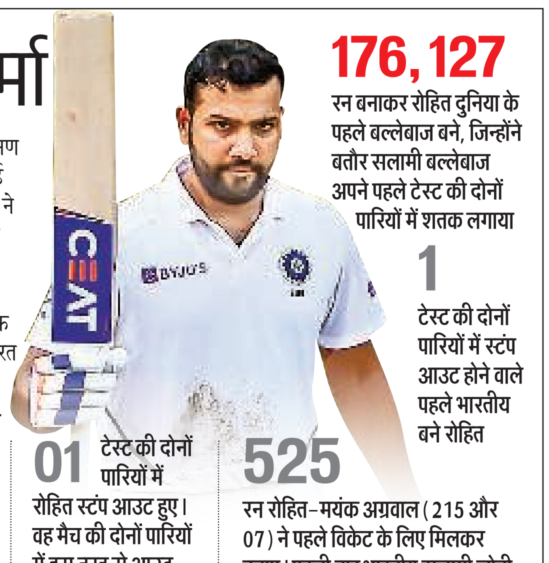

176, 127 रन बनाकर रोहित दुनिया के पहले बल्लेबाज बने, जिन्होंने बतौर सलामी बल्लेबाज अपने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया

1 टेस्ट की दोनों पारियों में स्टंप आउट होने वाले पहले भारतीय बने रोहित

32 वर्षीय रोहित टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले छठे भारतीय हैं। विजय हजारे, गावस्कर (तीन बार), द्रविड़ (दो बार), कोहली, रहाणे भी यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं

13 वां छक्का जड़ते ही रोहित ने किसी टेस्ट में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। इससे पूर्व 1996 में जिंबाब्वे के खिलाफ पाक के वसीम अकरम ने 12 छक्के लगाए थे

01 टेस्ट की दोनों पारियों में रोहित स्टंप आउट हुए। वह मैच की दोनों पारियों में इस तरह से आउट होने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं

525 रन रोहित-मयंक अग्रवाल (215 और 07) ने पहले विकेट के लिए मिलकर बनाए। पहली बार भारतीय सलामी जोड़ी ने मैच में 500 से अधिक रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में यह कुल तीसरा अवसर है

तिहाड़ जेल में चिदंबरम की तबीयत बिगड़ी एम्स में हुआ उपचार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : आइएनएक्स मीडिया मामले में न्यायिक हिरासत में चल रहे पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम की शनिवार को तबीयत बिगड़ गई। दोपहर करीब ढाई बजे उन्हें एम्स लाया गया। करीब छह घंटे तक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से वापस तिहाड़ जेल भेज दिया गया। जेल प्रशासन के अनुसार दोपहर में खाना खाने के बाद उन्हें पेट दर्द की शिकायत हुई। एम्स में पहले इमरजेंसी में डॉक्टरों ने उन्हें देखा, जिसके बाद प्राइवेट वार्ड के रूम नंबर 13 में उनका इलाज किया गया। चिदंरबम को पहले से कई बीमारियां हैं। कुछ दिनों में उनका वजन भी कम हो गया है। इस वजह से अदालत ने जरूरत पड़ने पर एम्स, आरएमएल सहित तीन अस्पतालों में से उनका इलाज कराने का तिहाड़ जेल प्रशासन को निर्देश दिया था।

मिसाल

घाटी की एकमात्र महिला पहलवान नाहिदा आतंकियों और अलगाववादियों के फरमानों के आगे कभी नहीं झुकीं, कश्मीर में लड़कियों के लिए कुश्ती अकादमी खोलना है उनका लक्ष्य

नए कश्मीर का चेहरा बनीं पहलवान नाहिदा

राकेश शर्मा, कटड़ा

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के दो महीने पूरे हो चुके हैं। इस दौरान एक नया कश्मीर उभरा है। इसकी एक प्रतीक पहलवान नाहिदा नबी भी हैं, जिन्होंने न सिर्फ अलगाववादियों और कट्टरपंथियों के फरमानों को धता बताया, बल्कि कश्मीरी युवाओं को आगे बढ़ने की राह भी दिखाई।

आतंकग्रस्त जिले बारामुला के सोपोर की बेटी नाहिदा कश्मीर की एक मात्र महिला पहलवान हैं जो तमाम बंदिशों को तोड़ कर अखाड़े में उतरी हैं। नाहिदा ने 'बेटी को पहलवान बनाओ' का नारा बुलंद किया है। हाल ही में जम्मू के कटड़ा में दो अक्टूबर को हुए मिशन दोस्ती महादंगल में वह कश्मीर का प्रतिनिधित्व कर रही थीं।

नाहिदा ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाई का नारा दिया है, लेकिन मैं कश्मीर में 'बेटी को पहलवान बनाओ' का नारा देती हूं ताकि वादी की लड़कियां अपने सपनों को पूरा कर सकें। दरअसल, आतंकवाद व अलगाववाद के कारण कश्मीर में लड़कियां खुलकर किसी भी क्षेत्र में आगे आने से कतराती हैं। राज्य के बदले हालात को लेकर नाहिदा कहती हैं कि कश्मीर के युवा, विशेषकर लड़कियां उत्साहित हैं कि आने वाले समय में कश्मीर में खुली हवा में उनके सपनों को पंख लगेंगे। मेरा सपना कश्मीर में कुश्ती अकादमी खोलकर बेटियों को आगे लाने का है ताकि वह राज्य के साथ देश का नाम रोशन कर सकें।

कश्मीर की एकमात्र महिला पहलवान नाहिदा नबी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नेतृत्व करना सपना : नाहिदा कहती हैं कि उनकी बचपन से खेलों के प्रति खासी रुचि रही है। हॉकी, कबड्डी और खो-खो जैसे खेलों में भाग ले चुकी हैं। रेसलिंग यानी कुश्ती को लेकर उसका विशेष रुझान रहा है। वह चार साल से दंगल से जुड़ी हैं। उनका सपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नेतृत्व करना है। नाहिदा बताती हैं कि कश्मीर के हालात के मद्देनजर उन्हें किसी भी कोच से प्रशिक्षण नहीं मिला। उन्होंने पहली राष्ट्रीय दंगल प्रतियोगिता 2018 में उत्तर प्रदेश के गोंडा में खेली।

जम्मू विवि में सीखे दांव-पेच : नाहिदा ने पढ़ाई के दौरान जम्मू विश्वविद्यालय में रहते हुए दंगल के दांव-पेच सीखे। पिता गुलाम नबी डार और भाई जावेद अहमद का सहयोग उन्हें मिला। वह अपनी कामयाबी के लिए कोच निशा शर्मा को श्रेय देती हैं। नाहिदा ने कश्मीर के युवाओं खास तौर पर लड़कियों से निडरता के साथ लक्ष्य को साधने और खेलों में हिस्सा लेकर नाम रोशन करने की अपील की। उनका कहना है कि खेलों का कोई धर्म नहीं होता।

स्पीड पोस्ट से मिला था महादंगल का न्योता : कटड़ा में नवरात्र महोत्सव के दौरान मिशन दोस्ती महादंगल में नाहिदा को दिल्ली की पहलवान संगीता ने मात दी। हालांकि इस प्रतियोगिता के लिए उन तक आमंत्रण पहुंचना आसान नहीं था। कश्मीर में संचार सेवाएं सुचारु नहीं हैं। ऐसे में कोच निशा ने नाहिदा को स्पीड पोस्ट से पत्र भेज आयोजन की सूचना दी।

शहादत के 29 साल बाद मिला शहीद का दर्जा

नई दिल्ली : राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर जवानों की सूची में स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना का नाम भी शामिल होगा। शहादत के 29 साल बाद उन्हें शहीद का दर्जा मिल गया। सूत्रों के मुताबिक, 'वायुसेना मुख्यालय ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के वायुसेना जवानों की सूची में स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना के नाम को शामिल करने की मंजूरी प्रदान कर दी है।' सितंबर के अंतिम सप्ताह में वायुसेना अधिकारियों द्वारा यह निर्णय लिया गया था। (पेज-5)

छत्तीसगढ़ में कैश वैन से 1.64 करोड़ लूटे, ग्रामीणों ने दबोचा

बेमेतरा : छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में कार सवारों ने शनिवार सुबह करीब 11.50 बजे फिल्मी स्टाइल में कैश वैन से एक करोड़ 64 लाख रुपये लूट लिए। भारतीय स्टेट बैंक की यह रकम एटीएम में डालने के लिए ले जाई जा रही थी। पुलिस ने तुरंत जनमित्रों के वाट्सएप ग्रुप में लुटेरों की जानकारी साझा कर दी। इसका नतीजा रहा कि कुछ ही देर में लुटेरे दबोच लिए गए। पुलिस के मुताबिक ग्रामीणों ने लूट के 80 लाख रुपये सौंपे है। (पेज-6)

शहीद सैनिक के परिवार को मिलेगी अब आठ लाख की सहायता राशि

नई दिल्ली, प्रेट्र : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना की लंबे समय से लंबित मांग स्वीकार करते हुए युद्ध में शहीद और घायल सैनिकों के परिवारों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता को मौजूदा दो लाख से बढ़ा कर आठ लाख रुपये करने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह आर्थिक सहयोग युद्ध में शहीद और घायल होने वालों के लिए बनाए गए सैनिक कल्याण निधि (एबीसीडब्ल्यूएफ) के तहत दिया जाएगा।

- चार गुना वृद्धि को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी मंजूरी

अभी युद्ध में शहीद और 60 फीसद या उससे अधिक अपंगता झेलने वालों के अलावा कई अन्य श्रेणी के तहत आने वाले सैनिकों को दो लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह मदद पेंशन, सेना की सामूहिक बीमा, सेना कल्याण निधि और अनुग्रह राशि के अलावा दी जाती है।

रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया, 'रक्षा मंत्री ने युद्ध में शहीदों, घायलों की सभी श्रेणी के परिवारों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता को दो लाख रुपये से बढ़ाकर आठ लाख रुपये किए जाने को सैद्धांतिक मंजूरी दी है।' फरवरी 2016 में सियाचिन में भूस्खलन में 10 सैनिकों के दब जाने के बाद एबीसीडब्ल्यूएफ का गठन किया गया था। इसकी स्थापना जुलाई 2017 में की गई थी लेकिन उसे अप्रैल 2016 से ही प्रभावी किया गया था। इस कोष की स्थापना अन्य योजनाओं के अतिरिक्त की गई है।

सैनिक कल्याण निधि (एबीसीडब्ल्यूएफ) के तहत मिलने वाली सहायता के अतिरिक्त विभिन्न रैंकों के लिए 25 लाख से 45 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाती है। इसके अलावा 40 लाख से 75 लाख रुपये सैनिक समूह बीमा की सहायता भी मिलती है। पिछली सरकार में गृह मंत्री रहने के दौरान राजनाथ ने कार्रवाई के दौरान शहीद या घायल होने वाले अर्धसैनिक बलों के जवानों के परिवार के लिए 'भारत के वीर कोष' लांच किया था।

4 फैक्ट्रियां बंद कराई हैं गाजियाबाद जिला प्रशासन ने हिंडन विहार में। मौके से 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन फैक्ट्रियों में प्लास्टिक जलाई जा रही थी।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 6 अक्टूबर 2019

अष्टम्

महागौरी

शारदीय नवरात्र के आठवें दिन शक्ति के अष्टम स्वरूप माता महागौरी की उपासना पूर्णतः गौर वदना, वस्त्र-आभूषण, अलंकार तथा श्वेत साड़ी से विभूषित वृषभवाहिनी के रूप में करना चाहिए। मान्यता है कि आठ वर्ष की आयु वाली भगवती ने तपस्या के द्वारा भगवान शिव को प्राप्त किया। इनका ध्यान-स्मरण, पूजन भक्तों के लिए कल्याणकारी है। इनकी कृपा से अलौकिक सिद्धियां मिलती है। मान्यता के अनुसार, माता की भक्ति से ओतप्रोत होकर अखंड दीप के साथ दर्शन-पूजन करने से धन-धान्य, पुत्र-पौत्र, सौभाग्य प्राप्त होता है।

आज का विचार

मूल रूप से निर्दोष आत्मा पर चढ़ी सांसारिकता की परत को सद्गुणों के जल से धोने पर हम अपने मूल स्वरूप को पहचान पाते हैं।

ध्यान मंत्र

श्वेते वृषे समारूढ़ा श्वेतांबरधरा शुचि:।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा।।

पद्मश्री डॉ. हरिहर कृपालु त्रिपाठी

सड़कों का हाल लेने उतरे 50 विधायक

कवायद ▸ विधायकों ने अभियंताओं को साथ लेकर 25-25 किलोमीटर तक किया निरीक्षण

दिल्ली सरकार के अधिकार क्षेत्र में हैं लोक निर्माण विभाग की 1260 किलोमीटर सड़कें

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर आम आदमी पार्टी के 50 विधायक सड़कों की खराब हालत का निरीक्षण करने अपनी-अपनी टीमों के साथ सड़कों पर उतरे। इनमें दो कैबिनेट मंत्री भी शामिल हैं। प्रत्येक विधायक ने 25 किलोमीटर तक सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़कों पर खराब होने व गड्ढों से संबंधित 1897 शिकायतें दर्ज की गई हैं। मुख्यमंत्री ने इन सड़कों को जल्द ठीक कराने का निर्देश दिया है।

दिल्ली सरकार के अधिकार क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग की 1260 किलोमीटर सड़कें हैं। इन्हें गड्ढा मुक्त किए जाने का शनिवार से अभियान प्रारंभ हो गया। पहले दिन दिल्ली सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सड़कों का सरकार की 50 टीमों ने मुआयना किया। इस टीम में एक विधायक के साथ लोक निर्माण विभाग का एक अभियंता शामिल था। एक टीम को 25 किलोमीटर का दायरा दिया गया था।

कुल 1897 शिकायतें एप के जरिये दर्ज हुईं : गड्ढे या खराब सड़क की फोटो सर्वे के दौरान लेकर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के एप पर डाली गई। यह डाटा तैयार होते ही सड़कों को ठीक करने का काम प्रारंभ हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कें तभी खराब होती हैं, जब गड्ढा हो जाता है या पानी भर जाता है या वहां कोई काम चल रहा होता है। अगर किसी विभाग का काम चल रहा है तो काम पूरा होने तक इंतजार किया जाएगा। अन्य सड़कों को ठीक करा दिया जाएगा। एप पर कुल 1897 शिकायतें लोक निर्माण विभाग के पास दर्ज हुई हैं। इनमें खराब सड़कों की 1181 शिकायतें और गड्ढों की शिकायतें 583 हैं। अन्य विभागों के कारण सड़कों में कमियां की 133 शिकायतें दर्ज की गईं।

मंत्री भी सड़क पर उतरे निरीक्षण करने : कैबिनेट मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने सीमापुरी क्षेत्र में तो इमरान हुसैन ने अपने विधानसभा क्षेत्र बल्लीमारान में पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ सड़कों का मुआयना किया। टूटी हुईं सड़कों की फोटो और स्थान की जानकारी एप के माध्यम से पीडब्ल्यूडी तक पहुंचाई और सभी सड़कों को तुरंत प्रभाव से बनाने का आदेश जारी किया।

गड्ढा मुक्त अभियान के तहत सड़कों का मुआयना करते मंत्री इमरान हुसैन। जागरण

दिल्ली सरकार के अधीन दिल्ली की कुछ ही सड़कें आती हैं, लेकिन उन पर रोज लाखों वाहन चलते हैं। बारिश से सड़कों पर जो असर होता है उससे किसी को असुविधा न हो इसलिए ये अभियान चलाया जा रहा है। इतने बड़े स्तर पर पहली बार सड़कों का निरीक्षण हो रहा है।
–अरविंद केजरीवाल, मुख्यमंत्री

पानी भरने वाले स्थान पर बनेगी सीमेंट की सड़क : ग्रेटर कैलाश से विधायक सौरभ भारद्वाज ने सड़क निरीक्षण के दौरान दिल्ली सरकार द्वारा बनाए गए एप की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस एप से हमने टूटी हुई सड़क की फोटो और उस जगह की सही जानकारी लोक निर्माण विभाग को भेजी है। उन्होंने बताया कि पानी के कारण बिटुमिन (तारकोल) की सड़क अक्सर टूट जाती है। इसलिए, हम लोगों ने पीडब्ल्यूडी से अनुरोध किया है कि जिस जगह पर पानी की समस्या के कारण सड़कें टूट रही हैं, वहां तारकोल की जगह सीमेंट की सड़क बनाई जाए। विभाग ने इस पर सहमति जताई है। इसके अलावा मटिया महल से विधायक आसिम अहमद, जंगपुरा से विधायक प्रवीण देशमुख और करोलबाग से विधायक विशेष रवि ने सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के अभियान के तहत अधिकारियों के साथ अपने-अपने क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

'सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का अभियान चुनावी कसरत'

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ भाजपा का आरोप, साढ़े चार वर्षों तक कोई काम नहीं करने वाली सरकार अब जनता को गुमराह कर रही है

दिल्ली की सड़कों को दुरुस्त करने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के निरीक्षण अभियान पर भाजपा ने निशाना साधा है। इसे चुनावी कसरत करार दिया है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी का कहना है कि बीते साढ़े चार वर्षों तक दिल्ली सरकार सोती रही। मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों को सड़कों पर गड्ढे नजर नहीं आते थे। अब चुनाव नजदीक देखकर सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का नाटक कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बताना चाहिए कि उन अनधिकृत कॉलोनियों का क्या होगा जहां वादा करने के बावजूद उन्होंने आजतक एक ईंच भी सड़क नहीं बनाई है। उन्होंने कहा कि नगर निगमों और लोकसभा चुनावों में मिली करारी हार से आप के मुखिया दहशत में आ गए हैं। उन्हें दिल्ली से अपनी राजनीतिक विदाई लगभग तय नजर आ रही है। यही कारण है कि झूठ व भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने कहा कि आप के विधायकों ने दिल्ली सरकार के झूठे विकास की पोल खोल दी है। केजरीवाल एक तरफ दावा करते रहे हैं कि उनकी सरकार ने दिल्ली के विकास के लिए बहुत काम किया है। दूसरी ओर उनके विधायकों ने शनिवार को सोशल मीडिया में क्षतिग्रस्त सड़कों की फोटो डालकर हकीकत सबके सामने रख दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने लगभग एक साल पहले भी दिल्ली की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की बात कही थी, जो आजतक नहीं हो सकी है।

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता का कहना है कि न तो दिल्ली सरकार सड़कें बना रही है और न नगर निगमों को बनाने दे रही है। वर्ष 2018-19 के बजट में दिल्ली सरकार ने निगमों के एक हजार करोड़ रुपये को मुख्यमंत्री सड़क योजना में शामिल कर लिया था। इसका मकसद निगमों की सड़क बनाने के काम को अपने हाथ में लेना था, लेकिन इस योजना के तहत एक भी सड़क नहीं बनी और पूरा फंड बेकार चला गया। इसी तरह से वर्ष 2019-20 के बजट में भी निगमों का एक हजार करोड़ रुपये का फंड मुख्यमंत्री सड़क योजना में शामिल किया गया है। तीनों नगर निगमों में भाजपा का शासन है इसलिए दिल्ली सरकार इन्हें वित्तीय रूप से पंगु बनाने की साजिश रच रही है।

न्यूज गैलरी

रद टिकट से टर्मिनल में घुसे दो विदेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली : आइजीआइ एयरपोर्ट पर सीआइएसएफ ने रद टिकट लेकर घुसे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों तुर्कमेनिस्तान के रहने वाले भाई हैं। उनकी पहचान अर्सलोन गुरबंगेलदियव और ऑरजेंगेल्डी गुरबंगेलदियव के रूप में हुई है। उन्होंने बहन को टर्मिनल के अंदर तक छोड़ने के लिए फर्जीवाड़ा किया था। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना पांच अक्टूबर तड़के की है। सीआइएसएफ के इंटेलिजेंस विंग के जवानों ने टर्मिनल-तीन के चेकिंग एरिया में दो विदेशी नागरिकों को संदिग्ध स्थिति में घूमता हुआ देखा तो उनसे पूछताछ की। दोनों ने तुर्कमेनिस्तान की राजधानी असगाबात जाने वाली तुर्कमेनिस्तान एयरलाइन की फ्लाइट संख्या टी5-536 का टिकट दिखाया। एयरलाइन से जांच कराने पर दोनों के टिकट रद मिले। उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उनकी बहन तुर्कमेनिस्तान एयरलाइन की उड़ान से जा रही थी। उन्हें अंदर तक छोड़ने के लिए रद टिकट दिखाकर वे टर्मिनल में घुसे थे। (जासं)

केजरीवाल को धमकी भरा ईमेल भेजने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईमेल पर धमकी देने वाले को राजस्थान के अजमेर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित 36 वर्षीय मनीष सारस्वत इंफॉरमेशन टेक्नालाजी से बीई (बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग) है। वह मानसिक तौर पर बीमार बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गत दिनों मुख्यमंत्री को धमकी भरे दो मेल आए थे। मुख्यमंत्री कार्यालय से इसकी शिकायत मिलने के बाद साइबर सेल जांच कर रही थी। जिस लैपटाप से ईमेल भेजे गए थे उसके आइपी एड्रेस की जांच करने पर आरोपित का सुराग मिला। अजमेर से उसको गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता चला कि उसने गूगल से दिल्ली के मुख्यमंत्री की मेल आइडी प्राप्त की थी। पुलिस उसके लैपटाप को कब्जे में जांच कर रही है। उसकी डॉक्टरों से काउंसलिंग कराई जाएगी। (जासं)

द्वारका में खेल परिसर की आधारशिला रखेंगे हरदीप पुरी

नई दिल्ली : डीडीए द्वारका में खेल परिसर, गोल्फ कोर्स, साइकिल ट्रैक, उत्सव पंडाल सहित कई काम शुरू करने जा रहा है। सोमवार को केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री हरदीप पुरी इन कामों की नींव रखेंगे। इनके निर्माण पर लगभग तीन सौ करोड़ रुपये खर्च होंगे। इनका निर्माण कार्य पूरा होने से द्वारका क्षेत्र में विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। (जासं)

खिलाड़ियों को जीत से पहले सम्मान मिलना चाहिए : सीएम

जागरण संवाददाता, बाहरी दिल्ली

▸ अरविंद केजरीवाल ने पूठ कलां में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पूठ कलां में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को मेडल जीतने के बाद नहीं, बल्कि पहले सम्मान मिलना चाहिए। पूठ कलां में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और फुटबॉल मैदान का निर्माण निर्धारित समय पर पूरा करा दिया जाएगा। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों में खेल की इतनी सुविधाएं विकसित कर दी हैं, जितना 70 सालों में नहीं हुई हैं। 2015 में जब मैं गांव-गांव वोट मांगने जाता था तो युवा शिकायत करते थे कि दिल्ली में खेल की सुविधाएं नहीं हैं। मैंने वादा किया था कि आप की सरकार बनेगी तो खेल सुविधाओं को इतना बेहतर कर दिया जाएगा, जितना किसी सरकार ने नहीं किया होगा। पिछले पांच वर्षों में हमने दिल्ली के गांव-गांव में खेल की ढेर सारी सुविधाएं विकसित कर दी हैं। नजफगढ़ में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स, स्टेडियम, मुंढेला में फुटबॉल मैदान जैसी अंतरराष्ट्रीय सुविधाएं विकसित हो गई हैं। नरेला के बदहाल स्टेडियम को भी आधुनिक बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस मंच पर ओलंपिक से लेकर कॉमनवेल्थ में पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ी बैठे हैं। आज इनको पूरा देश पूछता है, लेकिन पहला मेडल लाने से पहले इन्हें कितना संघर्ष करना पड़ा, यह इन खिलाड़ियों का ही दिल जानता है। दिल्ली के किसी प्रतिभावान बच्चे के साथ ऐसा न हो, इसके लिए हमने मिशन एक्सलेंस योजना शुरू की है। इसके तहत कोई भी प्रतिभावान बच्चा है तो उसके खाने से लेकर ट्रेनिंग तक का सारा खर्च दिल्ली सरकार उठा रही है।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस मैदान ने कई राष्ट्रीय खिलाड़ी दिए, लेकिन इसके विकास के लिए किसी सरकार ने नहीं सोचा था। अब छह माह में यह मैदान अंतरराष्ट्रीय स्तर का बन जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार आज दिल्ली के 117 खिलाड़ियों को प्रायोजित कर रही है।

वीडियो बनाकर प्रबंधक ने की खुदकशी

जासं, ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित एक सोसायटी में रहने वाले प्रबंधक ने वीडियो बनाकर खुदकशी कर ली। वीडियो बनाने के दौरान प्रबंधक फांसी का फंदा दिखा रहे थे और बोल रहे थे कि बहुत परेशान करके रख दिया है तुमने। वीडियो में प्रबंधक यह भी कह रहे हैं कि मैंने तुम्हें हमेशा खुश रखने की कोशिश की है, लेकिन इसके बाद भी सब कुछ ठीक नहीं हुआ। यह पता नहीं चल पाया है कि प्रबंधक ये बातें किसके लिए कह रहे थे। वीडियो में प्रबंधक ने किसी का नाम नहीं लिया है। वीडियो बनाने के दौरान एक गाना भी बैकग्राउंड में बज रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

बताया गया है कि एक अक्टूबर को प्रबंधक ने खुदकशी की और दो दिन तक शव फ्लैट में ही बंद रहा। गुरुवार रात फ्लैट से बदबू आने पर मामले की जानकारी हुई और पुलिस पहुंची। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गले में फंदा लगने की पुष्टि हुई है। बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित एक सोसायटी में वीर सिंह अपने परिवार के साथ रहते थे। लेकिन इस समय बच्चे और पत्नी घर पर नहीं हैं। बताया गया है कि पत्नी बच्चों के साथ मायके गई हुई हैं। पुलिस जांच के दौरान पता चला है कि प्रबंधक कई दिनों से तनाव में थे। तनाव के चलते ही उन्होंने अपनी जान दी है। दो दिन तक शव फंदे पर ही लटकता रहा।

अकालियों की लड़ाई से भाजपा चिंतित

संतोष कुमार सिंह, नई दिल्ली

▸ दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी शिअद बादल के साथ मिलकर लड़ती रही है चुनाव

▸ सिख मतदाताओं के पार्टी से दूर होने का सता रहा डर

दिल्ली में शिरोमणि अकाली दल (शिअद-बादल) के दो फाड़ होने से भाजपा को चुनावी नुकसान का डर सता रहा है। भाजपा को लग रहा है कि अकालियों की लड़ाई से कहीं सिख मतदाता उनसे दूर न चले जाएं क्योंकि पंजाब की तरह दिल्ली में भी भाजपा का शिअद बादल के साथ गठबंधन है। नगर निगम से लेकर लोकसभा चुनाव तक दोनों पार्टियां मिलकर मैदान में उतरती हैं। एक तरह से सिख वोट के लिए पार्टी अकालियों पर ही निर्भर रहती है। यही कारण है कि पिछले लगभग एक साल से शिअद (बादल) की प्रदेश इकाई में चल रही अंतर्कलह ने भाजपा के रणनीतिकारों की चिंता बढ़ा दी है।

भाजपा के सिख प्रकोष्ठ ने बढ़ाई सक्रियता : अकालियों की आपसी लड़ाई के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने सिखों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश तेज कर दी है। 2015 के चुनाव में उसने सिखों के दबदबे वाली सीटों पर भी जीत हासिल की थी और इसे फिर से दोहराने की कोशिश शुरू कर दी है। इन बदले हुए हालात में भाजपा नेतृत्व भी सतर्क हो गया है और उसने सिख प्रकोष्ठ के नेताओं को अपनी सक्रियता बढ़ाने का निर्देश दिया है जिससे कि अकालियों की लड़ाई से होने वाले नुकसान की भरपाई हो सके। दिल्ली में कुछ विधानसभा सीटों पर सिख मतदाताओं की निर्णायक भूमिका रहती है।

जीके अलग पार्टी बनाकर दे रहे हैं अकालियों को चुनौती

शिअद बादल के प्रदेश इकाई में वर्चस्व को लेकर लड़ाई इस कदर बढ़ी की पार्टी दो फाड़ हो गई। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने के बाद मनजीत सिंह जीके को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीपीसी) की अध्यक्षता गंवाने के बाद पार्टी भी छोड़नी पड़ी थी। अपने ऊपर लगे आरोपों को शिअद बादल के नेताओं की साजिश करार देते हुए उन्होंने जागो नाम से नई पार्टी बना ली है। इसके साथ ही वह दिल्ली में अपने पुराने साथियों को एकजुट करने और संगठन को मजबूत करने में लग गए हैं। माना जा रहा है उनकी इस पहल से सीधा नुकसान शिअद बादल को होगा और इससे भाजपा भी प्रभावित होगी। भाजपा के लिहाजा से इसका असर विधानसभा चुनावों के नतीजों पर भी पड़ सकता है।

भाजपा से गठबंधन के तहत चार सीटों पर लड़ते हैं अकाली

गठबंधन के तहत विधानसभा चुनाव में भाजपा अकालियों को राजौरी गार्डन, हरीनगर, कालकाजी और शाहदरा चार सीटें देती है। इनमें से राजौरी गार्डन और शाहदरा में अकाली नेता भाजपा के चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरते हैं। इस समय राजौरी गार्डन से डीएसजीपीसी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा विधायक हैं। वर्ष 2013 में कालकाजी और शाहदरा सीट पर भी अकालियों को जीत मिली थी। 2013 और 2017 के डीएसजीपीसी चुनाव में भी शिअद बादल ने जीत दर्ज की थी। अबतक जो भी चुनावी सफलता मिली है, उसमें अकाली एकजुट थे। एकजुटता की वजह से पंजाब विधानसभा में मिली पराजय के बावजूद यहां डीएसजीपीसी चुनाव में पार्टी ने जीत हासिल की थी जिसमें जीके की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।

आप शुरू करेगी आपन पूर्वांचल अभियान

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी पूर्वांचल के लोगों को ध्यान में रखकर आपन पूर्वांचल अभियान शुरू करेगी। यह अभियान आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारी संजय सिंह के नेतृत्व में शुरू किया जाएगा।

अभियान छह अक्टूबर से शुरू होकर 20 नवंबर को समाप्त होगा। इस संवाद कार्यक्रम का लक्ष्य पार्टी को मतदाताओं से जोड़ना है। साथ ही पूर्वांचल के लोगों के लिए केजरीवाल सरकार द्वारा किए गए कामों की जानकारी भी देना है। पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में संजय सिंह ने बताया कि इस पहल के तहत 300 से अधिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। वह 150 कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि उनके साथ आप के राष्ट्रीय प्रवक्ता दिलीप पांडेय, आप नेता दुर्गेश पाठक, विधायक संजीव झा, पूर्वांचल क्षेत्र के अध्यक्ष संजय भगत और संबंधित क्षेत्र के सभी विधायक होंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली की लगभग 500 कॉलोनियों में नई सीवर लाइनें बिछाई हैं, सड़कों का निर्माण किया है और पूर्वांचली लोगों द्वारा बसाए गए क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं में 1000 करोड़ से अधिक खर्च किए हैं। छठ पूजा को गौरव और सम्मानपूर्वक मनाने के लिए आप सरकार ने 1200 पक्के घाटों का निर्माण कराया जो पहले सिर्फ 72 थे। इसके साथ ही इन घाटों को सड़क से जोड़ा और बिजली सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। पूर्वांचली लोगों की लंबी मांग को पूरा करते हुए दिल्ली सरकार ने छठ पूजा पर छुट्टी की घोषणा की है। मैथिली भाषा को मान्यता देते हुए इसे स्कूली पाठ्यक्रम में जोड़ा गया है।

कांग्रेस नेताओं ने आप की सदस्यता ली : कांग्रेस के ओबीसी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र बंसल एवं उनके साथी योगेंद्र राठी, साधना एवं मुकेश चौहान ने शनिवार को आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली। भारतीय बहुजन परिवर्तन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रबुद्ध कुमार भी आप में शामिल हो गए। दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित पार्टी मुख्यालय में हुई प्रेस वार्ता में राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने इनको पार्टी में शामिल कराया। कार्यक्रम के दौरान आप नेता दुर्गेश पाठक, आप प्रवक्ता घनेंद्र भारद्वाज भी मौजूद थे। प्रबुद्ध कुमार बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे हैं।

दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित आप कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और अन्य। उन्होंने बताया कि आपन पूर्वांचल अभियान के तहत 300 कार्यक्रम आयोजित होंगे। जागरण

एम्स में अनुबंधित सहायक प्रोफेसरों के भविष्य पर लटकी तलवार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

एम्स में अनुबंध पर नियुक्त सहायक प्रोफेसरों (फैकल्टी) को रेजिडेंट डॉक्टरों से कम वेतन मिलता है। अब वे मेडिकल शिक्षा व शोध में ज्यादा सक्रिय भूमिका नहीं निभा पाएंगे। एम्स के रजिस्ट्रार ने अनुबंधित डॉक्टरों को सह-परामर्शदाता (को-गाइड) की जिम्मेदारी से हटाने का निर्देश दिया है। ऐसे में अनुबंध के आधार पर सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त डॉक्टरों के भविष्य पर तलवार लटक रही है। उन्हें किसी भी वक्त बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। इस वजह से अनुबंधित डॉक्टर भी अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं।

असल में हाल के दिनों में बड़े चिकित्सा संस्थानों में अनुबंध पर सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति का चलन भी बढ़ा है। मौजूदा समय में एम्स में अनुबंध पर करीब 40 डॉक्टर सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त हैं। सहायक प्रोफेसर का काम मरीजों के इलाज के अलावा मेडिकल के छात्रों को पढ़ाना भी है। इसलिए कई विभागों में अनुबंधित सहायक प्रोफेसर जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों के को-गाइड भी बनाए गए हैं। वे जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों को शोध में मदद करते हैं। संस्थान ने हाल ही में सभी विभागों को एक आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि जिन विभागों में अनुबंधित सहायक प्रोफेसर को-गाइड बनाए गए हैं, उन्हें इस जिम्मेदारी से तुरंत हटाया जाए। उनकी जगह स्थायी डॉक्टरों को को-गाइड बनाने का निर्देश दिया है। इसके पीछे तर्क यह दिया गया है कि रिक्त पदों पर स्थायी नियुक्ति होने पर अनुबंधित डॉक्टरों को किसी भी वक्त संस्थान से हटाया जा सकता है। ऐसी सूरत में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों को परेशानी हो सकती है। संस्थान की यह चिंता अपनी जगह सही हो सकती है, लेकिन डॉक्टर सवाल खड़े कर रहे हैं कि यदि यही बात है तो अनुबंध पर सहायक प्रोफेसर नियुक्त ही क्यों किए जाते हैं।

डॉक्टर कहते हैं कि एम्स में अनुबंधित सहायक प्रोफेसरों को एक लाख रुपये वेतन मिलता है, जबकि रेजिडेंट डॉक्टरों को करीब सवा लाख रुपये वेतन दिया जाता है। फिर भी अनुबंध पर सहायक प्रोफेसर के रूप में डॉक्टर इसलिए काम करने को तैयार होते हैं कि वे शोध कार्य में भूमिका निभा सकेंगे।

इस वजह से यह सवाल खड़े किए जा रहे हैं कि यदि उन्हें को-गाइड भी नहीं बनने दिया जाएगा और नौकरी भी सुरक्षित नहीं है तो फिर अनुबंध पर सेवा देने का क्या फायदा। उन्हें लगने लगा है कि कहीं वे अपना समय बर्बाद तो नहीं कर रहे।

मुख्यमंत्री की विदेश यात्रा पर संशय के बादल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की विदेश यात्रा पर संशय के बादल मंडरा रहे हैं। नौ से 12 अक्टूबर के बीच कोपेनहेगन में आयोजित हो रहे सी-40 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आठ अक्टूबर को उन्हें दिल्ली से रवाना होना था। मगर अभी तक विदेश मंत्रालय से स्वीकृति नहीं मिली है। माना जा रहा है कि अब अनुमति मिलने की संभावना नहीं दिख रही है। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार को इस बारे में करीब डेढ़ माह पहले अवगत करा दिया था। अभी तक उधर से कोई सूचना नहीं आई है। दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दे पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री को विदेश जाना था। इसके लिए सभी बैठकें तय हो चुकी थीं। मगर मुख्यमंत्री को जाने से रोका जा रहा है।

एक अधिकारी ने बताया कि पहले विदेश मंत्रालय ने विदेश यात्रा की अनुमति देने की प्रक्रिया चलने की बात कही थी, लेकिन अब विदेश मंत्रालय न तो अनुमति देने को लेकर कोई जानकारी दे रहा है और न ही दिल्ली सरकार के संपर्क करने पर कोई जवाब मिल रहा है। सीएम को नौ से 12 अक्टूबर को कोपेनहेगन में पर्यावरण पर आयोजित सी-40 सम्मेलन में भाग लेने जाना है। इसके लिए उनकी आठ अक्टूबर को दोपहर दो बजे दिल्ली से फ्लाइट है।

नवाचार

छह महीने का होगा प्रशिक्षण, छात्रों को रिटेल, निर्माण, सॉफ्टवेयर, वेबसाइट, सोशल मीडिया, सौर ऊर्जा, अंक ज्योतिष, फूड एंड टेक्नोलॉजी, जैविक उत्पाद जैसे कई क्षेत्रों के बारे में बताया जाएगा

उद्यमी और स्टार्टअप के गुर सिखाएगा किरोड़ीमल कॉलेज

राहुल मानव , नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध किरोड़ीमल कॉलेज की तरफ से छह महीने का उद्यमी एवं स्टार्टअप कोर्स शुरू किया जा रहा है। इसमें छात्रों को सिखाया जाएगा कि वे नौकरी देने वाले बनें, नौकरी लेने वाले नहीं। इसमें छह महीने के प्रशिक्षण में छात्रों को रिटेल, निर्माण, सॉफ्टवेयर, वेबसाइट, सोशल मीडिया, सौर ऊर्जा, अंक ज्योतिष, फूड एंड टेक्नोलॉजी, जैविक उत्पाद जैसे कई क्षेत्रों के बारे में बताया जाएगा। इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि छात्र स्टार्टअप शुरू कर सकें। छात्रों अपने व्यवसाय की योजना कैसे तैयार करें, फंड को कैसे जुटाएं, व्यवसाय के प्रमोशन की गतिविधियों को कैसे पूरा करें आदि पहलुओं से छात्रों को रूबरू कराते हुए एक प्रखर उद्यमी बनने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। छात्रों को सबसे पहले बताया जाएगा कि वह अपने आइडिया की पहचान करें और उसके अनुसार अपने स्टार्टअप पर काम करें।

किरोड़ीमल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. विभा सिंह चौहान ने बताया कि छह महीने के इस सर्टिफिकेट कोर्स का दूसरा बैच शुरू किया जा रहा है। पिछले वर्ष इस कोर्स को शुरू किया गया था।

10 उद्योगों से की गई है साझेदारी, उनके विशेषज्ञ भी देंगे छात्रों को प्रशिक्षण : कोर्स के नोडल अधिकारी एवं किरोड़ीमल कॉलेज के कॉमर्स विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की तरफ से सभी शिक्षण संस्थानों को कौशल विकास के लिए कोर्स शुरू करने के लिए कहा है। इसी स्कीम के अनुरूप किरोड़ीमल कॉलेज ने पिछले वर्ष से छह महीने का उद्यमी एवं स्टार्टअप का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया था। कॉलेज ने दस उद्योगों के साथ साझेदारी भी की है। इन उद्योगों के विशेषज्ञ भी कॉलेज आकर छात्रों को प्रशिक्षण देंगे। साथ ही स्टार्टअप शुरू करने वाले व्यवसायी बन चुके कई लोगों को भी छात्रों को व्याख्यान देने के लिए बुलाया जाएगा। किरोड़ीमल कॉलेज ने आइआइटी दिल्ली से भी सहयोग मांगा है कि वह तकनीक के क्षेत्र में मदद करे और वहां के विशेषज्ञ इन कोर्स में आवेदन करने वाले छात्रों को प्रशिक्षण दें।

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है किरोड़ीमल कॉलेज। (फाइल)

कब तक करें आवेदन

कोर्स के लिए छात्र 12 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। डीयू की वेबसाइट में, कॉलेज की वेबसाइट में और कॉलेज जाकर छात्र इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें छात्रों को आवेदन फॉर्म भरकर जमा कराना होगा।

पात्रता और सीटें

इस कोर्स में 12वीं कर चुके छात्र आवेदन कर सकते हैं। सभी स्ट्रीम के छात्र इस कोर्स में पढ़ाई करने आ सकते हैं। साथ ही स्नातक की डिग्री करने वाले प्रथम, द्वितीय और तीसरे वर्ष के किसी भी विश्वविद्यालय से पढ़ाई कर रहे छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। कुल 20 सीटें निर्धारित की गई हैं। कोर्स में पहले आओ और पहले पाओ के तहत दाखिला दिया जाएगा। कोर्स 14 अक्टूबर से शुरू हो जाएगा। कोर्स की छह महीने का शुल्क 3500 रुपये है।

द्वारका में पीएम मोदी करेंगे रावण के पुतले का दहन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

द्वारका सेक्टर-दस स्थित डीडीए ग्राउंड में द्वारका श्रीरामलीला सोसायटी की ओर से आयोजित रामलीला में आठ अक्टूबर को दशहरा के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे और रावण के पुतले का दहन करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा जांच में एसपीजी के साथ-साथ स्थानीय पुलिस जुट गई है। शनिवार को एसपीजी ने पूरे ग्राउंड का निरीक्षण किया और सुरक्षा को लेकर निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा के मद्देनजर रामलीला का मंच एसपीजी के हवाले कर दिया गया है। इसके अलावा मौके पर द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त एंटो अल्फोंस के साथ-साथ जिले के कई पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

द्वारका श्रीरामलीला सोसायटी के संरक्षक राजेश गहलोत ने बताया कि यह हमारे लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारी रामलीला में रावण के पुतले का दहन करेंगे। वर्षों की मेहनत सफल हुई है। प्रधानमंत्री शाम साढ़े पांच बजे यहां पहुंचेंगे और भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता व हनुमान जी की आरती उतारने के बाद रावण के पुतले का दहन करेंगे।

द्वारका में आयोजित इस रामलीला में बहुत कुछ खास है। यहां का मंच बहुत ही भव्य बनाया गया है। मंच को राम मंदिर, सुप्रीम कोर्ट व इंडिया गेट का आकार दिया गया। इसको तैयार करने में प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया गया है। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से आए कलाकार इस बार रामलीला में विभिन्न किरदारों का मंचन कर रहे हैं। दशहरे पर रावण, कुंभकरण व मेघनाद के साथ इस बार सिंगल यूज प्लास्टिक का भी पुतला फूंका जाएगा। दशहरे के दिन प्रधानमंत्री के आने की बात से द्वारका श्रीरामलीला सोसायटी के सदस्यों के साथ-साथ इलाके के लोगों में भी खुशी है।

80.84 अरब रुपये की कर चोरी के मामले वित्त वर्ष 2018-19 में सामने आए। देश के विभिन्न राज्यों में इस संबंध में 40,804 मामले दर्ज किए गए। वित्त मंत्रालय के जीएसटी विभाग से मिले ये आंकड़े हैरान करने वाले हैं।

2021 में आइजल तक ब्रॉडगेज रेल लाइन

शाह बोले ▸ संप्रग की तुलना में मोदी सरकार ने मिजोरम को दोगुना धन आवंटित किया

गृह मंत्री ने कहा, 1700 किमी लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण भी शुरू हुआ

आइजल, एजेंसियां : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि मिजोरम की राजधानी आइजल 2021 तक ब्रॉडगेज रेल लाइन से जुड़ जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार की विदाई के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने मिजोरम की विकास परियोजनाओं के लिए धन आवंटन दोगुना कर दिया है।

पूर्वोत्तर परिषद द्वारा आयोजित हथकरघा और हस्तकला प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए अमित शाह ने कहा, 'भाजपा ने मिजोरम को संप्रग सरकार की तुलना में दोगुना बजट आवंटित किया है। 13वें वित्त आयोग के दौरान कांग्रेस ने राज्य को 19,900 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, जबकि मोदी सरकार ने 14वें वित्त आयोग के दौरान राज्य के विकास के लिए 42,970 करोड़ रुपये आवंटित किए।' शाह ने कहा कि एक समय यह राज्य हिंसा और अलगाववाद का केंद्र हुआ करता था, लेकिन अब यह शांति और भाईचारे की मिसाल है। उन्होंने कहा, 'पिछले पांच साल में मिजोरम में कई परियोजनाएं आई हैं। 2021 तक आइजल तक ब्रॉडगेज रेल लाइन पहुंचाई जाएगी। 1,700 किमी लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग का काम भी शुरू हो गया है।' केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'हमारी सरकार ने पहले कार्यकाल में बांस को पौधों की श्रेणी से बाहर निकाला जिसे वन अधिनियम के तहत काटा नहीं जा सकता था। इससे पूर्वोत्तर के राज्यों को जबर्दस्त लाभ हुआ है।' उन्होंने कहा कि हथकरघा और हस्तकला क्षेत्र में रोजगार की काफी संभावनाएं हैं। साथ ही म्यांमार और बांग्लादेश से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा के लिए मिजो युवकों को शामिल कर सीआरपीएफ में एक नई बटालियन बनाई जाएगी। शाह ने बताया कि म्यांमार के साथ सीमा समझौता पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं और इंलैंड वाटरवेज अथॉरिटी प्रोजेक्ट भी जल्द शुरू हो जाएगा। केंद्र सरकार ने राज्य के लिए 300 करोड़ रुपये की 43 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा को राज्य के विकास के लिए हर जरूरी सहायता मुहैया कराने का आश्वासन भी दिया। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री का पदभार संभालने के बाद शाह की यह पहली मिजोरम यात्रा है।

एनआरसी और नागरिकता बिल पर नहीं बोले : अमित शाह ने मिजोरम में लोगों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और नागरिकता संशोधन विधेयक (कैब) का जिक्र नहीं किया। इन दोनों मसलों पर हाल में राज्य में विरोध प्रदर्शन हुए थे। दरअसल, कई गैरसरकारी और अन्य संगठनों ने मिजोरम एनजीओ कोऑर्डिनेशन कमेटी के बैनर तले हाल में अमित शाह के दौरे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया था। लेकिन कमेटी ने शुक्रवार शाम अपना विरोध वापस ले लिया था।

नागरिकता बिल पर शाह से मिले विभिन्न संगठन : कोऑर्डिनेशन कमेटी और राज्य के छात्र संघों ने शनिवार को राजभवन में शाह से भेंट की और ज्ञापन सौंपा। इसमें मांग की गई है कि संसद से नागरिकता संशोधन विधेयक (कैब)-2019 पारित नहीं किया जाए। अगर विधेयक पारित किया भी जाए तो मिजोरम और अन्य पूर्वोत्तर राज्य जो इसका विरोध कर रहे हैं, उन्हें इसके दायरे से बाहर रखा जाए।

मुख्यमंत्री बोले, मिजोरम के लोग नागरिकता बिल के खिलाफ : मिजोरम के सीएम जोरमथांगा ने भी शाह से मुलाकात में कहा, राज्य के लोग नागरिकता अधिनियम, 1955 में प्रस्तावित संशोधन के खिलाफ हैं। इससे मिजोरम में अवैध प्रवासियों की बाढ़ आ जाएगी। मालूम हो कि संशोधन विधेयक में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों, ईसाइयों और पारसियों को 12 साल के बजाय सात साल भारत में प्रवास के बाद नागरिकता देने का प्रस्ताव है, भले ही उनके पास कोई दस्तावेज न हो।

मिजोरम की राजधानी आइजल में शनिवार को पूर्वोत्तर हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पाद प्रदर्शनी का अवलोकन करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

दिवाली के लिए बाजार में उपलब्ध होंगे ग्रीन पटाखे : हर्षवर्धन

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने शनिवार को घोषणा की कि दिवाली के लिए ग्रीन पटाखे (पर्यावरण अनुकूल) अब बाजार में उपलब्ध होंगे। इनसे 30 फीसद तक कम प्रदूषण होता है और ये सस्ते भी हैं। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बगैर लोगों की भावनाओं का ध्यान रखा जा सके।

इन पटाखों को बनाने वाली 'वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद' (सीएसआइआर) के कार्यक्रम में हर्षवर्धन ने कहा, 'हमने वैज्ञानिकों से प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों का विकल्प तैयार करने की अपील की थी ताकि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बगैर लोगों की भावनाओं का ध्यान रखा जा सके।' उन्होंने कहा, इससे पटाखा उद्योग को भी मदद मिलेगी। सीएसआइआर-नीरी की पर्यावरण सामग्री शाखा की प्रमुख और मुख्य वैज्ञानिक साधना रायालु ने कहा, 'ग्रीन पटाखे सस्ती कीमत पर उपलब्ध होंगे। इनके रसायनों के संयोजन में बदलाव किया गया है जिससे उनकी कीमत घट गई है।' हालांकि उन्होंने इन पटाखों की वास्तविक कीमत नहीं बताई।

ज्ञात हो, पिछले साल दिवाली से ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों के उत्पादन पर प्रतिबंध लगा दिया था। शीर्ष अदालत का कहना था कि देश में प्रदूषण स्तर पर नियंत्रण के लिए सिर्फ कम प्रदूषण वाले ग्रीन पटाखे बेचने की ही अनुमति होगी।

सड़क दुर्घटनाओं में आइपीसी के तहत भी हो सकती है सजा

▸ खतरनाक ड्राइविंग से मौतों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

▸ पूर्वोत्तर की निचली अदालतों को दिए गुवाहाटी हाई कोर्ट के आदेश को किया रद

नई दिल्ली, आइएएनएस : ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले अब संभल जाएं। अब इस अपराध के लिए मोटर वाहन अधिनियम के तहत ही नहीं भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धाराओं के तहत भी सजा सुनाई जा सकती है। खतरनाक और लापरवाही से ड्राइविंग के चलते होने वाली मौतों की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में यह व्यवस्था दी है। उल्लेखनीय है कि मोटर वाहन अधिनियम की तुलना में आइपीसी के तहत सख्त सजा का प्रावधान है।

जस्टिस इंदु मल्होत्रा और जस्टिस संजीव खन्ना की पीठ ने कहा, 'यह अदालत मोटर वाहन दुर्घटनाओं के आरोपितों को सख्त दंड दिए जाने की आवश्यकता पर समय-समय पर जोर देती रही है। वाहनों की बढ़ती संख्या के चलते भारत में सड़क हादसों में लोगों के घायल होने और मारे जाने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं।'

शीर्ष अदालत ने असम, नगालैंड, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश की निचली अदालतों को दिए गुवाहाटी हाई कोर्ट के आदेश को भी रद कर दिया। हाई कोर्ट ने निचली अदालतों से कहा था कि सड़क दुर्घटना से संबंधित मामलों की सुनवाई मोटर वाहन अधिनियम के तहत ही किया जाए आइपीसी की धाराओं के तहत नहीं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि गुवाहाटी हाई कोर्ट के आदेश से आइपीसी और सीआरपीसी की जगह मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधान प्रभावी होंगे। इससे सड़क हादसों के गंभीर मामलों, जिसमें लापरवाही से जान लेने, गंभीर रूप से घायल करने या सामान्य चोट पहुंचाने के मामले कंपाउंडेबल हो जाएंगे और जो अपराध की प्रकृति से कहीं ज्यादा गंभीर हैं। इसलिए अदालत की अनुमति के बिना पीड़ित और अपराधी के बीच समझौते की अनुमति नहीं मिल जाएगी। कंपाउंडेबल अपराध वह होता है जिसमें बिना सुनवाई के ही दोनों पक्षों के बीच समझौता हो जाता है। इससे अपराधी हल्के दंड या आर्थिक जुर्माना भरकर बच जाएगा। इसका नतीजा यह निकलता है कि उसे उसके द्वारा किए गए गंभीर अपराध की सजा नहीं मिलेगी।

बता दें कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत सड़क दुर्घटना के पहले मामले में अपराधी को अधिकतम छह महीने कैद की सजा का प्रावधान है, जबकि आइपीसी की धारा 304 के तहत इसी अपराध के लिए अधिकतम 10 वर्ष कैद तक की सजा हो सकती है। पीठ ने कहा कि अपराध की गंभीरता के अनुपात में सजा होनी चाहिए और अपराधी पर उसका ऐसा प्रभाव पड़ना चाहिए ताकि वह दोबारा वैसा अपराध करने की हिम्मत ना कर सके।

विवि को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कब मिलेगी : चिदंबरम

नई दिल्ली, प्रेट्र : आइएनएक्स मीडिया घोटाले में जेल में बंद कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छात्रों को दिए गए 'आइंस्टीन चैलेंज' पर तंज किया है। चिदंबरम ने पूछा कि देश के विश्वविद्यालयों को विचारों एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कब मिलेगी।

तिहाड़ जेल में बंद चिदंबरम ने अपने परिवार के लोगों को उनकी तरफ से ट्वीट करने के लिए कहा है। चिदंबरम ने कहा, 'मैं खुश हूं कि प्रधानमंत्री ने छात्रों को आइंस्टीन चैलेंज दिया है। अल्बर्ट आइंस्टीन की मशहूर उक्ति थी, 'पुस्तकों या प्रेस में विचारों और शिक्षण की स्वतंत्रता किसी भी व्यक्ति के लिए बेहतर एवं नैसर्गिक विकास के आधार हैं।' उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर पूछा, 'हमारे विश्वविद्यालय वास्तव में कब विचारों एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का केंद्र बनेंगे।'

बता दें कि पीएम ने 'न्यूयॉर्क टाइम्स' में लिखे एक लेख में आइंस्टीन चुनौती की पेशकश की थी। उन्होंने लिखा था, 'गांधी को श्रद्धांजलि के तौर पर मैं आइंस्टीन चुनौती का प्रस्ताव देता हूं। हम गांधी पर आइंस्टीन के मशहूर शब्दों को जानते हैं कि 'आने वाली पीढ़ियां शायद ही विश्वास करें कि हाड़ मांस का बना ऐसा व्यक्ति कभी इस धरती पर आया था।'

जावडेकर ने दिल्ली मेट्रो से की तुलना

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक केंद्रीय मंत्री जावडेकर ने लखनऊ में दिल्ली मेट्रो से मुंबई मेट्रो की तुलना करते हुए कहा कि दिल्ली मेट्रो के पहले चरण का काम जब शुरू हुआ था, तब 20-25 पेड़ काटे गए थे। उस समय भी इसका विरोध हुआ था। आज दिल्ली मेट्रो दुनिया की सबसे बेहतर मेट्रो है। अगर पेड़ नहीं काटे गए होते तो इसका विकास कैसे होता। दिल्ली मेट्रो ने एक पेड़ के बदले पांच पेड़ लगाए। उन्होंने कहा कि विकास के साथ ही साथ पर्यावरण की रक्षा भी होनी चाहिए।

क्या है आरे कॉलोनी : बता दें कि मुंबई के उपनगर गोरेगांव में स्थित आरे कॉलोनी महानगर के बीचोबीच स्थित एक हरित पट्टी है। 16 वर्ग किलोमीटर में स्थित यह हरित पट्टी मुंबई महानगर को दुग्ध आपूर्ति करनेवाले पशुओं को रखने के लिए 1949 में विकसित की गई थी। इसका एक सिरा संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से जुड़ा है, तो एक सिरे पर पवई लेक, तुलसी लेक और विहार लेक जैसी बड़ी-बड़ी तीन झीलें भी हैं।

2,646 पेड़ काटे जाने हैं : मुंबई मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड इसी आरे कॉलोनी के एक हिस्से पर मेट्रो फेज तीन के लिए कार शेड बनाने जा रही है, जिसके लिए 2,646 वृक्ष काटे जाने की योजना है। पर्यावरणविद् इसका विरोध कर रहे हैं।

हाई कोर्ट ने खारिज की याचिकाएं : बांबे हाई कोर्ट में वृक्षों की कटाई रोकने के लिए चार याचिकाएं दायर की गई थीं, लेकिन जस्टिस प्रदीप नंदराजोग एवं जस्टिस भारती डांगरे ने आरे कॉलोनी को वनक्षेत्र घोषित करने एवं मेट्रो कारशेड के लिए मिली मंजूरी को रद करने के लिए दायर की गई चारों याचिकाएं खारिज कर दी। बांबे हाई कोर्ट ने इस संबंध में एक याचिका दायर करने वाले शिवसेना सभासद पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जाधव स्वयं बीएमसी के उस वृक्ष प्राधिकारण के सदस्य हैं, जिसने 2646 पेड़ काटने की मंजूरी दी है।

अदालत के फैसले का सम्मान हो : मुंबई मेट्रो रेल कार्पोरेशन की प्रबंध निदेशक अश्विनी भिड़े ने आरे कॉलोनी में पेड़ों की कटाई के विरोध में शुक्रवार से चल रहे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि पेड़ों की कटाई का विरोध करने वालों को झूठी बातें फैलाने के बजाय बांबे हाई कोर्ट के निर्णय का सम्मान करना चाहिए।

पीएमसी बैंक के पूर्व चेयरमैन वरयाम गिरफ्तार

▸ पूर्व एमडी थामस को 17 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

▸ ईओडब्ल्यू ने पूर्व एमडी और ईडी ने वरयाम के बैंक खाते फ्रीज किए

मुंबई, प्रेट्र : पंजाब एवं महाराष्ट्र कोआपरेटिव (पीएमसी) बैंक के पूर्व चेयरमैन वरयाम सिंह को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने गिरफ्तार कर लिया। 4255 करोड़ रुपये के बैंक घोटाला मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है। इससे पहले मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) जॉय थामस और एचडीआइएल समूह के प्रमोटर राकेश वधावन और उनके बेटे सारंग वधावन को गिरफ्तार कर चुकी है। वधावन पिता-पुत्र नौ तक पुलिस हिरासत में भेजे गए हैं। ईओडब्ल्यू ने पूर्व एमडी थामस और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वरयाम सिंह के बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं। ईडी ने एचडीआइएल के चेयरमैन राकेश वधावन और उनके बेटे सारंग वधावन का प्राइवेट जेट और 60 करोड़ के आभूषण भी जब्त कर लिए हैं। केंद्रीय एजेंसी ने यह भी कहा है कि वधावन का याच (नौका) जब्त करने के लिए वह मालदीव के अधिकारियों के संपर्क में है।

ईओडब्ल्यू की विशेष टीम ने माहिम चर्च इलाके से वरयाम सिंह को हिरासत में लिया। इससे पहले पुलिस अंधेरी पश्चिम में स्थित उनके आवास पर पहुंची थी लेकिन वह वहां नहीं मिले। वरयाम को ईओडब्ल्यू कार्यालय लाया गया और घोटाले के बारे में पूछताछ की गई। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। वरयाम का ईओडब्ल्यू के नाम लिखा गया एक पत्र सोशल मीडिया पर जारी हुआ है जिसमें उन्होंने समर्पण करने की इच्छा जताई है लेकिन पुलिस ने उनके समर्पण से इन्कार किया है।

पंजाब एवं महाराष्ट्र कोआपरेटिव (पीएमसी) बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक जॉय थामस को मुंबई में शनिवार को अदालत में पेश किया गया। प्रेट्र

ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए पूर्व एमडी थामस को शनिवार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने 17 अक्टूबर तक उन्हें पुलिस हिरासत में सौंप दिया। पुलिस ने कोर्ट में कहा कि उसे पूछताछ के लिए थामस को हिरासत में लेने की जरूरत है क्योंकि वह साजिश का हिस्सा रहा है। हालांकि, थामस के वकील राकेश सिंह ने कहा कि थॉमस केवल बैंक के कर्मचारी थे। वह नीति निर्धारण नहीं करते थे। कर्ज नहीं चुकाए जाने के कारण उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा है। मुंबई पुलिस ने बैंक को 4,355.43 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में पीएमसी बैंक और एचडीआइएल के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की थी। प्राथमिकी में बैंक के पूर्व चेयरमैन वरयम सिंह, प्रबंधनिदेशक जॉय थामस, एचडीआइएल के वधावन और अन्य को नामजद किया था। ईडी ने आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज प्राथमिकी को संज्ञान में लेते हुए मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज किया और मुंबई और आस-पास के छह ठिकानों पर शुक्रवार को छापेमारी की। पुलिस के मुताबिक, एचडीआइएल के प्रमोटरों ने बैंक प्रबंधन के साथ सांठगांठ कर कर्ज लिया था और उसे नहीं चुकाया।

मुंबई कांग्रेस प्रमुख ने निकासी की सीमा बढ़ाने की मांग की: मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष एकनाथ गायकवाड़ ने शनिवार को कहा कि घोटाला पीड़ित पीएमसी बैंक के खाताधारकों की निकासी सीमा बढ़ाई जानी चाहिए। छह महीने के लिए 25,000 रुपये की सीमा पर्याप्त नहीं है।

बढ़ेंगे कारोबार के अवसर

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

चट्टोग्राम और मोंगला पोर्ट के इस्तेमाल को लेकर दोनों देशों के बीच शनिवार को किया गया समझौता भी महत्वपूर्ण है। इससे पूर्वोत्तर के सीमावर्ती राज्यों से उत्पादों को देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाना आसान होगा। दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों की अपार संभावनाओं को देखते हुए एक विशेष आर्थिक समझौते के मसौदे पर भी बात शुरू हो गई है। साथ ही भारत बांग्लादेशी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अपने बाजार को और खोलने को तैयार हो गया है। इस पर पीएम शेख हसीना ने खास तौर पर प्रसन्नता जताई है। 2019 में बांग्लादेश से भारत को होने वाले निर्यात में 56 फीसद की बढ़ोतरी हुई है।

केंद्र के नोटिस पर भड़के साबरमती आश्रम के लोग

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : अहमदाबाद के साबरमती आश्रम और वहां रहने वाले लोगों में केंद्र सरकार के एक नोटिस को लेकर नाराजगी है। केंद्र सरकार आश्रम का विकास कराना चाहती है, लेकिन आश्रम के ट्रस्टी और गांधीवादी इसके मूल स्वरूप में बदलाव के खिलाफ हैं। आश्रम के लोगों को जमीन खोने का भी डर है।

दो महीनों में तीन देशों की यात्रा पर जाएंगे पीएम मोदी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ अक्टूबर के आखिर में जाएंगे सऊदी अरब, क्राउन प्रिंस से होगी द्विपक्षीय वार्ता

पीएम नरेंद्र मोदी अगले दो महीनों के भीतर तीन अहम विदेश यात्राओं पर होंगे। इस कड़ी में सबसे पहले मोदी इस महीने के अंत में सऊदी अरब की यात्रा पर जाने वाले हैं। यह यात्रा 29 से 31 अक्टूबर, 2019 के बीच होगी जहां वह रियाद में आयोजित होने वाले एक अहम अंतरराष्ट्रीय निवेश सम्मेलन (फ्यूचर इंवेस्टमेंट इनीशिएटिव) में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी की वहां क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ द्विपक्षीय वार्ता होगी जिसका एजेंडा मुख्य तौर पर आर्थिक हितों से जुड़ा होगा। इस सम्मेलन में पाकिस्तान के पीएम इमरान खान भी शिरकत करेंगे लेकिन भारत व पाकिस्तान के मौजूदा रिश्तों की तासीर को देखते हुए इस बात की उम्मीद कम ही है कि वहां दोनों नेताओं की द्विपक्षीय मुलाकात होगी। कश्मीर में धारा 370 हटाने के फैसले के खिलाफ पाकिस्तान लगातार सऊदी अरब व अन्य मुस्लिम देशों में लॉबिंग कर रहा है। यह भी एक वजह है कि मोदी तकरीबन ढाई महीने बाद फिर से सऊदी अरब जाएंगे।

नवंबर में मोदी दो महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हिस्सा लेने के लिए विदेश रवाना होंगे। रियाद के तुरंत बाद मोदी को बैंकॉक में आयोजित होने वाले आसियान समिट में हिस्सा लेना है। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत तमाम दिग्गज देशों के प्रमुखों के आने की संभावना है। इसके बाद ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया में आयोजित होने वाले ब्रिक्स देशों के राष्ट्र प्रमुखों की बैठक में मोदी हिस्सा लेंगे। इसमें रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका व ब्राजील के प्रमुख भी होंगे। वहां उक्त सभी चारों देशों के प्रमुखों के साथ मोदी की अलग-अलग द्विपक्षीय बात भी होगी।

अगले वर्ष ढाका का दौरा भी

शनिवार को बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी को ढाका आने के लिए भी आमंत्रित किया। मोदी ने उनका न्योता भी स्वीकार किया है। माना जा रहा है कि बांग्लादेश में अगले साल पाकिस्तान से अलग होने की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में मोदी हिस्सा ले सकते हैं।

'अयोध्या में खोदाई में मिला गोलाकार पूजास्थल और दीवार मंदिर का हिस्सा'

▸ एएसआइ के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) केके मुहम्मद की दो टूक

▸ कहा, मुस्लिम पक्ष बेवजह व बिना आधार सीधे मामले को बना रहे पेचीदा

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) केके मुहम्मद ने सीधे और स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अयोध्या में विवादित स्थल पर खोदाई के दौरान मिली लंबी दीवार और गोलाकार पूजास्थल हिंदू मंदिर का हिस्सा है, न कि किसी ईदगाह मस्जिद का। मुस्लिम पक्षकार बेवजह और बिना किसी ठोस आधार के सीधे मामले को पेचीदा बना रहे हैं। इस बात के काफी सुबूत हैं कि विवादित ढांचा होने के बावजूद सदियों से हिंदू भगवान राम की पूजा करने के लिए अयोध्या जाते रहे हैं।

विवादित स्थल की खोदाई करने वाली एएसआइ की टीम में शामिल रहे केके मुहम्मद ने अयोध्या विवाद मामले में पुरातात्विक साक्ष्यों और उससे जुड़े साहित्यिक सुबूतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने साफ कहा कि पुरातत्व एक विज्ञान है और एएसआइ स्वतंत्र एजेंसी है। उसने इलाहाबाद हाई कोर्ट में वैज्ञानिक रिपोर्ट दाखिल की थी। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, अगर दीवार ईदगाह या किसी इस्लामी ढांचे का हिस्सा थी तो आप देवी-देवताओं की मूर्तियां और मगरमच्छ की तस्वीर 'मकर प्रणाली' मिलने का क्या स्पष्टीकरण देंगे जो गंगा नदी को दर्शाती है। यह इस्लामी संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं।

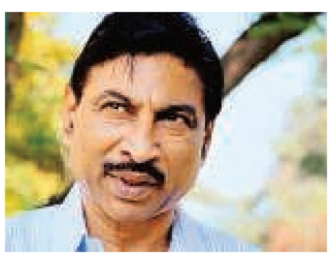

केके मुहम्मद फाइल फोटो

मुहम्मद ने बताया कि एएसआइ ने शुरुआत में यह पता करने के लिए विवादित स्थल का ग्राउंड पेनीट्रेटिंग रडार (जीपीआर) सर्वे किया था कि क्या विवादित ढांचे के नीचे कोई और ढांचा था। इसमें पता चला कि विवादित ढांचा किसी साफ भूमि पर नहीं बनाया गया था और एसआइआइ की रिपोर्ट वैज्ञानिक तरीके से इसकी पुष्टि करती है। प्राणियों की तस्वीरें इस्लामिक धर्मस्थलों का हिस्सा नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि बड़ी दीवार और स्तंभ मंदिर के हैं जो 12वीं सदी के आसपास अस्तित्व में था। खोदाई में मिले गोलाकार पूजास्थल के बारे में एएसआइ के निष्कर्षों पर मुहम्मद ने कहा कि यह 10वीं सदी का है। यह ईदगाह का हिस्सा नहीं हो सकता क्योंकि वह सामान्यतः इकट्ठा होने का बहुत बड़ा क्षेत्र होता है। यह पूजास्थल हिंदू मंदिर का हिस्सा है।

साहित्यिक साक्ष्यों का जिक्र करते हुए मुहम्मद ने कहा कि पश्चिम के यात्रियों के यात्रा वृतांत और गैजेटियर्स बेहद अहम सुबूत हैं। ये यात्रा वृतांत आस्था, विश्वास और हिंदुओं द्वारा लगातार पूजा करने के संकेत देते हैं। विलियम फिंच और जोसेफ टाईफेंथलर ने हिंदुओं द्वारा पूजा-अर्चना किए जाने का विवरण दिया है और इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। इसके अलावा उन्होंने अकबर के दरबारी इतिहासकार अबुल फजल द्वारा लिखित आईने अकबरी का हवाला भी दिया। उल्लेखनीय है कि अयोध्या में रामजन्मभूमि मामले में कब्जे को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में संविधान पीठ इस मामले की रोजाना सुनवाई कर रही है।

'हिम विजय' का चिनफिंग की यात्रा से कुछ लेना-देना नहीं

▸ अरुणाचल में युद्धाभ्यास पर चीन की आपत्ति पर सेना का बयान

▸ कहा, जवानों को मौसम के अनुकूल ढालने की यह सामान्य प्रक्रिया

नई दिल्ली, प्रेट्र : अरुणाचल प्रदेश में चल रहे सेना के युद्धाभ्यास 'हिम विजय' का चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की आगामी यात्रा से कुछ लेना-देना नहीं है। सैन्य सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारतीय सेना की नवगठित 17 कोर अरुणाचल प्रदेश में 15 हजार फुट की ऊंचाई पर युद्धाभ्यास कर रही है। इस तरह की खबरें आ रही थी कि चीन ने राष्ट्रपति चिनफिंग की यात्रा से पहले युद्धाभ्यास पर कड़ी आपत्ति जताई है। चिनफिंग प्रधानमंत्री मोदी के साथ दूसरी अनौपचारिक बैठक के लिए अगले हफ्ते भारत आने वाले हैं। हालांकि अभी यात्रा की तारीख तय नहीं हुई है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक चिनफिंग की यात्रा के मद्देनजर भारत आए चीनी उप-विदेश मंत्री लुओ झाओहुई ने गुरुवार को विदेश सचिव विजय गोखले से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विजय गोखले के समक्ष अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में चल रहे भारतीय सेना के युद्धाभ्यास के मामले को उठाया था।

सेना के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि यह सैन्य अभ्यास भारत-चीन की सीमा वास्तविक नियंत्रण रेखा से 100 किलोमीटर दूर हो रहा है। यह बहुत पहले से ही तय था। सर्दी शुरू होने से पहले और सर्दी के बाद के महीनों के लिए तैयारियां की जाती हैं। यह एक सामान्य प्रक्रिया है। पूर्वी कमान में इस तरह का सैन्य अभ्यास किया जाता है। यह अभ्यास 25 अक्टूबर तक चलेगा।

सूत्रों ने बताया कि 17 कोर की स्थापना हाल में की गई थी। 17 कोर भारतीय सेना की एकमात्र माउंटेन स्ट्राइक कोर है। इसके जवानों को ऊंची पर्वत चोटियों के मौसम के अनुसार ढालने के लिए इस तरह के सैन्य अभ्यास किए जाते हैं।

चीन ने क्यों किया विरोध?

दरअसल, चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है, लेकिन भारत उसके इस दावे को सिरे से खारिज करता आ रहा है और इसे अपना अभिन्न हिस्सा बताता है।

एक्जिट एक्जाम से भी तय होगी मेडिकल कॉलेजों की रैंकिंग

कारगर तरीका

एनएमसी कानून में एक्जिट एक्जाम लागू करने के लिए तीन साल का समय, ऐसा होने पर मेडिकल कॉलेजों में सालाना होने वाली जांच की जरूरत भी खत्म हो जाएगी

नीलू रंजन, नई दिल्ली

एमबीबीएस का एक्जिट एक्जाम देश भर के मेडिकल कॉलेजों की रैंकिंग में सबसे कारगर तरीका साबित हो सकता है। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग कानून के तहत एमबीबीएस की अंतिम साल की परीक्षा को एक्जिट एक्जाम के रूप में पूरे देश में एक साथ कराने का प्रस्ताव है। कानून में एक्जिट एक्जाम लागू करने के लिए तीन साल का समय दिया गया है, लेकिन इसे उसके पहले ही लागू करने की कोशिश है। एक्जिट एक्जाम के गुणवत्ता का पैमाना बनने के साथ ही मेडिकल कालेजों के सालाना जांच की जरूरत भी खत्म हो जाएगी, जो एमसीआइ के जमाने में भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा जरिया था।

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन के अनुसार सिर्फ बड़ी बिल्डिंग और शानदार क्लास रूम से ही किसी कॉलेज की गुणवत्ता का आधार नहीं हो सकता है। बल्कि उसकी गुणवत्ता का इससे पता चलता है कि वहां की फैकल्टी कैसी है, पढ़ाई कैसी हो रही है और उसमें पढ़ने वाले छात्रों का रिजल्ट कैसा आ रहा है। एक्जिट एक्जाम में पास होने वाले एमबीबीएस डाक्टरों की संख्या और उनके आने वाले अंकों से आसानी से पता चल पाएगा कि किस कॉलेज में कितनी पढ़ाई होती है और उसकी फैकल्टी कैसी है। जो किसी भी कॉलेज की गुणवत्ता की रैंकिंग का सबसे बेहतर पैमाना हो सकता है।

कालेजों को सालाना जांच से मिल जाएगी मुक्ति : स्वास्थ्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अरुण सिंघल ने साफ किया कि एक्जिट एक्जाम किसी कॉलेज की रैंकिंग का अकेला पैमाना तो नहीं हो सकता है, लेकिन एक अहम पैमाना जरूर होगा। उनके अनुसार प्रस्तावित राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के चार बोर्डों में से एक बोर्ड का काम मेडिकल कालेजों की गुणवत्ता की निगरानी करने का होगा। हालांकि उसे एमसीआइ की तरह हर साल कालेजों की जांच करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यानी कालेजों को सालाना जांच का सामना करने से मुक्ति मिल जाएगी। इसका एक सकारात्मक असर यह भी होगा कि कालेजों को प्रत्येक साल एमबीबीएस की सीटों के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग का चक्कर नहीं काटना होगा, जैसा एमसीआइ के समय होता है।

पूरे देश में एमबीबीएस डाक्टरों की गुणवत्ता का स्तर हो जाएगा सामान : मौजूदा व्यवस्था में सभी मेडिकल यूनिवर्सिटी एमबीबीएस कोर्स की सारी परीक्षा खुद ही आयोजित करती हैं। अलग-अलग विश्वविद्यालयों में पढ़ाई और परीक्षा के स्तर के अंतर से वहां से निकलने वाले डाक्टरों की गुणवत्ता का स्तर भी अलग-अलग होता है। यही कारण है कि एमबीबीएस के बाद एमडी या एमएस में नामांकन के लिए एनआइआइटी (पीजी) नाम से अलग से प्रवेश परीक्षा ली जाती थी। एक्जिट एक्जाम से पूरे देश में एमबीबीएस डाक्टरों की गुणवत्ता का स्तर समान हो जाएगा। एक्जिट एक्जाम में आने वाले अंकों के आधार पर मेडिकल के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में नामांकन का रास्ता होगा। यानी एनआइआइटी की जरूरत ही खत्म हो जाएगी।

यूजीसी ने कहा, शोध में मात्रा की जगह गुणवत्ता को मिले महत्व

नई दिल्ली, प्रेट्र : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए नई पहल की है। आयोग ने शैक्षणिक संस्थानों के कुलपतियों व प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि क्रेडिट प्वाइंट, प्रमोशन या शोध डिग्री प्रदान करने का उनका फैसला किसी व्यक्ति द्वारा 'प्रकाशित कार्य की गुणवत्ता' पर आधारित होना चाहिए न कि उसकी संख्या पर।

यह निर्देश भारतीय शैक्षिक प्रकाशन एवं अनुसंधान की विश्वसनीयता और ज्ञान रचना के हितों के मद्देनजर दिया गया है। यूजीसी ने सभी विवि के कुलपतियों को भेजे पत्र में कहा है, 'कुलपतियों, चयन समितियों, स्क्रीनिंग समितियों और शैक्षिक प्रदर्शन के मूल्यांकन और आकलन में शामिल शोध पर्यवेक्षकों तथा विशेषज्ञों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है कि चयन, प्रमोशन, क्रेडिट-आवंटन और शोध डिग्री प्रदान करने के मामले में उनके निर्णय प्रकाशित कार्य की संख्या के बजाय गुणवत्ता पर आधारित होने चाहिए।' पत्र में कहा गया, 'यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं की पुरानी सूची' को नई यूजीसी-केअर सूची से बदल दिया गया है और 14 जून, 2019 के बाद से सूची में शामिल पत्रिकाओं से शोध प्रकाशनों को ही केवल शैक्षिक उद्देश्य के लिए माना जाना चाहिए।' उच्च शिक्षा नियामक यूजीसी देश के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में मात्रात्मक शोध की तुलना में गुणात्मक अनुसंधान की आवश्यकता पर जोर देता रहा है।

कह के रहेंगे माधव जोशी

40 दिग्गज हरियाणा में भाजपा प्रत्याशियों का प्रचार करेंगे। इनमें पीएम मोदी के साथ ही अमित शाह, जेपी नड्डा, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल हैं।

125 सीटों पर महाराष्ट्र में चुनाव लड़ रही कांग्रेस ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इसमें मौजूद 40 नामों में सोनिया गांधी के अलावा, मनमोहन सिंह, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी आदि नाम हैं।

उद्धव ने बगावत करने वालों पर साधा निशाना

मुंबई में ओबीसी समुदाय के लोगों के साथ शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे। प्रेट्र

- शिवसेना प्रमुख ने जाति समूहों से न्याय का वादा किया
- अन्य पार्टियों की तरह शिवसेना भी बगावत का सामना कर रही है

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने से नाराज विद्रोहियों पर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने निशाना साधा। शिवसेना प्रमुख ने शनिवार को पिछड़े समुदाय और घुमंतू आदिवासी के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों को लेकर ठाकरे से बांद्रा के एक आडिटोरियम में मुलाकात की।

मुलाकात के बाद ठाकरे ने कहा कि नेताओं ने उन्हें बताया कि उनके पास उनसे और कुछ नहीं मांगना है। वे लोग केवल अपने संबंधित समुदायों के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'नेता वह हैं जो चुनाव के लिए टिकट की आशा नहीं रखते हैं लेकिन अपने समुदायों के कल्याण के लिए काम करते हैं।' अन्य पार्टियों की तरह शिवसेना भी कई क्षेत्रों में टिकट नहीं मिलने के बाद बगावत का सामना कर रही है। उद्धव ने कहा, 'लड़ाई के दौरान जो आपके साथ खड़े हैं वे ही असली लोग हैं। यदि सरकार समुदायों को न्याय मुहैया नहीं करा सकती तो ऐसी सरकार किस काम की?'

चुनाव आयोग ने देवेंद्र फड़नवीस का नामांकन पत्र मंजूर किया : चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस का नामंकन पत्र मंजूर कर लिया। कांग्रेस प्रत्याशी आशीष देशमुख ने मुख्यमंत्री का पर्चा रद किए जाने की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री ने चुनाव शपथपत्र के लिए एक्सपायर नॉटरी का इस्तेमाल किया है। रिटर्निंग अधिकारी ने उनकी आपत्ति ठुकरा दी।

अपनी मर्जी से प्रत्याशी नहीं बना छोटा राजन का भाई : छोटा राजन के भाई दीपक निकल्जे ने दावा किया है कि उन्होंने स्वयं प्रत्याशी नहीं बनने की इच्छा जाहिर की थी। आरपीआइ (ए) ने फाल्टन क्षेत्र से उन्हें प्रत्याशी बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद गुरुवार को पार्टी ने उनकी जगह दिगंबर अगावाने को टिकट दिया।

सोनिया, मनमोहन कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में शामिल : कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 21 अक्टूबर को होने जा रहे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 40 स्टार प्रचारकों में शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव के बाद यह सबसे बड़ा राजनीतिक संघर्ष है। अन्य नेताओं में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अशोक गहलोत, कमलनाथ और भूपेश बघेल आदि को शामिल किया गया है लेकिन इसमें मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मिलिंद देवड़ा, संजय निरुपम और पूर्व सांसद प्रिया दत्त का नाम नहीं है।

राकांपा ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की

राकांपा ने भी शनिवार को अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की। पार्टी अध्यक्ष शरद पवार इसमें सबसे शीर्ष पर रखे गए हैं। उनके अलावा जयंत पाटिल, प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, अजित पवार और पार्टी सांसद सुप्रिया सुले भी शामिल हैं।

कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी का नामांकन रद

आरपीआइ (लोकतांत्रिक) के नेता रमेश गायकवाड़ का औरंगाबाद पश्चिम क्षेत्र से दाखिल नामजदगी का पर्चा रद कर दिया गया। उन्होंने कांग्रेस-राकांपा गठबंधन की ओर पर्चा भरा था। कांग्रेस चुनाव चिह्न के अलावा उन्होंने निर्दलीय के रूप में भी पर्चा दाखिल किया था। दोनों नामांकन पत्र पर उन्होंने एक कॉलम खाली छोड़ दिया था जिससे उनका पर्चा रद किया गया है।

कांग्रेस को झटका, तंवर ने दिया इस्तीफा

लगाए आरोप ▸ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, पार्टी के स्वार्थी नेता खत्म कर रहे आंतरिक लोकतंत्र

टिकट वितरण से नाराज थे तंवर, चुनाव समितियों से पहले ही दे चुके थे इस्तीफा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने के बाद दिल्ली में पत्रकारों से मुखातिब अशोक तंवर।

अशोक तंवर के आवास से पार्टी का बैनर हटाते समर्थक जागरण

विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण से नाराज हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर ने आखिर शनिवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। तंवर चुनाव अन्य समितियों से पहले ही इस्तीफा दे चुके थे। पार्टी अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे चार पेज के पत्र में उन्होंने हाईकमान को तो नहीं लेकिन कई वरिष्ठ नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। तंवर के अनुसार राहुल गांधी ने जिन नेताओं को आगे बढ़ाया, अब साजिश के तहत उनकी राजनीतिक हत्या का प्रयास किया जा रहा है।

तंवर का कहना है कि कांग्रेस का मौजूदा संकट राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की वजह से नहीं बल्कि पार्टी के ही कई वरिष्ठ नेताओं से है। परिश्रमी कार्यकर्ता जो किसी बड़े राजनीतिक घराने से नहीं आते और जिनके पास पैसा नहीं है, उनको महत्व नहीं दिया जाता।

ब्लैकमेलिंग और गलत तरीके से अर्जित धन बल पर कुछ लोग कांग्रेस के आंतरिक लोकतंत्र को ध्वस्त कर चुके हैं। ऐसे लोग जमीनी स्तर पर काम करने वालों को आगे नहीं आने देना चाहते।

नई दिल्ली स्थित अपने अस्थायी निवास पर सोनिया को लिखा पत्र सार्वजनिक करते हुए तंवर ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को ही निशाने पर रखा। यह बात अलग है कि उन्होंने हुड्डा का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि वह दिल्ली में अपने ऊपर हुए हमले की तीसरी वर्षगांठ कार्यकर्ताओं के साथ रोहतक में मनाएंगे।

सिरसा स्थित आवास से उतारे गए कांग्रेस के झंडे, बैनर पोस्टर : तंवर के इस्तीफे की घोषणा के साथ ही उनके सिरसा स्थित आवास से कांग्रेस का झंडा, बैनर पोस्टर और अन्य प्रतीक उतार दिए गए।

मनोहर बोले, तंवर की भाजपा में नहीं होगी एंट्री

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करनाल में कहा कि भाजपा ने अशोक तंवर से संपर्क नहीं किया है। अगर हमने बुलाया होता तो वह कब के आ चुके होते। हम उनको कोई एंट्री नहीं देंगे।

राहुल को बताया बड़ा भाई

- कांग्रेस की विचारधारा से कोई शिकायत नहीं, सोनिया मां समान और राहुल बड़े भाई जैसे हैं।
- उनके साथ काम नहीं कर सकता, जिन्होंने पिछले पांच साल में मेरा या हाईकमान का कहना नहीं माना।
- हरियाणा चुनाव में प्रचार नहीं करेंगे बल्कि ऐसे नेताओं की मरोड़ निकालेंगे जिनकी गर्दन में सरिया लगा है।
- भाजपा सहित अन्य कई पार्टियों की तरफ से ऑफर आ रहा है मगर अभी इस पर कोई फैसला नहीं किया है
- प्रदेश कांग्रेस के किसी प्रभारी ने कार्यकर्ताओं की बात नहीं सुनी सिर्फ उनसे मिलते रहे जो किसी ने किसी राजनीतिक घराने से जुड़े रहे।

पांच साल आठ माह में तंवर खड़ा नहीं कर पाए संगठन

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली : कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने वाले हरियाणा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर ने इसका कारण अपनी ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को बता रहे हैं तो दूसरे गुट के नेता तंवर पर यह आरोप लगा रहे हैं कि वह पांच साल में पार्टी का संगठन नहीं खड़ा कर पाए और हरियाणा में पार्टी कमजोर होती गई।

इस गुट का कहना है कि तंवर अपने पांच साल आठ माह के कार्यकाल में प्रदेश में ब्लॉक व जिला स्तर का संगठन भी खड़ा नहीं कर पाए। इस कारण कांग्रेस हरियाणा में एक के बाद एक चुनाव हारती चली गई। सन 2014 के लोकसभा चुनाव में हार के बाद विधानसभा और फिर स्थानीय निकाय, पंचायत सहित लोकसभा चुनाव भी पार्टी बुरी तरह हारी।

वैसे दोनों गुटों से बराबर दूरी रखने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी कहना है कि तंवर अपने नेतृत्व के दौरान एक भी चमत्कार कार्यकर्ताओं के बल पर नहीं दिखा पाए। हर चुनावी कसौटी पर उनके बेहतर संगठन का दावा फ्लाप हुआ। वह सिर्फ दावा करते रहे कि उन्होंने पुराने राजनीतिक घरानों के चंगुल से राजनीति को निकालकर जमीनी स्तर के कार्यकर्ता को सौंपने का प्रयास किया है।

किसी भी दल में नहीं जा रहे तंवर : नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में तंवर ने दावा किया कि उन्हें पिछले दिनों भाजपा सहित कई अन्य दलों से ऑफर आए हैं मगर वह किसी भी दल में नहीं जा रहे हैं। इसके बाद भाजपा नेताओं ने कहा कि तंवर को पार्टी में शामिल करने या ऑफर देने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। तंवर की संगठन क्षमता भाजपा ने देख ली है। तंवर दूसरे दल के अध्यक्ष रहते ही भाजपा के फायदे में रहे।

तंवर का व्यवहार एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष लायक नहीं रहा है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए मुझ जैसे समर्पित कार्यकर्ता को गाली दी, मेरी शिकायत पर संज्ञान लेते हुए हाईकमान को पहले ही इन्हें पार्टी से निकाल देना चाहिए था।
जयतीर्थ दहिया, पूर्व विधायक, कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस अब सही हाथों में है। कांग्रेस विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने जा रही है। जिन्हें कांग्रेस की सरकार बनने की उम्मीद नहीं है वे पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। इसका भी कांग्रेस को फायदा होगा।
करण दलाल, विधायक, कांग्रेस

भाजपा ने मुसलमानों को गले लगाया : शाहनवाज

अख्तर अलवी, फिरोजपुर झिरका : भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने फिरोजपुर झिरका में शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी मुसलमानों को भाजपा के नाम से डराकर उनके वोट हथियाने का काम करती है। जबकि सच्चाई इसके विपरीत है। भाजपा मुसलमानों की हमदर्द है उन्हें गले लगाती है और उनका विकास करती है।

उन्होंने धारा 370 के मसले पर गलतफहमी पैदा कर रहे विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार कश्मीरियों का विकास और उनका भला चाहती है। केंद्र कश्मीर की आवाम को भारत के संविधान के तहत उनका हक देना चाहती है। लेकिन विपक्ष मुसलमानों को बरगलाकर उन्हें अपना वोट बैंक बनाना चाहती है। उन्होंने मेवात के पिछड़ेपन के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि दिल्ली से सटा मेवात इलाका पूर्व की सरकारों की निगाहों से दूर था। पूर्व की सरकारों ने क्षेत्र को तिजारत और तालीम में भागीदारी नहीं दी। लेकिन केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार ने यहां दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे, मेवात फीडर कैनाल, नगीना-तिजारा मार्ग और भी बहुत सारी योजनाएं दी।

दांव पर है छह राजनीतिक परिवारों की प्रतिष्ठा

महेश कुमार वैद्य, रेवाड़ी

- अहीरवाल व मेवात के चौधरियों से जुड़ा है कई विस सीटों का गणित
- तीन प्रतिष्ठित राव परिवारों से मैदान में हैं चार चेहरे

विरासत की सियासत

विधानसभा चुनाव में इस बार दक्षिण हरियाणा में छह राजनीतिक परिवारों की प्रतिष्ठा दांव पर है। यहां की कई विधानसभा सीटों का गणित अहीरवाल व मेवात के चौधरियों से जुड़ा है। एक ओर जहां अहीरवाल के तीन प्रतिष्ठित राव परिवारों से चार चेहरे मैदान में हैं वहीं तीन दिग्गज मेवात नेताओं की प्रतिष्ठा भी अलग-अलग सीटों पर दाव पर लगी है। कुछ सीटों पर राव बनाम राव तो कुछ पर प्रतिष्ठित मेव घराने आमने-सामने हैं। चुनाव परिणाम से मेवात के तीन घरानों व राव परिवार की ताकत का भी फैसला होगा।

रावों की बात करें तो पूर्व मुख्यमंत्री राव बिरेंद्र सिंह के छोटे बेटे राव यादुवेंद्र सिंह जहां कोसली से चुनाव मैदान में हैं वहीं उनके पोते अर्जुन सिंह अटेली से मैदान में है। राव अभय सिंह के पौत्र चिरंजीव राव रेवाड़ी से चुनाव मैदान में हैं, जबकि राव मोहर सिंह के बेटे कमलबीर बादशाहपुर से चुनाव मैदान में हैं। नूंह के प्रतिष्ठित रेहाना घराने से यासीन खां के पौत्र व तैयब हुसैन के बेटे जाकिर हुसैन भाजपा की टिकट पर मैदान में हैं। कांग्रेस ने उनके मुकाबले में खानपुर घराने से पूर्वमंत्री खुर्शीद अहमद के बेटे आफताब अहमद को उतारा है। एक बड़े नाटकीय घटनाक्रम में कांग्रेस ने काठपुरी घराने से चौधरी रहीम खान के बेटे मोहम्मद इलियास को पुन्हाना से मैदान में उतारा है। रेहाना, काठपुरी व खानपुर घरानों के अलावा तिगावं व नीमखेड़ा नाम से दो नए घराने भी हैं। भाजपा ने तिगावं घराने से पूर्व मंत्री शकरुल्ला खान के बेटे नसीम अहमद को फिरोजपुर झिरका से चुनाव मैदान में उतारा है। नीमखेड़ा घराने से निवर्तमान विधायक रहीशा खान चुनाव मैदान में हैं।

जानने योग्य खास बातें

- वर्ष 1936 से राव मोहर सिंह का परिवार राजनीति में है। मोहर सिंह के बाद उनके बेटे राव महाबीर सिंह मंत्री रहे। बाद में उनके बेटे राव नरबीर सिंह ने राजनीति में उतार-चढ़ाव देखे। इस बार नरबीर का टिकट कटा तो बादशाहपुर से उनके छोटे भाई कमलबीर कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।
- चुनाव परिणाम से यह भी सिद्ध होगा कि राव बिरेंद्र सिंह की विरासत पर केवल उनके बड़े बेटे राव इंद्रजीत सिंह का ही कब्जा है या दोनों छोटे बेटे राव अजीत सिंह व राव यादुवेंद्र सिंह भी अपना दबदबा दिखा पाएंगे। राव यादुवेंद्र कोसली से व अजीत सिंह के बेटे राव अर्जुन सिंह अटेली से कांग्रेस की टिकट पर मैदान में है। इंद्रजीत ने दोनों जगह अपनी पसंद के भाजपा उम्मीदवार उतारे हैं। अटेली में राव ने सीताराम को व कोसली में लक्ष्मण को मैदान में उतारा है।
- राव अभय सिंह की राजनीतिक विरासत के बल पर कैप्टन अजय सिंह यादव ने रेवाड़ी विस से लगातार छह चुनाव जीते। इस बार कैप्टन ने बेटे चिरंजीव राव को आगे किया है।
- मेवात के अधिकतर चौधरी भाजपा विरोधी रहे हैं। पहली बार तैयब हुसैन जैसे बड़े चौधरियों के परिवार भाजपा से जुड़े हैं।
- मोहम्मद इलियास तीन विस सीटों से अलग-अलग चुनाव जीत चुके हैं।
- मेवात में रेहाना, काठपुरी व खानपुर नाम से तीन प्रमुख घराने हैं। बाद में तिगांव व नामखेड़ा नाम से दो नए घराने भी उभरे हैं। इस बार पांचों घरानों से उम्मीदवार मैदान में है।

झारखंड में राजद 14 सीटों पर लड़ेगा विस चुनाव, हेमंत सोरेन करेंगे नेतृत्व

जागरण संवाददाता, रांची

- लालू प्रसाद से मिलने के बाद बोले राजद प्रदेश अध्यक्ष अभय सिंह
- कहा, महागठबंधन की बैठक में होगी सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा

रिम्स के पेइंग वार्ड में इलाज करा रहे चारा घोटाले के सजायाफ्ता राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद से शनिवार को कई लोगों ने मुलाकात की। लालू से मिलनेवालों में कांग्रेस के लातेहार जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव, राजद के झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष अभय कुमार सिंह और सुभाष यादव ने मुलाकात की।

मुलाकात के बाद झारखंड राजद के प्रदेश अध्यक्ष अभय कुमार सिंह ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी 14 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने झारखंड के नेता प्रतिपक्ष हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ने की हामी भरते हुए कहा कि महागठबंधन की बैठक में सीटों के बंटवारे पर चर्चा होगी।

बिहार में बाढ़ की भयावह स्थिति में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के अनुपस्थित रहने के सवाल पर कहा कि वे हरियाणा विधानसभा चुनाव में अपने बहनोई के नामांकन में गए हुए थे। वे लगातार बिहार की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। साथ ही जदयू के झारखंड में नीतीश मॉडल बनाने के सवाल पर तीखी आलोचना करते हुए कहा कि नीतीश कुमार झारखंड को मुजफ्फरपुर शेल्टर होम जैसा या बिहार के भयावह बाढ़ की स्थिति के जैसा मॉडल देना चाहते हैं।

25 मिनट मुलाकात कर निकले मुनेश्वर, कहा अभी नहीं हो रहे राजद में शामिल : लालू प्रसाद से सबसे पहले कांग्रेस के मुनेश्वर उरांव ने मुलाकात की। अंदर जाने के महज 25 मिनट बाद ही वे बाहर आ गए। मुनेश्वर उरांव ने कहा कि लालू प्रसाद को दशहरे की शुभकामनाएं देने और उनका हाल जानने आया था।

उनकी तबीयत अभी ठीक है। कांग्रेस छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि फिलहाल ऐसी कोई बात नहीं हुई है। वर्तमान में मैं लातेहार में कांग्रेस का जिला अध्यक्ष हूं। हालांकि, विश्वसनीय सूत्रों की मानें तो मुनेश्वर उरांव के कांग्रेस छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल में शामिल होने की प्रबल संभावना है। वह जल्द ही इस दिशा में फैसला ले सकते हैं।

मासिक जांच में लालू की स्थिति नियंत्रित

इधर, लालू प्रसाद का इलाज कर रहे डॉ. डीके झा ने बताया कि उनकी तबीयत अभी नियंत्रित है। उनका मासिक चेकअप किया गया। इसमें लीवर और खून में चर्बी की जांच की गई। रिपोर्ट में यह पूरी तरह से ठीक पाया गया। उनकी किडनी 50 फीसद काम कर रही है। डॉक्टर ने बताया कि इससे ज्यादा बेहतर की उम्मीद भी नहीं कर सकते। डॉ. डीके झा ने लालू प्रसाद को पीएमसीएच ट्रांसफर करने की बात पर कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। यह सिर्फ अफवाह है।

बिखर गया चौधरी का सपना

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

सपना चौधरी। फाइल

मशहूर हरियाणवी कलाकार सपना चौधरी का लोकसभा या हरियाणा विधानसभा में जाने का सपना बिखर गया है। लोकसभा चुनावों से पूर्व भाजपा में शामिल सपना को हरियाणा विधानसभा चुनावों में भी टिकट नहीं मिला है। अब उनकी उम्मीद दिल्ली विधानसभा चुनावों पर टिकी हुई है।

दिल्ली, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लोकप्रिय सपना ने लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस मुख्यालय की ओर रुख किया था, मगर भाजपा के रणनीतिकारों ने उन्हें अपनी ओर लपक लिया। दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष मनोज तिवारी की पहल पर वह कांग्रेस में नहीं गईं और विधिवत रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। सपना को उम्मीद थी कि लोकसभा चुनाव में हरियाणा की रोहतक, सोनीपत, भिवानी-महेंद्रगढ़ या हिसार से पार्टी चुनाव लड़ाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

माना जा रहा था कि विधानसभा चुनाव में पार्टी उन्हें कहीं से उतार सकती है, लेकिन रणनीतिकारों ने सपना की जगह टिक-टॉक स्टार सोनाली फौगाट को आदमपुर हल्के से कांग्रेस के दिग्गज नेता कुलदीप बिश्नोई के खिलाफ उतार दिया। पार्टी ने तीन खिलाड़ियों को भी टिकट दिया है।

तीन खिलाड़ियों को फायदा

सपना के साथ पैरालंपिक खिलाड़ी दीपा मलिक को निराशा मिली है। भाजपा दीपा को पहले गुरुग्राम से टिकट देना चाह रही थी मगर बाद में उन्हें चुनाव नहीं लड़ने के लिए मना लिया गया। भाजपा ने सोनीपत के बरोदा से ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त को उतारा है। महिला पहलवान बबीता फोगाट को भाजपा ने चरखीदादरी सीट से चुनाव मैदान में उतारा है जबकि भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान संदीप सिंह को कुरुक्षेत्र जिले के पिहोवा विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया गया है।

राहुल दौर में उभरे नेताओं की कांग्रेस छोड़ने की रफ्तार तेज

संजय मिश्र, नई दिल्ली

राहुल गांधी। फाइल

कांग्रेस की राजनीतिक चुनौतियां हैं कि थमने का नाम नहीं ले रहीं और नेतृत्व अपने नेताओं के पार्टी छोड़ने के सिलसिले को रोकने में असहाय दिख रहा है। हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अशोक तंवर का पार्टी छोड़ना इस बात का ताजा उदाहरण है कि राहुल गांधी की छत्रछाया में उभरे तमाम नेता अपना सियासी भविष्य कांग्रेस से बाहर देखने लगे हैं। बीते कुछ समय के अंदर ही राहुल गांधी की टीम के चेहरे के तौर पर राज्यों की सियासत में उभरे आधा दर्जन से अधिक बड़े नेताओं ने कांग्रेस को अलविदा कह दिया है। इनमें चार तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके हैं।

बिहार में अशोक चौधरी से लेकर त्रिपुरा में प्रद्योत देव बर्मन हों या झारखंड में डॉ. अजय कुमार से लेकर हरियाणा में अशोक तंवर, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे राहुल के चेहरों ने ही पार्टी छोड़ी है।

अशोक चौधरी के अलावा कांग्रेस छोड़ने वाले इन प्रमुख चेहरों ने राहुल गांधी के पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद पार्टी की अंदरूनी सियासत में आए बदलावों को इसकी वजह बताया है। चाहे अशोक तंवर हों या अभी दो हफ्ते पहले ही त्रिपुरा कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले प्रद्योत देवबर्मन दोनों का यही कहना है कि राहुल के पद छोड़ने के बाद से पार्टी के वरिष्ठ नेता युवा नेताओं को ठिकाने लगा रहे हैं। इसी दलील के साथ देवबर्मन ने कांग्रेस छोड़ अपना नया सियासी ठिकाना ढूंढ़ने के इरादे को साफ कर दिया था। देवबर्मन भाजपा में शामिल होने की तैयारी में हैं और माना जा रहा कि अब अशोक तंवर भी उसी राह पर हैं। कांग्रेस में राहुल गांधी के दौर में उभरने वाले चेहरों में शामिल तंवर पार्टी छोड़ने वाले पहले नेता नहीं हैं। जिस तरह अभी कई नेता असंतोष का बिगुल बजा रहे हैं उसे देखते हुए वह आखिरी भी नहीं हैं। कांग्रेस में राहुल गांधी का दौर उनके उपाध्यक्ष बनने से पहले ही 2013 में ही शुरू हो गया था। इसी दौर में तंवर को हरियाणा की कमान सौंपी गई थी। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के लाख प्रयासों के बावजूद राहुल ने तंवर को नहीं हटाया मगर सोनिया गांधी के फिर से अध्यक्ष बनते ही तंवर की विदाई हो गई।

त्रिपुरा में युवा चेहरे के सहारे सियासी वापसी के लिए राहुल ने प्रद्योत को अध्यक्ष बनाया मगर उन्होंने भी इस्तीफा देकर पार्टी छोड़ना तय कर लिया है। झारखंड में पुराने धुरंधर चेहरों को किनारे कर डॉ. अजय कुमार को राहुल ने अध्यक्ष बनाया लेकिन पिछले महीने ही उन्होंने भी कांग्रेस को बॉय-बॉय कर आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी के प्रयासों से अल्पेश ठाकुर कांग्रेस में आए तो उनको पार्टी ने सिर आंखों पर बिठाया।

टिकट देकर विधायक बनाया फिर कांग्रेस का राष्ट्रीय सचिव बना बिहार जैसे सूबे का प्रभार दिया गया। लेकिन टीम राहुल का यह सियासी खिलाड़ी लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस से भाजपा में चला गया। वैसे कांग्रेस के लिए यह बात भी कम चिंता की नहीं कि जिन्हें पार्टी नेतृत्व ने तवज्जो दिया वे पार्टी के संकट के दौर में दूसरे सियासी नाव में कूदने में सबसे आगे हैं।

टिकट वितरण को लेकर गुजरात कांग्रेस में भी उबाल

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र तक कांग्रेस आलाकमान के फैसलों को लेकर स्थानीय नेताओं की नाराजगी की चिंगारी अब गुजरात भी पहुंच गई है। प्रदेश कांग्रेस के कद्दावर नेता जयराज सिंह व बदुरुद्दीन शेख ने टिकट वितरण को लेकर पार्टी को कठघरे में खड़ा किया है। उत्तर गुजरात के क्षत्रिय नेता जयराज सिंह कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता हैं और जिला पंचायत प्रमुख रह चुके हैं। कांग्रेस में शंकरसिंह वाघेला के कार्यकाल में जयराज सिंह की तूती बोलती थी। 2017 में वाघेला ने जब कांग्रेस से किनारा कर लिया तब वह पार्टी के साथ रहे। उनके अलावा अहमदाबाद महानगर पालिका में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बदुरुद्दीन शेख ने भी अपनी अनदेखी के चलते पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। शेख ने कहा ऐसा ही चलता रहा तो पार्टी समाप्त हो जाएगी।

राजनीति

चौटाला और बादल के रिश्तों में छिपी जीत की आस

इनेलो ने 83 सीटों पर उतारे उम्मीदवार, आधा दर्जन पर खास फोकस, तीन सीटें अकाली दल को, चौटाला परिवार को एकजुट तो नहीं कर पाए बादल पर आखिर तक दोस्ती निभाने का दम

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

प्रकाश सिंह बादल। फाइल

ओमप्रकाश चौटाला। फाइल

राजनीति में कभी भी और कुछ भी संभव है। हरियाणा की राजनीति में ऐसा पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल और पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के रिश्तों को देखकर तो कमोबेश यही कहा जा सकता है। एसवाइएल नहर निर्माण के मसले पर जिस अकाली दल और इनेलो की राजनीतिक राहें जुदा हो गईं थी, उन्हीं दोनों दलों ने अब भाजपा और कांग्रेस को मात देने की मंशा से एक बार फिर हाथ मिला लिए हैं।

हरियाणा की राजनीति में अकालियों और चौटाला परिवार दोस्ती कोई भी गुल खिलाने का माद्दा रखती है। दोनों परिवारों के बीच पुराने राजनीतिक संबंध हैं। चौटाला परिवार के बीच जब राजनीतिक बिखराव हुआ था, तब सबसे ज्यादा दुख प्रकाश सिंह बादल को ही हुआ था। ओमप्रकाश चौटाला की पत्नी स्नेहलता की रस्म पगड़ी पर बाकायदा प्रकाश सिंह बादल ने चौटाला परिवार में एकजुटता की इच्छा जाहिर की थी, लेकिन उनके लाख प्रयासों के बावजूद ऐसा हो तो नहीं सका।

हरियाणा में इनेलो ने 83 और अकाली दल ने तीन विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। चार विधानसभा सीटें महम, करनाल, अंबाला शहर और सिरसा को छोड़ दिया गया है। हालांकि इन चारों सीटों पर इनेलो द्वारा प्रत्याशी नहीं उतारे जाने की अलग-अलग वजह बताई जा रही हैं, लेकिन महम में अभय सिंह चौटाला भाजपा के बागी बलराज कुंडू को समर्थन देंगे। सिरसा में भी भाजपा के बागी गोकुल सेतिया को चौटाला परिवार का आशीर्वाद मिल गया है। करनाल में पार्टी प्रत्याशी का फार्म नहीं भर पाने को चुनाव न लड़ने का आधार बनाया जा रहा है, जबकि यही स्थिति अंबाला शहर की है।

दरअसल, अंबाला शहर की सीट इनेलो ने अकाली दल को दे दी थी, मगर ऐन वक्त पर अकाली दल ने इससे इंकार कर दिया। इसलिए जब तक इनेलो ने नया प्रत्याशी तय किया, तब तक काफी देर हो चुकी थी। अकाली दल के खाते में रतिया, कालांवाली और गुहला चीका सीटें आई हैं, जिन पर प्रकाश सिंह बादल और सुखबीर बादल ने अपनी पसंद के प्रत्याशी उतारे हैं। इनेलो ने हालांकि 83 सीटों पर उम्मीदवार उतारकर पूरे प्रदेश में कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की कोशिश की है, लेकिन अभय सिंह चौटाला का पूरा फोकस आधा दर्जन सीटों पर रहने वाला है। अभय सिंह चौटाला खुद ऐलनाबाद से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके समधी दिलबाग सिंह को यमुनानगर से चुनावी रण में उतारा गया है।

भाई रणजीत के प्रति नरम दिल हो गए थे चौटाला

इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला के भाई कांग्रेस नेता रणजीत सिंह की अपनी पार्टी से बगावत चर्चा में है। रणजीत सिंह को कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया है। यह रणजीत सिंह वही हैं, जो कांग्रेस समेत अन्य दलों को मिलाकर महागठबंधन बनाने का नारा देते थे। उन्हें कांग्रेस ने ही नजर अंदाज कर दिया। गुस्साए रणजीत सिंह जब अपने भाई ओमप्रकाश चौटाला की शरण में गए तो उन्होंने बड़ा दिल दिखाते हुए उन्हें रानियां से टिकट के लिए हामी भर दी। पेपर भी तैयार हो गए और टिकट की पर्ची भी दे दी गई, लेकिन घर जाकर रणजीत सिंह का मन बदल गया। बहरहाल, रणजीत सिंह ने आजाद ही ताल ठोंकी।

71 सेवानिवृत्त नौकरशाहों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि आइएनएक्स मीडिया मामले में वित्त मंत्रालय के चार पूर्व अधिकारियों पर मुकदमा चलाने की कार्रवाई परिश्रमी और ईमानदार अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्णय लेने में हतोत्साहित करेगी।

बाढ़ का कहर, अभी भी राजेंद्रनगर और पाटलिपुत्र में तीन फीट पानी

हालात ▶ पटना में घटने लगी पुनपुन, तटबंध टूटने का खतरा टला

गया-पटना और वेना-बिहार शरीफ रेलखंड पर अब भी ट्रेनों का परिचालन बाधित

जागरण संवाददाता, पटना

राजधानी के पॉश इलाके राजेंद्रनगर और पाटलिपुत्र में एक सप्ताह बाद भी तीन फीट तक जलजमाव है। उधर, पिछले तीन दिनों से पटना शहर को अपने बढ़े जलस्तर से डरा रही पुनपुन नदी ने शनिवार को करवट ली है। जलस्तर में 20 सेंटीमीटर की कमी आने से सुरक्षा तटबंध टूटने का खतरा टल गया है। पुनपुन का जलस्तर 53.51 मीटर पर आने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है। हालांकि अभी यह खतरे के निशान से पौने तीन मीटर ऊपर है।

वहीं गंगा का भी जलस्तर घट रहा है। गया-पटना और वेना-बिहार शरीफ रेलखंड पर परिचालन अभी ठप है। कई ट्रेनें रूट डायवर्ट कर चलाई जा रही हैं।

गुरुवार और शुक्रवार को पुनपुन के 11 रिंग बांध टूटने के बाद कई गांवों में बाढ़ का पानी फैल गया था। इससे 86 हजार 768 लोग प्रभावित हुए हैं। पीड़ितों के लिए प्रशासन की ओर से 33 कम्युनिटी किचेन में भोजन-पानी एवं बच्चों को दूध की व्यवस्था की गई है। डीएम ने मुख्य बांध को सुरक्षित बताया है। डीएम कुमार रवि ने सुबह ही बाढ़ प्रभावित पुनपुन क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्य का निरीक्षण किया। डीएम ने बताया कि कई स्थानों में मेडिकल कैंप लगाकर चिकित्सक पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ इलाज कर रहे हैं।

पटना में शनिवार को बाढ़ग्रस्त इलाके में पीड़ितों को राहत-सामग्री वितरित की गई। सीपी मिश्र

जलजमाव पर दोषारोपण का दौर, अफसरों पर भड़के सांसद और मंत्री

राज्य ब्यूरो, पटना : पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद रामकृपाल यादव ने शनिवार को अफसरों पर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि पटना को डुबोने के लिए पूरी तरह से पटना नगर निगम और बुडको के अधिकारी जिम्मेदार हैं। अफसरों का हाल यह है कि वे सांसद का फोन नहीं उठाते। पटना को पानी-पानी करने के लिए यहां के अधिकारी जिम्मेदार हैं। रामकृपाल ने शनिवार को दानापुर नगर परिषद क्षेत्र में बरसात के पानी की निकासी को लेकर नगर विकास एवं आवास मंत्री सुरेश शर्मा से गुहार लगाई है। उन्होंने कहा है कि मेरे क्षेत्र का दानापुर इलाका बारिश के पानी से अब भी डूबा है। पानी निकासी को लेकर कोई काम नहीं किया गया है।

नगर विकास एवं आवास मंत्री सुरेश शर्मा ने शनिवार को बड़ा खुलासा किया। उन्होंने पटना में जलजमाव के लिए नगर निगम के पूर्व नगर आयुक्त अनुपम कुमार सुमन को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा पूर्व नगर आयुक्त हमारी बात सुनते ही नहीं थे। इसकी मैंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर शिकायत भी की थी। विभाग की ओर से कार्रवाई की तैयारी है।

नीतीश की आलोचना पर जदयू ने भाजपा नेताओं पर उठाए सवाल

राज्य ब्यूरो, पटना

▶ केसी त्यागी ने कहा- कुछ नेता ऐसे टिप्पणी कर रहे हैं जैसे वह तेजस्वी की भूमिका में हैं

▶ जदयू के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि डिरेल हो गए हैं गिरिराज

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और भाजपा के कुछ अन्य नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर की जा रही तीखी टिप्पणी का शनिवार को जदयू ने करारा जवाब दिया है। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव केसी त्यागी ने शनिवार को कहा कि भाजपा के कुछ नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राजद से भी तीखा प्रहार कर रहे हैं। ये लोग नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी का काम कर रहे हैं।

त्यागी ने कहा कि टिप्पणी में व्यस्त भाजपा के मित्रों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यूएन में जलवायु परिवर्तन पर दिए गए संबोधन को सुन लेना चाहिए। पटना के जलजमाव के मामले में सबको जवाबदेही लेकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुंबई महानगरपालिका का बजट 70 हजार करोड़ रुपये का है। हर साल बारिश में वहां जलजमाव होता है। चेन्नई, बंगलुरु और हैदराबाद में भी यह समस्या है। उज्जैन में विगत सात दिनों से जलजमाव की वजह से पूजा बाधित है। वाराणसी में भी समस्या है।

चुनाव के समय पैर पकड़ रहे थे और आज ट्वीट कर रहे : जदयू नेता और भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि गिरिराज सिंह विवादास्पद बयान देकर चर्चा में रहने के आदी हैं। कभी हिंदू-मुस्लिम तो कभी कुछ और। चुनाव के समय यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पैर पकड़ रहे थे और आज ट्वीट कर रहे हैं। अगर उनके क्षेत्र में किसी तरह की समस्या है तो वह मुख्यमंत्री से मिलने के बजाए ट्वीट कर आलोचना कर रहे। उनका राजनीतिक आचरण

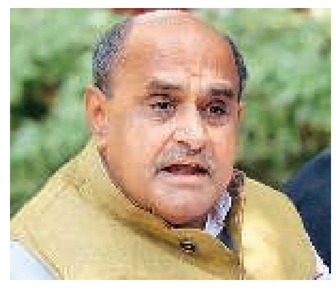

केसी त्यागी। फाइल

ठीक नहीं है। गिरिराज सिंह को कभी किसी ने अपने महकमे की बात करते नहीं सुनी है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को इस तरह के नेताओं के वक्तव्य पर अंकुश लगाना चाहिए।

डिरेल हो गए हैं गिरिराज : संजय सिंह : जदयू के मुख्य प्रवक्ता संजय सिंह ने कहा कि गिरिराज सिंह डिरेल हो गए हैं। मुख्यमंत्री पर किसी तरह की टिप्पणी करने के पहले उन्हें अपनी हैसियत जान लेनी चाहिए। नीतीश कुमार के पैरों के धूल के बराबर भी नहीं हो सकते हैं गिरिराज। अगर हमारा मुंह खुल गया तो ऐसे लोग पानी-पानी हो जाएंगे। ट्वीट करने की जगह पटना में आकर राहत कार्य में हाथ क्यों नहीं बंटाया?

उप्र में एक लाख के इनामी ने खुद को मारी गोली, मौत

जागरण संवाददाता, बिजनौर : उप्र के बिजनौर स्थित दौलताबाद निवासी पूर्व एयर होस्टेस की हत्या के बाद सुर्खियों में आए एक लाख के इनामी बदमाश अश्वनी उर्फ जॉनी ने शुक्रवार रात चेकिंग के दौरान रोडवेज बस में खुद को गोली मार ली। आरोपित मध्य रात्रि में नगीना से बढ़ापुर जाने के लिए बस में सवार हुआ था। वह बढ़ापुर में भाजपा नेता भीम सिंह के किसी परिजन की हत्या के फिराक में था।

भाजपा नेता भीम सिंह के बेटे राहुल व भतीजे कृष्णा की उनके पड़ोसी जॉनी ने रंजिश में 26 सितंबर को गोली मारकर हत्या कर दी थी। वारदात के पांचवें दिन 30 सितंबर को स्योहारा के गांव दौलताबाद निवासी पूर्व एयर होस्टेस नितिका शर्मा की घर में घुसकर गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी।

गुरुवार रात जॉनी की लोकेशन नगीना में एक रेस्टोरेंट पर मिली थी। शुक्रवार रात करीब एक बजे बढ़ापुर थाना पुलिस चेकिंग कर रही थी, तभी बिजनौर डिपो की दिल्ली से बढ़ापुर आ रही रोडवेज बस में खिड़की की तरफ सीट पर बैठे युवक से चेहरे से रूमाल हटाने को कहा गया। पलक झपकते ही युवक ने अपनी पिस्टल कनपटी पर सटाकर खुद को गोली मार ली। उसकी पहचान अश्वनी उर्फ जॉनी के रूप में हुई। पुलिस उसे लेकर सीएचसी नगीना पहुंची, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एसपी देहात विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि जॉनी के पास से पिस्टल व 16 गोलियां, मोबाइल, कपड़े, पैनकार्ड व पर्स बरामद हुआ। वह बस में नगीना फाटक के पास से बस में सवार हुआ था।

चिन्मयानंद और छात्रा सहित पांच आरोपितों की रिमांड हुई मंजूर

जासं, शाहजहांपुर

चिन्मयानंद की आपत्तिजनक वीडियो क्लिप और रंगदारी प्रकरण से जुड़े वीडियो में आवाज मिलान के लिए एसआइटी को पांचों आरोपितों की रिमांड की अनुमति मिल गई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया। अब एसआइटी चिन्मयानंद, छात्रा व रंगदारी के तीनों अन्य आरोपितों को लखनऊ लेकर जाएगी।

10 सितंबर को पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद की एक दर्जन से ज्यादा आपत्तिजनक वीडियो क्लिप वायरल हुईं थीं। उसी शाम को एक वीडियो और वायरल हुआ था, जिसमें चिन्मयानंद पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली छात्रा, उसका दोस्त संजय, विक्रम और सचिन रंगदारी को लेकर बातचीत करते सुनाई दे रहे थे। छात्रा ने जब चिन्मयानंद पर दुष्कर्म का आरोप लगाया तो सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर विशेष जांच दल (एसआइटी) ने दोनों मामलों की जांच शुरू की। जिसमें चिन्मयानंद को दुष्कर्म के आरोप और छात्रा, संजय, विक्रम, सचिन को उनसे रंगदारी मांगने के आरोप में जेल भेज दिया गया था। उस वक्त एसआइटी ने मिले कई वीडियो की सत्यता की पुष्टि व आरोपितों द्वारा अपराध स्वीकारने का हवाला दिया था। हालांकि साक्ष्यों को पुष्ट करने के लिए टीम दोनों मामलों के वीडियो व उनसे जुड़े आरोपितों की आवाज का मिलान लखनऊ स्थित लैब में करना चाहती थी। इसके लिए सीजेएम को प्रार्थना पत्र दिया था।

सभी को विधि विज्ञान प्रयोगशाला लखनऊ ले जाया जाएगा : शनिवार दोपहर को सीजेएम ओमवीर सिंह ने मामले पर सुनवाई करते हुए चिन्मयानंद, उनसे रंगदारी मांगने की आरोपित छात्रा उसके दोस्त संजय सिंह, विक्रम सिंह व सचिन सेंगर को आवाज की सैंपलिंग के लिए लखनऊ, विधि विज्ञान प्रयोगशाला ले जाने की अनुमति दे दी। हालांकि आदेश में इस बात का जिक्र नहीं है कि कब और कितने समय के लिए रिमांड की अनुमति दी गई है। ऐसे में सभी आरोपितों को कभी भी सैंपल के लिए लैब ले जाया जा सकता है।

दशहरा बाद कर सकते हैं हाईकोर्ट में अपील

चिन्मयानंद व छात्रा की जमानत अर्जी जिला जज की कोर्ट से खारिज हो चुकी है। अब हाईकोर्ट का ही विकल्प बचा है। हाईकोर्ट में दशहरा के कारण अवकाश है। ऐसे में माना जा रहा है कि दशहरा बाद दोनों पक्ष हाईकोर्ट में जमानत के लिए अपील कर सकते हैं।

चिन्मयानंद के अलावा एसआइटी ने रंगदारी के आरोपितों को लखनऊ विधि प्रयोगशाला ले जाने की अनुमति दे दी है। पांचों लोगों को वहां कब ले जाया जाएगा, यह एसआइटी तय करेगी। इस जांच से बहुत कुछ साफ हो जाएगा।

-ओम सिंह, अधिवक्ता चिन्मयानंद।

पीएम तक पहुंची मप्र के 40 से अधिक अफसरों की शिकायत

रवींद्र कैलासिया, भोपाल : मध्य प्रदेश के 40 से ज्यादा नौकरशाहों की कमजोरियों को एक गुमनाम पत्र के जरिये प्रधानमंत्री तक भेजा गया है। इन नौकरशाहों में कुछ केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा चुके हैं। इस सूची में कुछ वे नाम भी हैं, जिनकी चर्चा हनीट्रैप मामले में होती रही है।

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री को एक गुनमान मप्र के नौकरशाहों के खिलाफ गुमनाम पत्र के रूप में शिकायत भेजी गई है। इसमें 42 अधिकारियों के नाम हैं। इन पर भ्रष्टाचार सहित कई अन्य आरोप लगाए गए हैं। इन अधिकारियों के आसपास सक्रिय रहने वाले अशासकीय व्यक्तियों के नाम भी शिकायत में बताए गए हैं। आरोप है कि इनके माध्यम से सरकारी काम हासिल किए जाते हैं या अन्य काम कराए जाते हैं। इन अशासकीय व्यक्तियों में कई बिल्डर और शिक्षण संस्थाओं से जुड़े लोग भी हैं। उपहारों का व्यापार करने वाले एक व्यापारी का नाम तो करीब आधा दर्जन अधिकारियों के करीबी के तौर पर बताया गया है, जबकि छापे की कार्रवाई में फंस चुके एक व्यक्ति को तीन अधिकारियों का निकट सहयोगी बताया गया है। सूत्रों के मुताबिक नौकरशाहों की अवैध कमाई को कहां निवेश किया गया, यह भी बताया गया है।

'भगवान राम से जुड़ी खुशखबरी जल्द'

जागरण संवाददाता, गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बहुत जल्द ही भगवान राम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी सुनने को मिलेगी। हालांकि रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का सीधे तौर पर जिक्र न करते हुए उन्होंने अपनी इस बात को विस्तार नहीं दिया और एक ही वाक्य में समाप्त कर दिया। वह यहां मोरारी बापू की कथारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे इंतजार के बाद मुरारी बापू के मुखारविंद से श्रीराम कथा सुनने का सौभाग्य गोरखपुर के लोगों को मिल रहा है। योगी ने कहा कि सौभाग्य की बात है कि शारदीय नवरात्र पर रामकथा शुरू हो रही है। काफी दिनों से बापू कहते थे कि उन्हें बाबा गोरखनाथ को राम कथा सुनानी है। जब अवसर आया तो मौसम की खराबी ने परेशानी बढ़ा दी। लगा कि ईश्वर हमारी परीक्षा ले रहा है, पर जैसे ही बापू की कथा का समय नजदीक आया, सब कुछ ठीक हो गया।

भगवान राम को भारत की सनातन हिंदू परंपरा से जोड़ते हुए कहा कि हिंदू धर्म की परंपरा भगवान विष्णु के जिन अवतारों पर ज्यादा विश्वास करती है, श्रीराम उसमें एक आदर्श हैं। जीवन के हर पक्ष में, जहां कहीं कोई समस्या पैदा होती है, हमें श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों से प्रेरणा मिलती है।

राम के प्रति सनातन आस्था और उससे उपजी भक्ति ही देश की शक्ति है। बापू की रामकथा के महात्म्य की चर्चा करते हुए योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस में भी उनकी कथा का रसपान करने पहुंच गए।

कभी-कभी अच्छे दिन तीस साल बाद आते हैं: मोरारी बापू : कथा प्रारंभ करने से पहले मोरारी बापू ने कहा कि मुझे पता है कि आज से तीस साल पहले गोरखपुर के लोगों ने मेरी कथा कराने का कार्यक्रम बनाया था, लेकिन यह संयोग योगी (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) राज में बना। कभी-कभी अच्छे दिन तीस साल बाद आते हैं और कभी-कभी तो 70 साल बाद आते हैं।

गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में रामकथा शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, व्यासपीठ पर विराजमान कथावाचक मोरारी बापू। जागरण

तेजस की रफ्तार से काशी और आगरा भी जुड़ेंगे

जागरण संवाददाता, वाराणसी

काशी तक वंदे भारत एक्सप्रेस के बाद अब तेजस चलाने की कवायद तेज हो गई है। लखनऊ-दिल्ली तेजस के उदघाटन के दौरान सीएम योगी द्वारा सेमी हाईस्पीड कॉरिडोर के लिए जमीन मुफ्त में मुहैया कराने के एलान के बाद फाइल में दबी इस परियोजना को पंख लग गए हैं। पहले पड़ाव में काशी और आगरा की दूरी साढ़े तीन घंटे में पूरी कराने पर मंथन हो चुका है।

गत वर्ष स्पेन की कंपनी ट्रिपसो द्वारा रिपोर्ट मंत्रालय में सौंपने के बाद स्वयं रेल मंत्री पीयूष गोयल ने इस बात का एलान किया था। स्पेन की कंपनी ने आगरा-बनारस के बीच संभावनाएं तलाशी थीं। बाद में रेल मंत्रालय ने इसे नई दिल्ली से आगरा, लखनऊ, वाराणसी होते हुए पटना तक बढ़ा दिया है। यानी अब नई दिल्ली से आगरा, लखनऊ, वाराणसी व पटना के बीच 1111 किलोमीटर लंबा सेमी हाईस्पीड कॉरिडोर बनेगा। नए कॉरिडोर निर्माण के लिए अफसर जमीन को बड़ा रोड़ा मान रहे थे। इस कंपनी ने सेमी हाईस्पीड रेल संचालन के लिए पांच रूटों पर सर्वे किया था। इनमें नई दिल्ली-चंडीगढ़, मुंबई-अहमदाबाद, चेन्नई-बेंगलुरु थे।

फाइल

'मुख्यमंत्री के एलान के बाद मंत्रालय स्तर पर योजना तैयार कर इस ओर काम शुरू कर दिया जाएगा। तेजस का परिचालन इस नए कॉरिडोर से संभव हो सकेगा।'

-संजय त्रिपाठी, मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ

आजम खां को कोर्ट से झटका, आठ मामलों में अग्रिम जमानत खारिज

जासं, रामपुर

मकान तोड़ने, मारपीट, लूटपाट, पशु चोरी आदि के आरोपों में फंसे सपा सांसद आजम खां को सभी मुकदमों में कोर्ट से राहत नहीं मिल सकी। अदालत ने उनके खिलाफ चल रहे आठ मुकदमों में अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। हालांकि चार मुकदमों में 11 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दे दी है।

सांसद के खिलाफ रामपुर कोतवाली में 12 मुकदमे दर्ज हुए थे। ये सभी मुकदमे मुहल्ला घोसियान सराय गेट स्थित यतीमखाना बस्ती के लोगों की शिकायत पर हुए थे। आरोप है कि सांसद के कहने पर पुलिस और प्रशासन ने उनके मकान तोड़ दिए थे। लोगों को पीटकर जबरन घर से निकाला गया था। नकदी, जेवर, भैंस आदि सामान लूट लिया था।

इन मामलों में जिला जज के न्यायलय में अग्रिम जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी दलविंदर सिंह डंपी और जिला शासकीय अधिवक्ता राजस्व अजय तिवारी ने बहस की। जिला शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि अदालत ने आठ मामलों में अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिए हैं। हालांकि चार मामलों में अभी सुनवाई पूरी नहीं हो सकी है। इन पर 11 अक्टूबर को सुनवाई होगी। तब तक उन्हें अदालत ने अंतरिम जमानत दी है। इसके अलावा जिला सहकारी संघ की दुकानों को जबरन खाली कराकर पत्नी के नाम आवंटन कराने के मामले में सांसद को अंतरिम जमानत मिली है।

आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी का गेट तोड़ने के मामले में फैसला नहीं हो सका है। इस मामले में 22 अक्टूबर को सुनवाई होगी।

आजम खां। फाइल

एसआइटी ने आजम से की ढाई घंटे तक पूछताछ

जासं, रामपुर : जौहर यूनिवर्सिटी के लिए जमीन कब्जाने में फंसे सपा सांसद आजम खां शनिवार को चौथी बार एसआइटी (विशेष जांच दल) के सामने पेश हुए। उनसे महिला थाने के बंद कमरे में करीब ढाई घंटे तक पूछताछ हुई। इस दौरान सांसद के बेटे विधायक अब्दुल्ला और मुरादाबाद के बिलारी विधायक फहीम को टीम ने बाहर इंतजार करना पड़ा।

सांसद पर आरोप है कि उन्होंने सपा शासनकाल में किसानों की जमीन पर कब्जा कर उन्हें अपनी जौहर यूनिवर्सिटी में मिला लिया था। अजीमनगर थाने में सांसद के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमों की जांच के लिए एसआइटी जांच कर रही है। टीम ने सांसद को नोटिस जारी कर बयान के लिए शुक्रवार को तलब किया था। कुछ सवालों के जवाब देने के लिए एसआइटी ने उन्हें 24 घंटे का समय दिया था। इस पर शनिवार को चौथी बार सांसद फिर महिला थाने पहुंचे।

धोखाधड़ी में टीवी9 का पूर्व सीईओ हुआ गिरफ्तार

▶ पुलिस ने समूह के पूर्व सीएफओ एमकेवीएन मूर्ति को भी हिरासत में लिया

हैदराबाद, आइएएनएस : हैदराबाद पुलिस ने शनिवार को बहुभाषी टीवी चैनल समूह टीवी9 के पूर्व सीईओ रवि प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया। उन पर धोखाधड़ी और कंपनी के फंड को डाइवर्ट करने का आरोप है। इसी के साथ पुलिस ने समूह के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) एमकेवीएन मूर्ति को भी हिरासत में ले लिया है। दोनों को बंजारा हिल्स पुलिस थाने ले जाया गया है, जहां पर पूछताछ चल रही है। टीवी9 समूह का स्वामित्व रखने वाली अलांदा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा रवि प्रकाश पर दर्ज कराए गए दो मामलों के बाद उसे गिरफ्तार किया गया है।

प्रबंधन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि रवि प्रकाश और मूर्ति ने सितंबर 2018 से लेकर मई 2019 के बीच कंपनी के बैंक खाते से 18.31 करोड़ रुपये निकाले। आरोप है कि दोनों ने यह रकम निदेशकों की मंजूरी के बिना निकाली। हालांकि उनका दावा है कि यह उनका बोनस है। दोनों के खिलाफ एक अन्य मामला भी दर्ज किया गया है, जिसमें इन पर टीवी9 का लोगो बेचने का आरोप है। दोनों पर धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का आरोप लगाया गया है। अलांदा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत पर रवि प्रकाश और मूर्ति को दूसरी बार गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले दोनों पर धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप था। वर्ष 2004 में टीवी9 चैनल के लांच के मौके से इसकी कमान संभालने वाले रवि प्रकाश को अलांदा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने इसी साल मई में सीईओ के पद से बर्खास्त कर दिया था।

बता दें कि पिछले साल टीवी9 समूह का स्वामित्व रखने वाली एसोसिएट ब्राडकास्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (एबीसीपीएल) की 90.54 फीसद हिस्सेदारी अलांदा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड खरीद ली थी। इसके बाद उसे टीवी9 समूह के सभी चैनलों का मालिकाना हक मिल गया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत देने से इन्कार और जांचकर्ताओं के सामने पेश होने का आदेश देने के बाद रवि प्रकाश इसी साल चार जून को पुलिस के सामने पेश हुआ था। एक जाने-माने एंकर का दावा है कि रवि प्रकाश को गलत तरीके से फंसाया गया है।

मिली मंजूरी

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर जवानों की सूची में शामिल होगा स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना का नाम

शहादत के 29 साल बाद मिला शहीद का दर्जा

नई दिल्ली, प्रेट्र : वायुसेना ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर जवानों की सूची में स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना के नाम को शामिल करने की मंजूरी दे दी है। इस तरह शहादत के 29 साल बाद उन्हें शहीद का दर्जा मिल गया।

सूत्रों के मुताबिक, 'वायुसेना मुख्यालय ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के वायुसेना जवानों की सूची में स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना के नाम को शामिल करने की मंजूरी प्रदान कर दी है।' सितंबर के अंतिम सप्ताह में वायुसेना अधिकारियों द्वारा यह निर्णय लिया गया था। दरअसल, किसी न किसी कार्रवाई या युद्ध में मारे गए जवानों के नाम राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की दीवारों पर उत्कीर्ण हैं। इसमें उनके साहस की गाथा का भी वर्णन है।

गौरतलब है कि 25 जनवरी 1990 के दिन प्रतिबंधित जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के आतंकियों ने रवि खन्ना समेत वायुसेना के चार कर्मचारियों की हत्या कर दी थी। जेकेएलएफ प्रमुख रहे यासीन मलिक पर भी खन्ना की हत्या में शामिल होने का आरोप है। इसी मामले में 31 अगस्त 1990 को सीबीआइ ने टाडा कोर्ट में यासीन मलिक के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। आतंक के वित्त पोषण मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) द्वारा गिरफ्तार किया गया मलिक फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है। उसे वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष अदालत में पेश किया जाता है।

1990 में जेकेएलएफ आतंकियों ने कर दी थी वायुसेना अधिकारी की हत्या

रवि खन्ना की फोटो के साथ निर्मल। फाइल

पति को न्याय दिलाने के लिए निर्मल ने किया कड़ा संघर्ष

पति को न्याय दिलाने और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर उनके नाम को लेकर रवि खन्ना की पत्नी निर्मल खन्ना ने कड़ा संघर्ष किया। जम्मू निवासी निर्मल की शादी 10 सितंबर 1978 को अमृतसर के रवि से हुई थी। 1987 में रवि को स्टाफ कालेज ट्रेनिंग के लिए चुना गया था, जिसके चलते कश्मीर घाटी में उनको तैनाती मिली। 25 जनवरी 1990 को आतंकियों ने रवि की हत्या कर दी। पति की मौत के 10 महीने के अंदर अमृतसर में रहने वाले उनके माता-पिता का निधन हो गया। निर्मल कहती हैं कि मुझे दो छोटे बच्चों के साथ बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। लगभग साढ़े चार साल तक पेंशन के बिना गुजारा करना पड़ा, लेकिन मैंने अपनी पूरी लड़ाई फूलन देवी की तरह लड़ी। निर्मल ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि न्याय मिलने से पहले उनकी आंखें बंद नहीं होंगी।

बेपटरी हुई मिलिट्री स्पेशल ट्रेन दो घंटे बाधित रहा रेल मार्ग

जासं, मुरादाबाद

रामपुर के पास खाली जा रही सेना स्पेशल ट्रेन की एक बोगी के दो पहिए पटरी से उतर गए। मंडल रेल प्रबंधक तरुण प्रकाश ने बताया कि बोगी को हटाकर ट्रेन का संचालन रात में 9.35 बजे सुचारू कर दिया गया। जांच के लिए जूनियर स्केल के अधिकारियों की टीम बनाई गई है, जो घटना के कारणों की जांच करेगी।

सेना स्पेशल ट्रेन शनिवार को लखनऊ जा रही थी। शनिवार रात 7.35 बजे रामपुर के पास धनेटा रेलवे स्टेशन की लूप लाइन से गुजरने के दौरान इंजन के पीछे की एक बोगी के दो पहिए पटरी से उतर गए। इससे डाउन लाइन बंद हो गई। सूचना मिलते ही मुरादाबाद व बरेली से क्रेन घटनास्थल पर भेजी गई। हादसे के बाद रामपुर से बरेली मार्ग अवरुद्ध हो गया। ट्रेनों का संचालन बंद होने पर आला हजरत एक्सप्रेस, इंटरसिटी एक्सप्रेस और बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस को बीच रास्ते में रोक दिया गया। आला हजरत एक्सप्रेस को दुगनपुर रेलवे स्टेशन पर रोका गया है। वहीं दो ट्रेनें रास्ते में रुकी रहीं।

बरेली एक्सप्रेस रोकी, बिहार संपर्क क्रांति डायवर्ट : मिलिट्री स्पेशल बेपटरी होने की सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम ने संबंधित सभी रूट के चालकों को अलर्ट कर दिया। बरेली एक्सप्रेस (14322) को डुगनपुर स्टेशन पर रोक दिया गया।

रामपुर के धनेटा के पास पटरी से उतरी मिलिट्री स्पेशल ट्रेन की बोगी। जागरण

सिमी प्रमुख नागौरी व मोहम्मद मुनीर को तीन-तीन साल कैद

नईदुनिया, उज्जैन : मध्य प्रदेश के उज्जैन में नवंबर 1998 में धार्मिक उन्माद फैलाने वाला भाषण देने के मामले में कोर्ट ने प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन सिमी के प्रमुख सफदर नागौरी और मोहम्मद मुनीर को तीन-तीन साल कैद और एक-एक हजार पए जुर्माने की सजा सुनाई है। तीसरे आरोपित सैयद सलाउद्दीन की ट्रायल के दौरान मृत्यु हो चुकी है। उप संचालक अभियोजन डॉ. साकेत व्यास ने बताया कि महाकाल थाने के तत्कालीन प्रभारी जीजी पांडेय 5 नवंबर 1998 को सर्कल भ्रमण कर रहे थे। तोपखाना क्षेत्र में एक सभा चल रही थी, जिसमें सफदर नागौरी, मोहम्मद मुनीर और सैयद सलाउद्दीन ने भड़काऊ भाषण दिया था। इस पर महाकाल पुलिस ने केस दर्ज किया था।

सफदर नागौरी फिलहाल भोपाल जेल में बंद है। शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सफदर को सजा सुनाई गई। मोहम्मद मुनीर कोर्ट में पेश हुआ था।

525 वर्षों में पहली बार त्रिपुरा के मंदिर में इस दुर्गा पूजा में जानवरों की बलि नहीं दी जाएगी। त्रिपुरा हाई कोर्ट ने धार्मिक स्थलों पर जानवरों की बलि दिए जाने की सदियों पुरानी परंपरा पर रोक लगा दी है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 6 अक्टूबर 2019

न्यूज गैलरी

ओडिशा सरकार ने 4 भ्रष्ट अधिकारियों को सेवानिवृत्ति दी

भुवनेश्वर : ओडिशा सरकार ने अपने चार भ्रष्ट अधिकारियों को उनकी नौकरी की अवधि पूरा होने से पहले ही सेवानिवृत्त कर दिया है। इन अधिकारियों के खिलाफ विजिलेंस विभाग में मामला चल रहा है जिसके आधार पर सरकार ने यह कदम उठाया है। इन अधिकारियों में ढेंकानाल के आरटीओ बसंत कुमार बेहरा, उप आबकारी कमिश्नर दिलीप कुमार नाग, खड़ियाल डिवीजन में कार्यरत उप वन संरक्षक शरत चन्द्र पंडा तथा निलंबित सहायक आपूर्ति अधिकारी अशोक कुमार माझी शामिल हैं। पिछले साल विजिलेंस विभाग की तरफ से आरटीओ बेहरा के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर 3.6 करोड़ रुपये आय से अधिक संपत्ति को जब्त की थी। उल्लेखनीय है कि पिछले अगस्त एवं सितंबर महीने में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भ्रष्टाचार के आरोपित 37 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया था जबकि छह सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन बंद करने के लिए निर्देश दिया था। (जासं)

मप्र में महिला पर पूर्व पति ने डाला एसिड, मां भी झुलसी

बैतूल : मध्य प्रदेश के बैतूल के बोरदेही थाना क्षेत्र के ग्राम बिसखान में शुक्रवार-शनिवार की रात तलाकशुदा महिला पर उसी के पूर्व पति ने एसिड डाल दिया। इस हमले में महिला और उसकी मां झुलस गई। दोनों जिला अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस के मुताबिक रोशनी डोभाड़े और ग्राम करपा निवासी बलराम गिरहारे की शादी अप्रैल 2016 में हुई थी। दोनों के बीच करीब डेढ़ साल पहले तलाक हो चुका था और तब से महिला मायके में रह रही थी। इधर, बलराम ने दूसरी शादी भी कर ली, लेकिन उसकी दूसरी पत्नी भी उसे छोड़ गई। जिस पर बलराम रोशनी पर फिर से साथ रहने के लिए दबाव बना रहा था। रोशनी के इंकार करने पर रात करीब सवा बजे बलराम रोशनी के घर में घुसा और रोशनी के चेहरे पर एसिड डाल दिया। इससे वह झुलस गई। इसी दौरान रोशनी के बगल में सो रही मां के हाथ पर भी एसिड गिर गया, जिससे वह भी झुलस गई। (नईदुनिया)

चारदीवारी फांदकर जेल से भाग रहे कैदी की गिरकर मौत

रांची : रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में शनिवार को चारदीवारी फांद कर भागने की कोशिश में एक कैदी सुनील कुमार सिंह (23) की गिरकर मौत हो गई। सुनील एक साल पहले रांची के चंदवे में हुई बैंक लूट के मामले में छह माह से जेल में बंद था। उसे मानसिक रूप से बीमार भी बताया जा रहा है। रिनपास में उसका इलाज चल रहा था। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में वह मानसिक दिव्यांग सेल में रह रहा था। सुनील कुमार सिंह रांची जिले के बुढ़मू थाना क्षेत्र के अकतान का रहने वाला था। वह पिठोरिया थाना क्षेत्र के चंदवे में 22 जून 2018 को हुई 7.19 लाख रुपये की लूट के मामले का आरोपित था। (राब्यू)

अनंतनाग में डीसी कार्यालय पर ग्रेनेड हमला, 14 जख्मी

कायराना हरकत ▶ घायलों में शामिल एक बच्चे समेत तीन की हालत गंभीर

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

डीसी कार्यालय के बाहर ग्रेनेड से हमले के बाद गिरा पड़ा स्कूटर। एएनआइ

आतंकियों ने शनिवार को अनंतनाग में जिला उपायुक्त (डीसी) कार्यालय पर ग्रेनेड हमला किया। इस हमले में 14 लोग घायल हुए हैं। घायलों में एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी और एक स्थानीय मीडियाकर्मी के अलावा एक छोटा बच्चा भी शामिल है। तीनों घायलों की हालत गंभीर है। हमले के बाद अनंतनाग समेत वादी के सभी प्रमुख शहरों और कस्बों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। देर शाम तक न तो किसी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी और न सुरक्षाबलों को हमलावार आतंकियों का कोई सुराग मिल पाया था।

जानकारी के अनुसार, शनिवार की सुबह करीब 11 बजे डीसी कार्यालय में स्थानीय लोगों की भीड़ जुटी हुई थी। इस दौरान वहां आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया। ग्रेनेड डीसी कार्यालय के गेट के पास फटा। इस धमाके में 14 लोग जख्मी हो गए। लोगों के मुताबिक, ग्रेनेड डीसी कार्यालय के गेट पर जमा लोगों को निशाना बनाने के लिए फेंका गया था, हालांकि पुलिस का दावा है कि आतंकियों का निशाना वहां से गुजर रहे सुरक्षाबलों का एक गश्तीदल था। हालांकि आतंकी निशाना चूक गए और ग्रेनेड सड़क के किनारे खड़े लोगों के पास गिरकर फटा। धमाके में करीब छह वाहनों को भी क्षति पहुंची है। धमाका होते ही वहां अफरातफरी मच गई और लोग सुरक्षित स्थानों की तरफ भागे। विस्फोट की आवाज सुनकर आसपास के इलाके में मौजूद सुरक्षाकर्मी तुरंत मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तुरंत परिसर को घेरे में लेते हुए, जख्मी लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। तीन घायलों की हालत गंभीर बताई गई है।

आतंकियों ने अनंतनाग में पंच को मारी गोलियां, हालत गंभीर: ब्लॉक विकास परिषद (बीडीसी) के चुनाव में खलल डालने के लिए आतंकियों ने शनिवार रात को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में एक पंच को उसके घर में दाखिल होकर गोलियों से भून दिया। घायल पंच को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर के अनुसार पंच को तीन गोलियां लगी हैं। ऐसे में उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

बीएसएफ ने कच्छ में पाकिस्तान की दो नौकाएं जब्त कीं

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : गुजरात में समुद्री मार्ग से आतंकी हमले के अलर्ट के बीच कच्छ के सरक्रीक क्षेत्र से बीएसएफ को पेट्रोलिंग के दौरान दो पाकिस्तानी नौका मिली हैं। बीएसएफ ने इसे जब्त कर आसपास के इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। मछली पकड़ने वाले सामान के अलावा नौका में कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली है।

शनिवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे पेट्रोलिंग के दौरान हरामी नाला के पास लावारिस अवस्था में यह नौकाएं दिखाई दीं। एक इंजन वाली इन नौकाओं में कोई सवार नहीं था। बीएसएफ के सूत्रों से मिली जानकारी मुताबिक गत अगस्त महीने में हरामी नाला के पास से ही दो पाकिस्तानी नौका लावारिस अवस्था में मिली थी। उस समय भी नौका में केवल मछली पकड़ने का सामान पाया गया था।

रामेश्वरम में संदिग्ध क्षतिग्रस्त नौका हुई बरामद

रामेश्वरम, एएनआइ: पुलिस ने शनिवार को ऊचीपुली बीच से एक संदिग्ध नौका बरामद की। नौका का अगला भाग जहां क्षतिग्रस्त है वहीं इसमें लगा इंजन भी गायब है। नौका के एक हिस्से से फोन बरामद किया गया है, जिसके माध्यम से पुलिस इसके मालिक का पता लगाने का प्रयास कर रही है। बता दें कि तूतीकोरिन और कन्याकुमारी इलाके के मछुआरे इस तरह की नौकाओं का प्रयोग मछली पकड़ने में करते हैं। पुलिस के मुताबिक सतर्कता बरती जा रही है जांच जारी है।

शब्बीर के परिवार को 10 दिन में मकान खाली करने का नोटिस

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

▶ टेरर फंडिंग मामले में अलगाववादी नेता की संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया शुरू

▶ इस मामले में दो साल से तिहाड़ में बंद है शब्बीर शाह

शब्बीर शाह। फाइल

अलगाववादियों के वित्तीय नेटवर्क को नष्ट करने में जुटे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अलगाववादी नेता शब्बीर शाह की अचल संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जम्मू कश्मीर डेमोक्रेटिक फ्रीडम पार्टी के चेयरमैन शब्बीर शाह टेरर फंडिंग मामले में दो साल से तिहाड़ जेल में बंद है। प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी पत्नी और बेटियों को श्रीनगर के रावलपोरा स्थित मकान को 10 दिन के भीतर खाली करने का नोटिस जारी किया है। यह संपत्ति तीनों के नाम पर है और ईडी का तर्क है कि यह टेरर फंडिंग के पैसे से बनी है।

शब्बीर शाह की पत्नी बिल्कीस शाह और उनकी दो बेटियों समा शब्बीर और सहर शब्बीर को मनी लांड्रिंग अधिनियम (पीएमएलए) के तहत यह नोटिस जारी किया है। मकान को पहले ही केस में अटैच किया गया था।

ईडी के डिप्टी डायरेक्टर राजेश कुमार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि रावलपोरा (श्रीनगर) के ईफंदी बाग स्थित खसरा नंबर 444 और 445 के तहत तीन कनाल जमीन और उस पर बनी इमारत प्रोविजनल आधार पर केस से अटैच है। अब पीएमएलए 2002 के तहत इस संपत्ति को ईडी ने अपने कब्जे में लिया है। इसके साथ ही डॉ. बिलकीस, समा शब्बीर और सहर शब्बीर को नोटिस मिलने के 10 दिन के भीतर यह संपत्ति छोड़नी होगी।

2007 में दर्ज हुआ था मामला : प्रवर्तन निदेशालय ने यह कार्रवाई 2007 में दर्ज मामले में की है। यह मामला अगस्त 2005 में दिल्ली पुलिस द्वारा पकड़े गए हवाला कारोबारी मोहम्मद असलम वानी से पूछताछ के आधार पर दर्ज किया था।

वानी ने दावा किया था कि उसने कश्मीर में आतंकी और अलगाववादी गतिविधियों के लिए शब्बीर शाह को 2.25 करोड़ रुपये की राशि पहुंचाई है। दिल्ली पुलिस ने वानी को 63 लाख रुपये की नकदी के अलावा हथियारों के जखीरे के साथ पकड़ा था। उसने पुलिस को बताया था कि 50 लाख रुपये शब्बीर शाह और 10 लाख रुपये जैश कमांडर अबु बकर के लिए हैं। शेष उसका कमीशन की है।

पीएसए के तहत बंद फारूक से मिल सकेंगे नेकां के नेता

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

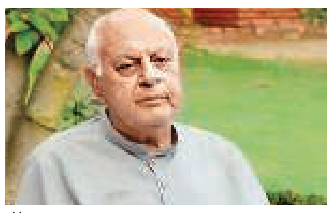
डॉ. फारूक अब्दुल्ला फाइल

राज्य प्रशासन ने दी अनुमति, रविवार को हो सकती है मुलाकात

जम्मू-कश्मीर राज्य प्रशासन ने नेशनल कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल को पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत बंद डॉ. फारूक अब्दुल्ला से मुलाकात की अनुमति प्रदान कर दी है।

पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित राज्यों में विभाजित करने से पैदा हालात के मद्देनजर राज्य सरकार ने एहतियात के तौर पर राज्य के तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों डॉ. फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के करीब 12 प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में लिया था। वहीं, नेकां अध्यक्ष डॉ. फारूक को 15 सितंबर को प्रशासन ने पीएसए के तहत बंदी बनाया गया था।

नेशनल कांफ्रेंस के जम्मू प्रांत के प्रांतीय प्रधान देवेंद्र सिंह राणा ने गत गुरुवार को पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि वह डॉ. फारूक से मिलना चाहते हैं। इसके लिए वह राज्यपाल से मदद का आग्रह करते हैं कि वह नेकांध्यक्ष से उनकी मुलाकात में सहयोग करें। इस मुलाकात के बाद ही नेकां अपनी अगली रणनीति का एलान करेगी। बता दें कि 24 अक्टूबर को ब्लॉक डेवलपमेंट (बीडीसी) चुनाव भी होने वाले हैं।

संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार ने शनिवार को देवेंद्र सिंह राणा और उनके साथियों को फारूक से मिलने की अनुमति दे दी। अलबत्ता, यह मुलाकात कब होगी, इसका समय नहीं बताया गया है, लेकिन संभवतः यह रविवार को होगी। नेकां प्रतिनिधिमंडल पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी मिलेगा।

पटरी पर लौटती जिंदगी...

यह नजारा दिल्ली या मुंबई का नहीं बल्कि श्रीनगर के एमए रोड का है। शनिवार को लाल चौक के निकट इस एमए रोड पर भारी जाम की स्थिति रही। सुबह कार्यालयों व अपने अन्य कामों पर जाने वाले लोगों को जाम में घंटों दो-चार होना पड़ा। सड़कों पर ऐसा नजारा एक दिन नहीं बल्कि रोजाना सुबह-शाम देखने को मिल रहा है। पाकिस्तान दुनिया के सामने कितना भी झूठ बोल ले, लेकिन यह तस्वीर दुनिया को यह बताने के लिए काफी है कि कश्मीर में हालात अब सामान्य हो चले हैं। कामरान रशीद बट

दीपोत्सव से बयां होगी भगवान राम की वैश्विक व्याप्ति

रघुवरशरण, अयोध्या

▶ मॉरीशस, थाईलैंड, सूरीनाम, इंडोनेशिया एवं नेपाल के कलाकार देंगे रामलीला की प्रस्तुति

24 अक्टूबर से प्रस्तावित दीपोत्सव की वैश्विकता विदेशी कलाकारों से बयां होगी। इस दौरान रामलीला प्रस्तुति के लिए मॉरीशस, थाईलैंड, सूरीनाम, इंडोनेशिया एवं नेपाल की मंडलियों का आगमन सुनिश्चित हुआ है। मंडलियां 26 अक्टूबर को दीपोत्सव के दिन रामकथा पार्क के मंच से प्रस्तुति देंगी। साथ ही 24 एवं 25 अक्टूबर को गुप्तारघाट एवं नयाघाट मंच पर भी लीला करेंगी। हर मंडली में आठ से 12 कलाकार विभिन्न रामकथा प्रसंगों का मंचन करेंगे।

यह पहला मौका नहीं है, जब दीपोत्सव के मौके पर इस विरासत के मूल में प्रतिष्ठित भगवान राम की वैश्विक व्याप्ति परिभाषित होगी। गत दीपोत्सव में भी विभिन्न देशों की प्रस्तुतियों ने समां बांधा था। दीपोत्सव की वैश्विकता श्रीलंका के भी कलाकारों से परिपुष्ट होगी।

दीपोत्सव के क्रम में श्रीलंका के पांच कलाकार चित्रकार के तौर पर प्रतिभाग करेंगे। दीपोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में रामकथा पर आधारित चित्रकला प्रदर्शनी भी शामिल है। रामकथा संग्रहालय प्रदर्शनी में देश के चुनिंदा 10 कलाकारों सहित श्रीलंका के पांच कलाकारों की भी कृतियां प्रदर्शित होंगी।

राजा रामदशम होंगे मुख्य अतिथि: दीपोत्सव की वैश्विकता मुख्य अतिथि के रूप में राजा राम दशम उपाधिधारी थाईलैंड के राजा वजीरालोंगकोर्न की मौजूदगी से भी बयां होगी। बौद्ध धर्मानुयायी राजा राम दशम उस दौर की याद दिलाते हैं, जब थाईलैंड सहित पूर्व एशिया के अनेकानेक देश भारत के सांस्कृतिक उपनिवेश के तौर पर प्रतिष्ठापित रहे थे। सब जगह भारतीय संस्कृति की छाप दिखती थी।

भारतीयता का पुट उनके वंश की उपाधि से ही नहीं उनके नाम से भी परिलक्षित है। 2016 में चिरनिद्रा में लीन हुए राजा राम नवम उपाधिधारी उनके पिता का नाम भूमिबल अतुल्य तेज था, तो उनके उत्तराधिकारी का नाम दीपंकर रश्मिजोति है।

500 करोड़ की ठगी मामले में पे वे आइटी सॉल्यूशन कंपनी के मालिक समेत दो गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, आगरा

सोशल मीडिया पर लाइक करने के नाम पर शातिरों ने देशभर के लोगों को जाल में फंसाकर 500 करोड़ रुपये की ठगी कर ली थी। अब पुलिस ने फरार चल रहे कंपनी के मालिक और उसके मुख्य सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया। मगर, पुलिस इनसे कुछ खास बरामद नहीं कर सकी। इनके कब्जे से कार और मोबाइल बरामद हुए।

आगरा के एसपी सिटी प्रशांत वर्मा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गाजियाबाद के पैसिफिक बिजनेस पार्क में 2015 में पे वे आइटी सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का ऑफिस था। कंपनी ने सोशल मीडिया पर लाइक क्लिक करने पर रुपये देने का आश्वासन देकर लोगों को जाल में फंसाया। छह माह में कंपनी ने देशभर से 500 करोड़ रुपये समेट लिए। इसके बाद फरवरी 2017 में कंपनी बंद कर दी गई। आगरा के सिकंदरा क्षेत्र के यशपाल सिंह ने 13.80 लाख रुपये कंपनी के खाते में जमा कर 14 आइडी खरीदी थीं। उन्होंने सिकंदरा थाने में 2017 में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें कंपनी के मालिक गाजियाबाद के अजनारा क्रॉसिंग निवासी वरुण गुप्ता, उनके सहयोगी नोएडा के सेक्टर 93 बी निवासी अमित सक्सेना समेत अन्य नामजद थे। 2018 में कॉर्पोरेशन बैंक नाभा पंजाब के मैनेजर रोहित और कंपनी के सीए रहे दिल्ली निवासी राहुल को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। कंपनी से पीड़ित लोगों ने गुरुग्राम और गाजियाबाद में भी मुकदमे दर्ज कराए थे। मगर, अभी तक मालिक पुलिस के हाथ नहीं लगे थे। अब साइबर सेल और एसआइएस की संयुक्त टीम ने फरार चल रहे मालिक वरुण गुप्ता और उसके सहयोगी अमित सक्सेना को गिरफ्तार किया है। एसपी सिटी ने बताया कि ठगी की रकम को शातिरों ने कहीं और निवेश कर दिया है, जिसे कानूनी प्रक्रिया से जब्त किया जाएगा। इनके कब्जे से कार और मोबाइल बरामद हुए हैं।

छग में ग्रामीणों ने नाकाम की 1.64 करोड़ की लूट

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में कैशवैन से लूटी गई डेढ़ करोड़ की नकदी बदमाशों से छीनकर दिखाते ग्रामीण।

नईदुनिया, बेमेतरा

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में ग्रामीणों ने साहस का परिचय देते हुए 1.64 करोड़ की लूट को नाकाम कर दिया। वे बदमाशों की फायरिंग से भी नहीं डरे और उन्हें धर दबोचा। कुछ ही घंटों में लुटेरों के पकड़े जाने में पुलिस को सोशल नेटवर्क बहुत काम आया। वारदात होते ही उसने अपने जनमित्रों के वाट्सएप ग्रुप में जानकारी साझा कर दी थी। हालांकि लूट की रकम को लेकर संशय है। पुलिस के मुताबिक ग्रामीणों ने 80 लाख रुपये सौंपे है। शेष रकम के बारे में पता किया जा रहा है।

सीएमएस नाम की कंपनी एटीएम में कैश डालने का काम करती है। कंपनी और बैंक के कर्मचारी शनिवार को भारतीय स्टेट बैंक के बेमेतरा मुख्य शाखा से एक करोड़ 64 लाख रुपये लेकर नवागढ़ के एटीएम में डालने निकले थे। पूरी रकम 500 के नोट में थी। 12 किमी दूर अतरिया मोड़ के पहले कैश वाहन का टायर पंक्चर हो गया।

चालक कृष्ण कुमार यादव, एटीएम वैन के प्रभारी संकल्प शर्मा, सहायक पुनाराम लहरी और गार्ड अनिल कुमार मिश्रा सहित अन्य कर्मी वाहन से उतर गए। वाहन में स्टेपनी नहीं था। इससे कृष्ण कुमार टायर खोलने लगा। अन्य कर्मी आसपास टहलने लगे। इसी दौरान बिना नंबर वाली सफेद रंग की होंडा सिटी कार आकर रुकी। उसमें चार युवक नीचे उतरे और गार्ड पर रिवॉल्वर तानकर उसकी 12 बोर की बंदूक कब्जे में ले ली। इसके पहले कि अन्य कर्मी कुछ समझ पाते, लुटेरे कैश वाहन में घुसे और रुपये थैले में भरकर कार में बैठकर भाग निकले। कैश वैन के एक कर्मचारी ने चार किमी दूर पड़कीडीह में अपने रिश्तेदारों को मोबाइल पर घटना की सूचना दे दी।

तब तक कार पड़कीडीह पहुंच चुकी थी। ग्रामीणों ने रोकने के लिए पत्थरबाजी की, जिससे कार के सामने का कांच टूट गया, लेकिन लुटेरों ने ग्रामीण रास्ते पकड़ लिये। घागुल गांव में ग्रामीणों ने दौड़ाया तो कार वहीं छोड़कर पैसा लेकर पैदल भागने लगे। लुटेरों ने हवाई फायर भी किया, लेकिन ग्रामीणों ने दबोच लिया।

लूट की कार से की वारदात: आरोपितों में अमित, रिंकू उर्फ जसवंत हुड्डा और सोनू उर्फ संजीत हुड्डा हरियाणा के रोहतक जिले के हैं, जबकि चौथा आरोपित कुलदीप मलिक उत्तराखंड के रूड़की का बताया जा रहा है। उनके पास से दो रिवॉल्वर और जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। उन्होंने कार को छह दिन पहले रायपुर के रांवाभाठा से लूटा था।

विदेशी सैलानियों ने कश्मीर की डल और नगीन झील में डाला डेरा

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

वादी के हालात को लेकर पाकिस्तान और उसके समर्थक चाहे जितना भी गलत प्रचार करें, लेकिन भारत की तरफ से दुनिया में जो संदेश गया है, उसका नतीजा है कि घाटी में धीरे-धीरे फिर से विदेशी सैलानियों का आना शुरू हो गया है। कुछ विदेशी सैलानियों ने इस समय श्रीनगर की डल और नगीन झील में डेरा डाला हुआ है। इनकी मौजूदगी डल किनारे सुबह-शाम सैर करने वाले लोगों को हैरान तो करती है, लेकिन इससे पर्यटकों से वादी के फिर से गुलजार होने की उम्मीद बंधने लगी है।

डल झील की एक हाउसबोट में इंग्लैंड के 33 वर्षीय जोनाथन अपनी महिला मित्र ग्रेसी के साथ रुके हुए हैं। जोनाथन 20 दिन से कश्मीर में हैं। उन्होंने आठ दिन दक्षिण कश्मीर में आड़ू घाटी के ऊपरी हिस्से में हाइकिंग और कैंपिंग में बिताए हैं। जोनाथन ने बताया कि वे छह साल पहले भी कश्मीर आए थे। उनके मुताबिक उन्हें घाटी में कहीं तनाव और डर का माहौल नहीं नजर आया।

वे पहलगाम भी गए थे, वहां भी किसी ने तंग नहीं किया। उन्होंने कहा कि बस एक ही मुश्किल है, मैं यहां से नियमित अपनी मां को फोन नहीं कर पा रहा हूं। फोन और इंटरनेट की दिक्कत है।

बता दें कि जोनाथन की तरह ही इस समय कश्मीर में करीब 80-85 विदेशी यूरोपीय सैलानी हैं। उसके अलावा करीब दो दर्जन मलेशियाई पर्यटक भी श्रीनगर में हैं। ये सभी डल और नगीन झील में विभिन्न हाउसबोटों में रुके हुए हैं। जर्मनी से कश्मीर घूमने आए स्ट्रास ने कहा, मैं काफी जगह घूमा हूं, लेकिन कश्मीर के जैसा शांत और सुरक्षित स्थान मैंने नहीं देखा है। यहां किसी ने मुझे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है। मलेशिया से आए बिनटी नुप्रे ने बताया कि उनके मुल्क से बहुत से लोग यहां आते हैं। इस समय भी यहां हमारे मुल्क के 18 से ज्यादा पर्यटक हैं। बिनटी ने कहा कि यहां जिस तरह के हालात मीडिया बता रहा है, वैसा कुछ नहीं है। यहां तो पूर्ण शांति है। न कोई प्रदर्शन देखा और न कर्फ्यू।

5 अगस्त से 4 अक्टूबर तक कश्मीर आए 935 विदेशी पर्यटक: पर्यटन विभाग के सूत्रों के मुताबिक छह अगस्त को भी वादी में करीब 30 विदेशी पर्यटक थे। वहीं, राज्य पुलिस की सीआइडी विंग में फॉरेनर्स रजिस्ट्रेशन ऑफिस के मुताबिक, पांच अगस्त से चार अक्टूबर तक कश्मीर में 935 विदेशी सैलानी आए हैं। जबकि पिछले साल अगस्त और सितंबर में 9589 विदेशी पर्यटक कश्मीर आए थे।

झारखंड में वैन ने परिवार को रौंदा, चार की मौत

जागरण संवाददाता, दलाही (दुमका) : दुमका-जामताड़ा मुख्य मार्ग पर एक ही परिवार के कई सदस्यों को एक वैन ने रौंद डाला। इससे दो महिलाओं समेत चार की मौत हो गई। इधर, गुस्साए लोगों ने चालक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। जबकि, मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने करीब एक घंटे तक सड़क जाम कर दिया। जामजोड़ी निवासी रसन मुर्मू की बहन पश्चिम बंगाल के बर्द्धमान स्थित तीतलमूढ़ी में रहती है। वह परिवार के साथ दुर्गा पूजा के मौके पर बहन के घर जाने के लिए शुक्रवार को चचेरे भाई धनेश्वर के यहां आगोईजोड़ी गांव पहुंचा था। सुबह सात बजे रसन, उसका भतीजा गायना मुर्मू, चचेरा भाई धनेश्वर मरांडी व उसकी पत्नी होपनी बहन के घर जाने के लिए जामजोड़ी मोड़ पर जामताड़ा जाने वाली रूद्रा बस का इंतजार कर रहे थे। उनके साथ उनके भतीजा गायना की पत्नी मुन्नी सोरेन व उसके दो बच्चे सरिता व सुशील उन्हें गाड़ी तक छोड़ने आए थे। इसी दौरान जमशेदपुर से दुमका आ रही वैन ने इन्हें रौंद दिया। बढ़ गई। इससे रसन, गायना, धनेश्वर और उसकी पत्नी होपनी सोरेन की मौत हो गई।

पीड़िता का चाचा दो मामलों में दोषमुक्त

उन्नाव कांड

जागरण संवाददाता, उन्नाव

उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के परिवार को इंसाफ मिलने लगा है। अदालत ने शनिवार को पीड़िता के चाचा को जीआरपी में दर्ज दो मामलों में दोषमुक्त कर दिया। इन मामलों में वह 20 साल से कोर्ट के चक्कर लगा रहा था। अब उसके खिलाफ अभिलेखों से छेड़छाड़ का मामला विचाराधीन है। वहीं अन्य मामलों में 14 और 15 अक्टूबर की तारीख दी गई है। पेशी के बाद उसे दिल्ली पुलिस तिहाड़ जेल ले गई।

पीड़िता के चाचा पर जीआरपी उन्नाव में दर्ज लूट और आर्म्स एक्ट के मामलों पर शनिवार को सुनवाई होनी थी। आरोपित को पुलिस तिहाड़ जेल से उन्नाव लाई थी। आरोपित के वकीलों अजेंद्र अवस्थी और अशोक द्विवेदी की दलीलों और साक्ष्यों के आधार पर एडीजे-चार की अदालत ने दोनों मामलों में दोषमुक्त कर दिया। एसीजेएम तृतीय की कोर्ट में चल रहे तीन अलग-अलग मामलों में कोर्ट ने 14 अक्टूबर की तारीख दी है। सीजेएम कोर्ट में जानलेवा हमले के मामले में उसे 15 अक्टूबर की तारीख दी गई है।

एकांत में मुलाकात कराने के दिए निर्देश : पीड़िता के चाचा ने अपने वकील के माध्यम से कोर्ट को बताया कि वह हाई रिस्क-हाई सिक्योरिटी का बंदी है फिर भी तिहाड़ जेल अधीक्षक उसकी मुलाकात आम तरीके से कराते हैं जिससे उसकी सुरक्षा को खतरा है। मांग की कि उसकी मुलाकात एकांत में कराई जाए। इस पर कोर्ट ने जेल अधीक्षक तिहाड़ को आरोपित की मुलाकात एकांत में कराने को निर्देशित किया।

अवकाश के दिन भी लगी अदालत लेकिन अधूरी रह गई जिरह

जासं, नई दिल्ली : उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हत्या के मामले में शनिवार को तीस हजारी अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान पीड़िता की मां से आरोपित पक्ष के वकीलों ने जिरह की, लेकिन एक आरोपित के वकील की गैरमौजूदगी के चलते जिरह पूरी नहीं हो सकी। अब अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी। छुट्टी के बावजूद विशेष तौर पर अदालत लगाई गई थी।

पीड़िता के पिता के खिलाफ 3 अप्रैल 2018 को शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था और पुलिस हिरासत में अत्यधिक पिटाई के कारण उनकी मौत हो गई थी। बाद में सीबीआइ के पास मामले की जांच आई थी। हिरासत में हत्या और अवैध हथियार रखने के झूठे केस को तीस हजारी अदालत ने जोड़कर आरोपितों के खिलाफ आरोप तय कर दिए थे। इस मामले में विधायक कुलदीप सेंगर और पुलिस कर्मियों सहित कुल 11 आरोपित हैं।

लें प्रण संहारें रावण

देश की आजादी को सात दशक बीत गए। अब हमारी धमक दुनिया के हर मंच पर महसूस की जाने लगी है। करीब तीन सौ साल भारत पर राज करने वाले अंग्रेजों ने सोने की चिड़िया कहलाने वाले देश के संसाधनों का जमकर दोहन किया। जब वे गए तो गरीबी, लाचारी और बेबसी के रूप में अनगिनत समस्याएं छोड़ गए। आजादी मिलने और आज जब दुनिया हमारी उपस्थिति हर मंच पर दर्ज करने को अभिलाषी हो रही है, इस कालखंड के दौरान हमने देश की इन समस्याओं को एक-एक चुनौती माना। सपनों का भारत बनाने में पूरा देश जुटा। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े देश और दुनिया के सबसे युवा और कार्यकारी मानव संसाधनों के बूते हमारी उपलब्धियों में सुर्खाब के पर लगते गए। बेचारगी, बेबसी और नैराश्य के नीरस रंगों की जगह ऊर्जा, उत्साह, उमंग और खुशहाली की सतरंगी इंद्रधनुष के रंग चटख से सुर्ख होते गए। ये क्रम जारी है। हाल ही में पूरा देश खुले में शौच से मुक्त हुआ है। प्लास्टिक से मुक्ति की जंग जारी है। नदियों को साफ-सुथरा बनाने पर जोर है। गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य की ओर हम सधे और तेज कदम से बढ़ रहे हैं। पाताल से लेकर आकाश की बुलंदियों तक ब्रह्मांड का शायद ही कोई कोना हो जहां भारतीय तिरंगा शान से न फहरा रहा हो। इन तमाम उपलब्धियों की दिनोंदिन बढ़ती फेहरिस्त देश के सामने मौजूद समस्याओं को लेकर हमारी जिम्मेदारी और कर्तव्य को और बढ़ा देती है।

पूरा देश उत्सव के रंग में डूबा है। नवरात्र के बाद विजयदशमी का पर्व सामने है। यह पर्व मर्यादा पुरुषोत्तम राम द्वारा असुरराज रावण के वध के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। बुराई के प्रतीक त्रेता युग के इस दशानन के दस सिरों को भगवान राम ने अपने बाणों से काट दिया था। कलियुग में हमारे सामने बुराइयों और समस्याओं के रूप में दशाननों की फौज है। माना जाता है कि हर इंसान में भगवान बसते हैं। लिहाजा आइए हम विजयदशमी के मौके पर संकल्प लें कि राष्ट्र को सशक्त बनाने में आड़े आ रही इन बाधा रूपी दशाननों का दहन करेंगें।

'दशाननों' का दहन

शिवानंद द्विवेदी
सीनियर रिसर्च फेलो, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन

भारत के विकास एवं समृद्धि में बाधक बनी समस्याओं के 'दशाननों' का अंत किये बिना नए भारत के संकल्पों को सिद्धि तक पहुंचाना संभव नहीं है।

त्रेता युग में दशानन का अंत, उस काल की एक बड़ी घटना थी। दशानन 'नकारात्मकताओं' का प्रतीक था। लिहाजा उसके अंत को 'विजयपर्व' के रूप में मनाया गया। हजारों वर्ष पुरानी घटना अगर परंपरा के रूप में याद की जाती है, तो इसका सबसे बड़ा कारण उसके प्रतीकात्मक महत्व की सार्थकता और जीवंतता है। घटना पुरानी हो सकती है, लेकिन उस घटना से निकले प्रतीकात्मक संदेशों की प्रासंगिकता चिरकाल तक बनी रहती है। युगांतरकारी बदलावों से निकले प्रतीक सदियों तक पुराने नहीं पड़ते। यही कारण है कि दशानन के अनाचार से मुक्ति का विजयपर्व 'विजयदशमी' संदेश रूप में आज भी हमारे समाज को उसकी चुनौतियों से उबरने के लिए प्रेरित करता है।

हर काल की अपनी कुछ चुनौतियां होती हैं। आज भी 'दशानन' रूप में अनेक चुनौतियां हमारे सामने मौजूद हैं। चूंकि भारत की वर्तमान राज-व्यवस्था में 'कल्याणकारी राज्य' की भावना तत्व-रूप में समाहित है, अतः देश की चुनौतियों को समाज और राज्य दोनों की दृष्टि से ही देखना उचित होगा। वर्ष 2017 में जब प्रधानमंत्री मोदी ने 'नए भारत' की बात की, तब उन्होंने कुछ संकल्प देश के सामने रखे। उन संकल्पों का इशारा भी इन चुनौतियों की तरफ ही था। गरीबी, बेघरी, अस्वच्छता, आत्मनिर्भरता के अवसरों में कमी, अशिक्षा, स्वास्थ्य सुलभता की कमी, भ्रष्टाचार, जातिवाद, संप्रदायवाद, नक्सलवाद एवं आतंकवाद जैसे समस्या रूपी 'दशानन' समृद्ध, सशक्त और शक्तिशाली भारत के निर्माण में दशकों से बाधा की तरह है।

अब सवाल समाधान का है। बेघरी से मुक्ति को लेकर पिछले कुछ वर्षों में सरकार के स्तर पर ठोस और जमीनी बदलाव लाने वाले प्रयास दिख रहे हैं। यह एक बड़ी चुनौती है, किंतु संतोष का विषय यह है कि देश समाधान पर सिर्फ चर्चा करने से आगे बढ़कर, उसे अमल में लाने के रास्ते पर चल पड़ा है। गत जुलाई में बजट पेश करते हुए सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में अगले दो वर्ष में 1.95 करोड़ मकान बनाने का लक्ष्य देश के सामने रखा। अगर इसे हासिल कर लिया गया तो किसी भी आवासीय योजना के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

गरीबी से पूर्ण मुक्ति की सार्थकता भी इसी में है कि कोई भूखा न हो, कोई वस्त्रहीन न हो, कोई बेघर न हो, सबको शिक्षा का अवसर मिले तथा स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाओं से कोई महरूम न रहे। इन चुनौतियों से पार पाने में भी सरकार के प्रयास परिवर्तन के प्रति आशान्वित करने वाले हैं। मसलन सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में दो पहलें ऐसी की हैं, जिनकी सफलता हमें अनेक चुनौतियों से निजात दिलाने में कारगर हो सकती है। सरकार द्वारा पांच लाख तक के मुफ्त इलाज की 'आयुष्मान योजना' तथा 'स्वच्छता के प्रति आग्रह', दो ऐसी पहल हैं जिनका दूरगामी असर देखने को मिल सकता है। कहा जाता है स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। जल, थल और वायु को शुद्ध रख कर हम एक ऐसे देश का निर्माण कर सकते हैं, जहां बीमार और अस्वस्थ लोगों की संख्या कम हो। इसका एक बड़ा फायदा यह भी है कि देश अपनी पूर्ण श्रमशक्ति का अधिक से अधिक उपयोग कर पाने में सक्षम हो सकेगा। हालांकि यह सिर्फ सरकारी प्रयासों से संभव होगा, ऐसा नहीं है. इसके लिए सामजिक प्रयास कुछ ऐसे होने चाहिए, जो समाज के आचरण में अभिवयक्त होते दिखें।

विजयदशमी इन चुनौतियों को पराजित करने का संकल्प लेने का अवसर है। विजयदशमी हमें हमारी क्षमताओं से परिचित कराने वाला प्रतीक पर्व भी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि सामूहिकता के बल के साथ वर्तमान की दशानन रूपी चुनौतियों को मात देने में हम सक्षम हैं और सबल भी हैं। त्रेता युग के दशानन के अंत की खातिर मानव सहित जीव, जंतु, पेड़-पौधे सभी ने अपना सामूहिक योगदान दिया था। देश के विकास में बाधा बन रहे वर्तमान के दशानन का अंत भी सिर्फ सरकार पर आश्रित रहकर संभव नहीं है. यह जवाबदेही संपूर्ण समाज को लेनी होगी। इस कार्य में सरकार की भूमिका सिर्फ की वाहन के 'इंजन' की है, 'पहिये की भूमिका तो समाज को ही निबाहनी होगी। एक शेर की पंक्तियां हैं, 'न किसी हमसफर न हमनशीं से निकलेगा, हमारे पांव का कांटा हमीं से निकलेगा।' आज का दशानन भी हमारी चुनौती है, इसका अंत हम सबको ही करना है।

चुनौतियां भी कम नहीं

हर देश-काल और परिस्थिति के अनुसार किसी भी राष्ट्र के सामने अलग-अलग चुनौतियां होती हैं। विकासशील से विकसित देश बनने की ओर अग्रसर भारत के सामने भी प्रमुख चुनौतियां हैं।

हर हाथ को मिले काम

जनसंख्या नियोजन

दुनिया के कई ताकतवर देशों की कार्यकारी आबादी उम्रदराज होती जा रही है लेकिन भारत की दिनोंदिन युवा होती जा रही है। देश की 121 करोड़ में से आधी आबादी 26 साल से नीचे है। 2020 तक देश की माध्य आयु 29 रहने का अनुमान है जो इसे दुनिया का सबसे युवा देश बनाता है। लेकिन इस युवा कार्यकारी आबादी को हुनरमंद बनाकर राष्ट्र के विकास में लगाना बड़ी चुनौती है।

1.20 करोड़ हर साल भारत की श्रमशक्ति में शामिल होने वाली आबादी

12 लाख हर साल तैयार होने वाले इंजीनियर

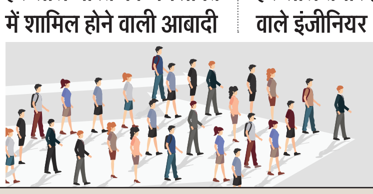

सब पढ़ें सब बढ़ें

सुशिक्षित समाज

हर राष्ट्र का सपना होता है कि उसका समाज सुशिक्षित हो। आजादी के बाद से ही सबको स्कूल तक पहुंचाने के लिए देश में बाध्यकारी और स्वैच्छिक रूप से कई प्रयास हुए। जिनका नतीजा भी दिखा। प्रयासों ने तस्वीर बदली। लेकिन हमारा प्रयास यहीं नहीं रुकना चाहिए क्योंकि चुनौतियां कम नहीं हैं।

शिक्षक छात्र अनुपात

निचली कक्षाओं में अंतरराष्ट्रीय मानकों से कम शिक्षक-छात्र अनुपात देश की पठन-पाठन प्रणाली पर गंभीर प्रतिकूल असर डाल रहा है। उच्च शिक्षा में भी हम इस मामले में ब्राजील और चीन जैसे देशों से पीछे हैं। उच्च शिक्षा में भारत के एक अध्यापक के जिम्मे 24 छात्रों को पढ़ाने की जिम्मेदारी है। जबकि कई देशों में यह अनुपात हमसे बेहतर है। यह अनुपात ज्यादा होने पर छात्रों के हिस्से में पढ़ाई का बहुत कम समय आता है। अध्यापकों को भी शोध आदि के लिए समय नहीं मिल पाता है जिससे वे अपने छात्रों को प्रेरित कर सकें। देश की उच्च शिक्षा में पांच लाख अध्यापकों की कमी हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 6600 प्रोफेसर पद रिक्त हैं जो 33 फीसद कमी का प्रतीक है। आइआइटी संस्थानों में शिक्षकों की 35 फीसद कमी है। यह पहलू देश के अध्यापन और शोध क्षेत्र पर प्रतिकूल असर डाल रहा है।

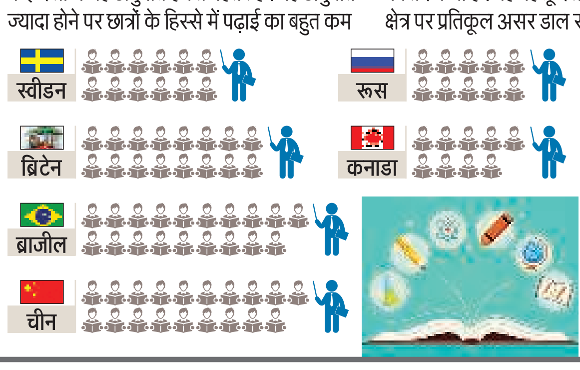

74.04 साक्षरता दर

82.14 पुरुष साक्षरता दर

65.46 महिला साक्षरता दर

गरीबी मिटाओ

गरीबी उन्मूलन

2006 से 2016 के दस साल के बीच देश में 27.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले। संपत्ति के निर्माण, कुकिंग फ्यूल्स, साफ-सफाई और पोषण के क्षेत्रों में देश ने उल्लेखनीय तरक्की की। एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के एक आंकड़े देश की गुलाबी तस्वीर जरूर पेश करते हैं, और हालात में उत्तरोतर बदलाव भी दिखने लगा है, लेकिन बापू के सपनों का भारत बनाने में अभी अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई को पाटना जरूरी है।

1% उन नागरिकों की हिस्सेदारी जिनके पास देश की 73 फीसद संपत्ति है

50% देश के गरीबों की हिस्सेदारी जिनकी संपत्ति में सिर्फ एक फीसद इजाफा दिखा

आबोहवा की खातिर

पर्यावरण संरक्षण

खुले में शौच से मुक्त हुआ देश प्लास्टिक से परहेज करने में जुटा हुआ है। इसकी पर्याप्त वजह भी है। प्लास्टिक जल, जमीन और हवा को प्रदूषित करने वाला सबसे बड़ा कारक बनता जा रहा है। आज देश की सारी नदियां प्रदूषित हो चुकी हैं। इनके प्रदूषित होने की दर हाहाकारी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदूषित नदियां पिछले पांच साल में 121 से बढ़कर 275 हो गई थीं। भूजल की स्थिति भी विकराल है। तेजी से स्तर गिर रहा है जो बचा खुचा जल धरती की कोख में मौजूद है वह प्रदूषित होता जा रहा है। कई शहरों में वायु प्रदूषण सर्दियों के दौरान मास्क पहनने पर विवश कर देता है।

जल संरक्षण

सेहत का सवाल

स्वस्थ समाज

राष्ट्र निर्माण में सेहत का दर्जा शिक्षा से ऊपर आता है। तभी तो हमारे मनीषी कहा करते रहे हैं कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ दिमाग रहता है। रुग्ण शरीर न तो अच्छा सोच सकता है और न ही कुछ सृजनात्मक सकता है। स्वच्छता और साफ-सफाई को लेकर पैदा हुई संस्कृति ने सेहत के बड़े प्रश्नवाचक चिह्न को छोटा जरूर किया है और आयुष्मान भारत योजना ने देश के गरीबों में ऑक्सीजन का संचार किया है, लेकिन आज भी सेहत के मोर्चे पर राष्ट्र के लिए बड़ी चुनौती है। आज भी एक हजार बच्चों में से जन्म के समय 34 काल कवलित हो जाते हैं। प्रसव के दौरान दस लाख महिलाओं में से 167 की मृत्यु हो जाती है।

1.3% सार्वजनिक स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च (जीडीपी का)

9.4% मालदीव का सरकारी खर्च

2.5% भूटान की जीडीपी का जन स्वास्थ्य पर खर्च

9.2% स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च के मामले में स्वीडन शीर्ष पर

6% स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च का वैश्विक औसत

11082 एक डॉक्टर के हिस्से आबादी

1000 विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार एक डॉक्टर के जिम्मे लोग

28391 बिहार में प्रति डॉक्टर पर लोगों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी

19,962 उत्तर प्रदेश में प्रति डॉक्टर पर लोगों का औसत

₹3 नेशनल हेल्थ प्रोफाइल 2018 के अनुसार प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च 1112 रुपये है जो तीन रुपये रोज पड़ता है।

आधी आबादी की पूरी ताकत

नारी सशक्तीकरण

संयुक्त राष्ट्र के 219 देशों में किए गए एक अध्ययन के अनुसार अगर महिलाएं एक साल और पढ़ाई कर लेती हैं तो शिशु मृत्यु दर में 9.5 फीसद की कमी आती है। फार्च्यून 500 कंपनियों पर आधारित ओईसीडी की एक रिपोर्ट के अनुसार जिन कंपनियों में महिला निदेशक ज्यादा होती हैं वे तुलनात्मक रूप से अधिक मुनाफा कमाती हैं। देश में महिलाओं को केंद्र में रखकर कई योजनाएं चल रही हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और सुकन्या समृद्धि योजना प्रमुख हैं। मातृत्व अवकाश 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह होना भी इसी का परिचायक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार अगर भारत में लैंगिक समानता का लक्ष्य हासिल कर लिया जाए तो 2025 तक देश की जीडीपी में 700 अरब डॉलर की अतिरिक्त आय जुड़ जाएगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार श्रमशक्ति में समान भागीदारी से भारत की जीडीपी में 27 फीसद इजाफा संभव है। देश की करीब आधी महिलाएं ही सेलफोन का इस्तेमाल करती हैं। इनमें से 80 फीसद इंटरनेट नहीं इस्तेमाल करतीं। यदि पुरुषों के बराबर ही महिलाएं भी फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करने लगें तो जागरूकता के साथ अगले पांच साल में फोन कंपनियों के खाते में 17 अरब डॉलर जुड़ सकते हैं। वैश्विक रूप से महिलाएं 80 फीसद खरीद निर्णयों को प्रभावित करती हैं और खर्च की जाने वाली 20 लाख करोड़ डॉलर की भारी-भरकम राशि पर नियंत्रण करती हैं। नारी सशक्तीकरण के सामाजिक फायदे भी हैं। महिलाएं अपनी आय का 90 फीसद अपने परिवार पर खर्च करती हैं। आर्थिक रूप से समृद्ध महिला अर्थव्यवस्था में मांग में इजाफा करती है।

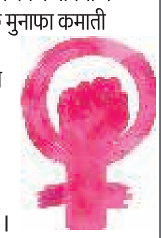

29% भारत की श्रमशक्ति में महिला हिस्सेदारी

50% भारत में महिलाओं द्वारा किए गए कुल कार्यों में से गैर भुगतान वाले काम की हिस्सेदारी

40% देश में कृषि श्रमिकों में आधी आबादी की हिस्सेदारी

9% देश की जमीन पर महिलाओं का स्वामित्व

60% महिलाएं जिनके नाम कोई कीमती चीज नहीं है

17% जीडीपी में महिलाओं की हिस्सेदारी जबकि वैश्विक औसत 37 है

छू लेने दो आसमां

नाइश हसन
अध्यक्ष, भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन

जब से औरत का वजूद है, तब से उसके सवाल हैं, और उन सवालों का जवाब तलाशे जाने की कोशिश और कशमकश भी जारी है। पितृसत्ता का ये अनकहा फरमान कि औरतें उसके मुतबिक ही सोचें-समझें, इसे वे लगातार चुनौती दे रही हैं, उन्हें तोड़ रही हैं और दुनिया के सामने बेहतर नजीर पेश कर रही हैं। एक तरफऔरत कुछ पा रही हैं, दूसरी तरफ उसकी राह में चुनौतियां अभी भी कम नहीं हैं। पिछले 24 साल से महिलाएं संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण मांग रही हैं, बड़ी चालाकी से सरकारें इस सवाल से बचती आई हैं। महिला-पुरुष बराबरी की संविधान की अवधारणा पूरी नही हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के मुताबिक पिछले आठ साल में भारत में दुष्कर्म की घटनाएं दो गुनी हो गई है।

64 प्रतिशत महिलाएं बाजार पर काबिज महंगे सेनेटरी पैड खरीद पाने में असमर्थ हैं, लेकिन उन्हें सस्ते पैड उपलब्ध करा पाने में सरकार नाकाम है। जन-औषधि केंद्र पर आपूर्ति न के बराबर है। शहरों का हाल ऐसा है तो गांवों की स्थिति को आसानी से समझा जा सकता है। हर साल दस लाख से अधिक महिलाओं की मौत सर्वाइकल कैंसर से हो रही है। यह सारे सवाल उनकी सुरक्षा, शिक्षा और सेहत से जुड़े हैं जिन्हें सरकार और समाज को समझना और उनका हल तलाशना ही होगा तभी बेहतर समाज का सपना सच हो सकेगा।

अपने-अपने सरोकारों को दें आकार

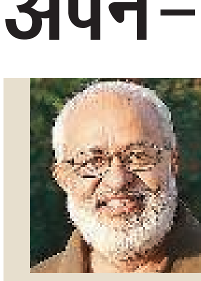

प्रो पुष्पेश पंत
स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जेएनयू

विजयदशमी का दिन संकल्प लेने का है कि हम अपने भीतर के शत्रुओं अर्थात राक्षसी अमानवीय प्रवृत्तियों को समूल नष्ट करेंगे। बुराइयों के उन्मूलन के साथ ही हम दुर्गुणों से दूर रहने के साथ गुणी बनने का प्रयास भी करें। सरोकारों को नया आकार भी दें।

हमारे भीतर की की बुराइयां या कमजोरियां ही हमारे सबसे बड़े शत्रु हैं जो बार-बार हमें पराजित करते हैं। ईर्ष्या, क्रोध, अहंकार, लोभ, हिंसा पर विजय प्राप्त किए बिना हम यह दावा नहीं कर सकते कि हम निरापद हैं। इन शत्रुओं की मोर्चाबंदी विकट व्यूह रचना करती है। रागद्वेष-मायामोह इन दुर्गुणों के सम्मिश्रण से ही उपजते हैं। उन्हें भी साधना ही रक्षा कवच प्रदान करती है। हमारी समझ में शुरुआत होती है सत्य को अपनाने से।

खुद से झूठ न बोलें अपनी कमजोरी को स्वीकार करें तभी उससे लड़ सकते हैं, उस पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। कई गुण हमारी व्यक्तिगत और सामाजिक जिंदगी को बेहतर और सार्थक बना सकते हैं। सबसे पहले साक्षर और शिक्षित होने की जरूरत है। आज की दुनिया में साक्षर होने का मतलब मात्र अक्षर ज्ञान या जोड़- घटाना कर लेना नहीं। 'डिजिटल साक्षरता' और अंधविश्वास से मुक्त होना भी है। तभी हम जड़ परंपरा जनित सामाजिक कुरीतियों की बेड़ियों से छुटकारा पा सकेंगे। गरीबी का उन्मूलन प्राथमिक चुनौती है। जब तक दर्दनाक सामाजिक विषमता की गहरी खाई बची रहेगी सतह के नीचे खौलते असंतोष और आक्रोश विस्फोटक बने रहेंगे। सहानुभूति और सहिष्णुता परोपकार नहीं अपनी सुख शांति को निरापद रखने के लिए अनिवार्य हैं। पर्यावरण के संरक्षण की जिम्मेदारी को व्यक्तिगत स्तर पर स्वीकार करना कम महत्वपूर्ण नहीं। 'दैवी आपदा' प्रकृति का प्रकोप है जिसे उस मौसम बदलाव ने प्रलयंकारी बनाया है जिसे स्वार्थी मनुष्य के लोभ ने जन्म दिया है। खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में हमारे छोटे- छोटे कदम बहुत लंबा सफर तय कर मंजिल तक पहुंचा सकते हैं। हमें प्राकृतिक संसाधनों के अपव्यय को तत्काल रोकने का संकल्प करना चाहिए। इसके लिए विजयदशमी से बेहतर अवसर कौन हो सकता है?

हमारे साझे के सरोकार हैं सुशिक्षित समाज, स्वस्थ समाज जहां नारियाँ अबला नहीं सबला हों, जहां कोई निर्धन अमानवीय जीवन यापन के लिए मजबूर न हो, जनसंख्या सुनियोजित हो और पर्यावरण संकट ग्रस्त न हो, जलाभाव के कारण जीवन दूभर न हो। इस सपने को साकार करना हमारे आपके हाथ में है। रावण के पुतले को जलाना हमें यही याद दिलाता है कि अच्छाई की विजय को सुनिश्चित करने और स्थाई बनाने के लिए हमें व्यक्तिगत अग्निपरीक्षा से डरना नहीं चाहिए।

दशहरा आपके लिए सपरिवार मंगलमय हो, यही कामना है।

जनमत

हां 03% | 97% नहीं

क्या हम सब अपने राष्ट्र-समाज के समक्ष गंभीर चुनौतियों की पहचान करने में सक्षम हैं?

हां 11% | 89% नहीं

क्या आप इस दशहरा के मौके पर रावण रूपी किसी एक बुराई का दहन करने का प्रयास करेंगे?

आपकी आवाज

स्वार्थी दौर में राजनेताओं को वोट बैंक की और आम जनता को सरकार से मुफ्त की सेवाओं-सुविधाओं की चिंता रहती है, ऐसे में राष्ट्र -समाज के समक्ष चुनौतियों की न फिक्र है और न ही चुनौतियों का हल निकालने के लिए कोई गंभीरता है। **राजेश कुमार चौहान**

सरकार पर तंज कसने की बजाय यदि हर व्यक्ति राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने लगे तो आधी समस्याएं अपने आप ही खत्म हो जाएंगी। **जमील, छात्र**

हम हर साल अंदर की बुराई रूपी रावण का दहन करते हैं,परंतु उस रावण का क्या जिसे न जलाया जा सकता है और ना ही दफनाया। प्लास्टिक रूपी इस रावण से हमें खुद ही लड़ना पड़ेगा। अगर इस रावण को अभी रोका नहीं गया तो यह समस्त मानव जीवन के लिए श्राप बन जाएगा। **लितेश साहू**

भ्रष्टाचार है अत्याचार

रामनाथ झा
कार्यकारी निदेशक-ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया (टीआइआइ)

भ्रष्टाचार का रावण दिन-प्रतिदिन ताकतवर होता जा रहा है। तमाम जतन के बाद भी भारत में इसका रूप हर गुजरते दिन के साथ और विकराल होता जा रहा है। इसके समूल नाश के लिए नियमों एवं कानूनों ही नहीं बल्कि समाज को उदित करना और व्हिसल ब्लोअर को संरक्षण देना होगा। आंकड़े बताते हैं कि भ्रष्टाचार के मामलें बढ़े हैं। टीआइआइ और लोकल सर्किल के एक हाल के ऑनलाइन सर्वे के मुताबिक 45 फीसद लोगों ने माना कि उन्होंने पिछले एक साल में अपना काम कराने के बदले में रिश्वत दी। इसी सर्वे में अधिकतर लोगों ने कहा कि भ्रष्टाचार के स्थानीय मामलों की कोई सुनवाई नहीं है।

दक्षिण एशियाई देशों में भूटान का स्थान भ्रष्टाचार सूची में 180 देशों में 25वां है जबकि भारत 78वें एवं चीन 87वें स्थान पर है। भारत जैसे बड़े देश की अपनी चुनौतियां हैं किंतु भूटान जैसे पड़ोसी देश एक सफल उदाहरण हैं। भ्रष्टाचार का मुख्य कारण समाज में लालच व जल्दी अमीर बनने की चाह, कानून की कठोरता अमल न होना, नेता- उद्योगपतियों एवं नौकरशाही गैर नैतिक गठजोड़ , नैतिक मूल्यों में आम लोग का विश्वास कम होना आदि है। नैतिकता एवं सदाचार के पाठ में घर परिवार एवं शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भ्रष्टाचार से संबंधित मामलों पर आमजन को जागरूक करने, न्याय की प्रक्रिया में तेजी लाने, भ्रष्ट अधिकारियों में खौफ बनाने, मामलों में त्वरित सुनवाई होने से असर अच्छा जाता है। इस लक्ष्य को पाने के लिए डिजिटाइजेशन भी अहम भूमिका निभा सकती है। भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए कथनी एवं करनी में फर्क किये बिना, सीढ़ी की तरह ऊपर से सफाई और नीचे से प्रशासनिक सुधार हो, तब भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना साकार हो सकता है।

Download UPSC IAS Material: www.iascgl.com

दैनिक जागरण
विचार कर्म का आधार है

फिर सिर उठाते आतंकी

कश्मीर में अनंतनाग के जिला उपायुक्त कार्यालय पर ग्रेनेड हमला यही बता रहा है कि तमाम सतर्कता के बावजूद आतंकियों के दुस्साहस का दमन नहीं हो सका है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद यह दूसरा आतंकी हमला है। इस हमले में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। चूंकि किसी आतंकी गुट ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली इसलिए ऐसा लगता है कि वे सुरक्षा बलों की निगाह में आने से बचना चाह रहे हैं। सच्चाई जो भी हो, उन्हें सिर उठाने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए। वास्तव में ऐसा करके ही कश्मीर के हालात सामान्य किए जा सकते हैं। यह काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए ताकि कश्मीर पर लगी पाबंदियों को जल्द हटाया जा सके। आतंकियों और उनके समर्थकों को नियंत्रित करने के साथ ही इसकी भी कोशिश होनी चाहिए कि घाटी के आम लोग अलगाववाद और आतंकवाद के खिलाफ मुखर हों। इससे ही कश्मीर को लेकर जारी दुष्प्रचार थमेगा। केंद्र सरकार को इससे परिचित होना चाहिए कि इस दुष्प्रचार को भारत के साथ-साथ बाहर के भी कुछ लोग हवा देने में लगे हुए हैं। इसके लिए वे फर्जी खबरें गढ़ने का भी काम कर रहे हैं। कश्मीर को लेकर दुष्प्रचार की एक वजह देश-दुनिया का इस तथ्य से अनभिज्ञ होना है कि अनुच्छेद 370 न केवल अस्थाई था, बल्कि उसके कुछ प्रावधानों को पहले भी शिथिल किया गया था।

वैश्विक मीडिया का एक हिस्सा इससे परिचित ही नहीं कि अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधान किस तरह कश्मीरी जनता के साथ भेदभाव करते थे। वह इससे भी अनजान है कि अगर कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव अमल में नहीं लाया जा सका तो पाकिस्तान के कारण। निःसंदेह कश्मीर में बचे-खुचे आतंकियों पर लगाम लगाने में सफलता तभी मिलेगी जब उनके साथ-साथ उनके छिपे-खुले समर्थकों से भी सख्ती से निपटा जाएगा। यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि उनके समर्थक और संरक्षक सीमा के उस पार भी हैं। वे कश्मीर का माहौल बिगाड़ने की ताक में भी हैं। पाकिस्तान उन्हें किस तरह उकसाने में लगा हुआ है, इसका पता गुलाम कश्मीर में शुरू किए गए धरना-प्रदर्शन से चलता है। पाकिस्तान सरकार प्रायोजित कश्मीर मार्च यही इंगित कर रहा है कि इमरान खान कश्मीर के बहाने अपने कुशासन से अपनी जनता का ध्यान हटाना चाहते हैं। वह एक ओर पाकिस्तानियों को सीमा पार करने से आगाह कर रहे हैं और दूसरी ओर इसकी भी कोशिश में हैं कि कश्मीर में हालात बिगड़ें ताकि उन्हें आंसू बहाने का मौका मिले। चूंकि पाकिस्तान आसानी से नहीं सुधरने वाला इसलिए उसे कुछ और सख्त संदेश देने की जरूरत है।

कार्रवाई में हीलाहवाली

उत्तराखंड में विश्वविद्यालयों पर उच्च और तकनीकी शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने की अहम जिम्मेदारी है। इसे ध्यान में रखकर ही सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों को खोलने में खासी दरियादिली दिखाई गई। बावजूद इसके शिक्षा की गुणवत्ता का सवाल अनुत्तरित है। आश्चर्यजनक यह है कि सरकारी विश्वविद्यालयों का इस मामले में प्रदर्शन ज्यादा खराब है। शैक्षिक प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त कर अपने परिसरों और संबद्ध कॉलेजों में पठन-पाठन को बेहतर बनाने, नई पहल और शोध कार्यों को प्रोत्साहित करने में विश्वविद्यालयों की उदासीनता राज्य में उच्च व तकनीकी शिक्षा की स्थिति को काफी हद तक बयां कर जाती है। तकनीकी विश्वविद्यालय तो बदहाली का बड़ा उदाहरण ही बन गया है। विश्वविद्यालय में तमाम नियुक्तियों, संविदा और अस्थायी व्यवस्था पर रखे गए कार्मिकों को अहम और गोपनीय कार्यों को सौंपने के मामलों को लेकर तो अंगुली उठ ही रही थी, पीएचडी उपाधि में भी धांधली सामने आने के बाद विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को बड़ा धक्का लगा है। यही नहीं सरकार की ओर से कराए गए स्पेशल ऑडिट में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा भी हो चुका है। विश्वविद्यालय की इस बदहाली ने राजभवन और शासन दोनों को ही सख्त रुख अपनाने को मजबूर किया। लिहाजा राज्यपाल की ओर से विश्वविद्यालय को कार्यप्रणाली में सुधार लाने की सख्त हिदायत के साथ दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शासन ने भी गड़बड़ियों के मामले को कार्य परिषद में रखकर दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश विश्वविद्यालय को दिए थे। उक्त दोनों ही आदेशों की नाफरमानी का अंदाजा इससे लग सकता है कि डेढ़ माह पहले शासन के निर्देशों का अब तक पालन नहीं हो सका है। इस वजह से ही राजभवन को कड़ा रुख अपनाने को मजबूर होना पड़ा है। लंबे अरसे तक विश्वविद्यालय में जिस तरह कामचलाऊ तरीके से व्यवस्था संचालित हुई है, उसका नतीजा शोध उपाधि की विश्वसनीयता और तमाम तरह की गड़बड़ियों के रूप में सामने है। ऐसे में दोषियों पर कार्रवाई लाजिमी है। इस मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन ढुलमुल बना हुआ है, उससे सरकारी तंत्र भी कटघरे में है। तकनीकी शिक्षा को लेकर राज्य की छवि पर भी बुरा असर पड़ा है। सरकार को तकनीकी विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में सुधार को लेकर गंभीर और सतर्क रहने की जरूरत है।

बिगड़ते पर्यावरण को बचाने की चुनौती

संजय गुप्त

हम सबको इसे लेकर चेतना ही होगा कि जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी असर ने भारत की दहलीज पर दस्तक दे दी है

अवधेश राजपूत

पटना में आई भीषण बाढ़ ने जहां शहरी आधारभूत ढांचे की पोल खोल दी वहीं यह भी साफ कर दिया कि तेजी से बिगड़ता पर्यावरण गंभीर समस्याएं पैदा कर रहा है। जब बारिश और बाढ़ से पटना के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में जलप्रलय की स्थिति है तब देश के कुछ हिस्सों में सूखे जैसे हालात हैं। पिछले एक दशक में देश-दुनिया में तमाम स्थानों पर जरूरत से ज्यादा बारिश के कारण जान-माल की व्यापक क्षति हुई है। इसी दौरान यूरोपीय देशों में गर्मी के रिकॉर्ड भी टूटे हैं। पिछले वर्ष केरल में बारिश से हुई तबाही को हम भूल नहीं सकते। वहां अगस्त के शुरुआती 19 दिनों में ही 758.6 मिलीमीटर बारिश हुई जो सामान्य से 164 फीसद अधिक थी। इसके चलते जो बाढ़ आई उसमें तीन सौ से अधिक लोगों की जान गई। जलवायु परिवर्तन के कारण वायुमंडल लगातार गर्म हो रहा है और इसके चलते अंटार्कटिका के साथ ग्रीनलैंड में मौजूद बर्फ की चादर तेजी से पिघल रही है। अनुमान है कि 2050 तक अधिकांश ग्लेशियर खत्म हो जाएंगे। इनमें हिमालयी ग्लेशियर भी शामिल हैं। यह भारत के लिए एक बड़ी विपदा का संकेत है। हमें इसे लेकर चेतना ही होगा कि जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी असर ने भारत की दहलीज पर दस्तक दे दी है। दुखद यह है कि अब भी हमारे कार्य व्यवहार पर यथास्थितिवाद हावी दिख रहा है। जलवायु परिवर्तन के मुख्य कारक प्रदूषण के मुद्दे पर नीति निर्माताओं ने गंभीरता तो दिखाई, पर अभी उसके अपेक्षित नतीजे नहीं दिखे हैं। इसका कारण समाज में जागरूकता की कमी है। यदि प्राकृतिक संपदा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी उदासीनता दूर नहीं हुई तो भविष्य भयावह हो सकता है। चूंकि आजकल जोर लोकलुभावन नीतियों पर है इसलिए पर्यावरण की दशा सुधारने के लिए सख्त फैसले नहीं लिए जा रहे हैं।

पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फसलीय अवशेष यानी पराली जलाए जाने से सर्दियों के मौसम में वायुमंडल बुरी तरह प्रदूषित हो जाता है। सब इससे परिचित हैं कि पराली जलने से बड़ी मात्रा में कार्बन डाईऑक्साइड के साथ अन्य विषैले गैसों का उत्सर्जन होता है, लेकिन उस पर रोक नहीं लग पा रही है। पराली जलाने की समस्या आज की नहीं, दशकों पुरानी है। राजनीतिक कारणों से न तो हरियाणा सरकार ने किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाना जरूरी समझा और न ही पंजाब सरकार ने। वे शुतुरमुर्गी रवैया अपनाए रहीं। जब इसके खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लोग सक्रिय हुए और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो सरकारों की कुंभकर्णी नींद टूटी। यदि समय रहते किसानों को पराली जलने से होने वाले खतरों से अवगत कराया जाता और आम जनता को उन सभी कारणों से परिचित कराया जाता जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं तो बेहतर होता।

हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि जलवायु परिवर्तन के कारण आदिकाल से जीवनदायिनी रहीं हमारी नदियां आज दम तोड़ने की कगार पर हैं। तमाम नदियां अब नष्टप्रायः हैं। हिमालय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की वजह से गंगा और यमुना की सहायक जलधाराएं तेजी से सूख रही हैं। इसके लिए आम लोग भी दोषी हैं। हम जहां नदियों की पूजा करते हैं वहीं उन्हें प्रदूषित करने से भी बाज नहीं आते। आखिर प्रतिमाओं के विसर्जन के समय यह ख्याल क्यों नहीं आता कि उनमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और अन्य हानिकारक पदार्थ नदियों को जहरीला बनाते हैं? मुश्किल यह है कि शासन-प्रशासन धार्मिक आस्था के चलते प्रतिमाओं के विसर्जन के खिलाफ कोई कदम उठाने का साहस नहीं करता। यह अच्छा हुआ कि एनजीटी ने गंगा और उसकी सहायक नदियों में प्रतिमाओं के विसर्जन पर रोक लगा दी, लेकिन देखना है कि प्रशासन उस पर अमल करा पाता है या नहीं?

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच केंद्र सरकार ने एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को ही लाल किले की प्राचीर से इसके खिलाफ मुहिम चलाने की घोषणा की थी। संयुक्त राष्ट्र के मंच से भी उन्होंने दुनिया को इस अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन रोकने के मामले में बातें करने का समय निकल चुका है, अब काम करके दिखाने का समय है। प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को देखते हुए देर से सही, एक दुरुस्त फैसला लिया गया। केंद्र सरकार ने आम आदमी के रोजगार को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक पर प्रतिबंध जैसा कदम नहीं उठाया है। चूंकि प्लास्टिक की वस्तुओं का निर्माण छोटे-छोटे उद्योग करते हैं इसलिए उनके निर्माण पर यकायक पाबंदी लगती तो लाखों लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ता। राज्य सरकारों को यह समझना चाहिए कि सिंगल यूज प्लास्टिक के चलन को रोकने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। क्षरणशील न होने के कारण प्लास्टिक सैकड़ों साल ज्यों का त्यों बना रहता है। इससे पानी भी दूषित होता है और मिट्टी भी। प्लास्टिक अवशेष नदियों के जरिये समुद्र तक पहुंचते हैं और उनमें मौजूद जैव विविधता को बर्बाद करते हैं। जिस माइक्रो प्लास्टिक में पेय पदार्थों या खाद्य सामग्री की पैकिंग होती है वह भी सेहत के लिए हानिकारक है। यदि हम जागरूक होकर सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर सकें तो हर साल नदियों, नालों और जमीन में जमा होने वाले लाखों टन प्लास्टिक कचरे से निजात मिल सकती है। स्पष्ट है कि इससे पर्यावरण सुधारने में मदद मिलेगी।

भारत पेरिस जलवायु समझौते में शामिल है। यह जलवायु परिवर्तन रोकने की वैश्विक पहल है। यह तभी प्रभावी होगी जब सभी देश मिलकर काम करेंगे। चिंताजनक यह है कि कई ऐसे विकसित देश अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाने को तैयार नहीं जो कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए 2015 में हुए पेरिस समझौते को अपने लिए अनुचित बताते हुए अमेरिका इससे बाहर हो गया। इसके तहत विकसित देशों को कार्बन उत्सर्जन कम करने के साथ विकासशील देशों को तकनीकी एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध करानी थी ताकि वे अपना विकास रोके बगैर जलवायु परिवर्तन के खतरे को कम करने में सहायक बन सकें। अमेरिका के इस समझौते से बाहर हो जाने के कारण पेरिस में जो लक्ष्य तय किए गए थे उन्हें हासिल करना मुश्किल हो रहा है। चूंकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पेरिस समझौते पर अमल के लिए प्रतिबद्ध हैं इसलिए दुनिया भर में उनकी सराहना हो रही है। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जिस जन आंदोलन छेड़ने की बात कही उसमें समाज के हर तबके को शामिल होने की जरूरत है। वास्तव में यह बुनियादी बात सभी को समझनी ही होगी कि पर्यावरण संरक्षण केवल शासन-प्रशासन का काम नहीं, इसमें तो हर व्यक्ति का योगदान चाहिए। बेहतर होगा कि इस मामले में आम आदमी से लेकर उद्योगपति तक अपने महती दायित्व को समझें।

response@jagran.com

काम न करने के कारगर नुस्खे

हास्य-व्यंग्य

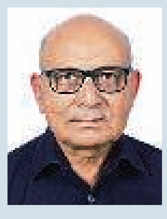

सूर्यकुमार पांडेय

अपने कार्यस्थल पर सदा ही टेंशनित रहने वालों के लाभार्थ एक गोपनीय विद्या का खुलासा

यदि किसी कर्मचारी के सिर पर उसके बॉस ने वरदहस्त रखा हुआ हो तो उसे अपनी जॉब को लेकर फालतू की टेंशन नहीं पालनी पड़ती और कोई काम भी नहीं करना पड़ता। मुझे अपने एक मित्र के श्रीमुख से जब यह अलौकिक ज्ञान सुनने को मिला तो मैंने पलटकर प्रश्न किया, 'यार, मुझको भी अपने बॉस को पटाने की तरकीब बताओ। मेरा बॉस तो हमेशा ही मुझसे चिढ़ा रहता है।' मित्र ने पूछा, तुम्हारा बॉस महिला है या पुरुष!'

मैंने प्रतिप्रश्न किया, 'क्या दोनों को प्रसन्न करने के अलग-अलग फार्मूले हैं?' वह बोला, 'भाई, इस मामले में जेंडर इक्वेलिटी नहीं चलती।' मैंने कहा, 'वैसे मेरा बॉस पुरुष है। वह अपनी नाक पर मक्खी भी नहीं बैठने देता। समझ लो, टफ किस्म का केस है।' मित्र अपनी जुबान से अतिशय आत्मविश्वास की चाशनी टपकाता हुआ बोला, 'कितना भी टफ हो, आखिर है तो इंसान ही। मैं अपने बीस साल के सेवाकाल में एक से बढ़कर एक खूसट बॉसेज को पटाने का तजुर्बा रखता हूं। तुम भी अगर मेरे कहे अनुसार चलोगे तो सदा सुखी रहोगे और कितना भी काम हो, तुम्हें काम नहीं करना पड़ेगा।'

मैं भी अपने संकोच की पोटली का मुंह खोलते हुए उससे बोला, 'दोस्त, कहीं मेरा दांव उलटा पड़ गया तो अपनी नौकरी से भी हाथ धो बैठूंगा। तुम तो जानते ही हो, मुझे ये सारे दंद-फंद बिल्कुल नहीं आते।'

मेरा मित्र ठहाके लगाता हुआ कहने लगा, 'हिम्मत क्यों हारते हो? मैं तुम्हें कुछ सूत्र बताऊंगा। मेरे पास सिद्ध फार्मूला है। तुम भी कल से ही उनके अनुसार चलना शुरू कर दो। अगर मेरे सिखाए हुए सूत्र कारगर साबित नहीं हो पाए तो मैं अपनी मूंछें मुंडवा लूंगा।' मैंने उसके चेहरे को गौर से देखा। मूंछ क्या, मूंछ का एक बाल तक नहीं था। फिर भी उस रोज मेरे उस मित्र ने जो तत्वज्ञान दिया था, उन पर अमल करने के बाद मैं आज परम सुखी प्राणी हूं। जो नौकरी मुझे काटने दौड़ती थी, अब मुझे उसमें रस आने लगा है। अपने कार्यस्थल पर सदा टेंशनित रहने वालों के लाभार्थ मैं इस गोपनीय विद्या का खुलासा कर रहा हूं। इसे स्वयं तो अपनाएं हीं, औरों के बीच भी इसका प्रचार-प्रसार करते रहिए। लोगों के लाभार्थ मैं बॉस वशीकरण मंत्र के सूत्र पेश कर रहा हूं।

अपने बॉस से कलीग्स की चुगली करने का कोई भी अवसर हाथ से न जाने दें। अगर आपका निजी मकान हो तो उसको किराये पर उठाकर अपने बॉस के मोहल्ले में किराये का मकान ले लें। इस तरह सामीप्य का लाभ उठाइए। आप अपने बॉस के दरवाजे पर बिना नागा किए पहुंचिए। सुबह-शाम का एक चक्कर आपको ऑफिस की चकरघिन्नी से मुक्ति दिलाने में सहयोगी बन जाएगा। आप यह भी पता कीजिए कि आपके बॉस के मॉर्निंग वॉक का क्या टाइम है? आप भी उसी समय उठिए और टहला कीजिए। हर दिन प्रातः नमस्कार आपकी सेवा को सुखमय बनाए रखने में सहायक होगा। बॉस के घरेलू नौकरों से दोस्ती गांठिए। इससे आप उसके घर में घुसपैठ का सहज मार्ग पा सकते हैं। अगर आपने एक बार बॉस के घर में घुसपैठ कर ली तो सफलता अवश्यंभावी है। आपको जब भी शॉर्टलीव लेने का मन हो, अपने बॉस से विनम्रतापूर्वक रेलवे रिजर्वेशन कराने, बच्चों की फीस भरवाने या बैंक-पोस्ट ऑफिस का कोई काम पूछिए और कहिए कि सर, उधर ही जा रहा हूं, करता आऊंगा। इस तरह बॉस के एक-दो काम हाथ में ले लीजिए, फिर चाहे पूरे दिन अपने दफ्तर से फरार रहिए।

आपके बॉस के घर पर कब कोई बर्थडे पार्टी है या फिर पूजा-पाठ या शादी-ब्याह का कार्यक्रम है, इसकी पुख्ता जानकारी भी जुटाते रहिए। उचित मौके पर बिना बुलाए ही पहुंच जाइए। फिर खीसे निपोरते हुए कहिए- सर लगता है, मैं गलत टाइम पर आ गया हूं। फिर बिना कहे ही काम में हाथ बटाने लग जाइए। इस तरह आप अपने बॉस के चहेते बन जाएंगे। बॉस के ऑफिसेत्तर शौकों पर बराबर नजर बनाए रखना भी आपके लिए लाभदायक हो सकता है। आप उनके शौक की पूर्ति में तन-मन-धन से जुट जाइए। फिर देखिएगा कि कौन ऐसा बॉस है, जो स्वयं आपके वश में नहीं हो जाता है?

मैंने मित्र की सलाह मानी और उस पर अमल कर ऑफिस में काम न करने का सुख उठा रहा हूं। आप भी इसे आजमाइए और काम न करते हुए काम करिए।

response@jagran.com

ऊर्जा

प्रेरणा

'प्रेरणा' शब्द का अर्थ बहुत व्यापक है। जीवन के प्रत्येक मोड़ पर हम सकारात्मक या नकारात्मक रूप से किसी न किसी से प्रेरित रहते हैं और हमारे कार्य, उद्देश्य और संकल्प आदि तमाम प्रकार के व्यावहारिक गुण भी इसी से निर्धारित होते हैं। प्रत्येक मानवीय व्यवहार सिर्फ फायदे या नुकसान से निर्धारित-संचालित होते है। अगर व्यक्ति को नुकसान के बदले फायदा अधिक नजर आता है तो वह उसके लिए प्रेरणा का जरिया बन जाता हैं। प्रेरणा दो प्रकार से व्यक्ति को प्रभावित करती है। एक बाहरी प्रेरणा और दूसरी आंतरिक प्रेरणा। बाहरी प्रेरणा के स्वरूप को देखें तो इसमें स्थायित्व नहीं होता, बल्कि ये क्षणिक होती है जिसका बिखरना तय है। यह केवल और केवल प्रेरक पर निर्भर करती है। जब तक प्रेरक विद्यमान है तब तक ही बाहरी प्रेरणा व्यक्ति को प्रेरित करती है। बाहरी प्रेरणा बहुधा हमारे भीतर मानसिक दबाव और तनाव आदि भी पैदा कर देती है जिससे हीनभावना उत्पन्न हो जाती है।

परिणामस्वरूप कार्यक्षमता एवं रचनात्मकता में गिरावट आने लगती है। वही अंदरूनी प्रेरणा व्यक्ति के भीतर दो कारणों से उत्पन्न होती है। एक अपनी स्वीकार्यता को बढ़ाने और दूसरा जिम्मेदारियों के निर्वहन का दायित्व समझने पर। जिम्मेदारियां व्यक्ति को अपने लक्ष्य और संकल्प को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और यह सर्वविदित है कि जिम्मेदारियों की कमी प्रेरणा को भी छीन लेती है। इससे व्यक्ति के भीतर नकारात्मक प्रेरणा का संचार होने लगता है। यानी आंतरिक प्रेरणा व्यक्ति में हमेशा बनी रहती है और यह मनुष्य की आत्मा से निकलकर सकारात्मकता का संचार करते हुए मनुष्य को धैर्यवान एवं संकल्पित बनाती है। सही अर्थों में यही सच्ची प्रेरणा हैं। प्रेरणा से कार्यक्षमता के साथ ही सोच में भी बदलाव आता है। इससे उद्देश्य प्राप्ति के लिए यह अकर्मण्यता और आलस्य को दूर कर दृढ़-निश्चयी बनाता है। इसलिए हमें अपने भीतर आंतरिक प्रेरणा उत्पन्न करने के साथ-साथ नकारात्मक प्रेरणा को दूर करना चाहिए।

शिवांशु राय

तथ्य-कथ्य | धूमपान करने वालों में ई-सिगरेट के उपभोक्ता

आंकड़े फीसद में

स्रोत : स्टेटिस्टा ग्लोबल कंज्यूमर सर्वे

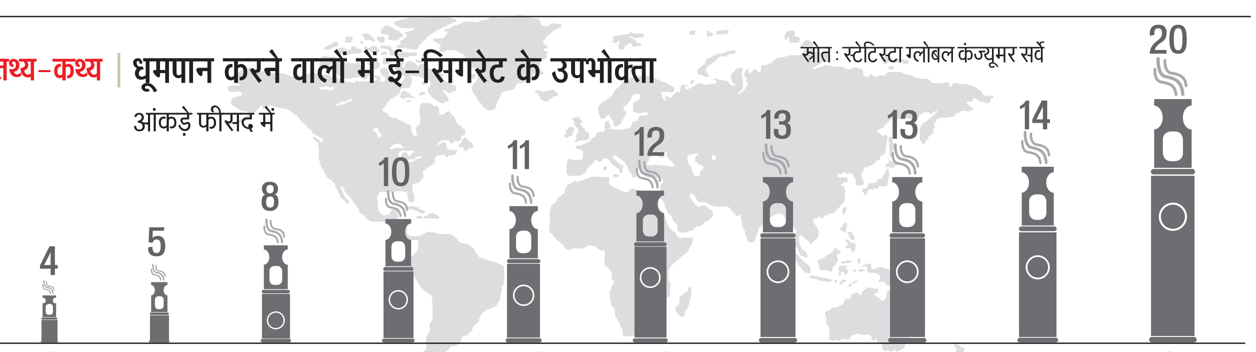

निजता में सेंध लगाती तकनीक

मुकुल व्यास

स्मार्टफोन ऑडियो विश्लेषण वाली एआई तकनीक तमाम जानकारियां जुटा सकती है जो निजता के लिए बड़ा खतरा है

आज अधिकांश लोगों के पास स्मार्टफोन है, लेकिन इससे जुड़े प्राइवेसी यानी निजता के मामलों के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी होगी। स्मार्टफोन हमारे मूवमेंट पर नजर रख सकता है। अब लोगों को यह चिंता हो गई है कि उनका स्मार्टफोन उनकी हर बात को सुन रहा है। अभी इसका कोई सबूत नहीं मिला है, लेकिन उनकी चिंता निराधार नहीं है। दुनिया भर के शोधकर्ता ऑडियो का विश्लेषण करने वाले नए किस्म के शक्तिशाली एआइ कंप्यूटर प्रोग्राम विकसित कर रहे हैं जो सिर्फ ध्वनि से बहुत कुछ सूचनाएं निकाल सकते हैं।

यह नई टेक्नोलॉजी प्राइवेसी के लिए एक बड़ा खतरा बन सकती है, क्योंकि इसकी उपस्थिति चौबीसों घंटे रहेगी। आवाज सुनने वाली एआइ लोगों द्वारा बोले जाने वाले प्रत्येक शब्द का विश्लेषण करने के बजाय उनकी ध्वनि से ही बहुत सी व्यक्तिगत सूचनाएं प्राप्त कर सकती है। इनमें आपकी लोकेशन से लेकर भाषा जैसी जानकारियां शामिल हैं। हैरानी की बात यह है कि ये सारी सूचनाएं आपके बोलने से निकलने वाली आवाज से ही प्राप्त की जा सकती हैं। इतना ही नहीं, ऑडियो एआइ सिस्टम यह भी पता लगा सकता है कि कहीं आप झूठ तो नहीं बोल रहे। यह आपके स्वास्थ्य और फिटनेस का विश्लेषण कर सकता है। आपकी मौजूदा भावनात्मक दशा को जान सकता है और यह भी पता लगा सकता है कि आप नशे में हैं या नहीं। कुछ ऐसे सिस्टम भी हैं जो पता लगा सकते हैं कि खाते वक्त फोन पर बोलते हुए आप वास्तव में कौन सी चीज खा रहे थे। कुछ शोधकर्ता ऐसे सिस्टम विकसित करने की कोशिश कर रह रहे हैं जो ध्वनि के विश्लेषण से रोगों का निदान कर सकेंगे।

कुछ ऐसे सिस्टम भी हैं जो बातचीत में वक्ता के एटीट्यूड का पता लगा सकते हैं और वक्ताओं के बीच टकराव का पता लगा सकते हैं। पिछले वर्ष विकसित किया गया एक एआइ सिस्टम किसी दंपती के बीच आपसी बातचीत के लहजे को सुनकर यह बता सकता है कि भविष्य में उनकी कितनी पटेगी। ये सब दुनिया की प्रयोगशालाओं में विकसित की जा रही एआइ टेक्नोलॉजी के कुछ उदाहरण हैं।

ये सारे सिस्टम एआइ का प्रयोग करते हैं। इसके लिए एक कंप्यूटर प्रोग्राम को बहुत सारे डाटा के साथ प्रशिक्षित किया जाता है। प्रत्येक डाटा के साथ यह लेवलिंग की जाती है कि उसमें कौन सी सूचना दर्ज है। हजारों या लाखों रिकॉर्डिंग का विश्लेषण यह प्रोग्राम पता लगाने लगता है कि डाटा की कौन सी चीज किस लेवल के साथ जुड़ी है। यह डाटा मुख्य रूप से ध्वनि में होने वाले सूक्ष्म उतार-चढ़ाव के बारे में होता है। मसलन, आपके जेंडर का पता लगाने वाला सिस्टम आपके स्मार्टफोन से आने वाली स्पीच को रिकॉर्ड करेगा और उसकी प्रोसेसिंग करके उसके 'फीचर' निकालेगा। स्पीच के फीचर में होने वाला उतार-चढ़ाव पुरुष और महिला की आवाज में कुछ भिन्न होगा। एआइ सिस्टम न सिर्फ इन फीचर को देखेगा, बल्कि यह भी देखेगा कि ये फीचर कितनी बार और किस तरह बदलते हैं। रिकॉर्डिंग स्मार्टफोन में ही होती है और फिर विश्लेषण होता है।

(लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं)

राजरंग

ताकत बनी कमजोरी

राजनीति के बदले दौर में नेताओं के बोल का नफा-नुकसान पार्टियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। शायद इसी वजह से अपने भाषणों से हलचल मचाने वाले स्टार नेताओं को भी पार्टियां चुनाव प्रचार में उतारने को लेकर कुछ ज्यादा ही सतर्क हो गई हैं। कांग्रेस के सुपरस्टार प्रचारक नवजोत सिंह सिद्धू का हरियाणा चुनाव में स्टार प्रचारकों की सूची से गायब होना इसका ताजा नमूना है। सिद्धू पार्टी के उन चंद नेताओं में शामिल हैं जिनका भाषण सुनने के लिए न केवल भीड़ जुटती है, बल्कि उनके बोल सियासी हलचल भी पैदा करते हैं। मगर हरियाणा में यही बात उनके खिलाफ जा रही है और तभी स्टार प्रचारकों की सूची में उनका नाम शामिल नहीं किया गया है। दरअसल हरियाणा में कांग्रेस के बड़े नेताओं के साथ उम्मीदवारों ने भी सिद्धू को प्रचार के लिए न भेजने का संदेश हाईकमान को पहले ही भेज दिया। इनका तर्क था कि सिद्धू अपने भाषण के अंदाज से लोगों को लुभाते तो हैं, मगर इस दरम्यान कई बार उनके बोल विवादों का नया पिटारा खोल देते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान कटिहार में उनके एक ऐसे ही बोल को तारिक अनवर की हार का एक बड़ा कारण माना जाता है। हरियाणा में कांग्रेस पहले ही अपनी अंदरूनी चुनौती से जूझ रही है और ऐसे में सूबे के नेता सिद्धू के संभावित बोल की सिरदर्दी उठाने का जोखिम नहीं लेना चाहते थे। जाहिर है कि पंजाब की सियासत में किनारे हुए सिद्धू को फिलहाल पड़ोसी हरियाणा के चुनाव में भी चुप ही रहना पड़ेगा।

चप्पे-चप्पे पर नजर

पूरे देश की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे गृह मंत्रालय की नजर अब नॉर्थ ब्लॉक के भीतर भी चप्पे-चप्पे पर होगी। वैसे तो नॉर्थ ब्लॉक स्थित गृह मंत्रालय में आने-जाने वालों की सुरक्षा जांच पहले भी काफी मुस्तैदी से की जाती थी, लेकिन एक बार बिल्डिंग में घुस जाने के बाद कौन कहां जा रहा है, यह जानना संभव नहीं था। जाहिर है कि कई आगंतुक किसी एक अधिकारी के नाम पर पास बनवाकर कई अधिकारियों के कमरे में घूमते नजर आते थे, लेकिन अब यह संभव नहीं हो सकेगा। गृह मंत्रालय के सभी गलियारों में अब कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों के माध्यम से गलियारों में घूमने वाले हर एक शख्स पर नजर रखी जा सकेगी। इससे गृह मंत्रालय के भीतर बिना वजह घूमने वाले अपने अधिकारियों पर नजर रखना भी आसान होगा। यानी अपने कामकाजी समय में बेवजह खाली घूमना गृह मंत्रालय के अधिकारियों पर भी गाज गिरा सकता है।

नार्वे का सवाल

वैसे तो विदेश मंत्री एस जयशंकर की छवि बेहद गंभीर कूटनीति की है, लेकिन उनके साथ काम करने वाले करीबी लोग उनके मजाकिया और हल्के-फुल्के चुटीले अंदाज को भी बखूबी जानते हैं। पिछले दिनों वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के कार्यक्रम में उनका यह अंदाज खुलकर सामने आया। मौका था जब फोरम के प्रेसिडेंट बोर्ग ब्रेंदे जयशंकर का लाइव साक्षात्कार कर रहे थे। ब्रेंदे नार्वे के पूर्व विदेश मंत्री हैं। साक्षात्कार के दौरान उन्होंने जयशंकर से पूछा कि क्या भारत एक उभरती हुई शक्ति के तौर पर अपने पड़ोसी देशों के बीच उत्पन्न हो रही समस्याओं को सुलझाने के लिए मध्यस्थता करेगा? जयशंकर का जवाब था, यह बहुत ही 'नार्वेआई' सवाल है। उनके इस जवाब पर पूरा हाल ठहाकों से गूंज उठा और ब्रेंदे भी थोड़ी देर के लिए असहज हो गए। असल में जयशंकर ने बहुत ही सहज भाव से श्रीलंका में तमिल समस्या के दौरान नार्वे की भूमिका और उसकी तरफ से की जा रही मध्यस्थता की कोशिशों की याद दिला दी थी।

अनदेखी पर रोष

बिहार में नीतीश सरकार से भाजपा कार्यकर्ताओं व स्थानीय नेताओं की नाराजगी अब मुखर होने लगी है। खासतौर पर पटना के कुछ इलाकों में जलभराव के बाद यह शिकायत और ज्यादा गहरी हो गई है। अभी तक केवल कार्यकर्ता और स्थानीय स्तर के नेताओं की शिकायत ही सुनने में आती थी कि नीतीश प्रशासन उनकी बात नहीं सुनता, लेकिन अब विधायक और यहां तक कि सांसदों में भी इस तरह का भाव दिखने लगा है। हाल ही में पटना शहर में भरे पानी को निकालने में राज्य सरकार की धीमी रफ्तार और भाजपा विधायकों व सांसदों के सुझावों पर अमल में देरी को लेकर इन नेताओं में सार्वजनिक तौर पर तो अपनी नाराजगी जाहिर नहीं की, लेकिन पार्टी के भीतर ऐसी सुगबुगाहट काफी जोरों से रही कि प्रशासन भाजपा नेताओं द्वारा सुझाए जा रहे उपायों को नजरअंदाज कर रहा है। रोष इतना अधिक है कि उसकी आवाज दिल्ली में भी सुनाई दे रही है। अब देखना यही होगा कि इसका असर क्या होता है।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

10 करोड़ की आबादी के सामने पीने के पानी समस्या पैदा हो सकती है भारत में वर्ष 2020 में नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार। यदि मुकम्मल उपाय नहीं किए गए तो वर्ष 2030 तक देश की 40 प्रतिशत आबादी को पेयजल आपूर्ति में समस्या हो सकती है।

आजकल

वेब सीरीज पर विचार की दरकार

आज देश भर में वेब सीरीज व्यापक रूप से चर्चित हो रही है। हालांकि इसके निर्माताओं–निर्देशकों ने इसका निर्माण बेहद बेबाक अंदाज में किया है जिसमें दृश्य और संवाद ऐसे हैं जिन्हें आपत्तिजनक कहा जा सकता है, लिहाजा इस बारे में सोचने–विचारने की आवश्यकता है कि क्या वाकई में जिस तरह की भाषा, संवाद और दृश्यों का इसमें इस्तेमाल किया गया है, वह सही है?

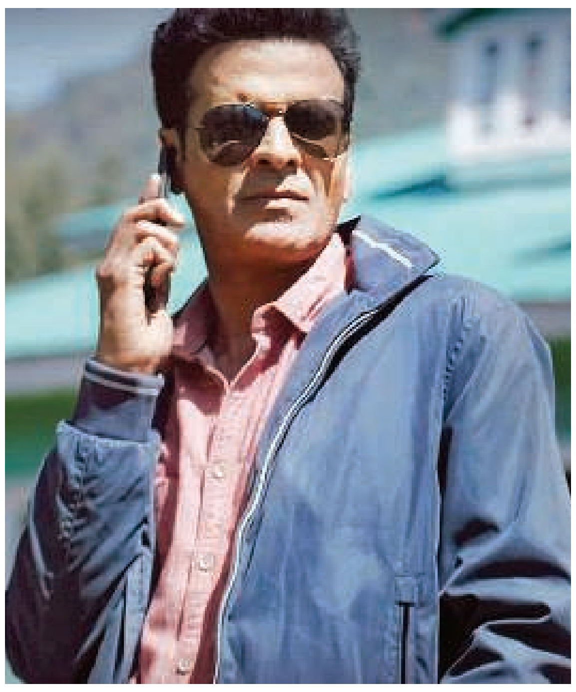

अनंत विजय

इन दिनों हमारे देश में वेब सीरीज की जमकर चर्चा हो रही है। एक तरफ तो इस प्लेटफॉर्म ने कलाकारों के लिए अभिनय और कमाई का नया क्षितिज खोला है तो दर्शकों के लिए भी एक ऐसी दुनिया सामने आ रही है जहां किसी तरह की कोई पाबंदी नहीं है। कल्पना का खुला आकाश है जहां विचरने की पूरी छूट है। निर्माताओं, निर्देशकों के लिए मुनाफे का नया द्वार खुला है। कलाकारों, कहानीकारों, फिल्मकारों को काफी पैसे मिल रहे हैं, कई बार तो अभिनेताओं को फिल्म से ज्यादा पैसे वेब सीरीज में काम करने के लिए मिलने की खबरें आती हैं। ऐसी ही एक खबर सैफ अली खान के बारे में आई थी कि उन्होंने 'सेक्रेड गेम्स' करने के लिए एक फिल्म के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। कला के क्षेत्र में इसको एक सुखद स्थिति के तौर पर देखा जा सकता है, इसलिए कि कलाकारों को अपनी कल्पना को पंख लगाने का एक प्लेटफॉर्म मिल रहा है जहां उनकी कल्पना की उड़ान को बाधित करने के लिए किसी सेंसर की कानूनी बाध्यता नहीं है। कोई सिनेमेटोग्राफी एक्ट उन पर लागू नहीं होता है। लेकिन कई बार ये देखा गया है कि पाबंदी या बंदिश के कानून आदि की अनुपस्थिति में स्थितियां अराजक हो जाती हैं। इन दिनों जिस तरह के वेब सीरीज आ रहे हैं उसमें कई बार कलात्मक आजादी या रचनात्मक स्वतंत्रता की आड़ में सामाजिक मर्यादा की लक्ष्मण रेखा ना केवल लांघी जाती है, बल्कि इस रेखा को मिटाकर नई रेखा खींचने की एक कोशिश भी दिखाई देती है।

इस बात पर बहस हो सकती है कि कलाकारों की स्वतंत्रता या उनकी कल्पनाशीलता को किस हद तक छूट दी जा सकती है। रचनात्मक आजादी पर जितनी बहस आवश्यक है उतनी ही व्यापक बहस इस बात पर भी होनी चाहिए कि इस आजादी की सीमा क्या हो। अदालतों ने कई बार इसको परिभाषित भी किया है, चाहे वो एम एफ हुसैन का केस हो या तमिल लेखक पेरुमल मुरुगन का केस या फिर एक पुस्तक में गांधी के बारे में लिखी गई भाषा का केस हो।

वर्ष 2004 में एमएफ हुसैन से संबंधित एक केस में दिल्ली हाई कोर्ट के तत्कालीन जस्टिस जेडी कपूर ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। उस फैसले में साफ तौर पर यह कहा गया था कि 'अभिव्यक्ति की आजादी को संविधान में मौलिक अधिकार का दर्जा प्राप्त है जो कि हर नागरिक के लिए अमूल्य है। कोई भी कलाकार या पेंटर मानवीय संवेदना और मनोभाव को अलग अलग तरीकों से व्यक्त कर सकता है। इन मनोभावों को अभिव्यक्ति की किसी सीमा में नहीं बांधा जा सकता है। लेकिन कोई भी इस बात को भुला नहीं सकता है कि जितनी ज्यादा स्वतंत्रता होगी उतनी ही ज्यादा जिम्मेदारी भी होगी। अगर किसी को अभिव्यक्ति का असीमित अधिकार मिला है तो उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह इस अधिकार का उपयोग अच्छे कार्य के लिए करे ना कि किसी धर्म या धार्मिक प्रतीकों या देवी-देवताओं के खिलाफ विद्वेषपूर्ण भावना के साथ उन्हें अपमानित करने के लिए करे।' यही बात इन वेब सीरीज पर भी लागू होती है। उन्हें कलात्मक आजादी के नाम पर असीमित अधिकार मिला है तो उनसे अपेक्षा भी अधिक है कि वो कलात्मक आजादी के नाम पर अराजक ना हो जाएं। हमारे देश में जब वेब सीरीज का जोर बढ़ने लगा तो इस पर भी बहस तेज होने लगी। इसके कंटेंट को देखें तो कई बार बेहद आपत्तिजनक बातें सामने आती हैं।

हाल में अमेजन के प्राइम वीडियो प्लेटफॉर्म पर एक वेब सीरीज आई जिसका नाम है- द फैमिली मैन। यह वेब सीरीज यहां चार भाषाओं में उपलब्ध है। मनोज बाजपेयी इस सीरीज में मुख्य भूमिका में हैं। इसे अगर कला की कसौटी पर भी कसें तो कमजोर नजर आती है। जिस चीज पर चर्चा होनी चाहिए वो ये है कि इसमें साफ तौर पर आतंकवाद को जस्टिफाई करने की कोशिश दिखाई देती है। वर्ष 2002 में गुजरात में सांप्रदायिक दंगा हुआ, उसमें एक परिवार के कई लोग मारे गए। उसकी प्रतिक्रिया में या बदला लेने के लिए एक मुस्लिम युवक आतंकी बन जाता है। हमेशा प्रतिक्रियास्वरूप मुस्लिम युवक को ही क्यों आतंकवादी बनते दिखाया जाता है? दरअसल आतंकवादी बनना एक मानसिकता है और उसको धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए, लेकिन ये एक चलन हो गया है कि मुस्लिमों पर अत्याचार होगा तो वो आतंकवादी बनेगा और हिंदुओं पर अत्याचार होगा तो वो अपराधी बन जाएगा। अब यह भी एक तरह की मानसिक सांप्रदायिकता है।

नेटफ्लिक्स पर 'सेक्रेड गेम्स सीजन टू' में एक अपराधी पुलिसवाले को कहता है कि 'इस देश में मुसलमानों को पकड़ने के लिए किसी वजह की जरूरत नहीं होती।' 'द फैमिली मैन' में भी उसी तरह का एक संवाद है जहां एक पात्र कहता है कि 'मुसलमान हूं इसलिए उठा लाए हो ना।' अब ये क्या है? ये कौन सी कलात्मक स्वतंत्रता के दायरे में आता है। क्या ये समाज को बांटनेवाला नहीं है? संवादों के जरिए एक समुदाय विशेष के मन में भारतीय व्यवस्था के खिलाफ जहर नहीं भरा जा रहा है? ऐसे दर्जनों उदाहरण इन वेब सीरीज को खंगालने पर मिल सकते हैं, जहां व्यवस्था के खिलाफ परोक्ष रूप से एक समुदाय विशेष को भड़काया जा रहा है। कश्मीर के हालात को लेकर राजनीतिक टिप्पणियां हैं। राजनीतिक टिप्पणियों से किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए, पर जब वो किसी राजनीति का या एजेंडा का हिस्सा हो जाती हैं तो उसको रेखांकित करना आवश्यक है।

'द फैमिली मैन' में एक और दिलचस्प प्रसंग है। आतंकवादी के बारे में सूचना देने वाले को दस लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा है। एक व्यक्ति जानकारी लेकर आता है और अफसर से पूछता है कि दस लाख दोगे ना? वो कहता है कि सरकार का फैसला है, जरूर मिलेगा। जानकारी लेकर आया व्यक्ति क्या कहता है जरा सुनिए, 'पंद्रह लाख देने का भी तो वादा था, वो तो मिला नहीं, उसी चक्कर में मैंने बैंक में खाता भी खुलवा लिया।' राजनीतिक फैसलों की आलोचना का, उसका मजाक उड़ाने का अधिकार सबको है, लेकिन आतंकवादी के बारे में सूचना देनेवाले को इनाम की घोषणा और एक राजनीतिक रैली में दिए गए बयान को एक साथ रखकर क्या कहना चाहते हैं? इससे वेब सीरीज के निर्माताओं की सोच का पता चलता है। हमारे देश में एक से बढ़कर एक राजनीतिक व्यंग्य लिखे गए, लेकिन किसी में इस तरह की तुलना की गई हो, ध्यान नहीं पड़ता।

पहले हिंदू धर्म की कुरीतियों में काल्पनिकता का छौंक लगाकर उसको मुख्य आधार बनाकर पेश करना, फिर समाज को बांटने की बात करना, देश की व्यवस्था के खिलाफ मन में जहर भरना और अब परोक्ष रूप से राजनीतिक टिप्पणियों से मौजूदा सरकार के खिलाफ जनता के मन में अविश्वास पैदा करना ये वो कारक हैं जिसके आधार पर वेब सीरीज को नियमन के दायरे में लाने का आधार तैयार होता है। इसके अलावा हॉट स्टार जैसे प्लेटफॉर्म पर 'गेम ऑफ थ्रोन्स' जैसा सीरीज चला उसकी ओर भी ध्यान जाना चाहिए। जिस तरह से वैश्विक शृंखला के नाम पर नग्नता और जुगुप्साजनक हिंसा को दिखाया गया उस पर भी सख्ती से विचार किया जाना चाहिए। विचार तो इस बात पर भी किया जाना चाहिए कि क्या हमारा समाज अभी इस तरह की नग्नता के सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए तैयार है। इसके पक्ष में यह तर्क दिया जाता है कि ये फिल्मों से हटकर है और निजी तौर पर देखा जाता है, लेकिन क्या इन प्लेटफॉर्म पर कोई इस तरह की व्यवस्था है कि वो देखनेवाले से उनकी पसंद पूछे। उनकी उम्र पूछे। एक बार जिसने सब्सक्रिप्शन ले लिया वो देख सकता है। वेब सीरीज के कोने में छोटा सा 18 प्लस और हिंसा व भाषा की चेतावनी देकर भयंकर खूनखराबा दिखाना, हर वाक्य में गाली-गलौच और यौनिक दृश्यों का प्रदर्शन उचित प्रतीत नहीं होता।

इन सबके पक्ष में ये तर्क दिया जाता है कि ये सीरीज फलां पुस्तक पर आधारित है और उसमें वैसा है, इस वजह से वैसा दिखाया गया है। या बातचीत में भी तो गाली का उपयोग होता है आदि आदि। इन फिल्मकारों को ये समझाना होगा कि जीवन को जस का तस उठाकर फिल्मों में नहीं रखा जा सकता है, जीवन जैसा कुछ दिखा सकते हैं। सरकार को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए और अगर स्व-नियमन से बात नहीं बन रही है तो सभी के साथ मिल बैठकर इसको किसी संवैधानिक नियमन के दायरे में लाने पर गंभीरता से आगे बढ़ना चाहिए। अन्यथा कलात्मक आजादी के नाम पर अराजकता बढ़ती जाएगी।

फिर से

सब्जी खरीदने दस किमी पैदल

मेघालय के एक आइएएस अधिकारी हैं राम सिंह, जो वेस्ट गारो हिल्स, तुरा में डिप्टी कमिश्नर के पद पर तैनात हैं। अलावा वे आजकल सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। अनेक अखबारों ने भी उनकी इस प्रेरणाप्रद मुहिम को प्रकाशित किया है। देखा जाए तो राम सिंह एक साथ कई तरह से लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की जो वायरल हो रही है, और वायरल होने की वजह भी बहुत खास है। दरअसल तस्वीर में वो एक स्थानीय बाजार से सब्जी खरीदते हुए दिख रहे हैं और उनकी पीठ पर बांस की पारंपरिक टोकरी बंधी हुई है। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा है, 'वीकेंड पर ऑर्गेनिक सब्जियों की 21 किलो की शॉपिंग, कोई प्लास्टिक नहीं, वाहन का प्रदूषण नहीं, न कोई ट्रैफिक जाम, फिट इंडिया, फिट मेघालय, ऑर्गेनिक खाओ, साफ और हरित तुरा, पोषण, 10 किमी की मॉर्निंग वॉक।'

जैसा कि साफ जाहिर है कि राम सिंह करीब 10 किलोमीटर पैदल चलकर हर वीकेंड ऑर्गेनिक सब्जियां खरीदने बाजार जाते हैं। इस काम के लिए वो वाहन का इस्तेमाल नहीं करते ताकि प्रदूषण न हो। पैदल इसलिए चलते हैं कि फिट रहने के लिए जरूरी है और ऑर्गेनिक पर जोर इसलिए देते हैं, क्योंकि यह सेहत के लिए जरूरी है। यही नहीं, राम सिंह समय समय पर अपने क्षेत्र में खुद ही सफाई अभियान चलाते हैं ताकि शहर भी स्वच्छ रहे।

राम सिंह का कहना है कि उन्होंने पैदल चलना इसलिए शुरू किया जिससे ट्रैफिक की समस्या पर शिकायत करने वाले लोगों को प्रेरित कर सकें। इस संबंध में वे कहते हैं, 'प्रदूषण रोकने के लिए जब लोगों से वाहन का उपयोग कम करने की सलाह दी तो लोग शिकायत करते थे कि ढेर सारी सब्जियों के साथ पैदल चलने में दिक्कत होती है। तब मैंने उन्हें बांस की टोकरी 'कोकचेंग' साथ लेकर चलने की सलाह दी जिससे प्लास्टिक को चलन से बाहर करने में भी मदद मिलेगी, लेकिन वो मुझ पर हंसने लगे। और तब मैं और मेरी पत्नी टोकरी लेकर बाजार जाने लगे। आज के युवा फिट नहीं हैं। मुझे लगता है कि वो भी इसी तरह पैदल चलना शुरू कर देंगे।'

राम सिंह कहते हैं, 'मैं पिछले छह महीने से ऐसा कर रहा हूं। मुझे लगता है कि आधुनिक चुनौतियों से लड़ने के लिए पारंपरिक समाधान की जरूरत है। अगर हम पारंपरिक रूप से चलेंगे तो फिट रह सकते हैं।'

राम सिंह की फेसबुक वॉल को देखने के बाद आप उनसे प्रेरित हुए बिना नहीं रह पाएंगे। वो आपको प्रकृति के करीब रहना और प्रकृति से प्रेम करना सिखा देंगे। वो आपको ये सिखाएंगे कि आज के समय में भी कैसे अपनी जड़ों के साथ जुड़े रहा जा सकता है।

राम सिंह की कहानी में ध्यान देने वाली बात ये है कि वो एक साथ कई निशाने साध रहे हैं, यानी एक साथ कई अभियान चला

रहे हैं। उनकी एक तस्वीर ही सारी कहानी साफ कर देती है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत शहर को स्वच्छ रखना, सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करना और इसीलिए साथ में बांस की टोकरी लेकर चलना, वाहन का इस्तेमाल न करके प्रदूषण नियंत्रित करना, करीब 10 किलोमीटर पैदल चलकर फिट रहना। और ऐसा करके वो एक सरकारी अफसर होने का कर्तव्य बखूबी निभा रहे हैं, लेकिन इस तरह की सेहतमंद दिनचर्या से बाकी लोगों को प्रेरित करके वो एक सजग शहरी की नैतिक जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं।

क्या इससे पहले आपने किसी इतने बड़े अधिकारी को इस तरह से जीवन बिताते हुए देखा है? शायद नहीं। आजकल तो लोग सब्जी खरीदने साथ में थैला लेकर भी नहीं जाते, क्योंकि पारंपरिक थैला पकड़ने में लोगों को शर्म महसूस होती है। लेकिन ये अधिकारी टोकरी लाद कर चलते हैं। इस अधिकारी पर गर्व कैसे न किया जाए!

ट्वीट–ट्वीट

भारत की पहली निजी ट्रेन तेजस के सेवादल में किसी सांवली लड़की को क्यों नहीं चुना गया? क्या यहां भी विमानन कंपनियों की तर्ज पर नस्लीय मनोवृत्ति अपनाई जा रही है जहां सिर्फ गोरे और लंबे लोगों को ही चुना जाता है? मेरा रेल मंत्री से अनुरोध है कि वे ऐसे मानकों के बजाय सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करें।
अभिनव प्रकाश@Abhina_Prakash

जो बात सरकारी हलकों में लंबे अर्से से तैर रही थी उसे स्वीकारने में वायुसेना को सात महीने लग गए। अपने ही विमान को मार गिराना बहुत दुखद है। अच्छा यह है कि वायुसेना प्रमुख ने इसे स्वीकारा। हमारे शीर्ष नेताओं को भी बालाकोट का महिमामंडन करने के बजाय पीड़ित परिवारों से खेद जताना चाहिए।
राजदीप सरदेसाई@sardesairajdeep

आइआइटी की एक प्रोफेसर बता रही हैं कि हिंदू धर्म का उद्भव बीसवीं शताब्दी में हुआ। अगर आइआइटी जैसे संस्थान में अध्यापकों का ऐसा हाल है तो छात्रों के स्तर की बस कल्पना ही की जा सकती है।
कंचन गुप्ता@KanchanGupta

टेस्ट में पहली बार सलामी बल्लेबाज की भूमिका में उतरना और दोनों पारियों में शतक जड़ने के साथ ही यह रोहित शर्मा के लिए यादगार मैच बन गया। वह मैच विजेता खिलाड़ी हैं और उम्मीद है कि ऐसा प्रदर्शन जारी रखेंगे।
वीवीएस लक्ष्मण@VVSLaxman281

रचनाकर्म

गांधी का चित्रात्मक जीवन–वृत्त

प्रणव सिरोही

गांधी जैसी शख्सियत पर पहले ही इतना कुछ रचा जा चुका है कि उस पर कुछ नया सृजित करना खासा चुनौतीपूर्ण हो जाता है, किंतु यह पुस्तक इस पैमाने पर खरी उतरती है...

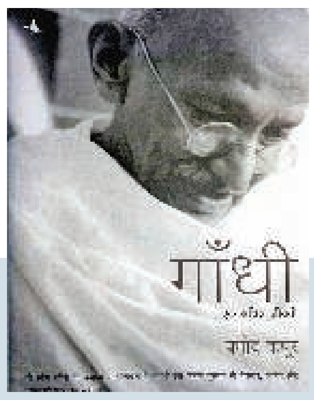

पुस्तक : गांधी एक सचित्र जीवनी
लेखक : प्रमोद कपूर
प्रकाशक : मंजुल प्रकाशन
मूल्य : ९९९ रुपये

गांधी। यह कोई शब्द या उपनाम नहीं, अपितु एक शब्द में सिमटी समग्र वैचारिकी है जिसने मोहनदास को महात्मा और एक राष्ट्र के स्वरूप लेने से पूर्व ही उन्हें उसका राष्ट्रपिता बना दिया। मार्टिन लूथर किंग जैसे सुधारक से लेकर नेल्सन मंडेला जैसे महानायक को प्रभावित करने वाला गांधीवाद ही इस अशांत-अस्थिर दुनिया को सही दिशा दिखा सकता है। इसी गांधीवाद को समझाने के लिए स्वयं गांधी से लेकर रोमां रोलां और स्टैनले वोल्पार्ट सरीखे जीवनीकारों से लेकर गांधी की पारिवारिक विरासत के प्रतिनिधि राजमोहन गांधी और न जाने कितने दिग्गजों ने विभिन्न पहलुओं से व्याख्याएं की हैं। यही वजह है बीती सदी में तमाम रचनाएं गांधी की धुरी पर ही घूमती रहीं। शायद यह गांधी का आकर्षण ही हो कि प्रकाशक प्रमोद कपूर ने बतौर लेखक शुरुआत के लिए गांधी को ही चुना। उनकी 'गांधी एक सचित्र जीवनी' को देखकर लगता है कि भले ही यह लेखक के रूप में उनकी पहली किताब हो, पर इसके लिए उन्होंने कई वर्षों तक शोध किया है।

जिस शख्सियत पर पहले ही इतना कुछ रचा जा चुका हो, उस पर कुछ नया सृजन करना एक दुरूह चुनौती बन जाती है। कपूर ने इसे विविधता भरी सामग्री, व्यापक संदर्भों, दुर्लभ चित्रों और आकर्षक प्रस्तुति के साथ आसान बनाया है। इसमें गांधी के जीवन से जुड़ी सभी अहम घटनाओं और प्रसंगों को बहुत रोचक शैली में पेश किया गया है। चूंकि पुस्तक में तमाम चित्रों का समावेश है तो पाठ्य सामग्री का बहुत विस्तार नहीं है, मगर अपनी सारगर्भिता के चलते वह पूर्णता की अनुभूति कराती है। यह पुस्तक एक सामान्य मानव के महामानव बनने के सफर पर ले जाती है। इसमें गांधी के जन्म, परिवार, विवाह, अध्ययन के लिए लंदन प्रवास, स्वदेश वापसी पर नाकाम वकालत, फिर दक्षिण अफ्रीका पलायन, वहां अपने अनूठे प्रयोगों के साथ एक मसीहा के रूप में उभार, उसके उपरांत स्वदेश आगमन पर महानायक सरीखा सम्मान और आजादी के अग्रदूत बनने की यात्रा का ऐसा वर्णन है जो पाठक को अभिभूत करता है।

पुस्तक बताती है कि पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले एक युवा को कैसे उसकी जाति वाले ही बहिष्कृत करते हैं और वही शख्स कैसे देश-दुनिया में अपनी स्वीकार्यता स्थापित करता है। एक शख्स, जो कभी विदेशी चकाचौंध से प्रभावित हो जाता है, वही समस्त भौतिकता को कैसे तिलांजलि देकर नैतिक शुचिता के नए प्रतिमान स्थापित करता है। एक व्यक्ति जो घर से निकलने से पहले पूरे दस मिनट केश सज्जा को समर्पित करता हो, वही व्यक्ति सफर के दौरान मिलने वाली विशेष सहूलियतों को कैसे त्याग देता है। साध्य और साधन के प्रति ऐसी ईमानदारी कि अपनी पत्नी से कहे कि यदि सूती साड़ी पहनकर खाना पकाने में समस्या हो तो बेहतर है कि वह उनके लिए खाना न ही पकाएं।

पुस्तक में टैगोर, नेहरू, पटेल, बोस, जिन्ना, गोखले और तिलक जैसी तमाम समकालीन शख्सियतों के साथ गांधी के संबंधों की भी पड़ताल की गई है। यह कई दिलचस्प प्रसंगों के तार भी छेड़ती है। मसलन गांधी ने अपने किस बच्चे के जन्म के समय दाई की भूमिका निभाई, किस पुस्तक ने उन्हें इतना प्रेरित किया कि उन्होंने उसका गुजराती में अनुवाद तक किया, पटना में किसके घरेलू सहायकों ने गांधी और उनके साथी के साथ ऐसा रूखा व्यवहार किया कि तमतमाए गांधी अपने किसी अन्य परिचित के यहां ठहरने चले गए। बीएचयू की स्थापना के मौके पर गांधी के भाषण वाला प्रसंग भी है जिसमें उनके भाषण से चिढ़कर वहां से रुखसत होने वाले राजा-महाराजाओं के समक्ष महामना का अनुनय-विनय भी काम नहीं आया था।

इसमें लुई फिशर जैसे गांधी के जीवनीकारों से लेकर तमाम दिग्गजों के संदर्भ दिए गए हैं। कुछ अनुपयुक्त शब्दों के उपयोग को छोड़ दिया जाए तो मदन सोनी का अनुवाद इतना अच्छा है कि पुस्तक अनूदित होने का आभास भी नहीं होने देती। सुगठित पाठ्य सामग्री, दुर्लभ चित्रों एवं अनूठी प्रस्तुति के मिश्रण से बनी यह पुस्तक गांधी की कहानी से परिचित लोगों के लिए एक सुखद पुनरावलोकन कराती है तो गांधी की धारा में नए उतरने वाले रंगरूटों के लिए भी एकदम उपयुक्त बन पड़ी है। प्रस्तुति से संग्रहणीय बनी पुस्तक वास्तव में उपहार देने योग्य है।

साहित्य, समाज और स्त्री–विमर्श

पल्लवी प्रिया

पुस्तक : मैत्रेयी उवाच
संपादक : सुशील सिद्धार्थ
प्रकाशक : किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
मूल्य : 500 रुपये

हिंदी कथा साहित्य की सशक्त हस्ताक्षर मैत्रेयी पुष्पा साहित्य में 'हुस्न' से ज्यादा 'हुनर' को तवज्जो देती हैं। उन्हें बेबाकी से अपनी बात रखने वाली लेखिका के तौर पर जाना जाता है। हाल में प्रकाशित पुस्तक 'मैत्रेयी उवाच' में उनके 39 साक्षात्कारों को संग्रहीत किया गया है, जिसमें उनके इसी अंदाज की झलक मिलती है। पाठक साहित्य के साथ-साथ समाज के विविध रंगों से भी रूबरू होते हैं। संग्रहीत संवादों में संगीत, शिक्षा, सत्ता, स्त्री के मुद्दे से लेकर आधुनिक जीवन और लेखन जैसे विषयों पर मैत्रेयी लेखक, विचारक, एक्टिविस्ट और स्त्री विमर्शकार के तौर पर खुलकर बात करती हैं।

प्रश्नकर्ताओं और मैत्रेयी पुष्पा के बीच बही विचारों की धारा पाठकों को बांधे रखती है। पुस्तक के संपादक सुशील सिद्धार्थ के साथ बातचीत में लेखिका अपने लिए लेखन को स्त्री-मुक्ति का साधन स्वीकार करती हैं। संवाद में 'अनियंत्रित स्त्रियों ने भी साहित्य का बहुत नुकसान किया है' या 'फूलन ने बंदूक उठाई और मैंने कलम', 'औरत को औरत समझा जाता है, लेखिका नहीं', 'जब लड़की अकेली होती है तो वह पुरुषों के लिए महज मादा होती है' जैसे कई कथन हैं, जो स्त्री-विमर्श की शृंखला की मजबूत कड़ी बनते हैं। कई संवाद ऐसे भी हैं, जिनके जरिये लेखिका के बचपन की झलक मिलती है और उनकी मां के व्यक्तित्व से परिचय होता है। बातचीत के दौरान लेखिका वैवाहिक जीवन में अपने हिस्से के संघर्ष पर भी बेबाकी से बोलती हैं। इसके अलावा वह देश की वर्तमान स्थिति, संविधान की प्रासंगिकता व नागरिक अधिकार पर भी विचार पेश करती हैं।

हिंदी साहित्य में उदासीनता, अतिप्रशंसा और उपेक्षा जैसे सवालों पर लेखिका मानती हैं कि आलोचना का मतलब दोस्ती और दुश्मनी रह गया है। वहीं, वह साहित्य को जीवन का मूल्यवान पाठ बताते हुए हर हाल में साहित्य से छात्रों को जोड़े रखने की बात भी करती हैं। बात चाहे स्त्री की रचनाशीलता पर हो अथवा राजसत्ता की या फिर फेसबुक पर लिखे जाने वाले साहित्य की, मैत्रेयी पुष्पा की हाजिरजवाबी संवाद की रोचकता को बरकरार रखती है। एक वाक्य में कहना हो तो यह पुस्तक वर्तमान समय की सबसे चर्चित लेखिका के विचारों व व्यक्तित्व से परिचय कराती है।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या सरकार ने गंगा व सहायक नदियों में प्रतिमा विसर्जन पर प्रतिबंध लगाकर सही किया है?

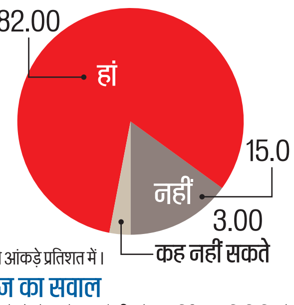

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या रेपो रेट में कटौती से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें
Y –हां, **N**–नहीं, **C**–कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

शेख हसीना जी मिलीं जब पीएम से आज,
बोलीं बंगलादेश को चहिए केवल प्याज।
चहिए केवल प्याज और कुछ दो या ना दो,
प्याज भरी इक ट्रेन वहां जल्दी भिजवा दो!
बिना प्याज के आज हो गया मुश्किल जीना,
कैसे मच्छी–भात पकाएं शेख हसीना!!
– ओमप्रकाश तिवारी

प्रकृति–मनुष्य द्वंद्व का जवाब : राइट टू वाटर

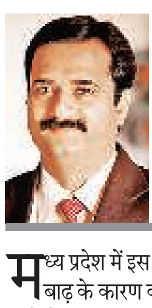

आशीष व्यास
संपादक, नई दुनिया, मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश डायरी

मध्य प्रदेश में इस वर्ष अतिवृष्टि और बाढ़ के कारण करीब 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। प्रदेश में बारिश के इस सीजन में 1,348 मिमी बारिश (30 सितंबर तक) दर्ज की गई है। अभी तक सामने आए आंकड़ों के अनुसार लगभग 55,36,517 किसान प्रभावित हुए हैं, करीब 60.47 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर पानी का कहर है। यदि बाढ़-बारिश और आकाशीय बिजली के कहर को मौत से जोड़ा जाए तो अब तक प्रदेश के करीब 674 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। लगभग 1,18,386 भवन क्षतिग्रस्त हुए हैं। तो क्या यह माना जाए कि पानी प्रतिशोध ले रहा है? जहां थम गया, वहीं जम गया! नदी-नालों, कुओं-तालाबों की परीक्षा लेते हुए पानी गांव-कस्बों, नगर-शहरों और राज्यों की सीमाएं लांघ कभी आगे बढ़ रहा है, तो कभी लौटकर आ रहा है। जमीन के जिस हिस्से में जितनी क्षमता है, उसने उतना पानी पी-सहेज लिया है। जो बह गया, वह बाढ़ है। क्या प्रकृति और मनुष्य के बीच लगातार होने वाले इस द्वंद्व का जवाब 'राइट टू वाटर' है? यदि वैज्ञानिक ढंग से सोचा जाए तो ऐसे उपाय ही हमें विध्वंस से बचाएंगे और सूखे के हालात से उबरना भी सिखाएंगे!

मध्य प्रदेश ने 'राइट टू वाटर' की पहल की है। हालांकि जब मुख्यमंत्री ने इस योजना की रूपरेखा तैयार करने पर सहमति दी थी, तब जल संकट से प्रदेश का 'गला' सूख रहा था। अब स्थिति उलट है। लेकिन पानी फिर भी नहीं है। मतलब- पीने का साफ पानी। अनुच्छेद-21 जीने के अधिकार को मान्यता देता है। इसलिए पानी का अधिकार सबसे अहम है। संभवतः इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वैज्ञानिकों की एक समिति गठित की जाए, जो संरक्षण के साथ, पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए भी सुझाव दे। केंद्र सरकार तो इस पर सक्रिय हुई ही, मध्य प्रदेश संभवतः 'पानी का अधिकार' कानून लाने वाला पहला प्रदेश बनने की तैयारी में है। जल विशेषज्ञों के साथ मिलकर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि कैसे मध्य प्रदेश की साढ़े सात करोड़ आबादी को उनके हिस्से का शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाया जाए? चुनौती यह भी है कि यह कार्ययोजना मूर्त रूप कैसे लेगी? क्योंकि अभी तक ऐसा कोई उदाहरण नहीं है। वैसे नीति आयोग के कंपोजिट वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स (सीडब्ल्यूएमआइ) के अनुसार जल प्रबंधन में गुजरात के बाद मध्य प्रदेश देश में दूसरे नंबर पर है।

'कालापानी' कहे जाने वाले बैतूल के भीमपुर ब्लॉक के दर्जनों गांव में साफ पानी की बूंद-बूंद को तरसते लोगों ने चक्काजाम किया, तो यहां 'जल-कथा' मुद्दा बनकर सामने आ गई, क्योंकि यह मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सुखदेव पांसे का इलाका है। पानी की ऐसी ही कमी को गंभीरता से अनुभव करने वाले यही वे मंत्री हैं, जिनके पास 'राइट टू वाटर' एक्ट को लागू करवाने की जिम्मेदारी भी है। वैसे भी, तय मानकों के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति के हिस्से में रोजाना 55 लीटर पानी आना चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार ने भी यह माना है कि राज्य के अधिकतर इलाकों में नल-जल योजना उस तरह से सफल नहीं है, जैसी अपेक्षा थी। मध्य प्रदेश में इस वर्ष औसत से 44 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है, लेकिन इसे सहेजकर नहीं रखा जा सका। बारिश नदी-नालों से उफनती हुई बाढ़ की शक्ल में घरों-खेतों में घुसकर तबाही मचा गई, लेकिन इसे बचाकर हम आने वाले दिनों के लिए इकट्ठा करके नहीं रख पाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के इंजीनियर इन चीफ सीएस संकुले कहते हैं, 'हम इसी 'अफसोस' का हल राइट टू वाटर में तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। यूं मानिए कि हर गांव अपने हिस्से का पानी सहेजकर रख ले। बड़े-बड़े बांधों की जगह छोटे-छोटे तालाब, पोखर आदि जल संरचना हो। लेकिन सिर्फ सोचने से यह नहीं होगा।'

हाई कोर्ट के दखल से हड़कंप : हनीट्रैप मामले में मध्य प्रदेश सरकार को झटका लगा है। हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सरकार से कहा है कि अब तक की जांच की रिपोर्ट 21 अक्टूबर को बंद लिफाफे में दें। कोर्ट ने सरकार से यह भी पूछा है कि एसआइटी प्रमुखों को लगातार क्यों बदला गया? राजनीतिक गलियारों और प्रशासनिक भवनों में हड़कंप मचाने वाले इस कांड को लेकर कोर्ट के इस दखल से उम्मीद जगी है कि अब असली कहानी सामने आ सकती है। ऐसे सभी आरोप-प्रत्यारोप भी अब मजबूत आधार ढूंढ लेंगे जिन्हें ढाल बनाकर लगातार यह बताया-समझाया जा रहा था कि जांच पूरी ईमानदारी से की जा रही है। लेकिन आधे-अधूरे सच के साथ सामने आते सवाल इस बात का संशय भी साथ लाते थे कि दबाव के चलते कहीं कुछ छुपाया जा रहा है। क्योंकि असरदार नेताओं और ऊंचे ओहदों पर बैठे अधिकारियों के नाम जैसे ही सामने आए थे, तभी से यह माना जाने लगा था कि दबाव-प्रबंधन पूरी तरह काम करेगा और संभव है कि कई चेहरे बेनकाब होने से बच जाएं। फिलहाल कोर्ट के हस्तक्षेप से 'कुलीनों' के कथित कुनबे में सन्नाटा पसरा हुआ है।

एमपीसीए में फिर सिंधिया : देश के प्रतिष्ठित मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन में साढ़े पांच वर्ष बाद हुए चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया गुट ने अपना कब्जा बनाए रखा है। इस संस्था पर काबिज रहने के लिए लंबे समय से सिंधिया और कैलाश विजयवर्गीय के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई चल रही है। माना यह भी जा रहा है कि राजनीतिक व्यस्तताओं के कारण विजयवर्गीय ने इस बार ज्यादा रुचि नहीं ली है। इसीलिए 19 में से 14 पदों पर बगैर मुकाबले के ही चुनाव हो गया। इस चुनाव परिणाम को भी मध्य प्रदेश की खेल-राजनीति में सिंधिया के बढ़ते दखल के रूप में देखा जा रहा है।

2017 में चार करोड़ व्यक्ति अमेरिका में गरीबी रेखा के नीचे रहते थे। कुल आबादी में इनका प्रतिशत 12 है। इनमें एक करोड़ 85 लाख व्यक्ति घोर गरीब हैं।

मयंक अग्रवाल : शानदार आगाज से ताजा कीं वीरू की यादें

मैन ऑफ द मोमेंट

भारतीय ओपनर मयंक अग्रवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में दोहरा शतक ठोकते हुए ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। यह उनका पांचवां टेस्ट मैच है, लेकिन अपनी जमीं पर पहला। उनके बारे में कहा जाने लगा है कि उनके ड्राइव देखने लायक हैं। जानते हैं इस बल्लेबाज के सफर के बारे में...

जेएनएन, नई दिल्ली

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच विशाखापत्तनम में खेला जा रहा सीरीज का पहला टेस्ट मैच कई मायनों में खास है। एक ओर जहां रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर पहली बार खेलते हुए दोनों पारियों में शानदार प्रदर्शन किया वहीं दूसरे छोर से उनके साथ उतरे मयंक अग्रवाल ने पहली पारी में दोहरा शतक जमाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। अपना पांचवां टेस्ट खेल रहे मयंक का यह पहला दोहरा शतक था। टीम इंडिया के लिए वह 10 साल के बाद बतौर ओपनर दोहरा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने। उनसे पहले वर्ष 2009 में टीम इंडिया के विस्फोटक ओपनर और पूर्व दिग्गज खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग ने श्रीलंका के खिलाफ 293 रनों की पारी खेली थी। वीरू की यादों को ताजा करते हुए मयंक ने भले ही आगाज शानदार किया हो, लेकिन यह समय बताएगा कि वह कितना लंबा सफर तय कर पाते हैं।

16 फरवरी, 1991 को कर्नाटक के बेंगलुरु में जन्मे मयंक का अंतरराष्ट्रीय कॅरियर अभी भले ही बड़ा नहीं रहा है, लेकिन घरेलू मैचों में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। सात नवंबर, 2013 को फर्स्ट क्लास मैचों में डेब्यू करने वाले मयंक ने अब तक 47.89 की औसत से 54 मैचों में 4,167 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 60 से अधिक का रहा।

मयंक ने टेस्ट मैच में पदार्पण पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर दो मैचों में 65 की औसत से 195 रन बनाए। बीते साल इंग्लैंड में हुई त्रिकोणीय सीरीज में मयंक इंडिया ए के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। उन्होंने 71.75 की औसत से चार मैचों में 287 रन बनाए। इसके बाद दो टेस्ट मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले, जिसमें एक अर्धशतक को छोड़कर वह ज्यादा कमाल नहीं कर सके। अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्हें फिर मौका दिया गया है।

2017 रहा खास साल

मयंक अग्रवाल के कॅरियर में वर्ष 2017 ने अहम भूमिका निभाई। इस वर्ष उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 258 रन बनाए। रणजी सत्र में तो उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा, जिसमें उन्होंने 1,160 रन बनाए। यह रन उन्होंने 105.45 के असाधारण औसत से बनाए। इनमें दो अर्धशतक के साथ पांच शतक भी शामिल रहे। अपनी जबरदस्त लय का सुबूत देते हुए मयंक ने विजय हजारे ट्रॉफी में 90.37 की औसत से 723 रन बनाए। इनमें चार अर्धशतक और तीन शतक भी जड़े। यह प्रदर्शन ही मयंक को राष्ट्रीय टीम तक ले गया।

आइपीएल में चार टीमों का अनुभव

आइपीएल में मयंक समय-समय पर चार टीमों के साथ खेल चुके हैं। 2011 से 2013 तक जहां वह रॉयल चैलेंजर्स की तरफ से खेले, वहीं 2014-16 के दौरान दिल्ली डेयरडेविल्स की तरफ से मैदान में उतरे। 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजाइंट तो 2018 से अब तक किंग्स इलेवन पंजाब से जुड़े हुए हैं।

अभी लगेगा समय

अपने छोटे टेस्ट कॅरियर में मयंक ने भले ही सबको प्रभावित किया हो, लेकिन भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की राय कुछ अलग है। वह कहते हैं, बतौर सलामी बल्लेबाज उन्हें अपनी पहली पसंद बताने से पहले कुछ इंतजार करेंगे। मयंक के दोहरे शतक के बाद सौरव ने कहा था कि 'समस्या यह है कि हम बहुत जल्दी नतीजे निकालने लगते हैं। एक शतक के बाद हम कहने लगते हैं कि वह सलामी बल्लेबाज के रूप में पहली पसंद हैं, लेकिन कुछ नाकामियों के बाद हमारी राय बदल जाती है। इस चलन पर रोक लगनी चाहिए।' उन्होंने कहा, मयंक को एक साल देना चाहिए, फिर देखते हैं कि वह कितने अच्छे हैं।

आदित्य : ठाकरे परिवार का पहला फ्रंट फुट प्लेयर

चर्चित चेहरा

पांच दशक से भी अधिक पुरानी पार्टी शिवसेना में यह पहली बार होने जा रहा है कि इसके संस्थापक परिवार का कोई सदस्य सीधे चुनाव में ताल ठोकेगा। 29 साल के आदित्य ठाकरे ने यूं तो राजनीतिक सभाओं में पिता के साथ उपस्थिति दर्ज कराकर राजनीति में अपनी रुचि का परिचय काफी पहले दे दिया था, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा था कि ठाकरे परिवार का यह युवा चुनावी रण में फ्रंट फुट पर खेलने उतरेगा। आइए जानते हैं कविताओं के जरिये शब्दों के सागर में गोते लगाने वाले आदित्य का रुख कैसे राजनीति की तरफ होता चला गया...

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

गत 29 सितंबर को पहली बार ये खबरें सामने आने लगीं कि ठाकरे परिवार के युवा सदस्य आदित्य ठाकरे चुनाव लड़ेंगे। 30 सितंबर को आदित्य ने मुंबई में शिवसेना की विजय संकल्प रैली में खुद इस बात का एलान किया कि वह वरली विधानसभा सीट से चुनावी रण में उतरेंगे और इसी के साथ आधी सदी से भी ज्यादा पुरानी पार्टी शिवसेना में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। पार्टी के संस्थापक परिवार से अभी तक किसी ने चुनावी रण में प्रत्यक्ष रूप से कदम नहीं रखा था। आदित्य पहले बने। करीब एक दशक पहले तक वह कविताओं में अपना संसार तलाशते थे, लेकिन राजनीतिक परिवार से होने के कारण कहीं न कहीं उनके मन में इस ओर भी रुझान बना रहा।

उन दिनों जब 17 वर्षीय आदित्य ठाकरे की अंग्रेजी में लिखी कविताओं का पहला संग्रह 'माई थॉट इन ह्वाइट एंड ब्लैक' प्रकाशित हुआ तो यही माना गया कि ठाकरे परिवार का यह सदस्य भी अपने खानदान की कलात्मक परंपराओं को ही आगे बढ़ाने का काम करेगा। जिस तरह उनके दादा बालासाहब ठाकरे और चाचा राज ठाकरे आला दर्जे के कार्टूनिस्ट रहे, चचेरे दादा यानी राज ठाकरे के पिता श्रीकांत ठाकरे संगीतज्ञ रहे, पिता उद्धव ठाकरे बहुत अच्छे फोटोग्राफर हैं, उसी डगर पर चलते हुए आदित्य भी कला की दुनिया में खानदान का नाम रौशन करना चाहते हैं। कुछ ही दिनों बाद उन्होंने अपनी ही लिखी आठ कविताओं पर खुद ही संगीत देकर एक एलबम भी जारी कर दिया तो यह धारणा और पुष्ट होने लगी। वैसे भी उन दिनों विभाजित हो चुकी शिवसेना के एक धड़े को साथ लेकर उनके चाचा राज ठाकरे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को चमकाने में लगे थे।

2009 के विधानसभा चुनावों में राज ठाकरे की पार्टी को मुंबई और नासिक में अच्छी सफलता मिलने से यह उम्मीद बलवती होने लगी थी कि बालासाहब ठाकरे के बाद शिवसेना की जगह महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ही लेने जा रही है, लेकिन उन्हीं दिनों मुंबईकरों को आदित्य ठाकरे का नया अवतार देखने को मिला। लेखक रोहिंग्टन मिस्त्री की लिखी पुस्तक सच ए लांग जर्नी में शिवसेना पर की गई टिप्पणियों से नाराज आदित्य ने मुंबई विश्वविद्यालय में अपने युवा साथियों के साथ इस पुस्तक की प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया तो वह पहली बार राजनीतिक कारणों से भी सुर्खियों में आए। तब उनके परिवार को उनकी रुचि राजनीति में भी होने की जानकारी मिली, जिसके फलस्वरूप उन्हें शिवसेना में पहली बार युवा इकाई का प्रमुख बनाया गया। इसके बाद आदित्य ठाकरे दादा बाल ठाकरे और पिता उद्धव ठाकरे के साथ यदा-कदा राजनीतिक सभाओं के मंच पर भी नजर आने लगे। शुरुआत में उनकी रुचि मुंबई से संबंधित समस्याओं और विषयों में ही ज्यादा रही। मुंबई के प्रमुख इलाकों में दुकानें और मॉल रातभर खुले रखने का विचार आदित्य ठाकरे के ही दिमाग की उपज था। इसके कुछ प्रयोग किए भी गए, लेकिन यह अभी पूरी तरह फलीभूत नहीं हो सका है।

उम्र बढ़ने के साथ-साथ आदित्य की राजनीति में रुचि बढ़ती गई। वह 2008 से ही महाराष्ट्र में हो रहे लोकसभा, विधानसभा और महानगरपालिका के चुनाव न सिर्फ देखते आ रहे हैं, बल्कि पिछले 50 वर्ष से सूबे की राजनीति का एक प्रमुख केंद्र रहे अपने पैतृक आवास 'मातोश्री' में चलने वाली राजनीतिक चर्चाओं को भी ध्यान से सुनते रहे हैं। इन चर्चाओं ने उन्हें और परिपक्वता प्रदान की। 2019 के लोकसभा और अब विधानसभा चुनाव आते-आते तो आदित्य का आत्मविश्वास इतना बढ़ चुका था कि अब वह पिता उद्धव ठाकरे के साथ मिलकर शिवसेना में एक और एक 11 की भूमिका निभाने को तैयार हो चुके थे। इसी आत्मविश्वास ने उन्हें दादा और पिता द्वारा अब तक रिमोट कंट्रोल से राजनीति करने के विपरीत फ्रंट फुट पर खेलने को प्रेरित किया और उन्होंने स्वयं आगे बढ़कर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। हालांकि, उनके पिता उद्धव ठाकरे कहते हैं कि राजनीति में पहला कदम रखने का मतलब यह नहीं होता कि सीधे मुख्यमंत्री ही बना जाए।

अभी तो आदित्य के मन में सुजलाम-सुफलाम महाराष्ट्र का सपना है, लेकिन यह भी सच है कि परिवारवाद के आदी हिंदुस्तान में आदित्य को शिवसेना की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में देखा जाने लगा है। और कोई ताज्जुब नहीं होगा यदि चुनाव बाद वह गठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री की भूमिका निभाते दिखाई पड़ें।

अन्नू रानी : बांस के भाले से चैंपियन तक का सफर

इनसे मिलिए

कौन कहता है अभावों में सितारे चमक नहीं सकते, जरूरत होती है तो बस मजबूत इरादों की। इन्हीं इरादों के साथ मैदान में उतरी अन्नू रानी ने भाला फेंक स्पर्धा में कई कीर्तिमान स्थापित किए। बीते दिनों विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर वह फिर सुर्खियों में आ गईं...

जेएनएन, नई दिल्ली

क्रिकेट हो या कुश्ती, शूटिंग या एथलेटिक्स, भारतीय खिलाड़ी हर खेल में अपना जलवा बिखेर रहे हैं। इन्हीं में से एक नाम है अन्नू रानी, जो बीते दिनों दोहा में आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर एक बार फिर सुर्खियों में आ गईं। अन्नू के दूसरे प्रयास में उनके भाले ने 62.43 मीटर की दूरी तय की, जो उनके पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 62.34 मीटर से ज्यादा थी। इसी के साथ वह विश्व चैंपियनशिप में भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गईं। हालांकि, फाइनल में वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाईं और मेडल की चाह अधूरी रह गई। बावजूद इन सबके अन्नू रानी मिसाल हैं उन तमाम खिलाड़ियों के लिए, जो संसाधनों के अभावों में अपना कॅरियर आगे नहीं बढ़ा पाते।

27 साल की अन्नू आज अंतरराष्ट्रीय फलक पर चमक रही हैं तो इसके पीछे है उनका लंबा और कड़ा संघर्ष। साथ ही अभावों पर कभी न रोने और दृढ़ संकल्प के साथ हमेशा आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा। 28 अगस्त, 1992 को अन्नू का जन्म उत्तर प्रदेश के मेरठ स्थित बहादुरपुर गांव में एक किसान परिवार में हुआ। गांवों में जहां बेटियों को शुरू से ही चूल्हा-चौका और घर के दूसरे कामों में लगा दिया जाता है, वहीं अन्नू को चूल्हा जलाना तक नहीं आता। आता है तो सिर्फ भाला फेंकना। यह बात खुद अन्नू ने अपने एक वीडियो में कही थी। अन्नू में भाला फेंकने की ताकत को सबसे पहले उनके भाई ने पहचाना। हालांकि, उस वक्त न तो उनके पास भाला खरीदने के पैसे थे और न ही अभ्यास के लिए मैदान। एक भाले की कीमत एक लाख रुपये से भी ज्यादा थी, लेकिन अन्नू ने जो तय किया फिर उस पर चल कर ही दम लिया। खुद ही बांस का भाला बनाया और घर से 13 किलोमीटर दूर अभ्यास के लिए मैदान भी ढूंढ़ लिया। रोजाना 80 से ज्यादा थ्रो करतीं। साल के 365 दिन, सुबह-शाम सिर्फ और सिर्फ अभ्यास। उस वक्त गांव के जो लोग कहते थे कि भाला फेंक कर क्या कर लेगी, आज वही कहते हैं कि वे अन्नू रानी के गांव से हैं।

अन्नू को पहचान और परिवार का साथ वर्ष 2014 में तब मिला, जब उन्होंने लखनऊ में आयोजित इंटर-स्टेट चैंपियनशिप में 14 साल पुराने गुरमीत कौर के रिकॉर्ड को तोड़कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। अब तक सिर्फ उनके भाई का साथ उन्हें हासिल था। पिता बेटी के खेल में होने के खिलाफ थे, लेकिन इस रिकॉर्ड ने उनका भी नजरिया बदल दिया। इसके बाद अन्नू कहीं नहीं रुकीं। एक के बाद एक अपने ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए आगे बढ़ती गईं। 2016 में 56वीं नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 60.01 मीटर दूर भाला फेंककर उन्होंने एक और कीर्तिमान अपने नाम किया। वह भाले को 60 मीटर पार कराने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। 2019 में अन्नू अब तक दो बार अपने रिकॉर्ड तोड़ चुकी हैं और उनका यह शानदार सफर लगातार जारी है।

ये बनाए नेशनल रिकॉर्ड

2014	लखनऊ में नेशनल इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 58.83 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया
2014	दक्षिण कोरिया के इंचियोन में आयोजित एशियन गेम्स में 59.53 मीटर दूर भाला फेंक कर कांस्य पदक जीता
2016	56वीं नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 60.01 मीटर दूर भाला पहुंचाया
2019	एथलेटिक्स फेडरेशन कप, पटियाला में 62.34 मीटर का रिकॉर्ड
2019	वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप, दोहा, 62.43 मीटर का रिकॉर्ड

सख्त मॉनिटरिंग ने बनाया नंबर वन

बदली तस्वीर

गत दो अक्टूबर को रेलवे ने जब 720 स्टेशनों की स्वच्छता सर्वे रैंकिंग जारी की तो राजस्थान का जयपुर जंक्शन 719 स्टेशनों को पछाड़ पहले नंबर पर काबिज हुआ। यहां सफाई के लिए वही संसाधन उपलब्ध हैं, जो देश के अन्य स्टेशनों के पास हैं। फिर भी क्या वजह रही कि यह नंबर वन बना, आइए जानते हैं...

मनीष गोधा, जयपुर

सरकारी सिस्टम में कोई व्यवस्था ठेके पर चली जाए तो यह माना जाता है कि अब चलताऊ काम ही होगा, लेकिन उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर रेलवे स्टेशन ने इस धारणा को तोड़ दिया है। यहां सफाई व्यवस्था ठेके पर तो है, लेकिन रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों की सख्त मॉनिटरिंग और इच्छाशक्ति ने जयपुर जंक्शन को रेलवे के स्वच्छता सर्वे में पहला स्थान दिला दिया है।

जयपुर देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शुमार है। यहां हर वर्ष हजारों पर्यटक आते हैं। यह बड़ा जंक्शन है, जहां छह प्लेटफार्म हैं। हर रोज यहां से करीब 300 ट्रेनें आती हैं और आगे निकलती हैं। दो वर्ष पहले तक जयपुर का रेलवे स्टेशन भी देश के अन्य रेलवे स्टेशनों की तरह ही गंदा और अव्यवस्थित नजर आता था, लेकिन दो वर्ष में यहां की तस्वीर पूरी तरह बदल गई। सफाई को लेकर रेलवे ने केंद्रीय स्तर पर जो नीति बनाई, उसे यहां बहुत सख्ती से लागू किया गया और पिछले वर्ष जब जोधपुर रेलवे स्टेशन पहले नंबर पर रहा तो प्रतिस्पर्धा की भावना ने और जोर मारा और इस बार यह रेलवे स्टेशन पूरे भारत में पहले स्थान पर है। खास बात यह है कि जयपुर का मुख्य स्टेशन ही नहीं, इस बार जयपुर के दो उपनगरीय रेलवे स्टेशन भी पहले पांच स्वच्छ स्टेशनों में शामिल हुए। इनमें दुर्गापुरा तीसरे और गांधी नगर पांचवें स्थान पर रहा। गांधी नगर की खास बात यह है कि इस स्टेशन की पूरी व्यवस्था महिला कर्मचारियों के हाथ मे है। ऐसे मे यहां सफाई पर वैसे ही काफी जोर रहता है।

रेलवे के दूसरे स्टेशनों की तरह जयपुर जंक्शन पर भी सफाई व्यवस्था का काम ठेके पर ही है, लेकिन काम लेने का तरीका दूसरों से कुछ अलग है। वर्कस्टेशन एप्रोच के तहत स्टेशन को कई छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा गया है और हर हिस्से की जिम्मेदारी एक कर्मचारी और उसकी टीम को दी गई है। उस हिस्से में सफाई से जुड़ा हर काम इस कर्मचारी और उसकी टीम का ही होता है। पूरे स्टेशन पर 240 सफाईकर्मी तीन पालियों में काम करते है। ऐसे में हर वर्कस्टेशन पर कम से कम तीन कर्मचारियों की जिम्मेदारी होती है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अभय कुमार शर्मा ने बताया कि वैसे तो यह सामान्य प्रबंधकीय तरीका है, लेकिन यह स्टेशन पर बहुत कामयाब रहा है क्योंकि अब हर कर्मचारी के पास अपने ही हिस्से की जिम्मेदारी रहती है। वहां थोड़ी भी गंदगी होती है, तो वह उसे तुरंत साफ कर देता है, क्योंकि वह हमेशा वहीं मौजूद रहता है।

इस वर्कस्टेशन एप्रोच के साथ मॉनिटरिंग भी यहां काफी सख्त रही है। ठेके के कर्मचारियों के सुपरवाइजर के साथ ही रेलवे के हेल्थ और कमर्शियल इंस्पेक्टरों को मॉनिटरिंग का जिम्मा दिया गया है। इनके पास सफाई से पहले और बाद के फोटोग्राफ ऑनलाइन भेजे जाते हैं। सीसी कैमरों से भी नजर रखी जाती है। ऐसे में सफाई पर ऊपरी स्तर से भी पूरी नजर बनी रहती है। मॉनिटरिंग के साथ ही यहां यात्रियों से फीडबैक पर काफी जोर दिया गया है। स्टेशन पर क्यूआर कोड लगे हैं। यात्री रेलवे एप के जरिये इन क्यूआर कोड को स्कैन करता है और उसकी यदि कोई शिकायत है या सुझाव है तो वह इस माध्यम से अधिकारियों तक पहुंचा देता है। इसके अलावा फीडबैक तथा यात्रियों को सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए स्काउट्स व गाइडस की मदद भी ली जाती है। इसके साथ ही गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माने की कार्रवाई भी होती है। पिछले छह माह में जयपुर मंडल स्टेशनों पर दस हजार से ज्यादा लोगों पर 14.48 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है।

...तो अंग्रेजों ने ऐसे की भारत से 45 ट्रिलियन डॉलर की लूट

हाल ही में अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में अटलांटिक काउंसिल की बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अंग्रेजों ने भारत में 200 साल तक शासन किया और वे यहां से 45 ट्रिलियन डॉलर (करीब तीन हजार लाख करोड़ रुपये) लूटकर ले गए। उन्होंने ये आंकड़े जानी-मानी अर्थशास्त्री उत्सव पटनायक की इकोनॉमी स्टडी रिसर्च रिपोर्ट के आधार पर बताए हैं। पिछले साल कोलंबिया विश्वविद्यालय की ओर से जारी की गई इस रिपोर्ट के मुताबिक, 1765 से 1938 के बीच अंग्रेज भारत से 45 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति लूटकर ले गए। ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में एक्सचेंज रेट 4.8 अमेरिकी डॉलर प्रति पाउंड था।

सेंध लगाने की शुरुआत

ये सब कुछ ट्रेड सिस्टम के आधार पर हुआ। औपनिवेशिक काल के पहले ब्रिटेन भारत से कई तरह का सामान खरीदा करता था। इसमें कपड़े और चावल प्रमुख थे। भारतीय विक्रेताओं को अंग्रेजों की तरफ से कीमत भी उसी तरह से मिलती थी, जिस तरह से अंग्रेज अन्य देशों में व्यापार करते थे। यानी चांदी के रूप में, लेकिन 1765 के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी के विकास के साथ ही उसका भारतीय व्यापार पर एकछत्र राज हो गया।

कई तरह के कर लगाए

ईस्ट इंडिया कंपनी ने कई तरह के कर लगाए। ये कर व्यापारियों पर लगाए गए और साथ ही साथ आम नागरिकों पर भी। इन करों का असर ये निकला कि कंपनी की आमदनी बढ़ गई। इसी आमदनी का एक तिहाई हिस्सा भारतीयों से सामान खरीदने पर खर्च कर दिया जाता था। यानी जो कर व्यापारी देते थे उसका एक हिस्सा उनसे सामान खरीदने के लिए ही खर्च कर दिया जाता था। इस तरह भारतीय सामान को अंग्रेज मुफ्त में इस्तेमाल करते थे। उसके लिए अपनी जेब से पैसा नहीं देते थे। जो भी सामान भारत से लिया जाता था उसे सस्ते दामों पर व्यापारियों के टैक्स से पैसे से ही खरीदा जाता था। फिर उसे ब्रिटेन में इस्तेमाल किया जाता था और वहीं से बचा हुआ सामान बाकी देशों में निर्यात कर दिया जाता था। यानी मुफ्त का सामान इस्तेमाल भी किया जाता था और बेचा भी जाता था।

निर्यात से हुआ मुनाफा

निर्यात के कारण यूरोप के अन्य हिस्सों से ब्रिटेन में बहुत ज्यादा आय आने लगी। सस्ते दाम पर खरीदे गए सामान को ज्यादा दामों में बेचकर ब्रिटेन ने न सिर्फ 100 फीसद मुनाफा कमाया, बल्कि उसपर और भी ज्यादा राजस्व प्राप्त किया।

ऐसे पहुंचा ब्रिटेन में मुनाफा

जब ब्रिटिश राज भारत में 1847 तक पूरी तरह से लागू हो गया उस समय नया टैक्स एंड बाय सिस्टम लागू किया गया। ईस्ट इंडिया कंपनी का काम कम हो गया और भारतीय व्यापारी खुद निर्यात करने के लिए तैयार हो गए। भारत से जो कोई भी विदेशी व्यापार करना चाहता था उसे खास काउंसिल बिल का इस्तेमाल करना होता था। ये एक अलग पेपर करंसी होती थी, जो सिर्फ ब्रिटिश क्राउन द्वारा ही ली जा सकती थी और उन्हें लेने का एक मात्र तरीका था लंदन में सोने या चांदी द्वारा बिल लिए जाएं। जब भारतीय व्यापारियों के पास ये बिल जाते थे तो उन्हें इसे अंग्रेज सरकार से कैश करवाना होता था। इन बिल्स को कैश करवाने पर उन्हें रुपयों में पेमेंट मिलती थी। ये वो पेमेंट होती थी जो उन्हीं के द्वारा दिए गए टैक्स द्वारा इकट्ठा की गई होती थी यानी व्यापारियों का पैसा ही उन्हें वापस दिया जाता था। इसका मतलब बिना खर्च अंग्रेजी सरकार के पास सोना-चांदी भी आ जाता था और व्यापारियों को लगता था कि ये पैसा उनका कमाया हुआ है। ऐसे में लंदन में वो सारा सोना-चांदी इकट्ठा हो गया जो सीधे भारतीय व्यापारियों के पास आना चाहिए था।

कंगाल करके छोड़ा

इस पूरी भ्रष्ट व्यवस्था का असर ये हुआ कि भले ही पूरी दुनिया के सामने भारत बेहद अच्छा बिजनेस कर रहा था और बेहद अच्छा मुनाफा कमा रहा था, जो अगले तीन दशकों तक देश को चला सकता था पर भारत के राजसी खजाने और वित्तीय कागजों में देश कंगाल हो रहा था। भारत की असली कमाई ब्रिटेन लूटकर ले जा रहा था।

हिंसा के लिए किया इस्तेमाल

जो पैसा ब्रिटेन ने भारत से चुराया उसे हिंसा के लिए इस्तेमाल किया। 1840 में चीनी घुसपैठ और 1857 में विद्रोह आंदोलन को दबाने का तरीका निकाला गया और उसका पैसा भी भारतीयों के द्वारा दिए गए कर से ही लिया गया। भारतीय राजस्व से ही ब्रिटेन अन्य देशों से जंग का खर्च निकालता था और कनाडा, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों का विकास करता था।

1.27 करोड़ रुपये की बिक्री हुई है इस वर्ष गांधी जयंती पर नई दिल्ली स्थित खादी ग्रामोद्योग स्टोर पर। यह 10 साल में सबसे ज्यादा है। केवीआइसी के मुताबिक, पांच साल में खादी उत्पादों की बिक्री 145 फीसद बढ़ी है।

दुर्गापूजा में चंद्रयान-2 का अनूठा उल्लास

शक्ति की अधिष्ठात्री मां दुर्गा की पूजा-आराधना का महापर्व शारदीय नवरात्र देशभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसके साथ ही देश की वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति जनमानस का अद्वितीय जुड़ाव और नजरिया भी बखूबी बयां हो रहा है। दुर्गा पूजा में देश के महात्वाकांक्षी चंद्रयान-2 अभियान से जन-जन के जुड़ाव और अंतरिक्ष में बढ़ती भारत की ताकत का भव्य प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। देशभर में चंद्रयान-2 से प्रेरणा लेकर पूजा पंडाल बनाए गए हैं। इन्हें देख हर कोई मुग्ध नजर आता है ● जागरण/नईदुनिया

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में ढालगर टोला स्थित गौशाला परिसर में श्री महाशक्ति संस्था द्वारा बनाए गए चंद्रयान-2 के मॉडल के पूजा पंडाल को देखकर हर कोई मुग्ध हो जा रहा है। >>

झारखंड के जमशेदपुर में चंद्रयान-2 के प्रक्षेपण पर आधारित पंडाल भक्तों को खूब लुभा रहा है।

वाराणसी के जैतपुरा स्थित बागेश्वरी मंदिर परिसर में चंदयान-2 पर आधारित पूजा मंडप में इसरो प्रमुख के. सिवन व उनकी टीम के वैज्ञानिकों की आकृति भी उकेरी गई है।

भोपाल में नवयुवक त्योहार उत्सव समिति द्वारा बनाई गई चंद्रयान-2 आधारित झांकी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

बिहार में सीतामढ़ी के रीगा रोड पर मां जगतारिणी पूजा समिति की ओर से बना यह पंडाल 125 फीट ऊंचा और 40 फीट चौड़ा है।

यहां सेक्स वर्कर्स करती हैं मां दुर्गा की आराधना

दुर्बार दुर्गोत्सव कमेटी की ओर से सजाई गई दुर्गा प्रतिमा, जिनकी 10 भुजाओं में अस्त्र-शस्त्र के बजाय पर्यावरण संरक्षण का संदेश है। जागरण

अपना देस खुशबू माटी की

- एशिया का सबसे बड़ा रेडलाइट एरिया सोनागाछी भी दुर्गोत्सव के रंग में रंगा
- यहां की 7,000 सेक्स वर्कर्स शामिल होती हैं पूजा के आयोजन में

विशाल श्रेष्ठ, कोलकाता

एशिया का सबसे बड़ा रेडलाइट एरिया सोनागाछी भी दुर्गोत्सव के रंग में रंगा हुआ है। यहां रहने वालीं सेक्स वर्कर्स इन दिनों मां दुर्गा की आराधना में लीन हैं। सेक्स वर्करों के संगठन दुर्बार महिला समन्वय समिति की ओर से दुर्बार दुर्गोत्सव कमेटी सात वर्षों से सोनागाछी के मस्जिद बाड़ी स्ट्रीट में पूजा का आयोजन कर रही है, जिसमें यहां की 7,000 सेक्स वर्कर्स शामिल होती हैं। पूजा के दिनों में वे अपनी सारी दुख-तकलीफें भूलकर साथ मिलकर आदिशक्ति की आराधना करती हैं। दुर्गापूजा के आयोजन से लेकर विसर्जन तक की सारी जिम्मेदारियां सेक्स वर्कर्स ही संभालती हैं। पूजा कमेटी में 25 सेक्स वर्कर्स शामिल हैं।

पूजा कमेटी की संयोजक बिशाखा लश्कर ने बताया कि समाज ने भले हमें मान्यता न प्रदान की हो, लेकिन हम खुद को समाज का ही हिस्सा मानते हैं और अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग हैं। इसलिए हमने ग्लोबल वार्मिंग जैसे गंभीर मसले को उठाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। हमारी थीम का नाम 'ग्लोबल वार्मिंग कम करो, पृथ्वी को बचाओ' है।

दुर्गा की 10 भुजाओं में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते बोर्ड : बिशाखा ने बताया, 'हमारी दुर्गा प्रतिमा की 10 भुजाओं में अस्त्र-शस्त्र के बजाय पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते सचित्र बोर्ड हैं। इन बोर्ड में पानी की बरबादी रोकने, प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करने, पेड़ों की कटाई रोकने, पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों की जगह बिजली चलित वाहनों के इस्तेमाल पर जोर देने, नदी को प्रदूषित नहीं करने, कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन कम करने जैसे संदेश लिखे हुए हैं। हमने महिषासुर को पर्यावरण के विध्वंसक के रूप में दर्शाया है, जिसका मां दुर्गा संहार कर रही हैं। इस अभिनव प्रतिमा को कुम्हार टोली के मशहूर मूर्तिकार प्रशांत पाल ने तैयार किया है। पूजा पंडाल में भी चित्रों के जरिये ग्लोबल वार्मिंग कम करने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है।

दुर्बार दुर्गोत्सव कमेटी के पूजा पंडाल में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते चित्र। जागरण

अन्य रेड लाइट एरिया में भी हो रही पूजा

सोनागाछी की तरह बंगाल के आसनसोल, दुर्गापुर, कालना, बशीरहाट और विष्णुपुर के रेड लाइट एरिया की भी सेक्स वर्कर्स ने दुर्गापूजा शुरू की है। गौरतलब है कि बंगाल में कुल 60 रेडलाइट एरिया हैं।

इनके हाथों हुआ पूजा पंडाल का उद्घाटन : पूजा पंडाल का उद्घाटन सोनागाछी की एक सेक्स वर्कर के हाथों हुआ। पूजा के दिनों में शंखनाद और धुनुची नृत्य प्रतियोगिताओं के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि सोनागाछी के तहत रामबगान, सेठबगान, अविनाश कविराज स्ट्रीट, पलातक और रवींद्र सरणी का एक हिस्सा आता है। दुर्बार दुर्गोत्सव कमेटी की पूजा 2013 से शुरू हुई थी।

लद्दाख आएं, प्लास्टिक न लाएं और अच्छी यादें लेकर जाएं

रविवार विशेष ▸ लेह की महिलाओं का समूह पर्यटकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति कर रहा जागरूक

ग्रुप में शामिल छह हजार से अधिक महिलाएं इस स्थान को प्रदूषण मुक्त बनाने में जुटीं

विवेक सिंह, जम्मू

'लद्दाख आएं पर साथ प्लास्टिक न लाएं, वापसी पर कचरा नहीं अच्छी यादों को ही छोड़ जाएं और अच्छी यादें ही ले जाएं'। लद्दाख की महिलाओं का एक संगठित ग्रुप पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को इसी संदेश से पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक कर रहा है। ये महिलाएं नशे के खिलाफ भी मोर्चा खोले हुए हैं।

केंद्र शासित प्रदेश बनने से लद्दाख में पर्यटन की संभावनाएं बढ़ी हैं। ऐसे में हर चेहरे पर खुशी झलकने के साथ मामूली शिकन भी है। इसका कारण पर्यटकों की भारी आमद से प्लास्टिक से जल स्रोत में प्रदूषण का खतरा बढ़ा है तो दूसरा शराबखोरी में वृद्धि हुई। लेह में संगठित हुई वुमेन अलायंस ने पैंगांग झील में पर्यटकों द्वारा फेंके गए कचरे को एकत्रित कर किनारे किया। वुमेन अलायंस की 'सिपाही' लेह में जगह-जगह जागरूक कर रही हैं कि वे प्लास्टिक के सामान का इस्तेमाल न करने के साथ कूड़े का सही तरह से निस्तारण करें।

1994 में शुरू हुआ प्रयास : वर्ष 1994 में चंद महिलाओं ने मिलकर लेह में समूह बनाया था। आज यह मजबूत संगठन है, जिसमें 100 गांवों की छह हजार से अधिक महिलाओं ने मिलकर लेह को प्रदूषण मुक्त बनाने और कुरीतियां दूर करने की शुरुआत की।

लद्दाख में प्रदूषण को न्योता दे रहे कचरे के ढेर। जागरण

शराब के कारण परिवारों में कलह हो रही : वुमेन अलायंस का नेतृत्व करने वालीं मारूप डोल्मा का कहना है कि प्रदूषण भविष्य के लिए खतरा बन रहा है तो शराब लेह के मजबूत पारिवारिक रिश्तों में दरार पैदा कर रही है। हम लोगों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूक बनाने के साथ ऐसी दुकानों पर धावा बोलती हैं जो अवैध रूप से शराब बेचती हैं। शराब मारपीट, हादसों और दुर्घटनाओं का कारण बनती है। लाइसेंस वाली शराब की दुकानें और न खुलें इसके लिए समाज को जागरूक बनाने की मुहिम चलाई है। लेह के चांग्सपा में काफी होटल, लाज बनने के बाद शराब की कोई दुकान नहीं खुली है। महिलाएं नुक्कड़ नाटक कर पर्यटकों को जागरूक बनाती हैं।

1998 में प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा : 1994 में वुमेन अलायंस के गठन के साथ इन महिलाओं ने लद्दाख में प्लास्टिक के खिलाफ आंदोलन छेड़ दिया था। उनके प्रयासों के कारण लेह में 1998 में प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा था। इसके बावजूद प्लास्टिक अनेक रूपों में पहुंच रहा है। ऐसे में अब प्रदूषण को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करने की मुहिम जारी है। लेह में रोजाना 20 टन से अधिक कचरा पैदा होता है। अब शहर में प्लास्टिक के इस्तेमाल पर 5,000 रुपये जुर्माना वसूला जाता है।

लद्दाख में शांति और खूबसूरती बनाए रखने की जिम्मेदारी सबकी

लद्दाख हिल डेवलपमेंट काउंसिल के चीफ एक्जीक्यूटिव काउंसलर ग्याल वांग्याल का कहना है कि लद्दाख में शांति और खूबसूरती बनी रहे यह जिम्मेदारी सबकी है। हर किसी को इसमें योगदान देना चाहिए। हमारी कोशिश है कि शांति, साफ-सफाई और समृद्ध संस्कृति के लिए लद्दाख में प्लास्टिक का प्रदूषण संकट न बने। हिल काउंसिल और इसके सदस्य समाज को बेहतर बनाने के प्रयास कर रहे गैर सरकारी संगठनों के साथ मिल अभियान चला रहे हैं।

विरोध की पहली आवाज ने बदल दिया समाज

दिल्ली स्थित कनाडा के दूतावास में बिहार के जमुई जिले के टिटहिया गांव की बेबी। फाइल फोटो

गांव में बच्चे-बच्चियों को पढ़ातीं बेबी। जागरण

अरविंद कुमार सिंह, जमुई

- बाल विवाह का विरोध कर बनीं दूसरी लड़कियों के लिए आदर्श
- कनाडा दूतावास में बनी थीं एक दिन की उच्चायुक्त

नारी सशक्तीकरण

बिहार के जमुई जिले के टिटहिया गांव की बेबी! बेबी आज जो हैं, वह नहीं होतीं, अगर उन्होंने अपने सपनों के पंख को कुतरने से न रोका होता। तब बिहार में बाल विवाह के विरुद्ध आज जैसा कोई अभियान नहीं चल रहा था। गांव-समाज का रिवाज देख परिजनों ने उनकी शादी तय कर दी। तब वह स्कूल में थीं। दूसरी लड़कियों की तरह उन्होंने हार नहीं मानी और इस फैसले का विरोध कर दिया। शायद, उस समाज में विरोध की यह पहली आवाज थी। लोगों ने ताने मारे, लेकिन वह विचलित नहीं हुईं। परिजनों को किसी तरह समझा लिया। बेबी को पिछले साल अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर दिल्ली स्थित कनाडा के दूतावास में एक दिन का उच्चायुक्त बनाकर सम्मानित किया गया।

गरीबी रेखा से नीचे गुजर-बसर करने वाले एक सुदूर गांव की यह बेटी आज सैकड़ों लड़कियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उनके प्रयासों से दर्जन भर नाबालिग लड़कियों की शादी रुक गई। छोटी सी उम्र में सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध उसके संघर्ष का सुपरिणाम है कि आज पचासों परिवार अपनी बच्चियों को स्कूल भेजने लगे हैं। बेबी ड्राप आउट बच्चे-बच्चियों को फिर से स्कूल पहुंचाती हैं। किशोरियों के बीच यौन स्वास्थ्य को लेकर भी जागरूकता फैला रही हैं। इस साल हुए लोकसभा चुनाव में उन्हें मतदाता जागरूकता के लिए जिले का स्विप आइकन भी बनाया गया।

> बेबी सचमुच जिले की आइकन है। जिस पृष्ठभूमि और इलाके से वह आती है, उसमें उसने जो कर दिखाया है वह निश्चित तौर पर अन्य बेटियों के लिए प्रेरणादायी है।
> **-धर्मेन्द्र कुमार, जिलाधिकारी, जमुई।**

लोगों की सोच बदली, बेटियों को भेज रहे स्कूल

बेबी कहती हैं, मेरे लिए 11 अक्टूबर, 2018 जीवन का यादगार दिन था, जब कनाडा दूतावास में एक दिन की उच्चायुक्त बनी। स्वस्थ और सुशिक्षित समाज उसका मिशन है। लोग अब रुढ़िवादी सोच से बाहर निकलकर बेटियों को स्कूल भेज रहे हैं, मेरे लिए यह बड़ी सफलता है।

पढ़ भी रहीं, पढ़ा भी रहीं

जमुई स्थित श्यामा प्रसाद सिंह महिला महाविद्यालय से स्नातक कर रहीं बेबी को इसी साल प्लान इंडिया की ओर से यूथ वॉलंटियर की जिम्मेदारी दी गई। वह प्रोत्साहन राशि से पढ़ भी रही है, पढ़ा भी रही। बाल विवाह का विरोध करने पर कभी उलाहना देने वाले आज अपनी इस बेटी पर गर्व कर रहे हैं।

रेलवे स्टेशनों पर जांचिए बीपी और दिल की धड़कन

प्रेम नारायण द्विवेदी, गोरखपुर : रेल यात्रा के दौरान रक्तचाप (बीपी), बुखार, दिल की धड़कन (पल्स रेट) सहित कई अन्य बीमारियों को लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। अब स्टेशनों पर ही इन बीमारियों की जांच हो सकेगी। यात्री खुद अपनी जांच कर लेंगे और जरूरत के अनुसार दवा का उपयोग कर सकेंगे। इसके लिए प्रमुख स्टेशनों पर हेल्थ कियोस्क लगाए जा रहे हैं।

कियोस्क में शरीर से संबंधित 16 तरह की जांच की व्यवस्था है। इसके लिए यात्री को सिर्फ 50 रुपये खर्च करने होंगे। लखनऊ जंक्शन पर पहला हेल्थ एटीएम कियोस्क लगा दिया गया है। जल्द ही गोरखपुर, छपरा और वाराणसी सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों पर भी लगाए जाएंगे।

इनकी होगी जांच: बोन मॉस, बॉडी फैट, हाइड्रेशन, पल्स रेट, हाइट, मसल्स मॉस, विस्केरल फैट, बेसल मेटाबोलिक रेटिंग, डिस्टोलिक बीपी, टेंपरेचर, ऑक्सीजन सेचुरेशन, मसल्स क्वालिटी स्कोर, वेट, मेटाबोलिक एज, सिस्टोलिक बीपी और बीएमआइ।

> पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ जंक्शन पर यात्री विश्रामालय में कियोस्क लगाए गए हैं। इससे यात्रियों को राहत मिलेगी।
> **-पंकज कुमार सिंह, सीपीआरओ, पूर्वोत्तर रेलवे**

झाड़ू से साफ की बेटियों की पथरीली राह

मनोज चौहान, मथुरा

जीना इसी का नाम है

- सफाई कर्मी मां ने छह बेटियों को पढ़ाकर बनाया काबिल
- कोई आइएएस बनने की राह पर तो कोई कर रही लॉ की पढ़ाई

मैं शशि जादों। लोगों के लिए एक मामूली सफाईकर्मी, पर छह बेटियों की मां। मेरी आंखों में हर बेटी के लिए एक ख्वाब पल रहा है। ये ख्वाब साकार हों, इसके लिए हर कठिन तपस्या करने को तैयार हूं। आखिर मां हूं, मैं नहीं करूंगी तो कौन संवारेगा उनका जीवन।

सोच रहे होंगे कि आखिर यह सब आपको क्यों बता रही हूं। इसका मकसद सिर्फ यह बताना है कि बेटी हो या बेटा, दोनों बराबर हैं, उनका जीवन संवारने के लिए एक सा प्रयास करना चाहिए। मैंने भी संघर्ष किया है। अब देखती हूं कि बेटियां सफलता की सीढ़ियां चढ़ रही हैं, तो मेरा मन खुशी में कुलांचे मारने लगता है। मैं नगर निगम में संविदा पर सफाई कर्मचारी हूं। कड़ाके की ठंड हो या फिर बारिश, मेरे कदम कभी नहीं रुकते। रोज सुबह झाड़ू लगाकर सड़क बुहारती हूं, इस उम्मीद के साथ कि इसी से बच्चों का जीवन संवरेगा। पति गंगा प्रसाद मिलिट्री हॉस्पिटल में सफाई कर्मचारी हैं। नौकरी काफी अव्यवस्थित है। ऐसे में चिंता छह बेटियों की परवरिश की थी। संविदा की नौकरी से बेटियों की पढ़ाई मुश्किल थी। ऐसे में कुछ न कुछ अतिरिक्त करना था। मन में आया कबाड़ बेचने का काम। सफाई के साथ रोज कबाड़ बीनती, फिर उसे एकत्र कर बेचती। जो पैसा मिलता, वह बेटियों की पढ़ाई पर खर्च करती। लोग पूछते हैं कि बेटियों की पढ़ाई की इतनी चिंता क्यों? अब क्या बताऊं? मैंने कभी स्कूल का मुंह नहीं देखा, किताबों में लिखे अक्षर काले ही दिखते हैं। सोच लिया था कि बेटियों को अपनी तरह नहीं बनाऊंगी।

बड़ी बेटी कुमकुम को ग्रेजुएशन कराया और फिर ब्यूटीशियन का कोर्स। उसकी शादी कर दी। दूसरे नंबर की बेटी डॉली की आंखों में बचपन से आइएएस बनने का सपना पल रहा था। इन सपने को पंख देने की जिम्मेदारी मेरी थी, कबाड़ बीनने में और मेहनत की। बेटी का दाखिला दिल्ली विश्वविद्यालय में कराया। डॉली वहां से आइएएस के प्री एग्जाम की तैयारी कर रही है। तीसरे नंबर की अंजली दिल्ली के मेट्रो हॉस्पिटल से बी-फार्मा कर रही है। चौथे नंबर की नीलम वकील बनना चाहती है। वह बीएसए कॉलेज से एलएलबी कर रही है। पांचवें नंबर की कंचन ग्रेजुएशन करने के बाद एक बड़ी कंपनी में सेल्स एक्जीक्यूटिव है। सबसे छोटी अर्चना इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रही है। जब बेटियों के हाथ में किताबें देखती हूं तो आंखों से खुशी के आंसू छलक आते हैं। सब बिहारी जी की कृपा है। उनके दर पर माथा टेकती हूं, कि बेटियों का जीवन सुधरे। आप सबसे से गुजारिश है कि बेटियों का दुआएं दें। वह पढ़ें, बढ़ें और नेक रास्ते पर चलें।

अपनी बेटियों के साथ शशि जादों। जागरण

सड़क पर झाड़ू लगातीं नगर निगम की संविदा सफाईकर्मी शशि जादों। जागरण

एसटीपी के पानी से धोए जाएंगे ट्रेन और प्लेटफार्म

विनोद पांडेय, वाराणसी

- जल शक्ति मंत्रालय व भारतीय रेल के बीच करार पर हो रहा मंथन
- स्टेशनों तक शोधित पानी भेजने का जिम्मा जलशक्ति मंत्रालय पर

पर्यावरण और जल संरक्षण की प्रतिबद्धता के मद्देनजर जल शक्ति मंत्रालय व भारतीय रेलवे की ओर से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से शोधित पानी उपयोग में लाने पर मंथन हो रहा है। यह पानी ट्रेनों के डिब्बे, इंजन और रेलवे स्टेशनों के शौचालयों, प्लेटफार्म व ट्रैक की धुलाई के काम में आएगा।

यह कदम जल संरक्षण की दिशा में काफी उपयोगी साबित होगा। इसके लिए जल शक्ति मंत्रालय रेलवे को पाइप लाइन और शोधित पानी को रेलवे स्टेशनों तक पहुंचाने के लिए पंपिंग स्टेशन लगाने की सुविधा उपलब्ध कराएगा। इसके लिए एसटीपी से रेलवे स्टेशन तक विशेष पाइप लाइन डाली जाएगी। इस व्यवस्था से गंगा और यमुना के निकट के इलाकों में स्थित अपशिष्ट जलोपचार संयंत्र (ईटीपी) को भी जोड़ा जाएगा, ताकि इस संयंत्र से शोधित पानी का भी इस्तेमाल हो सके।

कैंट पर वाशिंग लाइन में ट्रेनों की धुलाई में हर रोज औसतन 60 हजार लीटर पानी खर्च होता है। लॉन्ड्री में बेडरोल की धुलाई में प्रतिदिन औसतन 40 हजार लीटर पानी खर्च होता है। वाशिंग लाइन और लॉन्ड्री का यह पानी दोबारा इस्तेमाल में नहीं आता।

> एसटीपी के शोधित पानी के उपयोग को लेकर विचार हो रहा है। इसके तहत रेल मंत्रालय व जल शक्ति मंत्रालय मंथन कर रहा है। अन्य विकल्पों पर भी विचार हो रहे हैं।
> **कालिका सिंह, क्षेत्रीय अधिकारी, उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड**

> शोधित पानी से सिंचाई के साथ ही रेलवे के उपयोग पर विचार हो रहा है। ट्रेनों व प्लेटफार्मों पर लगे शौचालयों की धुलियाई में एसटीपी के पानी को उपयोग में लाने के लिए मंत्रालय स्तर पर मंथन हो रहा है।
> **एसके राय, महाप्रबंधक गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई**

राष्ट्रीय संस्करण
रविवार 6 अक्टूबर 2019
दैनिक जागरण
बिजनेस
www.jagran.com

फायरवर्क का अधिग्रहण कर सकती है गूगल

सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएस : दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनी गूगल इंक ने सोशल वीडियो एप फायरवर्क के अधिग्रहण की इच्छा जताइ है। अमेरिका स्थित यह कंपनी चीन की टिक टॉक की स्पर्धी है, जो यूजर्स को छोटे वीडियो शेयर करने की सुविधा मुहैया कराती है। कंपनी ने पिछले महीने ही भारतीय बाजार में कदम रखा है। इस वर्ष पूंजी जुटाने की कंपनी की एक योजना के तहत उसका मूल्य 10 करोड़ डॉलर (700 करोड़ रुपये) से ज्यादा आंका गया है।

रेपो रेट घटाने का आरबीआइ का फैसला विकास दर को गति देगा। सरकार ने इस कटौती का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने का निर्देश हर बैंक को दिया है।
— प्रकाश जावडेकर
केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री

बदलाव ▶ रणनीतिक विनिवेश में नीति आयोग के साथ अब दीपम की भूमिका होगी अहम

कंपनियों की विनिवेश प्रक्रिया को धीमा नहीं कर पाएंगे मंत्रालय

पीएसयू की पहचान में भी नीति आयोग की मदद करेगा दीपम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सार्वजनिक उपक्रमों की विनिवेश रफ्तार को अब उनके प्रशासनिक मंत्रालय धीमा नहीं कर पाएंगे। सरकार ने विनिवेश की प्रक्रिया में सरकारी कंपनियों के संबंधित मंत्रालयों की भूमिका को सीमित करने का फैसला लिया है। इस क्रम में वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक असेट मैनेजमेंट (दीपम) को सार्वजनिक उपक्रमों में रणनीतिक विनिवेश की पूरी जिम्मेदारी सौंप दी है।

इस बदलाव के बाद अब दीपम सचिव विनिवेश पर अंतर मंत्रालयी समिति की बैठकों में संबंधित मंत्रालय के सचिव के साथ सह-अध्यक्ष भी होंगे। इतना ही नहीं, रणनीतिक विनिवेश के लिए सार्वजनिक उपक्रमों की पहचान का काम भी नीति आयोग को दीपम के साथ मिलकर करना होगा। अभी तक नीति आयोग के पास ही रणनीतिक विनिवेश के लिए सार्वजनिक उपक्रमों की पहचान कर उनकी सूची तैयार करने की जिम्मेदारी थी।

इस प्रस्ताव की औपचारिक घोषणा जल्द होने की उम्मीद है। प्रतीकात्मक

सूत्र बताते हैं कि इस प्रस्ताव पर केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भी अपनी सहमति प्रदान कर दी है। जल्दी ही इसकी औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक आमतौर पर अभी तक रणनीतिक निवेश के लिए सार्वजनिक उपक्रमों की पहचान का काम नीति आयोग करता रहा है। इसके बाद किसी उपक्रम में रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया तय करने का काम अंतर-मंत्रालयी समिति करती है, जिसकी अध्यक्षता अभी तक उपक्रम विशेष के प्रशासनिक मंत्रालय के सचिव करते हैं। लेकिन अब तक के अनुभव के आधार पर यह देखा गया कि सामान्य तौर पर प्रशासनिक मंत्रालयों का रुख अपने अधीन आने वाले पीएसयू के रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया को लंबा खींचने पर अधिक रहता है। इससे विनिवेश की प्रक्रिया लंबे समय तक टलती रहती है। इससे सरकार को विनिवेश के अपेक्षित नतीजे प्राप्त करने में परेशानी हो रही थी।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह ही सचिवों के समूह ने बीपीसीएल, शिपिंग कॉरपोरेशन, कॉनकोर, नीपको और टीएचडीसी में सरकार की हिस्सेदारी की बिक्री को मंजूरी देने का फैसला किया।

यह है निविदा प्रक्रिया

आमतौर पर रणनीतिक बिक्री में दो स्तर की निविदा प्रक्रिया अपनाई जाती है। पहली में एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट या निविदा भरने की इच्छा का आवेदन होता है और इसके बाद वित्तीय निविदा होती है जिसमें हिस्सेदारी की बोली लगाई जाती है। इससे पूर्व निवेशक समूहों के साथ बैठकों और रोड शो के जरिये निवेशकों को आकर्षित करने का प्रयास किया जाता है।

मंत्रालय बेवजह लगाते हैं वक्त

प्रशासनिक मंत्रालय किसी न किसी वजह से प्रक्रिया को लंबा खींच देते हैं। जबकि सरकार चाहती है कि रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया एक निश्चित समयावधि में पूरी हो जाए। अधिकारियों का मानना है कि इसके लिए चार से पांच महीने का समय निश्चित किया गया है। इसी समयावधि में किसी भी पीएसयू में रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया पूरी करने के लिए ही सरकार ने यह बदलाव करने का निर्णय किया है, ताकि इस प्रक्रिया को बेवजह लंबा न खींचा जा सके।

एफडीआइ नीति में सुधार से घरेलू बाजार में बढ़ेगा निवेश : नकवी

चेन्नई, आइएएनएस : केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि एफडीआइ नियमों में सुधार की वजह से विदेशी निवेश में इजाफा होगा। बैंकों द्वारा आयोजित ग्राहक मेले के आयोजन में नकवी ने शनिवार को कहा कि हाल के समय में सरकार ने कई सेक्टर के लिए एफडीआइ नियमों में सुधार किया है। इससे निवेश बढ़ेगा, जिससे रोजगार में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा पिछले कुछ समय से सरकार इकोनॉमी के क्षेत्र में लगातार सुधार कर रही है। सरकार द्वारा की गई घोषणाओं से भारत बिजनेस के अनुकूल जगह बनेगा। इससे समाज के सभी तबकों को बराबर के मौके मिलेंगे और लोग संपन्न होंगे। सरकार द्वारा उठाए गए कदम देश को पांच ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने में मददगार साबित होंगे।

नकवी ने कहा कि भारत ने चार क्षेत्रों में बिजनेस को आसान बनाया है। इसमें नया बिजनेस शुरू करना, दिवालियापन का समाधान करना, सीमा के पार बिजनेस करना और परमिट देना, जैसे सुधार शामिल हैं। इंसॉल्वेंसी एंड बैंक्रप्सी कोड (आइबीसी) ने बैंकिंग सेक्टर के सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नकवी ने बैंकों के विलय के फैसले की तारीफ करते हुए कहा कि बैंकिंग सुधार के क्षेत्र में यह बड़ा फैसला है।

गौरतलब है कि इस वर्ष 28 अगस्त को एफडीआइ की नई नीति पेश की थी। इसके तहत सरकार ने कोल माइनिंग और कांट्रैक्ट मैन्यूफैक्चरिंग में 100 परसेंट विदेशी निवेश की मंजूरी देने के अलावा सिंगल ब्रांड रिटेल में एफडीआइ के नियमों को आसान बनाने का एलान किया है। सरकार ने प्रिंट मीडिया की तर्ज पर डिजिटल मीडिया में भी 26 परसेंट एफडीआइ की इजाजत दी।

- केंद्रीय मंत्री ने कहा – पांच ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी में मददगार साबित होंगे सुधार
- नकवी के मुताबिक एफडीआइ नीति में बदलाव से चार प्रमुख क्षेत्रों को होगा फायदा

एएनआइ

इसलिए अहम था बदलाव

देश की इकोनॉमी को रफ्तार देने के लिए विदेशी निवेश का प्रवाह बढ़ाने को काफी अहम माना जा रहा है। इंडस्ट्री की तरफ से इस आशय की मांग सरकार से लगातार की जा रही थी। खासतौर पर कई विदेशी कंपनियों को देश में मैन्यूफैक्चरिंग के लिए प्रोत्साहित करने में सरकार के इस फैसले का अहम योगदान होगा। कैबिनेट ने कांट्रैक्ट मैन्यूफैक्चरिंग में ऑटोमेटिक रूट से 100 परसेंट एफडीआइ की अनुमति देने का फैसला किया। अब तक सिर्फ मैन्यूफैक्चरिंग के लिए ही 100 परसेंट एफडीआइ की अनुमति थी। लेकिन अब कोई कंपनी कांट्रैक्ट के आधार किसी अन्य कंपनी से मैन्यूफैक्चरिंग कराएगी तो उसमें भी 100 परसेंट ऑटोमेटिक एफडीआइ नीति लागू होगी।

अभी एफडीआइ की यह स्थिति

वर्ष 2014–15 से 2018–19 तक पांच वर्षों के दौरान भारत में 286 अरब डॉलर एफडीआइ आया है जबकि 2009–10 से 2013–14 तक पांच वर्षों में 189 अरब डॉलर एफडीआइ आया था। हकीकत यह है कि वित्त वर्ष 2018–19 में भारत में 64.37 अरब डॉलर एफडीआइ आया है जो किसी वित्त वर्ष में अब तक की सबसे बड़ी रकम है।

फेसबुक की लिब्रा योजना में दरार पड़नी शुरू

सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएस : लिब्रा नाम से डिजिटल करेंसी लांच करने की फेसबुक की महत्वाकांक्षी योजना में दरार पड़नी शुरू हो गई है। अमेरिका की दिग्गज पेमेंट प्रोसेसिंग कंपनी पेपाल ने लिब्रा एसोसिएशन से बाहर निकलने की घोषणा कर दी है। अधिसंख्य दिग्गज अमेरिकी कंपनियों की भागीदारी वाले 29-सदस्यीय लिब्रा एसोसिएशन पर ही फेसबुक की इस डिजिटल करेंसी लांच करने का दारोमदार है। पेपाल इससे बाहर निकलने वाली पहली कंपनी बन गई है और उसके निकलने के बाद एसोसिएशन में अब 28 सदस्य रह गए हैं।

एक बयान में पेपाल ने कहा कि वह अपने कोर बिजनेस पर फोकस करेगी और लिब्रा के साथ किसी तरह की भागीदारी नहीं रखेगी। हालांकि कंपनी ने कहा कि वह लिब्रा की महत्वाकांक्षाओं को लेकर सकारात्मक रुख रखती है और भविष्य में उसके साथ काम करने के तरीकों को लेकर बातचीत के प्रति आशान्वित है। इससे पहले लिब्रा एसोसिएशन के वीसा और मास्टरकार्ड जैसे दिग्गज सदस्यों ने भी संकेत दिए थे कि वे लिब्रा के प्रति अपने जुड़ाव पर पुनर्विचार कर रहे हैं। इसकी मुख्य वजह यह है कि दुनियाभर के वित्तीय नियामकों ने लिब्रा जैसी किसी डिजिटल करेंसी से पूरी बैंकिंग व्यवस्था पर नकारात्मक असर की बात की है। कई नियामकों ने लिब्रा जैसी डिजिटल करेंसी की आलोचना की है। ऐसे में कंपनियां नहीं चाहतीं कि दुनियाभर में उनके अपने कारोबार पर कोई असर पड़े।

इसके जवाब में जेनेवा स्थित लिब्रा एसोसिएशन ने कहा कि इस डिजिटल करेंसी के माध्यम से दुनियाभर के वित्तीय तंत्र को नए सिरे से परिभाषित करने की कोशिशों की राह में इस तरह की चुनौतियों से अवगत है। एसोसिएशन का कहना था कि वित्तीय तंत्र में जिस तरह के बदलाव पर वह काम कर रहा है वह लोगों के प्रति जवाबदेह होगा, उनके लिए काम कर रही संस्थाओं के प्रति नहीं। ऐसे में उसकी राह की चुनौतियां भी कठिन होंगी। इस मिशन में प्रतिबद्धता की जरूरत किसी भी अन्य चीज से ज्यादा है। प्रतिबद्धता में किसी भी तरह की कमी की जानकारी हमें बाद के चरणों में मिले, इससे बेहतर है कि इसी वक्त मिल जाए। एसोसिएशन ने एक ट्वीट के माध्यम से यह भी कहा कि वह लिब्रा काउंसिल की पहली बैठक अगले 10 दिनों में ही करने वाली है। दूसरी तरफ, फेसबुक इंक ने इस पर टिप्पणी से इन्कार कर दिया है।

प्रतीकात्मक

- पेमेंट प्रोसेसिंग कंपनी पेपाल ने लिब्रा एसोसिएशन छोड़ी
- एसोसिएशन पर ही फेसबुक की डिजिटल करेंसी को लांच करने का जिम्मा

जून में हुई थी घोषणा

फेसबुक ने इस वर्ष 18 जून को बिटक्वाइन जैसी एक नई डिजिटल करेंसी पेश करने की अपनी योजना की घोषणा की। फेसबुक और करीब दो दर्जन साझेदार कंपनियों ने नई करेंसी 'लिब्रा' का प्रोटोटाइप पेश किया। जेनेवा में स्थित लिब्रा नाम का एक गैर–लाभकारी संगठन ब्लॉकचेन आधारित नई करेंसी की निगरानी करेगा। यही संगठन नई करेंसी के मूल्य के आधार पर दुनिया में चलने वाली वास्तविक मुद्राओं का भंडार रखेगा, ताकि लिब्रा के मूल्य में एक निश्चितता बनी रहे। पूर्व निर्धारित योजना के तहत इस करेंसी को अगले वर्ष जून में लांच किया जाना है। हालांकि मौजूदा घटनाक्रमों को देखते हुए इसमें देर हो सकती है।

राष्ट्रपति ने सीएस समुदाय को जवाबदेह बिजनेस का दिया मंत्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने व्यापारिक कंपनियों के सचिवों को जिम्मेदार बिजनेस का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि कंपनी सचिवों यानी सीएस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कंपनियां साझेदारों के लाभ और सट्टेबाजी में फर्क समझ सकें। राष्ट्रपति इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आइसीएसआइ) के 51वें स्थापना दिवस में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमने कई बार देखा है कि कुछ बिजनेस संगठनों ने लोगों के साथ विश्वासघात किया है। कंपनी को जब नुकसान होता है तो परेशानियां आम लोगों को झेलनी पड़ती हैं। कंपनी सचिव उचित और जिम्मेदार प्रशासन चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, उन्हें सुधार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि पहले जो गलतियां हो चुकी हैं उनसे सीख लेकर उन्हें दोहराया नहीं जाए।

कोविंद ने कहा कि कॉरपोरेट गवर्नेंस के सिद्धांत जटिल हैं। लेकिन ये सिद्धांत जिन मूल्यों पर आधारित हैं, वे बहुत स्पष्ट हैं। पारदर्शिता, जिम्मेदारी, सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता इसके चार स्तंभ हैं। कंपनी सचिवों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कंपनी इन सिद्धांतों के मुताबिक चले। भारत ने व्यापार के क्षेत्र में अपनी साफ छवि प्रस्तुत करने और अपनी ब्रांड वैल्यू बढ़ाने के लिए रुपरेखा तैयार कर ली है। इसके लिए कंपनी लॉ को पारदर्शी तरीके से उपयोग लाना जरूरी है। कोविंद का कहना था कि हमारे राष्ट्र निर्माण के लिए कुशल, पारदर्शी और कॉरपोरेट गवर्नेंस मुख्य भूमिका निभाएंगे। इस काम में कंपनी सेक्रेटरी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इनकी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा इसके लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाएगी। इस कार्यक्रम में भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद थे।

आइसीएसआइ की स्थापना एक संसदीय अधिनियम द्वारा की गई थी। इसका काम देश में कंपनी सेक्रेटरीज के प्रोफेशन का नियमन और विकास करना है। देशभर में इसके 59,000 से अधिक सदस्य और करीब 3.5 लाख स्टूडेंट हैं। इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य कंपनी सेक्रेटरी कोर्स के लिए उच्च गुणवत्ता-युक्त शिक्षा प्रदान करना है।

प्रेट्र

- कंपनी के नुकसान पर परेशानियां आम लोगों को झेलनी पड़ती हैं
- कंपनी को पारदर्शी तरीके से चलाने में सीएस की भूमिका महत्वपूर्ण

ओबीसी ने आयोजित किया लोन मेला

नई दिल्ली (वि) : ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स ने राजधानी के उत्तरी जिले में ग्राहकोन्मुखी शिविर आयोजित किया है। यह शिविर 5-6 अक्टूबर को दो दिन के लिए लगाया गया है। इस शिविर में लोग रिटेल ऋणों में विभिन्न बैंकों की तरफ से दिये जा रहे त्योहार बोनांजा का लाभ उठा सकते हैं। ग्राहकों को आसान कर्ज मुहैया कराने के लिए बैंक ने शिविर का आयोजन किया है।

इन शिविरों में जन सामान्य एमएसएमई सहित विभिन्न ऋणों के लिए विस्तृत सूचना एवं जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कृषि ऋण के संबंध में जागरूकता व इसे उपलब्ध कराने, स्वयं सहायता समूह आदि के माध्यम से ऋण प्राप्त करने और अन्य योजनाओं के संबंध में जानकारी देने के लिए नाबार्ड के प्रतिनिधि भी आमंत्रित किए गए हैं।

आयात-निर्यात वस्तुओं से संबंधित विनिमय दरें

भारतीय रुपए के बदले विदेशी मुद्रा की एक इकाई की विनिमय दर

4 अक्टू 2019 को अधिसूचित

मुद्रा	(आयात की जाने वाली वस्तुओं के लिए)	(निर्यात की जाने वाली वस्तुओं के लिए)
कुवैती दीनार	242.40	227.35
बहरीनी दीनार	195.25	183.20
पाउंड स्टर्लिंग	89.30	86.15
यूरो	79.55	76.65
अमेरिकी डॉलर	72.15	70.45
स्विस फ्रैंक	72.85	70.05
जापानी येन (100)	67.80	65.25
कनाडाई डॉलर	54.45	52.55
सिंगापुर डॉलर	52.45	50.65
ऑस्ट्रेलियाई डॉलर	49.00	46.85
न्यूजीलैंड डॉलर	45.90	43.80
कतर का रियाल	20.20	18.95
यूएई का दिरहम	20.05	18.80
सऊदी अरब का रियाल	19.65	18.40
तुर्की लीरा	12.90	12.10
डेनमार्क का क्रोनर	10.65	10.25
चीनी युआन	10.15	9.80
हांगकांग का डॉलर	9.25	8.90
नॉर्वे का क्रोनर	7.95	7.65
स्वीडन का क्रोनर	7.35	7.10
कोरियाई वॉन	6.10	5.75
द. अफ्रीका का रैंड	4.80	4.50

स्रोत : वित्त मंत्रालय पीटीआई ग्राफिक

वेतन सुधार से पहले ही बैंक कर्मचारियों को एरियर का तोहफा

- आमतौर वेतन सुधार के बाद ही एरियर दिया जाता है
- मासिक वेतन में 12 परसेंट इजाफे के हिसाब से मिलेगा एरियर
- यूबीएफयू इस फैसले से खुश नहीं, आइबीए को लिखा पत्र

प्रतीकात्मक

चेन्नई, आइएएनएस : वेतन बढ़ोतरी पर कोई सहमति बनने से पहले ही सरकार ने सरकारी बैंकों के कर्मचारियों को एरियर देने का फैसला किया है। भारत के बैंकिंग इतिहास में यह पहला ऐसा मौका है, जब वेतन वृद्धि को लेकर कोई समझौता होने से पहले ही एरियर दिया जा रहा है। यह कर्मचारी नवंबर, 2017 से ही वेतन बढ़ाए जाने का इंतजार कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक बैंक के कर्मचारी एरियर लेने या नहीं लेने के लिए स्वतंत्र होंगे। अगर बैंक का कोई कमर्चारी एरियर लेना स्वीकार करता है तो उसके खाते में 50,000 रुपये से कम राशि नहीं आएगी। कई मामलों में यह राशि एक लाख रुपये से भी ज्यादा होगी। मूल वेतन में कम से कम 12 परसेंट इजाफे के हिसाब से ही एरियर का निर्धारण किया जाएगा। क्योंकि जब वेतन सुधार को लेकर बातचीत शुरू हुई थी, तब बैंक प्रबंधन ने 12 परसेंट इजाफे का प्रस्ताव रखा था।

युनाइटेड फोरम फॉर बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) और इंडियन बैंक एसोसिएशन (आइबीए) के बीच 2017 से अब तक 30 दौर की वार्ता हो चुकी है। लेकिन अभी तक वेतन को लेकर कोई सहमति नहीं बन सकी है। वेतन समझौते को लेकर वार्ता सुस्त होने के बावजूद एरियर देने के फैसले में काफी तत्परता दिखाई गई है। इससे पहले इसी महीने की एक तारीख को आइबीए ने सरकारी और प्राइवेट बैंकों के प्रमुखों को पत्र लिखा था। इस पत्र में उनसे कहा गया था कि फिलहाल बैंक कर्मचारियों के खातों में कुछ अस्थायी राशि दी जा सकती है। इसकेबाद जब वेतन को लेकर अंतिम फैसला हो जाएगा, तब यह राशि वेतन में जोड़ ली जाएगी। सरकार ने जनवरी, 2016 में बैंकों के सीईओ को वेतन में सुधार करने का निर्देश दिया था। उस समय सरकार ने कहा था कि एक नवंबर 2017 तक इस मामले में अंतिम फैसला ले लिया जाए।

आमतौर पर वेतन सुधार को लेकर किसी समझौते पर पहुंचने के बाद ही एरियर दिया जाता है, लेकिन इस मामले में पहले ही एरियर देने का फैसला किया गया है। जानकारों का कहना है कि इस निर्णय के माध्यम से सरकार ने बैंक कर्मचारियों में व्याप्त निराशा को दूर करने का प्रयास किया है। हालांकि यूएफबीयू इस फैसले से खुश नहीं है। तीन अक्टूबर को आइबीए को लिखे गए एक पत्र में इसने कहा है कि अस्थायी राशि दिए जाने का फैसला अनुचित है। पत्र में इस फैसले को एकतरफा, मनमाना और संगठन के मोल-भाव करने के अधिकार का हनन बताया गया है।

रिटर्न के हिसाब से सोने में निवेश उतना बेहतर विकल्प नहीं

जिस तरह से फ्लाइट अटेंडेंट विमान की उड़ान से पहले यात्रियों को जरूरी सावधानियों से अवगत कराते हैं, उसी तरह निवेश सलाहकारों को भी चाहिए कि वे समय-समय पर निवेशकों को दो सेक्टर में निवेश से संबंधित जरूरी सुरक्षा उपाय बताते रहें। इसमें एक सेक्टर है सोना और दूसरा रियल एस्टेट। खैर, पिछले कुछ वर्षों के दौरान रियल एस्टेट में निवेश की हालत तो ऐसी रही है, जैसे आप किसी बिना पेंदी के बर्तन में अपनी गाढ़ी कमाई डाल रहे हों। दूसरी ओर सोने में निवेश से कुछ लाभ जरूर मिला है, क्योंकि सोने की कीमत में इजाफा होता रहा है।

इस वर्ष की शुरुआत से अब तक सोने की कीमत में करीब 20 परसेंट का उछाल दर्ज किया गया है। दूसरी ओर अन्य तरह के निवेश में खासी अस्थिरता रही है। यह बात कुछ निवेशकों को उत्साहित कर सकती है। अगर सोने में निवेश की बात करें तो इस समय पिछले 10 वर्षों में किए गए निवेश का रिटर्न 8.3 परसेंट ही रहा है। ऐसे में दूसरे निवेश पूरी तरह से नकारे नहीं जा सकते। सोने में निवेश करने या नहीं करने का सवाल सिर्फ रिटर्न से जुड़ा नहीं है, बल्कि यहां सवाल यह भी बनता है कि यह रिटर्न आता कहां से है?

धीरेन्द्र कुमार, सीईओ
वैल्यू रिसर्च

बोनस

भारतीय निवेशक पारंपरिक तौर पर सोने में निवेश को लेकर बहुत आशावादी हैं। लेकिन रिटर्न के हिसाब से इसमें निवेश करना बेहतर विकल्प नहीं है। गोल्ड यानी सोने के साथ दिक्कत यह है कि वह किसी तरह के उत्पादन में हिस्सेदारी नहीं रखता और धारकों के लिए किसी तरह की वैल्यू भी जनरेट नहीं करता। जबकि दूसरी तरह के निवेश पूंजी निर्माण करते हैं। सोने की कीमत में किसी भी तरह की बढ़ोतरी पूरी तरह से इस मान्यता पर आधारित है कि जब हम इसे बेचेंगे तो कोई खरीदार इसकी अधिक कीमत देगा। लेकिन असल में हमेशा शर्तिया तौर पर ऐसा ही हो, यह जरूरी नहीं है।

जहां तक भारतीय निवेशकों का सवाल है, वे सोने में निवेश के पारंपरिक विचारों से जकड़े हुए हैं। इन विचारों के मुताबिक सोने में निवेश आसान, सुरक्षित और बुरे समय में साथ देने वाला है। हमारे यहां पुरानी मान्यता यह है कि हर परिवार को सोने में निवेश करना चाहिए। आधुनिक मान्यता कहती है कि सोने में निवेश किसी दूसरी कमोडिटी में निवेश के जैसा ही है। जबकि मेरा मानना है कि सोने में निवेश पूरी तरह से अलग मामला है। सोने के कुछ अलग गुणों के चलते बचत करने वाले इसे निवेश के रूप में चुन सकते हैं। लेकिन निवेश के लिए यह बेहतर विकल्प नहीं है। आपकी बचत के लिए इससे अच्छे निवेश विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं। दूसरे निवेशों की तरह इसमें निवेश करने से पहले रिटर्न, लिक्विडिटी, स्थायित्व और अन्य संबंधित बातों को ध्यान में रखने की जरूरत होती है। अगर इन सब बातों पर गौर किया जाए तो निश्चित तौर पर सोना निवेश के लिए अच्छा साबित नहीं होगा। इतने ही जोखिम और उतार-चढ़ाव वाले दूसरे निवेशों के मुकाबले सोने से मिलने वाला रिटर्न सबसे खराब हो सकता है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है कि सोना सीधे तौर पर किसी तरह के उत्पादन में हिस्सा नहीं लेता और न ही यह किसी तरह की वैल्यू जनरेट करता है। इस तरह से सोने में किया गया निवेश की इकोनॉमिक ग्रोथ में किसी तरह की हिस्सेदारी नहीं है। इसकी कीमत में किसी भी तरह की बढ़ोतरी पूरी तरह से इस मान्यता पर आधारित है कि जब हम इसे बेचेंगे तो कोई खरीदार इसकी अधिक कीमत देगा। इसके विपरीत इक्विटी, बांड या बैंक डिपॉजिट्स उत्पादन में सीधी भूमिका निभाते हैं। सोने के बजाय आप यही बचत कहीं और निवेश करते हैं, तो वह उत्पादन गतिविधियों में उसका इस्तेमाल होता है, जिससे पूंजी निर्माण होता है। भौतिक रुप में रखे गए सोने की मात्रा या गुणवत्ता में कोई इजाफा नहीं होता है।

मेरे कहने का यह मतलब कतई नहीं है कि मैं किसी निवेशक को सोने में निवेश करने से रोक रहा हूं। हां, सावधान जरूर कर रहा हूं। वैसे भी, जो यह लेख पढ़ रहे हैं उनकी पहुंच आधुनिक फाइनेंशियल सिस्टम तक है। वे जानते हैं कि सोने में पैसा लगाने का कोई विशेष मतलब नहीं है। यह सिर्फ उनके लिए महत्व रखता है, जो या तो फाइनेंशियल सिस्टम में भरोसा नहीं रखते या इस तक उनकी पहुंच नहीं है। आमतौर पर सोना करेंसी का विकल्प कहा जा सकता है। अगर आप भौतिक सोने की जगह पेपर गोल्ड में निवेश करें तो बेहतर है। सोने पर आधारित म्यूचुअल फंड सोने की कीमत पर नजदीकी नजर रखते हैं। यह ओपन-एंडेड फंड होते हैं और किसी भी समय भुनाए जा सकते हैं। अगर आप लंबे समय तक निवेश करने की क्षमता रखते हैं तो आपके लिए भारत सरकार द्वारा जारी गोल्ड बांड सही विकल्प साबित हो सकते हैं। यह समय-समय पर जारी होते रहते हैं और बैंकों द्वारा बेचे जाते हैं। इनकी कीमत में सोने की कीमत के साथ ही इजाफा होता है, साथ ही इन पर 2.5 परसेंट सालाना का ब्याज अलग से मिलता है। इस पर मिलने वाले ब्याज पर टैक्स देना होता है, लेकिन कैपिटल गेन पर कोई टैक्स नहीं लगता। हालांकि ज्यादातर लोग इस बात पर भरोसा नहीं करेंगे कि सोना निवेश के लिए बेहतर विकल्प नहीं है। इसके पीछे वाजिब कारण हैं, जैसे सोना एक स्थाई धन है, यह एक ऐसी करेंसी है जिसने हर तरह के संकट में धारक का बचाव किया है। लेकिन क्या इतने भर से आधुनिक फाइनेंशियल सिस्टम में सोने में निवेश करना ठीक है? मेरे हिसाब से इसका जवाब है - नहीं।

अमेरिका–चीन ट्रेड वार से भारत को फायदा मिलने की उम्मीद

न्यूयॉर्क, आइएएनएस : क्रेडिट सुइश ने अमेरिका-चीन में चल रहे ट्रेड वार का लाभ भारत को मिलने की उम्मीद जताई है। कंपनी ने यह बात एक सर्वे के आधार पर कही है। यह सर्वे एक लाख करोड़ डॉलर से अधिक की ग्लोबल सेल करने वाली 100 कंपनियों पर किया गया है। क्रेडिट सुइश ने कहा है कि धीरे-धीरे ही सही, लेकिन ये कंपनियां चीन से बाहर का रुख करेंगी और भारत इनके लिए सबसे मुफीद बाजार साबित हो सकता है। फलस्वरूप कुछ बड़ी कंपनियां भारत का रुख कर सकती हैं।

यह सर्वे ऐसे मौके पर सामने आया है जब अमेरिका के वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस भारत दौरे पर आए हुए हैं। इससे पहले रॉस दिल्ली में इसी तरह का बयान दे चुके हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा था कि भारत के पास व्यापार तनाव का फायदा उठाने का अच्छा मौका है। सुइश के सर्वे में कहा गया है कि चीन में उत्पादन कर रही कंपनियां देश छोड़ने की योजना बना रही हैं। ये अपनी प्रोडक्शन यूनिट वियतनाम, भारत या फिर ताइवान में लगाने की इच्छुक हैं। हालांकि ट्रेड वार खत्म करने के लिए अमेरिका-चीन के बीच वार्ता चल रही है। अभी तक दोनों देशों के बीच 12 दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन अभी तक सकारात्मक नतीजे नहीं दिखे हैं।

2002 से 2008 तक यूएन में बतौर पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि रहे मुनीर को तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के साथ मतभेदों के चलते बर्खास्त कर दिया गया था।

अर्थव्यवस्था को लेकर पाकिस्तानी सेना के चिंतित होने के मायने

कहावत है, जिसका काम उसी को साजे। अगर कोई व्यक्ति या संस्था स्वभाव के प्रतिकूल काम करने लगती है तो चर्चा स्वाभाविक है। पाकिस्तान सेना वैसे तो हर तरह के कारोबार और उत्पाद तैयार करती है, लेकिन पाकिस्तान की डांवाडोल अर्थव्यवस्था को संवारने का जिम्मा उठाने का फैसला सभी को चकित कर रहा है। देश की बिगड़ती अर्थव्यवस्था को पार लगाने के लिए सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा बिजनेस लीडर्स के साथ मीटिंग कर रहे हैं। पाकिस्तान में तीन बार शासन करने वाली सेना का दखल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय से जुड़े हर मामलों में रहता है। वहां की सरकार सेना की कठपुतली की तरह काम करती है।

चिंता की वजह

2019–20 के वित्त वर्ष में पाकिस्तान की जीडीपी 2.4 फीसद रहने का अनुमान है। जबकि वित्तीय घाटा जीडीपी का 7.2 फीसद हो जाएगा, जो कि पिछले 9 साल में सबसे ज्यादा है। साथ ही रक्षा बजट की वजह से सेना को अपने सैनिकों का वेतन और रिटायर्ड सैनिकों को पेंशन देने के लिए पैसे की जरूरत है।

2.8 अरब डॉलर तीन सालों में पाकिस्तान को आइएमएफ का कर्ज चुकाना है

6.7 अरब डॉलर इसी समय सीमा में चीन को भी इतनी रकम लौटानी है

अब खनन और तेल की खोज

खनन और तेल की खोज में भी सेना ने अपने कदम बढ़ाए हैं और पाकिस्तान मेराक फॉस्फोर जैसी कंपनियां स्थापित की हैं। अगर सिर्फ फौजी फाउंडेशन की बात करें तो पिछले 5 सालों में इसकी परिसंपत्तियां और टर्नओवर में करीब 62 फीसद की बढ़ोतरी हुई है।

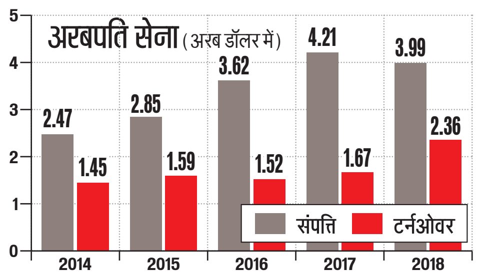

कर्ज में डूबा

पाकिस्तान को पिछले तीन साल में आइएमएफ से तीन गुना ज्यादा कर्ज चीन से मिला है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले तीन सालों में पाकिस्तान को आइएमएफ को 2.8 अरब डॉलर तो चुकाना ही है, साथ ही उसी समय सीमा में उसे चीन को भी 6.7 अरब डॉलर लौटाने होंगे।

सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं है सेना

पाकिस्तानी सेना केवल सीमाओं तक ही सीमित नहीं है। यह फौजी फाउंडेशन, आर्मी वेलफेयर ट्रस्ट, शाहीन फाउंडेशन, बाहरिया फाउंडेशन और डिफेंस हाउसिंग फाउंडेशन के द्वारा 50 कंपनियां चलाती है। सेना के बड़े अधिकारी अनाज, कपड़े, सीमेंट, शुगर मिल, जूता निर्माण कार्य से लेकर एविएशन सर्विसेज, इंश्योरेंस और यहां तक की रिसॉर्ट चलाने और रियल एस्टेट का कारोबार करते हैं, जिसकी मार्केट वैल्यू 2016 में करीब 20 अरब डॉलर थी, जो कि निश्चित तौर पर अब कई गुना ज्यादा बढ़ चुकी है। अगर देश की अर्थव्यवस्था और चौपट होती है तो सेना के कारोबार पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा।

हैरान करने वाला नहीं है सेना का दखल

पाकिस्तान के अस्तित्व में आने से करीब आधे समय तक सेना ने ही पाक पर शासन किया है और यह पाकिस्तान का सबसे विश्वस्त संस्थान है। ऐसे में राजनीति के अलावा अर्थव्यवस्था में भी सेना का दखल हैरान करने वाला नहीं है।

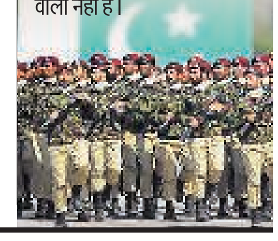

न्यूज गैलरी

बर्नी सैंडर्स को पड़ा था दिल का दौरा, अब हैं स्वस्थ

लास वेगास : अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के डेमोक्रेटिक दावेदार बर्नी सैंडर्स को मंगलवार को दिल का दौरा (हार्ट अटैक) पड़ा था। हालांकि उनके अभियान संचालकों ने बताया है कि अब वह स्वस्थ हैं और अस्पताल से उन्हें छुट्टी दे दी गई है। मंगलवार को प्रचार अभियान के दौरान सीने में दर्द के बाद 78 वर्षीय सैंडर्स अस्पताल ले जाया गया था। वहां जांच में उन्हें दिल का दौरा पड़ने की बात सामने आई। स्टेंट लगाकर डॉक्टरों ने उनका इलाज किया। सैंडर्स की टीम या चिकित्सकों की तरफ से यह नहीं बताया गया है कि इस दिल के दौरे से उनके दिल को कोई स्थायी नुकसान पहुंचा है या नहीं। सैंडर्स की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'अस्पताल में ढाई दिन बिताने के बाद मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। थोड़े दिन आराम के बाद मैं फिर काम पर जुट जाऊंगा।' अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सैंडर्स ने लास वेगास के एक पार्क में पत्नी के साथ घूमते हुए अपना वीडियो भी ट्विटर पर साझा किया है। (एपी)

जासूसी में गिरफ्तार ऑस्ट्रेलियाई दंपती रिहा

सिडनी : ईरान में जासूसी के आरोपों में गिरफ्तार एक ऑस्ट्रेलियाई दंपती को रिहा कर दिया गया है। तीन माह तक हिरासत में रखे गए इस दंपती पर लगाए गए सभी आरोप भी वापस ले लिए गए हैं। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मैरिस पेने ने शनिवार को बताया, 'लंबी बातचीत के बाद ईरान ने ऑस्ट्रेलियाई दंपती को रिहा कर दिया है। वे स्वदेश लौट रहे हैं। वे उत्साह से भरे हैं और पूरी तरह स्वस्थ हैं।' ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर के रहने वाले जोली किंग और मार्क फिरकिन पिछले दो साल से अपनी ऑस्ट्रेलिया से ब्रिटेन की यात्रा के बारे में ब्लॉग और तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर रहे थे। कजाखस्तान और पाकिस्तान दौरे के बाद वे सोशल मीडिया से गायब हो गए थे। ईरानी न्यायपालिका के एक प्रवक्ता ने पिछले माह कहा था कि किंग और फिरकिन ड्रोन के उपयोग से प्रतिबंधित इलाकों और सैन्य ठिकानों की तस्वीरें ले रहे थे। उनको हिरासत में लिए जाने की खबर सामने आने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने उनकी रिहाई के लिए ईरान से संपर्क किया। (एएफपी)

राजनीति को लेकर मुशर्रफ वतन वापसी को तैयार

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के पूर्व सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ देश में राजनीति को लेकर वतन वापसी को तैयार हैं। ऑल पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एपीएमएल) के संस्थापक मुशर्रफ अपने खराब स्वास्थ्य के चलते मुशर्रफ एक साल से ज्यादा समय तक दूर रहने के बाद छह अक्टूबर को राजनीति में वापसी करने की सोच रहे हैं। जनरल (सेवानिवृत्त) मुशर्रफ (76) मार्च 2016 से दुबई में रह रहे हैं। वर्ष 2007 में संविधान की अवहेलना के लिए वह देशद्रोह के मामले का सामना कर रहे हैं। इस अपराध के लिए उन्हें 2014 में दोषी पाया गया था। देशद्रोह के लिए मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने एपीएमएल की महासचिव मेहरीन मलिक के हवाले से बताया कि सेहत में सुधार के बाद मुशर्रफ अब वापसी करने का इरादा बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने 12 दिन तक लंदन में एक अस्पताल में उनका उपचार चला था। उन्होंने कहा, 'अब वह ठीक हैं और दुबई लौट आए हैं। मुशर्रफ छह अक्टूबर को वीडियो कांफ्रेंस के जरिये पार्टी के नौवें स्थापना दिवस को संबोधित करेंगे।' (प्रेट्र)

सख्त हुए नियम, अमेरिका में रहना है तो उठाना होगा हेल्थकेयर का खर्च

घोषणा पत्र जारी ▸ आगामी तीन नवंबर से लागू हो जाएगी नई व्यवस्था

न्यूयॉर्क टाइम्स से

छात्र वीजा व शरणार्थियों पर लागू नहीं होगी यह शर्त, हजारों भारतीय भी होंगे प्रभावित

वाशिंगटन : अमेरिकी सरकार उन प्रवासियों को वीजा नहीं देगी, जो यहां के स्थायी निवासी बनने के बाद अपने स्वास्थ्य संबंधी खर्चे नहीं उठा सकते हैं या स्वास्थ्य बीमा लेने में असमर्थ हैं। वीजा नियमों को सख्त करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस संबंध में एक घोषणा पत्र जारी किया है। यह व्यवस्था आगामी तीन नवंबर से लागू हो जाएगी। अमेरिका पर बढ़ते वैध व अवैध प्रवासियों का बोझ कम करना 2016 के चुनाव में ट्रंप का अहम मुद्दा रहा था। ताजा कदम से वह वैध प्रवासन पर शिंकजा कसना चाहते हैं। उनके इस कदम से हजारों भारतीय भी प्रभावित होंगे।

अमेरिका में स्थायी रूप से रहने की अनुमति यानी ग्रीन कार्ड पाने के लिए पहले प्रवासन वीजा लेना जरूरी है। नया नियम लागू हो जाने के बाद वीजा आवेदन के समय आवेदक को बताना होगा कि वह अमेरिका पहुंचने के 30 दिन के भीतर किस तरह अपने हेल्थकेयर का खर्चा उठाएंगे। ह्वाइट हाउस के अधिकारियों का कहना है कि यदि आवेदक संतोषजनक उत्तर या प्रमाण नहीं दे पाए तो उन्हें वीजा नहीं दिया दिया जाएगा। अधिकारियों का यह भी कहना है कि नए नियम छात्र वीजा और शरणार्थियों पर लागू नहीं होंगे।

ट्रंप ने कहा, अस्पतालों पर बोझ बन जाते हैं प्रवासी : अपने कदम को सही ठहराते हुए ट्रंप का कहना है कि अमेरिकी नागरिकों की अपेक्षा तीन गुना वैध प्रवासी ऐसे हैं, जिनके पास ना तो कोई स्वास्थ्य बीमा है और ना ही वे अपना हेल्थकेयर का खर्च उठा सकने में सक्षम हैं। ट्रंप की बात पुष्ट करने के लिए अधिकारियों ने कैशर फैमिली फाउंडेशन के अध्ययन का हवाला भी दिया। इस अध्ययन के अनुसार, आठ फीसद अमेरिकियों के मुकाबले 23 फीसद वैध प्रवासियों ने स्वास्थ्य बीमा नहीं करा रखा है। ट्रंप ने कहा, 'जिन प्रवासियों के पास स्वास्थ्य बीमा नहीं होता है, वह हमारे देश के हेल्थकेयर सिस्टम, अस्पतालों और अंततः करदाताओं पर बोझ बन जाते हैं। इसीलिए नियम में यह बदलाव किया गया है।'

ह्वाइट हाउस में आयोजित यंग ब्लैक लीडरशिप समिट के मौके पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। रायटर

लोगों ने जताया विरोध : कई लोगों व विशेषज्ञों ने नए नियम पर विरोध जताया है। प्रवासी मामलों के विशेषज्ञ स्टीव येल ने कहा, 'अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए ट्रंप मेक्सिको सीमा पर दीवार तो नहीं बना पाए, लेकिन वैध प्रवासियों के लिए उन्होंने एक अदृश्य दीवार जरूर बना दी है।' कुछ लोगों ने यह कहते हुए नए नियम पर आपत्ति जताई है कि ग्रीन कार्ड के लिए आवेदकों को पहले ही कई चरणों से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रीन कार्ड पाने के लिए उन्हें कुछ वित्तीय शर्तें भी पूरी करनी पड़ती है।

डेमोक्रेट सांसदों ने ह्वाइट हाउस के नाम भेजा समन

वाशिंगटन, एएफपी/रायटर : अमेरिका के विपक्षी डेमोक्रेटिक सांसदों ने समन जारी कर राष्ट्रपति भवन ह्वाइट हाउस से कहा कि वह यूक्रेन मामले से जुड़े दस्तावेज 18 अक्टूबर तक संसदीय समितियों को सौंप दे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर यह आरोप है कि उन्होंने अगले साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए विदेशी मदद लेने का प्रयास किया था। इसी मामले को लेकर ट्रंप पर महाभियोग चलाने की जांच अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की खुफिया, विदेश और निगरानी व सुधार मामलों की समितियां कर रही हैं। इस सदन में डेमोक्रेटिक पार्टी बहुमत में है।

यूक्रेन मामले की जांच कर रहीं तीनों संसदीय समितियों के प्रमुखों ने शुक्रवार को कहा, 'दस्तावेजों के लिए ह्वाइट हाउस से कई बार आग्रह किया गया था, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे यह जाहिर हो रहा है कि राष्ट्रपति ने अवज्ञा, अवरोध और मामले को छुपाने का रास्ता अपना लिया है।' ह्वाइट हाउस के कार्यकारी चीफ ऑफ स्टाफ मिक मुल्वेने को भेजे समन में संसदीय समितियों ने कहा, 'इन कदमों से समन जारी करने के अलावा हमारे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा था। इसलिए सभी जानकारी व दस्तावेज मुहैया कराने के लिए ह्वाइट हाउस के पास 18 अक्टूबर तक का वक्त है।' संसदीय समितियों ने इसी तरह का समन उप राष्ट्रपति माइक पेंस को भी जारी किया है। ह्वाइट हाउस की प्रवक्ता स्टेफनी ग्रिशम ने कहा, 'यह समन सिर्फ समय और कर दाताओं के पैसों की बर्बादी है। इससे आखिरकार यही साबित होगा कि राष्ट्रपति ने कुछ भी गलत नहीं किया था।'

मुश्किल में ट्रंप

- यूक्रेन मामले से जुड़े सभी दस्तावेज 18 तक सौंपने को कहा
- ट्रंप पर महाभियोग चलाने की जांच कर रहीं तीन संसदीय समितियां

ट्रंप पर लगा है यह आरोप : एक अमेरिकी व्हिसल ब्लोअर की शिकायत पर प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने पिछले माह ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए जांच शुरू करने का एलान किया था। इसी के तहत तीनों संसदीय समितियां मामले की जांच कर रही हैं। व्हिसल ब्लोअर ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि ट्रंप ने गत 25 जुलाई को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से फोन पर बात की थी और अपने संभावित डेमोक्रेट प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन को बदनाम करने के लिए उन पर दबाव बनाया था। ट्रंप ने हालांकि इस आरोप से इन्कार किया है।

इमरान के लिए मुसीबत पैदा करने लगे सेना और चरमपंथी

- सेना प्रमुख जनरल बाजवा कारोबारियों के साथ कर रहे बैठकें
- चरमपंथी नेता फजलुर रहमान ने सरकार के खिलाफ किया जंग का एलान

इस्लामाबाद, आइएएनएस : कश्मीर को लेकर दुनिया भर में झूठा प्रचार करने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए घरेलू मोर्चे पर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। उनकी खुद की कुर्सी ही हिलती नजर आने लगी है। उन्हें मोहरा बनाकर कभी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को किनारे लगाने वाली सेना और चरमपंथी अब इमरान को ही किनारे लगाने की जुगत में भिड़े नजर आ रहे हैं। पाक सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा जहां कारोबारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं, वहीं चरमपंथी नेता और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने 'आजादी' मार्च के साथ सरकार के खिलाफ जंग का एलान कर दिया है।

पाकिस्तान को कंगाली की अवस्था में पहुंचाने के लिए आलोचना का शिकार होने वाले इमरान खान कश्मीर का मसला भड़का कर लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन सेना प्रमुख और जमीयत नेता रहमान हकीकत को समझ रहे हैं और उसी के मुताबिक अपनी योजना बनाने में जुट गए हैं। वर्ष 1996 में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी का गठन कर सियासी सफर शुरू करने वाले इमरान खान 17 अगस्त, 2018 को पाकिस्तान के 22वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन वह देश के लोगों खासकर युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने में बुरी तरह विफल रहे। उनकी सरकार के सत्ता में आने के एक साल के भीतर ही बेरोजगारी और गरीबी चरम पर पहुंच गई। जब उनकी सरकार से सवाल पूछे जाने लगे तो इमरान ने भारत के खिलाफ भड़काऊ बयानबाजी और कश्मीर का मसला उठाकर ध्यान भटकाने की कोशिश की। जमीयत प्रमुख फजलुर रहमान ने पेशावर में शनिवार को आजादी मार्च की घोषणा करते हुए कहा कि यह तभी खत्म होगा जब सरकार चली जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरा देश उनके लिए युद्ध का मैदान होगा। इमरान खान ने कहा कि फजलुर रहमान पीपीपी और पीएमएल-एन की तरफ से सरकार के खिलाफ धार्मिक कार्ड हालात का फायदा नहीं उठा पाएंगे।

पाक खुफिया एजेंसियों के खिलाफ सड़कों पर उतरीं बलूच महिलाएं

क्वेटा, एएनआइ : पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम प्रांत बलूचिस्तान में बलूच लोगों के लापता होने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इसे लेकर समुदाय के लोगों में मुल्क की खुफिया एजेंसियों के प्रति खासा आक्रोश है। बलूच महिलाओं ने राजधानी क्वेटा की सड़कों पर उतर कर खुफिया एजेंसियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

मानवाधिकार संगठन 'वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन' के प्रमुख मामा कादिर बलूच के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों पर बलूच छात्र नेता राशिद हुसैन के अपरण का आरोप लगाया। संयुक्त अरब अमीरात की खुफिया पुलिस ने पिछले साल नवंबर में शारजाह से राशिद को गिरफ्तार किया था। इसके बाद इस साल जून में उन्हें पाकिस्तान के हवाले कर दिया गया था। तब से राशिद को किसी अज्ञात जगह पर रखा गया है। राशिद की बहन फरीदा बलूच ने बताया, 'पाकिस्तानी अधिकारियों ने तीन माह पहले मेरे भाई को स्वदेश लाने का दावा किया था, लेकिन तब से उन्हें ना तो किसी कोर्ट में पेश किया गया और ना ही कोई वकील मुहैया कराया गया। हमें उनके बारे में कोई जानकारी नहीं है। यह संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार नियमों का उल्लंघन है।'

बलूचिस्तान में प्रदर्शन करतीं महिलाएं। फाइल

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि हजारों बलूचों को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया है। उनको रिहा नहीं किया जा रहा है। लापता किए गए लोगों को पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस (आइएसआइ) की जेलों में यातनाएं दी जा रही हैं।

मलीहा की बर्खास्तगी पर पाक ने दी सफाई

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में अपने स्थायी प्रतिनिधि मलीहा लोधी की बर्खास्तगी पर सफाई देनी पड़ी है। इस बारे में इस्लामाबाद का कहना है कि मलीहा को हटाया नहीं गया, बल्कि उनका कार्यकाल पूरा हो गया था। इसी के चलते उनकी जगह मुनीर अकरम को नियुक्त किया गया।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में गत 27 सितंबर को प्रधानमंत्री इमरान खान के संबोधन के दूसरे दिन ही यह खबर आई थी कि लोधी को बर्खास्त कर दिया गया है। उनकी जगह अकरम को यूएन में पाकिस्तान का नया दूत नियुक्त किया गया है। डॉन अखबार के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने इन खबरों पर सफाई दी है। मंत्रालय के प्रवक्ता मुहम्मद फैजल ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के हालिया सत्र में इमरान की सफल भागीदारी का श्रेय मलीहा लोधी को देते हुए कहा कि स्थायी प्रतिनिधि के रूप में उनका कार्यकाल पूरा हो गया था। उन्होंने ट्वीट में लिखा, 'मलीहा लोधी को बर्खास्त किए जाने की खबर में कोई सच्चाई नहीं है।' पत्रकार रह चुकीं लोधी करीब साढ़े चार साल तक संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दूत के तौर पर कार्यरत रहीं। लोधी की जगह नियुक्त किए गए 74 वर्षीय अकरम को भारत के प्रति सख्त रुख वाले राजनयिक के तौर पर जाना जाता है।

फेस मास्क पर रोक से हांगकांग में उबाल

हांगकांग, रायटर/एएफपी : फेस मास्क पर रोक लगाने के सरकार के फैसले से हांगकांग उबल पड़ा है। लोकतंत्र की मांग कर रहे आंदोलनकारी विरोध में शुक्रवार को पूरी रात सड़कों पर रहे और जहां-तहां गुस्से का इजहार किया। इस दौरान मेट्रो स्टेशनों और व्यापारिक प्रतिष्ठान में तोड़फोड़ और आगजनी की गई, कई स्थानों पर चीन का झंडा जलाया गया और पुलिस पर पत्थर व पेट्रोल बम फेंके गए। पुलिस की गोली से 14 वर्षीय प्रदर्शनकारी के घायल होने की खबर है। शनिवार को मेट्रो रेल सिस्टम बंद रहा। पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम भी ठप रहा। ज्यादातर दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान और बैंक भी बंद रहे।

चीन की प्रतिनिधि शीर्ष नेता कैरी लैम ने शुक्रवार को फेस मास्क पहनने पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। उपनिवेश काल के इस ब्रिटिश प्रतिबंध को 50 साल में पहली बार शनिवार से लागू किया गया। लोकतंत्र की मांग वाले आंदोलन की पहचान बन चुके फेस मास्क लगाने पर रोक के आदेश से आंदोलनकारी उबल पड़े। शुक्रवार की शाम को ही वे फेस मास्क लगाकर सड़कों पर उतरे तो शनिवार तक वहीं डटे रहे। काउज वे बे से शुरू हुए एक बड़े जुलूस में शामिल सू (22) ने कहा, आगे क्या होगा-हमें नहीं पता। लेकिन हम यह महसूस करते हैं कि हमें मास्क पहनकर अपने मूल अधिकारों के प्रति जागरूकता दिखानी होगी। सू खुद काला मास्क और चश्मा लगाए हुए थे। शुक्रवार की रात और शनिवार को तड़के आंदोलनकारियों ने हांगकांग में भारी तोड़फोड़ और आगजनी की। कैरी लैम ने टेलीविजन पर अपने संबोधन में इसे भीषण हिंसा कहा है। कहा है कि दंगाइयों ने अपने आक्रामक व्यवहार से शुक्रवार की रात को हांगकांग के लिए काली रात साबित किया। इसके चलते स्वायत्त क्षेत्र में रहने वाली आधी आबादी कुछ कर पाने में अक्षम हो गई है।

हांगकांग में प्रदर्शन करते लोग। एपी

हिंसात्मक आंदोलन के चलते मेट्रो रेल सेवा बंद कर दी गई है। इस सेवा का प्रतिदिन 50 लाख लोग इस्तेमाल करते हैं। आंदोलनकारियों द्वारा एक स्टेशन को जला देने के बाद अधिकारियों ने सेवा बंद करने का निर्णय लिया। आगजनी की घटना में दो कर्मचारी घायल हुए हैं। मेट्रो के बंद रहने से हजारों लोग पैदल लंबा सफर करते देखे गए।

फॉर्मूला ई कार रेस से हांगकांग का नाम कटा

हांगकांग, एएफपी : लोकतंत्र की मांग वाले आंदोलन के चलते 2019–2020 फॉर्मूला ई सीजन कार रेस के आयोजन स्थलों की सूची से हांगकांग का नाम कट गया है। 2016 के बाद पहली बार आयोजकों के कैलेंडर से हांगकांग का नाम हटा है। इस सिलसिले में जारी प्रेस विज्ञप्ति में हांगकांग का नाम हटाए जाने का कारण नहीं बताया गया है। लेकिन साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, आयोजकों ने रेस के दौरान बाधा खड़ी होने की आशंका से यह निर्णय लिया है। हांगकांग ऑटोमोबाइल एसोसिएशन के गवर्नर एडवर्ड यू ने मौजूदा सामाजिक अशांति के चलते रेस के मार्च 2020 में शुरू होने को लेकर शंकाएं पैदा हो गई थीं। इसलिए हांगकांग में आयोजन रद किया गया।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की प्रमुख मिशेल बैचलेट ने कहा है कि हांगकांग में हिंसा बढ़ने की खबरों से वह विचलित हैं। उन्होंने जोर दिया है कि विरोधियों से निपटने में सुरक्षा बल कानून के बताए तरीकों का ही इस्तेमाल करें।

हत्या और दुष्कर्म के आरोपित भारतीय को ब्रिटेन भेजा गया

लंदन, प्रेट्र : हत्या और दुष्कर्म के मामले में आरोपित भारतीय को 10 साल बाद ब्रिटेन प्रत्यर्पित किया गया। लंदन पहुंचते ही स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

लंदन पुलिस ने बताया कि 35 वर्षीय अमन व्यास नामक आरोपित शुक्रवार की रात लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर पहुंचा था। व्यास के खिलाफ मिशेल समरवीरा नामक 35 साल की महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप है। 30 मई, 2009 को समरवीरा का शव पूर्वी लंदन के वाल्थमस्टोव में एक पार्क में मिला था।

पुलिस ने बताया कि व्यास के खिलाफ तीन अन्य महिलाओं के साथ दुष्कर्म, यौन हमला, हत्या का प्रयास और मारपीट करने ने के साथ ही सार्वजनिक स्थल पर हथियार रखने के आरोप हैं। ये सारे अपराध उसने लंदन में 24 मार्च से 30 मई, 2009 के दौरान किए। व्यास स्टूडेंट वीजा पर लंदन गया था।

मेरठ के रहने वाले व्यास को 2011 में दिल्ली हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। वह थाईलैंड जाने की कोशिश में था। व्यास के वकील ने बताया कि उसके मुवक्किल को अमीर बाप का बेटा समझा गया था, लेकिन वह प्राइमरी स्कूल के रिटायर्ड शिक्षक का बेटा है।

बदले नियम

संबंध बताए बगैर होटल के कमरों में ठहर सकेंगे विदेशी जोड़े, सऊदी महिलाओं को भी होटल में रुकने की दी गई इजाजत

सऊदी के होटलों में साथ रह सकेंगे महिला–पुरुष

रियाद, रायटर : कट्टरपंथी छवि छोड़ उदारवाद की राह पर अग्रसर सऊदी अरब ने एक और क्रांतिकारी कदम उठाया है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नए वीजा नियम लागू करने के बाद सरकार ने अब मुल्क के होटलों में विदेशी महिलाओं और पुरुषों को एक साथ रहने की छूट दी है। वे अपना संबंध साबित किए बगैर भी होटल में एक साथ रह सकेंगे। यहीं नहीं सऊदी महिलाओं को भी होटल में कमरा लेने की इजाजत दे दी गई है।

ओकाज अखबार में शुक्रवार को सऊदी के सख्त नियमों में बदलाव किए जाने की खबर प्रकाशित की गई थी। इन बदलावों से यह जाहिर होता है कि इसका मकसद बिना शादीशुदा विदेशी जोड़ों की यात्रा को आसान करना है। सऊदी कमीशन फॉर टूरिज्म एंड नेशनल हेरिटेज ने इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा, 'सभी सऊदी नागरिकों को होटल में ठहरने के लिए अपना फैमिली आइडी या संबंध साबित करने का प्रमाण दिखाने को कहा गया है।

यह विदेशी पर्यटकों के लिए आवश्यक नहीं है। जबकि सऊदी समेत सभी महिलाएं अपना आइडी मुहैया कराकर होटल में कमरा बुक कर सकेंगी और अकेले रह भी सकती हैं।' अभी तक तेल संपन्न इस खाड़ी देश में विदेशी नागरिकों को ठहरने पर व्यापक बंदिशों का सामना करना पड़ता था।

पर्यटन के लिए उठाए ये कदम : सऊदी ने पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए एक हफ्ते पहले पर्यटक वीजा जारी किए जाने का एलान किया था। विदेशी महिलाओं को पहनावे में ढील भी दी गई है। सऊदी सरकार साल 2030 तक सालाना दस करोड़ पर्यटकों के लक्ष्य को साधना चाहती है।

महिलाओं को अकेले विदेश जाने की दी इजाजत : सऊदी अरब ने गत अगस्त में अपने सख्त नियमों में बदलाव करते हुए महिलाओं को अकेले विदेश जाने की छूट दी थी। महिलाओं के अकेले विदेश जाने पर लगे प्रतिबंध के कारण सऊदी सरकार को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा था।

पिछले साल मिली ड्राइविंग की छूट : क्राउन प्रिंस सलमान के प्रयास से ही पिछले साल महिलाओं को ड्राइविंग की छूट मिली थी। यह अधिकार पाने के लिए सऊदी महिलाएं लंबे समय से मांग कर रही थीं। 1990 में पहली बार इसके लिए मुहिम शुरू हुई थी।

अब भी लागू हैं कई पाबंदियां

इस कट्टरपंथी मुस्लिम खाड़ी देश में अब भी कई सख्त पाबंदियां लागू हैं। सऊदी अरब में शराब पर अब भी प्रतिबंध है। यहीं नहीं सऊदी महिलाओं को बगैर बुर्के के बाहर निकलने की भी छूट नहीं है।

मुल्क की छवि सुधारने में जुटे हैं क्राउन प्रिंस

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान ने दुनिया में महिलाओं के लिए सबसे बंदिशों वाले स्थान के तौर पर बनी अपने मुल्क की छवि को सुधारने की मुहिम छेड़ रखी है। इसी कोशिश में सख्त नियमों में कई बदलाव किए गए हैं। वह 2015 से ही सामाजिक सुधार की मुहिम में जुटे हैं।

थाइलैंड की भरी अदालत में जज ने खुद को मारी गोली

- न्याय व्यवस्था की तीखी आलोचना के बाद उठाया यह कदम
- गोली मारने से पहले हत्या के पांच आरोपितों को किया बरी

बैंकाक, एएफपी : थाइलैंड के एक जज ने भरी अदालत में खुद को गोली मार ली। इससे ठीक पहले याला कोर्ट के जज कानाकोर्न पियाचना ने हत्या के पांच मुस्लिम आरोपितों को बरी कर दिया था। फिर उन्होंने देश की न्याय व्यवस्था की निंदा करते हुए एक भाषण दिया। उन्होंने अपना भाषण फेसबुक पर लाइव भी किया था। फिलहाल, उनका इलाज चल रहा है और वह खतरे से बाहर हैं।

थाइलैंड की न्याय व्यवस्था पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि थाइलैंड के कोर्ट कई बार अमीर व शक्तिशाली लोगों के पक्ष में काम करते हैं और आम लोगों को छोटे अपराधों में भी सख्त सजा सुना दी जाती है। हालांकि, पहली बार किसी जज ने न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाया है।

शुक्रवार को खुद को सीने पर गोली मारने से पहले जज ने कहा, 'किसी को सजा देने के लिए स्पष्ट और पुख्ता सुबूत होने जरूरी हैं। इसीलिए अगर आपको संदेह हो तो किसी को सजा ना दें। मैं नहीं कह रहा कि पांचों आरोपितों ने कोई जुर्म नहीं किया है। लेकिन न्यायिक प्रक्रिया पारदर्शी और प्रमाणिक होनी चाहिए।'

इसके बाद फेसबुक लाइव बंद हो गया था। कई प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सीने पर गोली मारने से पहले उन्होंने देश में पूर्व सम्राट की तस्वीर के सामने कानूनी शपथ दोहराई। न्याय विभाग के प्रवक्ता सुरियान होंगविलाइ ने कहा, 'जज ने शायद निजी चिंता के चलते यह कदम उठाया है। लेकिन चिंता की वजह स्पष्ट नहीं है। इसका पता लगाने के लिए जांच की जाएगी।'

करतारपुर में धार्मिक आयोजन, जो आएगा उसका स्वागत : पाक

लाहौर, एएनआइ : पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की सूचना और प्रसारण मामलों की विशेष सलाहकार डॉ. फिरदौस आशिक अवान ने कहा है कि करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन का मसला धार्मिक है, उसमें शामिल होने के लिए जो भी आएगा-सबका स्वागत किया जाएगा। डॉ. अवान ने यह बात भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के करतारपुर दौरे के विषय में पूछे गए सवाल के जवाब में कही। चर्चा है कि डॉ. मनमोहन सिंह ने तनाव के हालात में पाकिस्तान आने के इच्छुक नहीं हैं।

डॉ. अवान ने कहा कि पाकिस्तान का मानना है कि करतारपुर में जो आएगा, वह हमारा मेहमान होगा। यह धार्मिक कार्यक्रम है। इसलिए सभी आने वालों को सुविधाएं देना हमारी जिम्मेदारी होगी। उल्लेखनीय है कि पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन के मौके पर पाक जाने से इन्कार कर दिया है। उन्होंने संकेत दिया कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पाकिस्तान जाने की इच्छुक नहीं हैं।

ये भी जानिए

भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खास उपलब्धि हासिल की। वह एक टेस्ट, वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 10 से ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए।

टेस्ट में सेट हो गए रोहित

- सलामी बल्लेबाज शर्मा ने दूसरी पारी में भी शतक जड़ किया कमाल
- भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को दिया 395 रनों का विशाल लक्ष्य

विशाखापत्तनम, प्रेट्र : 218 वनडे में तीन दोहरे शतक सहित 27 शतक और 42 अर्धशतक जमाने वाले रोहित शर्मा को जब 32 साल की उम्र में ओपनर के तौर पर टेस्ट में खुद को स्थापित करने का मौका दिया गया तो भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों और आलोचकों की नजरें उन पर टिक गईं। उनके प्रशंसकों को लगता था कि वह यह कर देंगे लेकिन आलोचक कहते रहे कि टेस्ट क्रिकेट उनके बस की बात नहीं है। हालांकि इन सबसे दूर समुद्र किनारे विशाखापत्तनम में रोहित कुछ और ही सोच रहे थे। उन्हें पता था कि यह आखिरी मौका है और उन्होंने अपने 27वें टेस्ट में पहली बार ओपनर के तौर पर उतरकर दोनों पारियों में दो शतक ठोककर दक्षिण अफ्रीका पर तो प्रहार किया ही, साथ ही अपने आलोचकों का मुंह भी बंद कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने फिलहाल अगले कुछ महीनों के लिए ओपनर के तौर पर खुद को भारतीय टेस्ट टीम में सेट कर लिया है।

लाल गेंद के खिलाफ कमाल : रोहित को हमेशा से सफेद गेंद का खिलाड़ी माना जाता रहा लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में उन्होंने पहली पारी में 176 और दूसरी पारी में 127 रन बनाकर खुद को लाल गेंद का खिलाड़ी भी साबित कर दिया। मयंक अग्रवाल (07) दूसरी पारी में जल्दी पवेलियन लौट गए लेकिन रोहित प्रहार करते रह गए। उनकी पारी की बदौलत भारत ने पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के सामने जीत के लिए 395 रन का लक्ष्य दिया जिससे अंतिम दिन का खेल रोमांचक होने की उम्मीद है। भारतीय टीम ने चौथे दिन के तीसरे सत्र तक बल्लेबाजी की और अपनी दूसरी पारी 67 ओवर में चार विकेट पर 323 रन बनाकर घोषित की। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने चौथे दिन केवल 45 मिनट बल्लेबाजी की और दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट गंवाकर 11 रन बना लिए। अब उसे यह मैच जीतने के लिए 384 रन जबकि भारत को नौ विकेट की दरकार है। रवींद्र जडेजा ने पहली पारी में शतक जड़ने वाले डीन एल्गर को एलबीडब्ल्यू आउट किया।

वर्नोन फिलेंडर की गेंद पर रन चुराते रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा • प्रेट्र

एक टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले भारतीय सलामी बल्लेबाज

बल्लेबाज	बनाम	जगह	वर्ष
सुनील गावस्कर	वेस्टइंडीज	पोर्ट ऑफ स्पेन	1971
सुनील गावस्कर	पाकिस्तान	कराची	1978
सुनील गावस्कर	वेस्टइंडीज	कोलकाता	1978
रोहित शर्मा	द. अफ्रीका	विशाखापत्तनम	2019

एक टेस्ट में किसी टीम द्वारा सर्वाधिक छक्के

छक्के	टीम	बनाम	जगह	वर्ष
27	भारत	द. अफ्रीका	विशाखापत्तनम	2019
22	न्यूजीलैंड	पाकिस्तान	शारजाह	2014

1944 में लखनऊ में नवजोत सिंह सिद्धू ने श्रीलंका के खिलाफ पहली पारी में आठ छक्के लगाए थे लेकिन दूसरी पारी में उनकी बल्लेबाजी नहीं आई। भारत की तरफ से एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के का यही रिकॉर्ड था लेकिन रोहित ने 13 छक्कों के साथ उसे तोड़ दिया

01 विकेट लेते ही रविचंद्रन अश्विन श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के साथ टेस्ट में सबसे तेजी से 350 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। अश्विन के अभी 66 टेस्ट मैचों में 349 विकेट हैं। मुरलीधरन भी 66 टेस्ट मैचों में 350 विकेट लेने में सफल रहे थे। भारत के पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले ने 77 टेस्ट में 350 विकेट का आंकड़ा छुआ था

अश्विन और जडेजा से उम्मीद: पिच धीमी बनी हुई है लेकिन इस पर टर्न मिल रहा है और इस पर बने खुरदुरेपन से कुछ गेंदें उछाल भी ले रही हैं। पहली पारी में सात विकेट झटकने वाले रविचंद्रन अश्विन और जडेजा अंतिम दिन भारत के लिए अहम साबित होंगे। एल्गर के आउट होने के बाद अब क्विंटन डिकॉक का विकेट महत्वपूर्ण होगा जो भारत को कई मौकों पर परेशान कर चुके हैं। पहली पारी में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम अंतिम दिन पूरे 90 ओवर खेलना चाहेगी जिससे मैच ड्रॉ हो जाए क्योंकि इस पिच पर इतने बड़े लक्ष्य को हासिल करना बहुत मुश्किल है।

रोहित ने खेली फिर शतकीय पारी: शनिवार का दिन फिर रोहित के नाम रहा और उन्होंने सिर्फ 133 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने मैच में रिकॉर्ड 13 छक्के जड़े। रोहित और चेतेश्वर पुजारा (81) के बीच दूसरे विकेट के लिए 169 रन की साझेदारी से भारत ने दूसरी पारी की नींव रखी। उन दोनों के बाद जडेजा (40), विराट कोहली (नाबाद 31) और अजिंक्य रहाणे (नाबाद 27) ने उपयोगी योगदान दिया। चायकाल तक भारत ने एक विकेट पर 175 रन बनाए थे और अपनी कुल बढ़त 246 रन कर ली थी। चायकाल के बाद इस रोहित ने सिर्फ 65 गेंदों पर 43 रन बनाए। पुजारा को अपनी पारी के शुरू में थोड़ी परेशानी हुई जिसमें उन्होंने 62 गेंदों में केवल आठ रन बनाए लेकिन बाद में वह भी रंग में आ गए। भाग्य भी पुजारा के साथ था क्योंकि कैगिसो रबादा की गेंद का बाहरी हिस्सा उनके बल्ले से लगा लेकिन गेंद पहली स्लिप में खड़े क्षेत्ररक्षक और विकेटकीपर के बीच से होती हुई सीमा रेखा की ओर निकल गई। रोहित भी भाग्यशाली रहे जब मुथुस्वामी उन्हें लांग-ऑन पर लपकने से चूक गए। रिव्यू में पता चला कि मुथुस्वामी का पैर गेंद को छोड़ते समय बाउंड्री से छू गया जिससे रोहित को छह रन भी मिल गए।

अश्विन के सात विकेट : इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पारी की शुरुआत की और उसके अंतिम दो खिलाड़ियों ने 55 अहम रन जोड़े। यह दोनों विकेट भी रविचंद्रन अश्विन ने लिए और इस तरह उन्होंने पहली पारी में सात विकेट चटकाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए मुथुस्वामी 33 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहली पारी में सात विकेट लेने के बाद दर्शकों का अभिवादन स्वीकारते आर अश्विन। प्रेट्र

27 वीं बार अश्विन ने टेस्ट में पांच विकेट झटकने का कारनामा किया और अपने टेस्ट विकेटों की संख्या 349 की

स्कोर बोर्ड

टॉस : भारत (बल्लेबाजी)/ **भारत (पहली पारी)** : 502/7 पारी घोषित (136 ओवर)/ **दक्षिण अफ्रीका (पहली पारी)** : 431 (131.2 ओवर)

भारत (दूसरी पारी घोषित) **323/4** (67 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
मयंक अग्रवाल का. फाफ बो. महाराज	07	31	01	00
रोहित शर्मा स्टं. डिकॉक बो. महाराज	127	149	10	07
पुजारा एलबीडब्ल्यू बो. फिलेंडर	81	148	13	02
रवींद्र जडेजा बो. रबादा	40	32	00	03
विराट कोहली नाबाद	31	25	03	01
अजिंक्य रहाणे नाबाद	27	17	04	01

अतिरिक्त : (बा-8, लेबा-2) 10
कुल : 67 ओवर में चार विकेट पर 323 रन
विकेट पतन : 1-21 (अग्रवाल, 7.6), 2-190 (पुजारा, 50.6), 3-239 (रोहित, 56.5), 4-286 (जडेजा, 62.5)
गेंदबाजी : फिलेंडर 12-5-21-1, महाराज 22-0-129-2, रबादा 13-3-41-1, डेन पीट 17-3-102-0, मुथुस्वामी 3-0-20-0

दक्षिण अफ्रीका (दूसरी पारी) **11/1** (9 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
एडेन मार्करैम नाबाद	03	18	00	00
डीन एल्गर एलबीडब्ल्यू बो. जडेजा	02	16	00	00
थेउनिस डि ब्रूएन नाबाद	05	20	01	00

अतिरिक्त : (लेबा-1) 1
कुल : नौ ओवर में एक विकेट पर 11 रन
विकेट पतन : 1-4 (एल्गर, 3.3)
गेंदबाजी : अश्विन 5-2-7-0, रवींद्र जडेजा 4-2-3-1

हम चाहते थे कि नई गेंद पांचवें दिन भी ठोस बनी रहे : पुजारा

विशाखापत्तनम, प्रेट्र: सीनियर बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने शनिवार को यहां कहा कि भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में अपनी दूसरी पारी की समाप्ति की घोषणा इस तरह से की ताकि पांचवें दिन उन्हें थोड़ी नरम गेंद के साथ शुरुआत नहीं करनी पड़े।

पुजारा से पूछा गया कि क्या पारी समाप्त घोषित करने का समय सही था, उन्होंने कहा, 'हां ऐसा था। हम बहुत अधिक ओवर नहीं करना चाहते थे क्योंकि हम चाहते थे कि पांचवें दिन के शुरू में गेंद ठोस बनी रहे। आप गेंद के नरम पड़ जाने के बाद बहुत अधिक ओवर नहीं करना चाहते क्योंकि ऐसे में बल्लेबाजी करना थोड़ा आसान हो जाता है। हमने डीन एल्गर का महत्वपूर्ण विकेट हासिल किया इसलिए टीम के तौर पर शनिवार के खेल से हम खुश हैं।' उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि पांचवें दिन यह पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं होगी और इससे स्पिनरों को थोड़ी मदद मिलेगी। हम देख चुके हैं कि पिच से असमान उछाल मिल रहा है इसलिए तेज गेंदबाजों की भूमिका भी अहम होगी। अभी स्पिनरों के लिहाज में पिच में काफी खुरदुरापन है और पांचवें दिन दरारें कुछ और बढ़ जाएंगी।' पुजारा को लगता है कि रवींद्र जडेजा खुरदुरे स्थलों का अच्छा उपयोग कर सकते हैं क्योंकि कुछ गेंदे या तो तेजी से उठ रही है या नीची रह रही हैं। उन्होंने कहा, 'इस तरह के स्थानों से स्पिनरों को अधिक उछाल मिलेगी। अगर हम एल्गर के लिए की गई जडेजा की गेंद की असमान उछाल को देखें तो मुझे लगता है कि गेंद दरार पर पड़ने के बाद थोड़ा नीचे रह गई थी इसलिए अगर असमान उछाल हो तो मुझे लगता है कि स्पिनर दरारों पर गेंद टिप्पा करवाना पसंद करेंगे लेकिन इस तरह की पिचों पर तेज गेंदबाजों को खेलना भी मुश्किल होगा।'

उन्होंने कहा कि यह बल्लेबाजी के लिए मुश्किल पिच थी। इस पर स्ट्राइक रोटेट करना आसान नहीं था। इस पर सही टाइमिंग से शॉट मारना आसान नहीं था फिर जिस तरह से मैं खेलता हूं तो शुरू में मुझे थोड़ी मुश्किल लग रही थी। मैं जानता था कि एक बार पांव जमाने के बाद मैं पिच की गति को समझ लूंगा।

हरियाणा ने सुमित के दम पर बड़ौदा को हराया

वडोदरा, प्रेट्र: युवा खिलाड़ी सुमित कुमार के ऑलराउंड खेल के दम पर हरियाणा ने विजय हजारे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप-बी के मुकाबले में शनिवार को यहां बड़ौदा को 58 रन से हराया। सुमित ने 66 गेंद में 58 रन की पारी खेल टीम के स्कोर को 217 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने के बाद गेंद से कमाल करते हुए पांच विकेट लेकर हरियाणा को सत्र की दूसरी जीत दिलाई।

कम स्कोर वाले मैच में पहले बल्लेबाजी का फैसला करने वाले हरियाणा के लिए सलामी बल्लेबाज अंकित कुमार (48) और प्रमोद चंदीला (48) ने भी अच्छा योगदान दिया। बड़ौदा के लिए कप्तान क्रुणाल पांड्या ने तीन जबकि अतित शेठ और ऋषि अरोठे ने दो-दो विकेट लिए जिससे हरियाणा की टीम 49.1 ओवर में 217 रन पर आउट हो गई। जीत के लिए 218 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बड़ौदा की टीम 40.2 ओवर में 159 रन ही बना सकी। सुमित के पांच विकेट के अलावा राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले अमित मिश्रा, युजवेंद्रा सिंह चहल और जयंत यादव जैसे गेंदबाजों ने एक-एक विकेट लिया। बड़ौदा की ओर से सिर्फ आदित्य वाघमोड ही बड़ी पारी खेल सके।

भारत में एनबीए ने छोड़ी छाप

संजीव रंजन • मुंबई

एनबीए इंडिया गेम्स में एक बार फिर इंडियाना पेसर्स ने सेंक्रेमेंटो किंग्स को किया पराजित

एनबीए इंडिया गेम्स का भारत में शानदार आगाज हुआ। रविवार को एक बार फिर इंडियाना पेसर्स की टीम ने सेंक्रेमेंटो पेसर्स को पराजित किया। हालांकि इस मुकाबले में वह टक्कर देखने को नहीं मिली जो शनिवार को देखने को मिली थी। पहले क्वार्टर के बाद पेसर्स की टीम ने मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली थी और मुकाबला 130-106 अंकों से जीत लिया। एनएससीआइ इंडोर स्टेडियम में शनिवार को खेल मंत्री किरण रिजिजू, फिल्म अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस मौजूद रहे।

इंडियाना पेसर्स की ओर से सबोनिस ने 10, टर्नर ने 12, लैंब ने 11, जॉनसन ने 17, सैंपसन ने 15 व हॉलीडे ने 26 अंक बनाए। सेंक्रेमेंटो किंग्स की ओर से बेगले ने 15, हील्ड ने 17 अंक बनाए।

सेक्रेमेंटो की तेज शुरुआत: पहले क्वार्टर में सेक्रेमेंटो किंग्स ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और शुरू से ही बढ़त बनाए रखी। पहले क्वार्टर की समाप्ति तक सेंक्रेमेंटो किंग्स की टीम 30-25 अंकों से आगे थी। दूसरे क्वार्टर में इंडियाना पेसर्स ने खेल में तेजी लाते हुए मैच पर पकड़ बनाई। सनर व सैंपसन की जोड़ी ने लगातार अंक लेकर टीम को बढ़त दिला दी। हाफ टाइम तक इंडियाना पेसर्स की टीम 71-59 अंकों से आगे थी। हाफ टाइम के बाद भी इंडियाना पेसर्स ने दवाब बनाए रखा और तीसरे क्वार्टर की समाप्ति तक उसने अपनी बढ़त 96-79 कर ली। मैच के शुरू होने से पूर्व एनबीए के कमिश्नर एडम सिल्वर बेल ने खेल मंत्री रिजिजू को गेंद पास की जबकि इससे पूर्व मशहूर गायक गुरु रंधावा ने भारत का राष्ट्रगान जबकि लीसा मिश्रा ने अमेरिकी राष्ट्रगान गाया।

> भारत में एनबीए के पहले मुकाबले का आयोजन मुंबई में किया गया। इंडियाना पेसर्स व सेक्रेमेंटो किंग्स का मैच खेल प्रेमियों के लिए एक तोहफा था। शानदार खेल के लिए दोनों टीमों को बधाई। बास्केटबॉल देश में काफी लोकप्रिय है और यह फिट इंडिया से जुड़ा हुआ है। एनबीए के आने से इस खेल को और प्रसिद्धि मिलेगी तथा युवा इससे जुड़ेंगे।
> **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

स्वीटी अंतिम-16 में

उलान उदे (रूस), प्रेट्र : पूर्व रजत पदक विजेता स्वीटी बूरा (75 किग्रा) ने आसान जीत से शनिवार को यहां विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन नीरज फोगाट (57 किग्रा) को बाहर का रास्ता देखना पड़ा।

बूरा ने पहले दौर में मंगोलिया की म्यांगमारजारगल मुंखबाट को 5-0 से हराया और अब उनका सामना वेल्स की दूसरी वरीय लॉरेन प्राइस से होगा। फोगाट ने चीन की कियो जीरू के खिलाफ अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, लेकिन जजों की नजर में यह प्रयास उनकी जीत के लिए पर्याप्त नहीं था और जजों के बंटे हुए फैसले में उन्हें 2-3 से हार झेलनी पड़ी। बूरा की जीत आसान रही जिसमें उन्होंने सटीक मुक्कों से खुद को बेहतर मुक्केबाज साबित किया। मंगोलियाई मुक्केबाज ने अंतिम तीन मिनट में वापसी के प्रयास किए लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इससे पहले फोगाट ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और वह बेहतर मुक्केबाज नजर आ रही थीं। उनकी प्रतिद्वंद्वी तकनीकी रूप से भी कमजोर लग रही थी और उन्हें चेतावनी भी मिली थी, लेकिन जजों ने हैरानी भरा फैसला दिया। इससे भारतीय खिलाड़ी निराश दिखी।

लंदन में हुई हार्दिक पांड्या की सफल सर्जरी

राहत
- पीठ के निचले हिस्से की चोट से परेशान चल रहे थे पांड्या
- करीब चार महीने तक क्रिकेट से रहेंगे दूर

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के पीठ के निचले हिस्से की सफल सर्जरी शनिवार को लंदन में हुई लेकिन इसकी वजह से उन्हें कम से कम चार महीने तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ सकता है। यह भारतीय टीम के लिए भी किसी झटके से कम नहीं है।

खबरों के मुताबिक हार्दिक कम से कम 12 से 16 सप्ताह (3-4 महीने) के लिए मैदान से बाहर रह सकते हैं और उम्मीद की जा रही है कि वह अगले साल आइपीएल से पहले फिट हो जाएंगे। हार्दिक ने अपनी सर्जरी की जानकारी खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दी। उन्होंने फोटो भी साझा किया और लिखा कि सर्जरी कामयाब रही। आपकी दुआओं के लिए शुक्रिया। जल्द ही वापसी भी करूंगा। तब तक मुझे याद करते रहिए। पिछले साल की शुरुआत में हार्दिक को पीठ के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत हुई थी जिसकी जांच के लिए वह लंदन के एक अस्पताल में पहुंचे। इसके बाद ठीक होकर उन्होंने टीम इंडिया में वापसी की। इसी साल विश्व कप के दौरान यह चोट फिर उभर आई और लंदन में उन्होंने अपनी जांच कराई। डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी जिसके बाद वह बुधवार को लंदन पहुंचे और वहां सर्जरी कराई। बीसीसीआइ ने शनिवार को हार्दिक को लेकर एक मेडिकल बुलेटिन जारी की जिसमें लिखा है कि 22 सितंबर को बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम टी-20 के बाद हार्दिक पांड्या ने पीठ के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत की थी।

इसके बाद बीसीसीआइ की मेडिकल टीम ने इंग्लैंड के एक रीढ़ की हड्डी के विशेषज्ञ दल से सलाह ली और उन्होंने इससे निजात पाने के लिए सर्जरी कराने की सलाह दी। ऑलराउंडर हार्दिक टीम इंडिया के फिजियो योगेश परमार के साथ दो अक्टूबर को लंदन पहुंचे। शुक्रवार को उनकी सफल सर्जरी हुई। जल्दी ही हार्दिक अपनी रीहैब प्रक्रिया शुरू करेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से भारत के दो अहम खिलाड़ी चोट की वजह से बाहर चल रहे हैं। हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह भी पीठ की समस्या की वजह से टीम से बाहर हैं।

सर्जरी के बाद पांड्या ने सोशल मीडिया में पोस्ट की अपनी फोटो • इंस्टाग्राम

फुटबॉल डायरी ईपीएल में आज सिटी के सामने वोल्वरहैंप्टन, केविन डि ब्रून की कमी पूरी करेंगे रियाद

महारेज के कंधों पर सिटी का भार

मैनचेस्टर, एएफपी: इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में अपने पहले सत्र में प्रभावहीन प्रदर्शन के बाद मैनचेस्टर सिटी के रियाद महारेज ने अच्छी वापसी की है। उन्हीं की बदौलत मौजूदा चैंपियन सिटी खिताब की दौड़ में सबसे आगे चल रहे लिवरपूल पर दबाव बनाने में कारगर साबित हुआ है।

ईपीएल में रविवार को मैनेजर पेप गॉर्डियोला की टीम सिटी वोल्वरहैंप्टन के खिलाफ अपने चोटिल स्टार केविन डि ब्रूने के बगैर उतरेगी लेकिन अल्जीरिया के स्ट्राइकर महारेज सिटी की उम्मीदों का भार अपने कंधों पर उठाने के लिए तैयार हैं। लीसेस्टर सिटी से आने के बाद एतिहाद में महारेज के लिए शुरुआती कुछ महीने बेहद खराब रहे थे। उन्हें 2016 में लीसेस्टर के लिए खेलते समय साल का सर्वश्रेष्ठ पीएफए प्लेयर चुना गया था लेकिन सिटी के लिए उनका प्रदर्शन शुरुआती दिनों में कुछ खास नहीं रहा। इसके लिए रहीम स्टर्लिंग और बेनार्डो सिल्वा को उन्होंने जिम्मेदार माना था क्योंकि उनकी वजह से महारेज को खेलने के ज्यादा मौके नहीं मिल पा रहे थे। हालांकि पिछले सत्र में ब्रिग्टन के खिलाफ एक अहम मुकाबले में महारेज ने गोल करके सिटी को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में भी उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन के दौर को आगे बढ़ाया। महारेज सिटी द्वारा सभी प्रतियोगिताओं में खेले गए कुल 11 में से 10 मुकाबलों में उतरे हैं और तीन गोल दागे हैं। इसमें एवर्टन के खिलाफ फ्री किक पर दागा गया उनका शानदार गोल भी शामिल है।

युनाइटेड के सामने न्यूकैसल : ईपीएल में रविवार को मैनचेस्टर युनाइटेड की टीम न्यूकैसल युनाइटेड से उसके घर में भिड़ेगी। युनाइटेड के मैनेजर ओले गनर सोल्सकजेर ने स्वीकार किया है कि संघर्ष कर रही उनकी टीम वापसी करने की कोशिश में जुटी हुई है। हालांकि न्यूकैसल के खिलाफ होने वाले मुकाबले से युनाइटेड के अवे मुकाबलों में चला आ रहा जीत का सूखा खत्म हो सकता है क्योंकि न्यूकैसल की हालत युनाइटेड से भी पतली है। युनाइटेड पिछले 10 अवे मुकाबलों से जीत नहीं दर्ज कर पाया है।

इटली की टीम में निकोलो की वापसी: रोमा के स्टार मिडफील्डर निकोलो जानिओलो की इटली की राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। कोच रॉबर्टो मांसिनी ने 2020 यूरो कप क्वालीफायर में ग्रीस और लिचटेंस्टीन के खिलाफ होने वाले मुकाबलों के लिए इटली की टीम घोषित की। मांसिनी ने 20 वर्षीय निकोलो को ग्रुप-जे में अर्मेनिया और फिनलैंड के खिलाफ पिछले महीने खेले गए मुकाबलों से टीम से बाहर रखा था। टीम में बोका जूनियर्स के मिडफील्डर डेनियल डि रोसी को जगह नहीं मिल पाई है।

प्लाटिनी को मिली फुटबॉल में वापसी की आजादी

लुसाने : यूएफा के पूर्व अध्यक्ष माइकल प्लाटिनी को फुटबॉल में अगले सप्ताह से वापसी की आजादी मिल गई है लेकिन उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच जारी रहेगी। प्लाटिनी पर लगा चार साल का प्रतिबंध अगले सप्ताह समाप्त होने जा रहा है। प्लाटिनी 2007 में यूरोपियन फुटबॉल की शीर्ष संस्था यूएफा के अध्यक्ष बने थे। उन पर घूस लेने के आरोप में प्रतिबंध लगाया गया था।

रियाद महारेज • फाइल फोटो, रायटर

चोटिल डि ब्रूने बेल्जियम की टीम से बाहर

ब्रुसेल्स, एएफपी: मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर केविन डि ब्रूने को यूरो 2020 क्वालीफायर के आगामी मुकाबलों के लिए बेल्जियम की टीम से बाहर रखा गया है। बेल्जियम के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने शुक्रवार को टीम की घोषणा की और चोटिल होने की वजह से डि ब्रूने को टीम में जगह नहीं मिल पाई।

28 वर्षीय डि ब्रूनो चैंपियंस लीग में सिटी को मिली जीत वाले पिछले मुकाबले से बाहर थे। डि ब्रूने के अलावा पूर्व कप्तान कप्तान विंसेंट कोंपानी और ल्योन के डिफेंडर जेसन डेनायर को भी फिटनेस की समस्याओं की वजह से टीम में जगह नहीं मिल पाई है। हालांकि, पिछले महीने क्वालीफायर से बाहर रहने वाले कप्तान ईडन हैजार्ड और उनके भाई थोर्गन हैजार्ड की टीम में वापसी हुई है। गोलकीपर थिबॉट कॉर्टोइस, स्ट्राइकर रोमेलू लुकाकू और डिफेंडर थॉमस म्यूयिर के खेलने पर संशय है लेकिन मार्टिनेज ने कहा है कि उनके खेलने पर फैसला सोमवार को लिया जाएगा। बेल्जियम को 10 अक्टूबर को सैन मरिनो के खिलाफ उतरना है।

न्यॉर को मिला जोकिम लॉ का साथ: जर्मनी के मुख्य कोच जोकिम लॉ ने शुक्रवार को यह स्पष्ट कर दिया कि मैनुअल न्यॉर ही उनकी टीम के गोलकीपर के लिए पहली पसंद हैं। लंबे समय से जर्मनी के नंबर एक गोलकीपर के लिए न्यॉर और मार्क आंद्रे टर स्टेगन के बीच मुकाबला चल रहा है।

स्पेन की टीम में तीन नए चेहरे: स्पेन के कोच रॉबर्ट मोरेनो ने आगामी यूरो कप 2020 क्वालीफायर में नॉर्वे और स्वीडन के खिलाफ होने वाले मुकाबलों के लिए अपनी टीम में पाउ टोरेस, जेरार्ड मोरेनो और सर्जियो रेग्यूलोन के रूप में तीन नए चेहरों को शामिल किया है।

टिकट के लिए टूट पड़ीं ईरानी महिलाएं

लंदन, रायटर: अगले गुरुवार को होने वाले विश्व कप क्वालीफायर के लिए टिकटों की बिक्री ऑनलाइन शुरू होते ही ईरानी महिलाएं टूट पड़ीं। ईरान को तेहरान में कंबोडिया के खिलाफ मुकाबले के लिए उतरना है। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के लिए 3500 टिकट रिजर्व रखे गए हैं, जो शुक्रवार को बिक्री के लिए उपलब्ध होते ही चंद मिनटों में बिक गए। हाल ही में एक महिला फुटबॉल प्रशंसक की मृत्यु के बाद फीफा को ईरानी फुटबॉल संघ ने आश्वस्त किया था कि वह विश्व कप क्वालीफायर के लिए महिलाओं को स्टेडियम में आने की इजाजत देगा।

अविनाश ने ओलंपिक सीट पक्की की

विश्व एथलेटिक्स

बाधा दौड़ के एथलीट साबले ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में किया सुधार
पैदल चाल में इरफान और देवेंदर ने किया निराश

दोहा, प्रेट्र : भारत के अविनाश साबले ने यहां चल रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 3000 मीटर बाधा दौड़ में अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ते हुए टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया, लेकिन वह फाइनल में 13वें स्थान पर रहे।

फिर तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड: महाराष्ट्र के मांडवा गांव के किसान के बेटे अविनाश ने 8 मिनट 21.37 का समय निकालकर ओलंपिक क्वालीफाइंग मानक समय (8 मिनट 22 सेकेंड) से बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि वह 13वें स्थान पर रहे। इस समय से अविनाश ने तीन दिन में दूसरी बार अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। भारतीय सेना में हवलदार के पद पर तैनात इस 25 वर्षीय एथलीट ने मंगलवार को पहले दौर की हीट के दौरान (तब के) राष्ट्रीय रिकॉर्ड (8:28.94) से बेहतर प्रदर्शन किया था। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन कोनसेसलस किप्रुतो ने 2017 के खिताब को बरकरार रखा। केन्या के एथलीट ने 08:01.35 का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। वह अविनाश से 20 सेकेंड आगे रहे। इथियोपिया के लामेचा गिरमा ने 08:01.36 सेकेंड से रजत और मोरक्को के सोफियाने बाकाली ने 08:03.76 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता।

2017 में बाधा दौड़ में लिया हिस्सा: अविनाश ने वर्ष 2015 में अंतर-सेना क्रास कंट्री रेस में हिस्सा लिया और फिर वह सेना के कोच अमरीश कुमार के मार्गदर्शन में 2017 में बाधा दौड़ में भाग लेने लगे। मंगलवार को वह हीट दौड़ में जगह बनाने नाकाम रहे थे लेकिन नाटकीय परिस्थितियों के बाद उन्होंने शुक्रवार को फाइनल में जगह बनाई। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने विरोध दर्ज कराया था कि हीट के दौरान अन्य खिलाड़ियों ने उनके मार्ग में बाधा उत्पन्न की थी। इसे विरोध को स्वीकार किए जाने के बाद उन्हें पुरुषों के 3000 मीटर बाधा दौड़ फाइनल में शामिल किया गया। वीडियो फुटेज की जांच के बाद रेफरी ने माना कि दो मौकों पर अविनाश के मार्ग में रुकावट पैदा की गई थी। भारत के विरोध को स्वीकार कर लिया गया और नियम 163.2 (बाधा पहुंचाने) के अंतर्गत उन्हें फाइनल में शामिल किया गया।

इरफान को 27वां स्थान: पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में भाग ले रहे 40 प्रतिभागियों में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी के टी इरफान एक घंटे 35 मिनट 21 सेकेंड के समय से निराशाजनक 27वें स्थान पर रहे जबकि हमवतन देवेंदर सिंह एक घंटे 41 मिनट 48 सेकेंड के समय से 36वें स्थान पर रहे। इरफान पहले ही टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं और उनके नाम राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी दर्ज हैं। 29 वर्षीय इरफान 2017 में पिछले चरण में 23वें और देवेंदर 50वें स्थान पर रहे थे।

यामानिशी ने 20 किमी पैदल चाल में जीता स्वर्ण

दोहा : जापान के तोशीकाजू यामानिशी ने यहां विश्व चैंपियनशिप की 20 किमी पैदल चाल में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस तरह उन्होंने जापान को पैदल चाल में दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। पिछले रविवार युसुके सुजुकी 50 किमी पैदल चाल स्पर्धा जीतने वाले पहले जापानी पुरुष एथलीट बने थे। 23 साल के पूर्व विश्व युवा चैंपियन तोशीकाजू ने एक घंटे 26 मिनट 34 सेकेंड के समय से पहला स्थान प्राप्त किया। अधिकृत तटस्थ एथलीट के तौर पर भाग ले रहे रूस के वासिले मिजिनोव ने दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि परसियस कार्लस्ट्रोम ने कांस्य जीतकर स्वीडन को चैंपियनशिप का पहला पदक दिलाया।

बारशिम ने ऊंची कूद का खिताब जीता : कतर के मुताज एसा बारशिम ने ऊंची कूद स्पर्धा में अपना खिताब बरकरार रखा। बारशिम ने खचाखच भरे खलीफा स्टेडियम में 2.37 मीटर की कूद लगाई और स्वर्ण हासिल किया। दूसरे नंबर पर रहने वाले मिखेल अकीमेंको ने रजत और इलिया इवानयुक ने कांस्य जीता। स्टीवन गार्डिनर ने 43.48 सेकेंड के समय से राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए 400 मीटर का खिताब अपनी झोली में डाला।

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण रविवार 6 अक्टूबर 2019
स्पोर्ट्स
www.jagran.com

केकेआर से जुड़े पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड हसी

नई दिल्ली, जेएनएन : आइपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के डेविड हसी को मुख्य मेंटोर और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज कायले मिल्स को टीम का नया गेंदबाजी कोच नियुक्त किया। हसी और मिल्स दोनों न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम के अंतर्गत काम करेंगे जिन्हें अगले आइपीएल के लिए केकेआर का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक वेंकी मैसूर ने इसकी पुष्टि की।

देश में स्क्वॉश के खेल को बढ़ाने के लिए नए-नए कार्यक्रम की जरूरत है। इसके अलावा लोगों को जागरूक करना भी जरूरी है।
– दीपिका पल्लीकल, स्क्वॉश खिलाड़ी, भारत

टेनिस डायरी ▶ जापान ओपन के सेमीफाइनल में नोवाक ने गोफिन को 6–3, 6–4 से दी शिकस्त

गोफिन को हरा फाइनल में पहुंचे जोकोविक

अब खिताबी भिड़ंत के लिए नोवाक का सामना जॉन मिलमैन से होगा

टोक्यो, एपी : सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविक ने शनिवार को जापान ओपन में अपना दबदबा जारी रखते हुए तीसरे वरीय डेविड गोफिन को सीधे सेटों में हराकर इस सत्र के पांचवें फाइनल में प्रवेश किया। पहली बार जापान की राजधानी में खेल रहे दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविक ने गोफिन को 6-3, 6-4 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। अब खिताबी भिड़ंत के लिए उनका सामना ऑस्ट्रेलिया के क्वालीफायर जॉन मिलमैन से होगा जिन्होंने रैली ओपेल्का को 6-3 7-6 से शिकस्त दी।

इस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीय जोकोविक ने पिछले चार सिंगल्स मुकाबलों में एक भी सेट नहीं गंवाया है। पहले सेट में आसान जीत के बाद जोकोविक ने दूसरे सेट के पहले गेम में गोफिन की सर्विस तोड़ी। यूएस ओपन के चौथे दौर में कलाई की चोट के कारण अपना मुकाबला बीच में छोड़ने वाले जोकोविक ने टोक्यो में दमदार प्रदर्शन किया है। उधर जोकोविक ने कहा है कि व्यस्त टेनिस कार्यक्रम के बावजूद वह टोक्यो ओलंपिक को लेकर समर्पित हैं। हालांकि उन्होंने गर्मी को लेकर तोड़ी चिंता जताई है। वहीं गोफिन इस टूर्नामेंट के ड्रॉ में शामिल इकलौते पूर्व चैंपियन खिलाड़ी थे। 2017 में खिताब जीतने के अलावा वह 2016 में उपविजेता रहे थे।

फाइनल में पहुंचे थिएम

बीजिंग, एएफपी : शीर्ष वरीय डोमिनिक थिएम ने एक सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए शनिवार को चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही थिएम ने सत्र के अंत में होने वाले एटीपी फाइनल्स के लिए भी पात्रता हासिल की। थिएम ने दो घंटे 41 मिनट तक चले अंतिम चार के मुकाबले में रूस के चौथी वरीय कारेन खचानोव को 2-6, 7-6, 7-5 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया।

सेमीफाइनल में पहुंचीं बार्टी

बीजिंग, रायटर : विश्व की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एश्ले बार्टी ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चेक गणराज्य की पेत्रा क्वितोवा को 4-6, 6-4, 6-3 से हराकर चीन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

फ्रेंच ओपन चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की बार्टी ने नौ ऐस लगाए और छह में से तीन ब्रेक प्वाइंट को अंकों में तब्दील करके मुकाबले को अपने नाम किया। अब सेमीफाइनल में बार्टी का सामना किकी बर्टेंस से होगा, जिन्होंने तीसरी वरीय एलिना स्वेतिलोना को 7-6, 6-2 से हराया। वहीं दो ग्रैंडस्लैम चैंपियनों के बीच खेले गए मुकाबले जापान की नाओमी ओसाका ने यूएस ओपन चैंपियन कनाडा की बियांका एंड्रिस्कू को 5-7, 6-3, 6-4 से हराकर उनके विजय क्रम पर रोक लगाया। बियांका लगातार 17 मुकाबलों से जीतती आ रही थीं। ओसाका का सामना गत चैंपियन कैलोलिना वोज्नियाकी से होगा, जिन्होंने रूस की दारिया कास्तकिना को 6-3, 7-6 से हराया।

नागल अंतिम चार में

कैंपिनास (ब्राजील), प्रेट्र : भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल एटीपी चैलेंजर कैंपिनास में अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को केरूनडोलो की कठिन चुनौती से पार पाकर शनिवार को सेमीफाइनल में जगह बनाई। हाल ही विश्व रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 135वें पायदान पर पहुंचने वाले इस भारतीय खिलाड़ी ने 13वीं वरीय केरूनडोलो को 7-6, 7-5 से शिकस्त दी। नागल ने पिछले दो सप्ताह में दूसरी बार अंतिम चार में जगह पक्की की। छठी वरीयता प्राप्त नागल को फाइनल में पहुंचने के लिए अर्जेंटीना के ही जुआन पाल्बो फिकोविच की चुनौती से पार पाना होगा। नागल को पहले दौर में बाई मिली थी।

मैच के दौरान सर्बिया के नोवाक जोकोविक। एएफपी

भारतीय क्रिकेटर्स संघ से दूर सचिन और गावस्कर

हरित एन. जोशी (मिड–डे), मुंबई

▶ कई दिग्गजों के नाम आइसीए की सूची में शामिल नहीं

▶ भारत के 1200 से अधिक क्रिकेटरों ने कराया है पंजीकरण

बीसीसीआइ के राज्य संघों के मतदान हो चुके हैं और अब बारी है पहली बार बने भारतीय क्रिकेटर्स संघ (आइसीए) के चुनाव की। आइसीए का पदाधिकारी बीसीसीआइ की सर्वोच्च परिषद और आइपीएल संचालन परिषद का भी प्रतिनिधि होगा।

भारत के 1200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी (पुरुष एवं महिला) क्रिकेटरों ने इसके लिए अपना पंजीकरण कराया है। हालांकि शुक्रवार को जारी अंतिम चुनावी सूची से कुछ नामी चेहरों के नाम गायब हैं। क्रिकेटरों की पैदा करने का समृद्ध विरासत रखने मुंबई के केवल 86 प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों ने 21 सितंबर की समय सीमा से पहले पंजीकरण कराया था। इन पंजीकृत क्रिकेटरों में से 34 पुरुष हैं। चुनावी सूची में मुंबई के सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर, सचिन तेंदुलकर और जहीर खान जैसे नामी खिलाड़ियों के नाम नहीं हैं। इसके अलावा संदीप पाटिल, विनोद कांबली और रमेश पोवार जैसे मशहूर खिलाड़ी भी इससे नहीं जुड़े हैं। हाल ही में संपन्न हुए मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के चुनावों की मतदाता सूची में तेंदुलकर, कांबली और जहीर के नाम शामिल थे। उधर युवराज सिंह (पंजाब) और बिशन सिंह बेदी (दिल्ली) जैसे भारत के लोकप्रिय क्रिकेटरों के नाम भी चुनावी सूची से गायब हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त संचालन समिति के अध्यक्ष जीके पिल्लई ने कहा कि जो खिलाड़ी समय सीमा के भीतर पंजीकरण नहीं कर सके थे, वे कभी भी बाद में पंजीकरण करा सकते हैं। जो पात्र क्रिकेटर समय पर पंजीकृत हो पाए हैं, वे ही आगामी आइसीए चुनावों में मतदान करने के लिए वैध होंगे। 11 से 13 अक्टूबर तक होने वाले आइसीए चुनावों में कुछ मशहूर भारतीय क्रिकेटर अपना वोट ई-वोटिंग के माध्यम से डालेंगे। इनमें पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव (हरियाणा), भारत के मुख्य कोच रवि शास्त्री (मुंबई), बलवंत सिंह संधू (मुंबई), लालचंद राजपूत (मुंबई), प्रवीण आमरे (मुंबई), मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद (आंध्र), वीरेंद्र सहवाग (दिल्ली), वीवीएस लक्ष्मण (हैदराबाद), सैयद किरमानी, अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ (सभी कर्नाटक) शामिल हैं। आइसीए अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और दो सदस्यीय प्रतिनिधियों का चुनाव करेगा। आइसीए से नामांकित एक व्यक्ति आइपीएल संचालन परिषद का भी हिस्सा होगा। पुरुषों के लिए पात्रता मापदंड न्यूनतम पांच टेस्ट या 25 प्रथम श्रेणी मैच हैं।

सलामी बल्लेबाज रोहित ने पुजारा के साथ किया अभद्र भाषा का प्रयोग

विशाखापत्तनम डायरी

विशाखापत्तनम, आइएएनएस : भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के दौरान साथी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। वहीं, इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने उन्हें ट्विटर पर ट्रोल भी किया। एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें रोहित एक रन लेने के कारण पुजारा को गाली देते सुनाई पड़ रहे हैं। भारतीय पारी के 26वें ओवर में रोहित एक रन लेना चाहते थे लेकिन पुजारा ने उन्हें वापस भेज दिया जिसके बाद रोहित निराश दिखाई दिए थे। यह वीडियो सोशल साइट्स में काफी शेयर किया जा रहा है। रोहित के वीडियो पर स्टोक्स ने भी टिप्पणी की। स्टोक्स ने ट्वीट किया, 'इस बार विराट नहीं, रोहित.....आपको पता ही है मैं क्या कहना चाहता हूं।'

हमारे बल्लेबाज दूसरी पारी में भी अच्छा करेंगे : फिलेंडर

विशाखापत्तनम : दक्षिण अफ्रीका के सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज वर्नोन फिलेंडर ने शनिवार को कहा कि भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में लक्ष्य उनकी टीम की पहुंच में है। फिलेंडर ने कहा, 'मुझे लगता है कि लक्ष्य हमारी पहुंच में है। मैंने और कैगिसो रबादा ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन भारत ने शानदार खेल दिखाया।

उन्होंने पहली पारी में 500 से ज्यादा रन बनाने के बाद बढ़त हासिल की। उम्मीद है कि रविवार को हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अच्छी बल्लेबाजी कर मैच को करीब ले जाएंगे।' फिलेंडर से जब पूछा गया कि क्या भारतीय टीम ने देर से पारी घोषित करके रक्षात्मक रणनीति अपनाई तो उन्होंने कहा, 'यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे देखते हैं। पिच से स्पिनरों को मदद मिल रही है लेकिन हमने पहली पारी में 130 ओवर बल्लेबाजी की थी। कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है। यह एक अच्छा विकेट है। बल्लेबाज अच्छी लय में हैं और उम्मीद है कि हमें रविवार अच्छी शुरुआत मिलगी। उसके बाद हम मैच का रुख मोड़ सकते है।' फिलेंडर से जब रोहित की बल्लेबाजी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि घरेलू मैदान पर खेलने और विदेश में खेलने में काफी फर्क है। ऐसे में इसकी तुलना करना मुश्किल है। यह एक अलग तरह का खेल है लेकिन उन्होंने रन बनाए, आपको और क्या चाहिए? उन्हें शुभकामनाएं।'

यूपी योद्धा ने पीकेएल में दबंग दिल्ली को हराया

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2019 में शनिवार को दो मुकाबले खेले गए। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांपलेक्स में खेले गए पहले एकतरफा मैच में यूपी योद्धा ने दबंग दिल्ली को 50-33 अंकों के अंतर से मात दी। वहीं दूसरे मुकाबले में पटना पाइरेट्स ने गुजरात फॉर्चुनजाइंट्स को 39-33 से हराया। पहले मैच में यूपी योद्धा को घरेलू दर्शकों काफी फायदा मिला जिसकी वजह से टीम ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी।

पहले हाफ का खेल खत्म होने तक यूपी योद्धा ने दबंग पर 22-12 की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ में भी यूपी की बढ़त लगातार जारी रही। दूसरे हाफ के साढ़े आठ मिनट का खेल शेष रहने तक यूपी की बढ़त जारी रही और स्कोर 38-21 हो गया। अंत में यूपी योद्धा ने 50-33 से मुकाबले को अपने नाम किया। चोट के बाद मोनू गोयात ने शानदार वापसी की। उन्होंने 14 रेड किए और 11 अंक अर्जित किए। गुजरात व पटना के बीच खेला गया दूसरा मुकाबला काफी रोचक रहा।

झारखंड ने हैदराबाद को दी शिकस्त

बेंगलुरु, प्रेट्र : कुमार देवब्रत और सौरभ तिवारी के अर्धशतकों की मदद से झारखंड ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप मैच में शनिवार को यहां हैदराबाद को छह विकेट से हराया। बारिश के कारण मैच 34 ओवर प्रति टीम कर दिया गया। झारखंड के सामने 193 रन का लक्ष्य था जो उसने देवब्रत (56) और तिवारी (नाबाद 61) के अर्धशतकों से दो गेंद शेष रहते हुए हासिल कर दिया। इससे पहले हैदराबाद ने सात विकेट पर 192 रन बनाए थे। उसकी तरफ से कप्तान अंबाती रायुडू ने सर्वाधिक 69 रन बनाए। इस बीच बारिश के कारण मुंबई और आंध्र का मैच नहीं हो पाया।

अरुणाचल व मेघालय की शानदार जीत

जागरण संवाददाता, देहरादून : समर्थ सेठ के नाबाद 155 रनों की शानदार पारी की बदौलत विजय हजारे ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप के मैच में अरुणाचल प्रदेश ने सिक्किम को आठ विकेट से हजार अंक तालिका में बढ़त बनाई। वहीं मेघालय ने मणिपुर को तीन विकेट से हरा कर पूरे अंक बटोरे। देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम के बीच मुकाबला हुआ। सिक्किम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय किया। सिक्किम की सलामी बल्लेबाज निलेश खाता भी नहीं खोल पाए उसके बाद बिबेक भी 16 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद आशीष थापा व यशपाल सिंह ने तीसरे विकेट के लिए 124 रनों की पारी खेली।

यशपाल सिंह ने 74 गेंदों में 71 रनों की पारी खेली। सिक्किम ने निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट खोकर 268 रन बनाए। टीम के लिए आशीष थापा ने 68, पालजोर व ईश्वर चौधरी ने 33-33 और इकबाल अब्दुला ने 30 रन बनाए।

अरुणाचल के लिए लिचा तेही व अखिलेश सैनी ने दो-दो विकेट चटकाए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी अरुणाचल प्रदेश की टीम ने समर्थ सेठ की नाबाद 155 रनों की पारी के दम पर 45.4 ओवर में ही 272 रन बनाकर मुकाबले को आठ विकेट से जीत लिया। टीम के लिए राहुल दलाल ने 64 व अवैस ने 38 रन बनाए।

मेघालय ने मणिपुर को हराया

देहरादून : अभिमन्यु क्रिकेट अकादमी में मेघालय व मणिपुर के बीच मैच खेला गया। पहले खेलते हुए मणिपुर की टीम 25.1 ओवर में 90 रन बनाकर आउट हो गई। लंगलॉनयांबा (16), शाह (24) रेक्स (15) ने सर्वाधिक योगदान दिया। मेघालय के लिए संजय ने तीन, अभय नेगी व आकाश कुमार ने दो–दो विकेट चटकाए। जवाब में पुनीत बिष्ट (27), डीबी रवि तेजा (19), अमियांग्शु सेन (नाबाद 15) व अभय नेगी (नाबाद 16) की मदद से मेघालय ने 18.4 ओवर में सात विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मणिपुर के लिए रेक्स व बिश्वोरजीत ने तीन–तीन विकेट हासिल किए।

विविध

सुखबीर बादल बोले, धार्मिक मामलों से दूर रहे प्रदेश सरकार

संवाद सहयोगी, डेरा बाबा नानक (गुरदासपुर)

शिरोमणि अकाली दल बादल के सुखबीर सिंह बादल व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने शनिवार को डेरा बाबा नानक में बन रहे करतारपुर कॉरिडोर के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। सुखबीर बादल ने कहा कि धार्मिक समागमों पर कांग्रेस को सियासत नहीं करनी चाहिए। जब केंद्र में मनमोहन सिंह की सरकारी थी तब भी शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से ही पंजाब में धार्मिक कार्यक्रम करवाए जा रहे थे। इसलिए श्री गुरुनानक देव जी की जन्म शताब्दी के अवसर पर नौ नवंबर को करतारपुर कॉरिडोर को लेकर आयोजित होने वाले समारोह को एसजीपीसी को ही करवाने देना चाहिए, सरकार इससे दूर रहे।

सुखबीर ने कहा कि जैसे एसजीपीसी कैबिनेट बैठक नहीं कर सकती, उसी तरह सरकार भी सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। करतारपुर कॉरिडोर के आयोजन समारोह पर पंजाब सरकार श्रद्धालुओं के लिए रैन बसेरा, स्वास्थ सुविधाएं, सुरक्षा आदि सुविधाओं की ही जिम्मेदारी ले, न कि आयोजन की। करतारपुर गलियारे के समारोह को लेकर मंत्री एसएस रंधावा व चरणजीत चन्नी सहित अन्य मंत्रियों को इस पर एसजीपीसी से बातचीत करने का कोई अधिकार नहीं है। सभी को पार्टीबाजी से ऊपर उठकर गुरु नानक देव जी की जन्म शताब्दी को मनाना चाहिए।

गुरदासरपुर के डेरा बाबा नानक में दर्शन स्थल पर लगी दूरबीन से पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के दर्शन करतीं केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल। जागरण

करतारपुर कॉरिडोर का नाम श्री गुरु नानक मार्ग रखा जाए : हरसिमरत

केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि संगत की अरदास व मोदी सरकार की बदौलत 70 साल के बाद गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब का रास्ता खुल रहा है। केंद्र सरकार कॉरिडोर पर 500 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। श्री गुरु नानक देव जी के जन्म शताब्दी के मौके पर करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन नौ नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। उन्होंने पीएम से मांग की है कि करतारपुर कॉरिडोर का नाम श्री गुरु नानक मार्ग और आइसीपी टर्मिनल का नाम संत करतार रखा जाए। इससे पहले उन्होंने लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से बनाए जा रहे करतारपुर टर्मिनल, चेक पोस्ट, पैसेंजर ब्लॉक, पार्किंग स्थल आदि के बारे में जानकारी ली। हरसिमरत ने भारत-पाक की राष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की ओर से बनाए गए दर्शन स्थल से पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा करतारपुर साहिब जी के दर्शन भी किए। इसके बाद उन्होंने कहा कि टर्मिनल का निर्माण 31 अक्टूबर तक पूरा हो जाएगा।

पुलिस के हत्थे चढ़ा कुख्यात गैंगस्टर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : केरल से आई पुलिस टीम ने सीमापुरी पुलिस के साथ मिलकर कुख्यात गैंगस्टर सत्यप्रकाश उर्फ सत्ते को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले सत्यप्रकाश ने केरल के कोल्लम जिले में एक दिन में लूटपाट की सात वारदात को अंजाम दिया था। ऐसा करते हुए कुछ जगहों पर वह सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया था। सीसीटीवी फुटेज में एक स्कॉर्पियो भी कैद हुई थी, जो जांच में सत्ते के नाम पर निकली। वारदात के बाद आरोपित भागकर दिल्ली आ गया था।

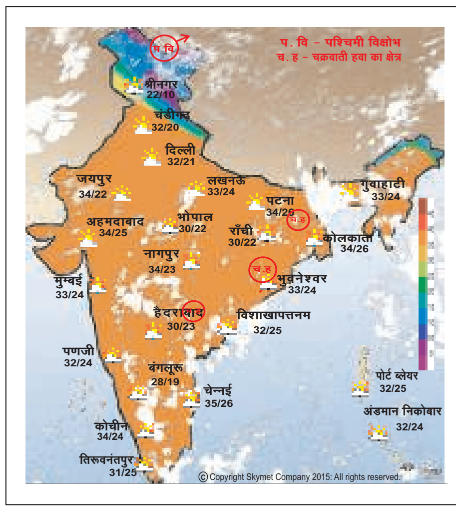

मौसम विशेष

राजस्थान के दक्षिण पश्चिम भागों में हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली सहित राजस्थान के शेष भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क बना रहेगा। दिन का मौसम गर्म तथा रात सुहावनी रहेगी। जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा संभव है।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	34/24/आंबा	अहमदाबाद	35/26/व
कोलकाता	33/26/आंबा	बड़ौदा	34/23/आंबा
चेन्नई	35/26/व	नागपुर	34/24/आंबा
हैदराबाद	29/22/आंबा	इन्दौर	31/23/आंबा
बंगलूरू	27/19/आंबा	राँची	29/22/व
त्रिवेन्द्रम	32/25/आंबा	पटना	31/22/आंबा
गुवाहाटी	27/22/व	जमशेदपुर	26/22/आंबा
गंगटोक	15/02/व	पुणे	29/22/व

थप्पड़ के बदले में ले ली जान, छह गिरफ्तार

जासं, नई दिल्ली : गीता कॉलोनी इलाके में थप्पड़ का बदला लेने के लिए एक युवक की हत्या कर दी गई। आरोपितों ने शव को टुकड़े-टुकड़े कर यमुना खादर में दफना दिया। वारदात के बाद आरोपित अपने-अपने घर चले गए। चार दिन बाद पुलिस ने गश्त के दौरान चार लड़कों को संदिग्ध हालात में गांजे के साथ पकड़ा। इनमें एक के पास से कट्टा मिला। उनसे पूछताछ में हत्या का मामला खुला। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने शव के अवशेष बरामद कर लिए। इसके बाद दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। मृतक की पहचान प्रिंस भारद्वाज (17) निवासी झील, गीता कॉलोनी के रूप में हुई है।

गुरुवार को एसडीएम ऑफिस, गीता कॉलोनी के पास पुलिस ने चार लड़कों को संदिग्ध हालात में घूमते देखा। आरोपितों की तलाशी ली गई तो उनके पास से कट्टा व कारतूस बरामद हुए। पूछताछ के दौरान एक आरोपित ने बताया कि उसने 29 सितंबर को साथियों के साथ मिलकर प्रिंस की हत्या की थी।

उत्तराखंड में शराब के तस्कर को अब थाने से नहीं मिलेगी जमानत

विकास गुसाईं, देहरादून

▶ मुख्यमंत्री ने दिए गृह व पुलिस विभाग को इस संबंध में निर्देश

▶ सजा बढ़ाने को न्याय विभाग के साथ एक्ट में होगा संशोधन

▶ इस वर्ष अवैध शराब पीने के दो मामलों में कई लोगों की हो गई मौत

प्रदेश में अब अवैध शराब की बिक्री और तस्करी में लिप्त अपराधियों को थाने से जमानत नहीं दी जाएगी। तस्करों को थानों से आसानी से जमानत मिलने और दोबारा तस्करी में लिप्त पाए जाने के मामले को देखते हुए मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इसे गंभीरता से लिया है। उन्होंने गृह व पुलिस विभाग को इस संबंध में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिक मात्रा में अवैध शराब के साथ पकड़े जाने वालों की सजा बढ़ाने को एक्ट में संशोधन करने और इसके लिए न्याय विभाग से मशविरा लेने को कहा है।

प्रदेश में बीते कुछ समय से अवैध शराब का धंधा तेजी से बढ़ा है। इतना ही नहीं अवैध शराब के तस्कर इनमें मिलावट कर इसे जहरीला बना रहे हैं। इसी वर्ष दो ऐसे बड़े प्रकरण सामने आ चुके हैं जिनमें अवैध शराब पीने से कई लोगों की मौत हुई है। पहला प्रकरण हरिद्वार में सामने आया था। यहां रुड़की के भगवानपुर ब्लॉक में जहरीली शराब पीने से तीन दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। दूसरी घटना बीते माह देहरादून में हुई। यहां जहरीली शराब पीने से सात लोगों की मृत्यु हो गई थी। इन प्रकरणों की जांच में एक बात यह सामने आई थी कि अवैध शराब की तस्करी में गिरफ्तार किए गए अपराधियों को थाना स्तर से ही जमानत मिल जाती है। जमानत मिलने के बाद वे फिर से अवैध शराब की बिक्री और तस्करी में लिप्त हो जाते हैं। इस कारण इन्हें गिरफ्तारी का कोई भय नहीं रहता। इसके अलावा पुलिस कई बार बड़े मामलों में अपराधियों को इसलिए भी गिरफ्तार नहीं कर पाती क्योंकि वह सीआरपीसी की धारा 41 ए का लाभ पाते हैं। इस धारा के तहत ऐसे मामले जिनमें सात साल से अधिक की सजा का प्रावधान है, उनमें अपराधियों को पहले नोटिस जारी करना होता है। इसका फायदा भी अपराधी उठाते हैं।

हाल ही में मुख्यमंत्री ने इस संबंध में गृह विभाग के साथ हुई बैठक में यह स्पष्ट किया है कि अवैध शराब की बिक्री व तस्करी में बार-बार लिप्त पाए जाने वाले अपराधियों को थाने से जमानत न दी जाए। इसके अलावा यह भी निर्देश दिए गए कि जिन तस्करों के पास बड़ी मात्रा में शराब पाई जाती है उनको भी कड़ी सजा दिलाने का प्रावधान किया जाए।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार 6 अक्टूबर, 2019 से शनिवार 12 अक्टूबर, 2019 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,आ)
व्यापार, नौकरी, उद्योग के कार्य में प्रयास से सफलता, अर्थसाधन ठीक, सलाह से कार्यशैली में परिवर्तन, विदेश से समाचार, भूमि कार्य में विवाद, संतान से सहयोग, चयन में सफलता, खानपान पर ध्यान दें, प्रणय में सुख, यात्रा में सावधानी, धर्म में रुचि, निर्माण योजना, शुभ अंक 4।

वृष (इ,ऊ,ए,ओ,पा,वी,वू,वे,वो)
नौकरी, व्यापार, उद्योग के कार्य में प्रयास से सफलता, अर्थ साधन में सुधार, कार्यशैली में परिवर्तन, विदेश से समाचार, सदस्य के प्रति चिंता, वाहन योग, शिक्षा में एकाग्रता, शत्रु पक्ष प्रभावी, प्रणय में सुख, यात्रा में सावधानी, राज्य पक्ष से अर्थदंड, निर्माण योजना, शुभ अंक 3।

मिथुन (का,की,कू,घ,ड,छ,के,को,हा)
धनागम में सुधार, अपने कार्य की योजना पर विस्तार, आत्मविश्वास की वृद्धि, पारिवारिक चिंता, भौतिक साधनों की वृद्धि, संतान से संतुष्टि, शिक्षा कार्य में प्रयास सफल, मित्रों से सहयोग, प्रणय में सुख, यात्रा से बचें, अनुबंध की प्राप्ति, राज्य पक्ष से सावधान, यंत्र विस्तार कार्य, शुभ अंक 2।

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)
अर्थसाधन अच्छा, कार्यशैली में सुधार करें, पारिवारिक चिंता, भूमि–भवन कार्य में अवरोध, संतान से चिंतित, अध्ययन में एकाग्रता, ईर्ष्या से बचें, वाणी पर संयम रखें, जीवन साथी का मिलन, धर्म में रुचि, रक्षा साधन कार्य में सफलता, अवसर का लाभ उठाएं, शुभ अंक 8।

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)
धनागम में सुधार, आत्मविश्वास की कमी, साझेदारी में सावधानी, महिला से सहयोग, विदेश कार्य में प्रयास करें, संतान की प्रगति, अध्ययन में रुचि, वाद–विवाद से बचें, ससुराल से सहयोग, यात्रा से बचें, धर्म में रुचि, रक्षा साधन कार्य में अवरोध, शुभ अंक 9।

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,उ,पे,पो)
व्यापार, नौकरी, उद्योग के कार्य में सफलता, धनागम ठीक, कार्यशैली में परिवर्तन सार्थक, भविष्य के प्रति योजना बनाएं, विदेश कार्य में समाचार, भूमि भवन योग, संतान को सहयोग, शत्रु पक्ष से सावधान, क्रोध पर नियंत्रण, यात्रा से बचें, धर्म में रुचि, अपने लक्ष्य का ध्यान रखें, शुभ अंक 9।

तुला (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते)
धनागम में सुधार, कार्य करने वाले से सामंजस्य बैठाएं, दूसरों से प्रेरणा लें, चिंता की समाप्ति, सजावट निर्माण योजना, संतान से चिन्तित, मित्रों से सावधन, पत्नी से विरोध, यात्रा में सावधानी, मनोरंजन भ्रमण योग, राज्यपक्ष से सावधान, व्यय अधिक, शुभ अंक 11।

वृश्चिक (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू)
व्यापार, नौकरी, उद्योग के कार्य में सहयोग से सफलता, धनागम में सुधार, कार्य शैली में सुधार करें, धन के आवागमन में सावधानी, सामाजिक कार्य का योग, भावना पर नियंत्रण करें, अध्ययन में रुचि, शत्रु पक्ष प्रभावी, ईर्ष्या से एवं कुसंग से बचें, अधिकारी से सहयोग, शुभ अंक 11।

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फा,ढा,भे)
व्यापार, नौकरी, उद्योग के कार्य में श्रम से सफलता, धनागम में सुधार, कार्यशैली में सुधार, दिनचर्या व्यस्त, सदस्य के प्रति चिंता, मित्रों से सहयोग, वायु विकार की वृद्धि, दांपत्य में सुख, यात्रा में सावधानी, राज्य पक्ष से सावधान, यंत्र स्थापन योग, व्यय अधिक, शुभ अंक 1।

मकर (भो,जा,ज,खी,खू,खे,खो,गा,गी)
व्यापार, नौकरी, उद्योग के कार्य में प्रयास से सफलता, धनागम में प्रयास, कार्यशैली में सुधार करें, भावुकता का प्रभाव, सदस्य के प्रति चिंता, सजावट के योग, संतान से संतुष्टि, खानपान पर ध्यान दें, दांपत्य में मतभेद, रक्षा साधन कार्य में सफलता, धर्म में रुचि, राज्य पक्ष से सावधान, शुभ अंक 7।

कुम्भ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सा,दा)
धनागम में ठीक, साझेदारी में सावधानी, पारिवारिक चिंता, भूमि–भवन कार्य में अवरोध, संतान से अनबन, शिक्षा कार्य में प्रगति, शत्रु पक्ष प्रभावी, वाद–विवाद से बचें, प्रणय में सुख, यात्रा में सावधानी, अवरोधों को दूर करने का प्रयास करें, बैंक कार्य में सफलता, शुभ अंक 6।

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)
व्यापार, नौकरी, उद्योग के कार्य में सफलता, अर्थसाधन में प्रयास, अपनी कार्यशैली में बदलाव करें, अपने लक्ष्य की ओर ध्यान दें, सदस्य के प्रति चिंता, संतान की प्रगति, चयन में सफलता, शत्रु पक्ष प्रभावी, अंतरंग संबंध में सुधार, आध्यात्म में रुचि, निर्माण की रूपरेखा, शुभ अंक 5।

मिग-21 के पहले प्रोटोटाइप ने उड़ान भरी

1977 में आज ही मिग-21 लड़ाकू विमान के पहले प्रोटोटाइप ने उड़ान भरी थी। दो इंजन वाले इस जेट लड़ाकू विमान को सोवियत संघ ने डिजायन किया था। भारत मिग-21 को खरीदने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय ग्राहक था। 1980 में भारत ने पचास से ज्यादा मिग-21 का ऑर्डर दिया था।

नेशनल डिफेंस अकादमी की आधारशिला रखी गई

1949 में आज ही तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) की आधारशिला रखी थी। हालांकि सात दिसंबर, 1954 को इसे पहली बार कमीशन किया गया था। यह दुनिया की पहली ट्राइ सर्विस एकेडमी है। एनडीए पुणे के खड़कवासला में स्थित है।

मेघनाथ साहा ने दुनिया को दिया साहा समीकरण

खगोल विज्ञानी मेघनाथ साहा का जन्म 1893 में आज ही ढाका (अब बांग्लादेश) में हुआ था। विज्ञान के क्षेत्र में उन्हें साहा समीकरण के लिए याद किया जाता है। इस समीकरण के जरिये तारों की भौतिक और रासायनिक स्थिति के बारे में पता चलता है। कोलकाता में साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स और इंडियन फिजिकल सोसायटी जैसी कई महत्वपूर्ण संस्थाओं की स्थापना करने वाले साहा को भारत में रिवर प्लानिंग के चीफ आर्किटेक्ट के रूप में भी जाना जाता है। 1952 में लोकसभा के सदस्य बने। 16 फरवरी, 1956 को उनका देहांत हो गया।

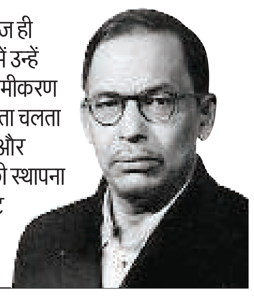

हार्ट अटैक के खतरे से बचाएगी नई दवा

खोज ▶ कनाडा की गुएल्फ यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने विकसित की एसआर 90009

सेलुलर सेंसर का उत्पादन करेगी कम, कोशिकाओं के नुकसान की करेगी भरपाई

टोरंटो, प्रेट्र : वैज्ञानिकों ने एक ऐसी दवा विकसित की है, जो हार्ट अटैक और हार्ट फेल होने के खतरे से बचा सकती है। वर्तमान में इन दोनों ही बीमारियों का कोई सटीक इलाज उपलब्ध नहीं है। नेचर कम्युनिकेशन बायोलॉजी नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया है कि हार्ट अटैक की तीव्र प्रतिक्रिया से दिल को गहरा आघात पहुंचता है, जो अंत में लाइलाज हार्ट फेल का कारण बनता है। लेकिन अब एसआर 90009 नामक दवा का उपयोग करने से इस खतरे से बचा जा सकता है।

इस दवा को विकसित करने वाले शोधकर्ताओं में कनाडा की गुएल्फ यूनिवर्सिटी के शोधार्थी भी शामिल थे। शोधकर्ताओं का दावा है कि नई दवा में ऐसी क्षमता है कि यह हृदयाघात से तो बचाती ही है। साथ ही इसके खतरे से बचने के लिए मरीज जो दवाएं लेते हैं उसकी आवश्यकता को भी समाप्त कर देती है। अक्सर देखा जाता है कि एक बार हार्ट अटैक पड़ने के बाद मरीज आजीवन दवाएं खाते हैं। फिर भी दवाओं का कोई खास असर नहीं दिखता है। ऐसे में नई दवा बेहद उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

बॉडी क्लॉक के आधार करती है काम : शोधकर्ताओं ने कहा कि नई दवा हमारे शरीर की प्राकृतिक घड़ी यानी बॉडी क्लॉक के आधार काम करती है। इसे सर्केडियन रिदम भी कहा जाता है। यह शरीर की कोशिकाओं के काम को प्रभावित करती है। अध्ययन में कहा गया है कि बॉडी क्लॉक में जीन और प्रोटीन होते हैं, जो हृदय गति और रक्तचाप जैसे प्रमुख कार्यों को विनियमित करने के लिए दिन और रात के चक्र में काम करते रहते हैं।

रक्त प्रवाह नियंत्रित करता है बॉडी क्लॉक : शोधकर्ताओं ने कहा बॉडी क्लॉक का तंत्र हृदय में स्वस्थ रक्त के प्रवाह को नियंत्रित करता है। साथ ही इलाज के दौरान भी सकारात्मक प्रतिक्रिया देता है। गुएल्फ यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता और इस अध्ययन के सह-लेखक टैमी मार्टिनो ने कहा, 'यह शोध वास्तव में रोमांचक है क्योंकि यह एक ऐसी पद्धति के उपयोग पर जोर देता है, जिससे हार्ट अटैक को तो ठीक किया ही जा सकता है। साथ ही साथ हार्ट फेल के खतरे को भी विकसित होने से रोका जा सकता है।'

तेजी से असर करती है दवा: मार्टिनो ने कहा, 'चूहों पर परीक्षण के दौरान हमने पाया कि इस दवा का उपयोग करने के बाद चूहे को हार्ट अटैक नहीं पड़ा।' उन्होंने कहा कि यदि कोई आघात नहीं पहुंचता तो हृदय को किसी प्रकार की भी क्षति नहीं होगी और भविष्य में भी मरीज स्वस्थ जीवन जी सकता है। उन्होंने कहा कि यह दवा इतनी तेजी से असर करती है कि इसकी कार्यप्रणाली देखकर हम सभी चकित रह गए थे। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह खोज अन्य हृदय रोगों के उपचार का रास्ता भी खोजने में भी मदद कर सकती है और इससे मरीज को समय रहते बचाया जा सकता है।

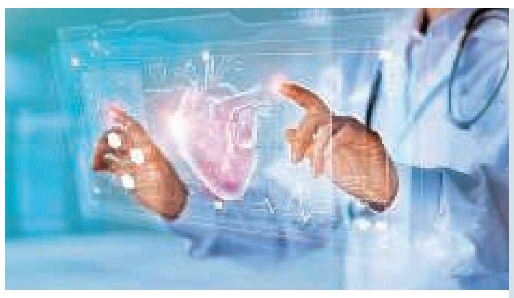

यह अध्ययन नेचर कम्युनिकेशन बायोलॉजी नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

ऊतकों को नुकसान पहुंचाता है एनएलआरपी3

मार्टिनो और उनकी टीम ने बॉडी क्लॉक के एक मुख्य यौगिक को लक्षित करने के लिए एसआर90009 नामक दवा का उपयोग किया और ऐसे जीनों के व्यवहार (जीन एक्सप्रेशन) को बाधित किया, जो हार्ट अटैक के बाद प्रतिकूल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया (एडवर्स इम्यून रिस्पोंस) देते हैं। जब शोधकर्ताओं ने इस दवा का चूहों पर परीक्षण किया तो पाया कि इससे एनएलआरपी3 नामक सेलुलर सेंसर का उत्पादन कम हो गया। यह सेंसर हृदय के ऊतकों को नुकसान पहुंचाता है। अध्ययन ने बताया गया है कि पहली बार हार्ट अटैक से बचे लोगों का इलाज इस दवा के जरिये रेपरफ्यूजन जैसी पारंपरिक थेरेपी से कहीं बेहतर तरीके से हो सकता है।

इधर-उधर की

शादी तुड़वाने पर पूर्व प्रेमी के खिलाफ कर दिया मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी : अमेरिका में एक बेहद ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अपनी पूर्व पत्नी के प्रेमी पर प्यार चुराने का मुकदमा ठोक दिया, जिसके बाद अदालत के आदेश पर उसे अब करीब 5.31 करोड़ रुपये का मुआवजा मिलेगा। शख्स का नाम केविन होवार्ड है, जो अमेरिका के उत्तरी केरोलिना में रहते हैं। उनकी शादी को 12 साल हो गए थे, लेकिन अब उनका तलाक हो गया है। केविन का कहना है कि उन्होंने अपने रिश्ते को बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन उनकी पत्नी को उनसे तलाक चाहिए था। यह पता लगाने के लिए कि पत्नी ने तलाक क्यों दिया? केविन ने प्राइवेट डिटेक्टिव की मदद ली। इस दौरान पता चला कि उनकी पत्नी का एक प्रेमी है, जिसके बाद उन्हें समझ आ गया कि यह धोखेबाजी का मामला है। केविन का कहना था कि उन्होंने विश्वास तोड़ने की सजा दिलाने के लिए केस किया था।

ओडिशा में बिल खोदने व मिट्टी का दरवाजा बनाने वाली मकड़ी मिली

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के पर्यावरण प्रबंधन के सहायक प्रोफेसर डॉ. संजय केसरी दास ने ओडिशा के नीलगिरी के पास इडियोप्स प्रजाति की नई मकड़ी की खोज की है। इसका नाम उन्होंने इडियोप्स नीलगिरी रखा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में इडियोप्स प्रजाति की इस मकड़ी की पहली बार खोज हुई है। यह 13 मिलीमीटर लंबी है और उसके चेहरे पर दो आंखें और इनके पीछे छह आंखें हैं। आमतौर पर मकड़ी की आठ आखें एकसाथ होती हैं।

डॉ. संजय ने बताया कि इस मकड़ी की खासियत यह है कि यह जमीन में अपने रहने के लिए बिल बनाती है। बिल के ऊपर मिट्टी का ही एक दरवाजा तैयार करती है, जिसे खोलकर और बंद करके उससे बाहर निकलती है। दिन में बिल के अंदर रहती है और रात में शिकार करने के लिए निकलती है। इस मकड़ी के अंदर जहर होता है। रात में छिपकली और अन्य कीड़ों का शिकार करती है। उन पर जहर डालने के बाद रेशम के जाल से बिल के अंदर खींचकर ले जाती है।

डॉ. संजय ओडिशा के कुलद्धिया वन्य जीव अभयारण्य में मकड़ियों पर अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इडीयोप्स प्रजाति की दुनिया भर में करीब 95 तरह की मकड़ियां हैं। इनमें से माइगालोमॉर्प्स मकड़ी 25 साल तक जीती है। बिल बनाने वाली मकड़ी को ट्रैपडोर कहा जाता है। इडियोप्स नीलगिरी पर हम यह अध्ययन कर रहे हैं कि यह कितने वर्ष तक जीती है। आम मकड़ियां 2 से 4 साल तक ही जीती हैं। दुनिया भर में 48,277 तरह की मकड़ियां हैं, जिनमें से 1,910 तरह की मकड़ियां भारत में हैं। डॉ. संजय के साथ अध्ययन में आइपी विश्वविद्यालय के एमएससी (पर्यावरण प्रबंधन) की छात्रा दीक्षा व रूही असरा खान भी शामिल रहीं। एशिया पैसिफिक बॉयोडायवर्सिटी जर्नल में उनके अध्ययन का उल्लेख किया गया है।

इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के एक सहायक प्रो. द्वारा खोजी गई नई प्रजाति की मकड़ी।

रूस की खदान में मिला अनूठा हीरा

मास्को, आइएएनएस : साइबेरिया की एक खदान में एक हीरे के अंदर एक और हीरा मिला है। इतिहास में इस तरह का यह पहला मामला है। रूस की खदान कंपनी अलरोसा पीजेएससी ने यह जानकारी दी। बताया जा रहा है कि यह हीरा 80 करोड़ साल से ज्यादा पुराना हो सकता है।

समाचार एजेंसी एफे के मुताबिक, इस हीरे का वजन 0.62 कैरट है, जबकि इसके अंदर के हीरे का वजन 0.02 कैरट है। अलरोसा के 'रिसर्च एंड डवलपमेंट जियोलॉजिकल एंटरप्राइज' के उपनिदेशक ओलेग कोवलचुक ने कहा, 'जहां तक हम जानते हैं, हीरे के खनन के इतिहास में अभी तक इस तरह का हीरा नहीं मिला है, यह वास्तव में प्रकृति की एक अनूठी रचना है।'

हीरा साइबेरियाई क्षेत्र यकुशिया के न्युरबा खदान से निकला गया है, लेकिन इसको याकुत्स्क डायमंड ट्रेड एंटरप्राइज ने तराशा है। बाद में विश्लेषण के लिए इसे रिसर्च एंड डेवलपमेंट जियोलॉजिकल एंटरप्राइज को दिया गया। वैज्ञानिकों ने एक्स-रे माइक्रोटोमोग्राफीऔर स्पेक्ट्रोस्कोपी जैसी विधियों का प्रयोग कर इस पत्थर की जांच की है। अलरोसा के एक प्रवक्ता ने कहा कि अब इसे विश्लेषण के लिए अमेरिका के जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट को भेजा जाएगा।

प्रतीकात्मक

शोध अनुसंधान

नए डिवाइस से हो सकेगी ड्राई आई की जांच

ड्राई आई की वजह से आंख में खुजली और दृष्टि धुंधली होने जैसी परेशानियां होती हैं। आंख की परेशानियों के लिए चिकित्सकों के पास जाने वाले 60 फीसद तक मरीज ड्राई आई का शिकार होते हैं। हालांकि इसकी जांच का कोई आसान तरीका नहीं होने के कारण अक्सर मरीज अन्य लक्षणों के आधार पर ही इलाज लेते रहते हैं। अब वैज्ञानिकों ने एक ऐसा डिवाइस बनाया है जिसकी मदद से सिर्फ 40 सेकेंड में बिना किसी चीरफाड़ के ड्राई आई का पता लगाना संभव है। इस डिवाइस में आंखों के लिए सुरक्षित हैलोजन लाइट का इस्तेमाल किया जाता है। इसके बाद यह डिवाइस लाइट के रिफ्लेक्शन के हिसाब से जांच करता है। इस डिवाइस को टीयर फिल्म इमेजर नाम दिया गया है। सामान्य तरीके से पलकें झपकाते हुए भी यह डिवाइस जांच करने में सक्षम है। इसके नतीजे ड्राई आई की जांच के अन्य तरीकों जितने ही सटीक पाए गए हैं। -प्रेट्र

वैज्ञानिकों ने पहली बार देखी वायरस बनने की प्रक्रिया

वैज्ञानिकों ने पहली बार वायरस के बनने की प्रक्रिया को देखा है। इसकी मदद से वैज्ञानिकों को यह जानने में मदद मिली है कि कैसे कुछ प्रोटीन मिलकर वायरस का रूप ले लेते हैं। इस प्रक्रिया को समझकर वायरस के कारण होने वाली बीमारियों के इलाज का नया रास्ता खुल सकता है। वैज्ञानिकों ने जिस तरह के वायरस के बनने की प्रक्रिया का अध्ययन किया है, उसका व्यास करीब 30 नैनोमीटर था जो मनुष्य के बालों की मोटाई से कई हजार गुना कम है। सर्दी-जुकाम से लेकर हाथ, पैर और मुंह के कई संक्रमणों के लिए इसी तरह के वायरस जिम्मेदार होते हैं। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि कुछ प्रोटीन ने आरएनए को घेरते हुए उसके चारों ओर फुटबॉल जैसी संरचना बना ली। वैज्ञानिकों का कहना है कि वायरस के बनने की प्रक्रिया समझकर उन्हें नष्ट करने का तरीका भी मिल सकता है। -प्रेट्र

आर्सेनिक का स्तर मापेगा नया नैनोसेंसर

नई दिल्ली, प्रेट्र: जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शोधकर्ताओं ने शरीर में आर्सेनिक के स्तर का पता लगाने के एक नैनोसेंसर विकसित किया है। जामिया यूनिवर्सिटी के बायोसाइंस विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर और शोधकर्ताओं का नेतृत्व करने वाले मुहम्मद मोहसिन ने कहा कि शरीर में आर्सेनिक का स्तर बढ़ना चिंता का विषय है और इसके गंभीर परिणाम आमने आते हैं। लेकिन अब इसके स्तर का पता लगाने के लिए उनकी टीम ने एक नैनोसेंसर बनाया है।

इसका नाम सेनएलिब (सेंसर फॉर आर्सेनिक लिंक्ड ब्लैकफुट डिजीज) है, जो शरीर की जीवित कोशिकाओं में आर्सेनिक के जहर बनने की आसानी से पहचान कर सकता है। ब्लैकफुट डिजीज नसों की बीमारी होती है, जो आगे चलकर गैंगग्रीन में बदल सकती है। इसमें शरीर गलना शुरू हो जाता है। यह बीमारी शरीर में आर्सेनिक की बढ़ने से भी होती है। आर्सेनिक पानी, मिट्टी और हवा में पाया जाता है। शोधकर्ताओं का यह अध्ययन हाल ही में साइंटिफिक रिपोर्ट्स नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ था।

इसरो ने जारी कीं चांद की तस्वीरें

नई दिल्ली, एएनआइ : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को चांद की सतह की तस्वीरें जारी कीं। इन तस्वीरों को चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर पर लगे हाई-रिजॉल्यूशन कैमरा (ओएचआरसी) से खींचा गया है। ऑर्बिटर ने पांच सितंबर को चांद की सतह से 100 किलोमीटर की ऊंचाई से इन तस्वीरों को खींचा था।

ओएचआरसी को बहुत हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीरें खींचने के हिसाब से तैयार किया गया है। यह अब तक चांद की ओर भेजे गए किसी भी देश के ऑर्बिटर के कैमरे से ज्यादा स्पष्ट तस्वीरें खींचने में सक्षम है। चांद की सतह के अध्ययन में इस कैमरे की अहम भूमिका रहेगी। इसरो ने 22 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रयान-2 को लांच किया था। इसमें ऑर्बिटर के अलावा लैंडर और रोवर भी थे। लैंडर-रोवर को छह-सात सितंबर की दरम्यानी रात चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना था। हालांकि आखिरी क्षणों में लैंडर से संपर्क टूट गया था और उसकी सॉफ्ट लैंडिंग नहीं हो पाई थी। वहीं, ऑर्बिटर ठीक तरह से काम कर रहा है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि लांचिंग से लेकर आगे तक की सभी प्रक्रियाएं सटीक तरीके से संपन्न होने के कारण ऑर्बिटर में अतिरिक्त ईंधन बचा रह गया है। इसकी मदद से आर्बिटर पहले से तय एक साल के बजाय सात साल तक चांद की परिक्रमा करते हुए प्रयोगों को अंजाम दे सकता है।

इसरो के चेयरमैन के. सिवन। फाइल

- चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने भेजी हैं चांद की सतह की हाई-रिजॉल्यूशन फोटो
- इन्हें पांच सितंबर को चंद्रमा की सतह से 100 किलोमीटर की ऊंचाई से खींचा गया था

विमान पर स्वागत से भावविभोर हुए सिवन

चेन्नई, आइएएनएस : इसरो के चेयरमैन के. सिवन इंडिगो की एक फ्लाइट में अपने स्वागत से भावविभोर हो गए। विमान में बोर्ड करते ही सभी एयर होस्टेस ने उनका अभिवादन किया और उनके साथ सेल्फी ली। इसके बाद सीट पर पहुंचने तक सभी यात्रियों ने ताली बजाकर उनका स्वागत किया। एक यात्री द्वारा उस पल का रिकॉर्ड किया हुआ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। सोशल मीडिया में सिवन की सादगी की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।

स्पेस वॉक की तैयारी

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच अपनी सहयोगी जेसिका मेइर के साथ। दोनों की यह तस्वीर अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने जारी की है। क्रिस्टीना इसी माह के आखिरी सप्ताह में स्पेस वॉक करने वाली दुनिया की पहली अंतरिक्ष यात्री होंगी। नासा ने इसकी विधिवत घोषणा कर दी है। इसी वर्ष मार्च में स्पेस सूट उपलब्ध न होने पर स्पेस वॉक का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद नासा की काफी किरकिरी हुई। स्पेसवॉक में अंतरिक्ष यान के बाहर जाकर अंतरिक्ष यात्री मरम्मत एवं ऑब्जर्वेशन के काम करते हैं। अब तक कोई महिला अंतरिक्ष यात्री यह गौरव हासिल नही कर सकी है। एपी

अद्भुत पेंटिंग

इस तस्वीर को ध्यान से देखिए, इसमें आंखों की पुतलियों में हरकत होती दिखाई देगी। यह पेंटिंग जर्मनी के ऑगस्टसबर्ग के महल में आयोजित इंटरएक्टिव इल्युजन प्रदर्शनी 'ट्रिक' में प्रदर्शित की गई है। मेक्सिन आर्टिस्ट यूनुएन एस्पाराजा द्वारा तैयार इस पेंटिंग में आंखों की कार्यप्रणाली, प्रकाशिकी के नियमों एवं मस्तिष्क के परपस्पर संबंधों को दर्शाया है। एपी

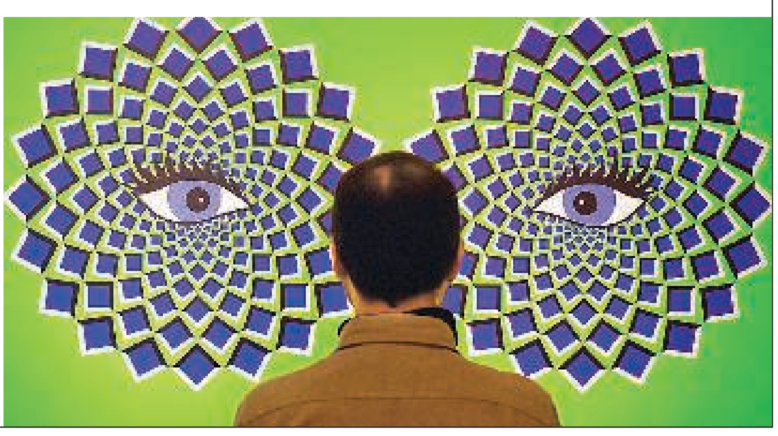

स्क्रीन शॉट

अपने निर्देशन में अभिनय नहीं करना चाहते बमन ईरानी

बमन ईरानी इन दिनों खासे व्यस्त चल रहे हैं। दिवाली पर उनकी फिल्म 'मेड इन चाइना' रिलीज हो रही है। उसमें वह राजकुमार राव, गजराज राव, परेश रावल जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ नजर आएंगे। उसके बाद बाल दिवस पर रिलीज होने वाली 'झलकी' में भी दिखेंगे। यह फिल्म बाल मजदूरी पर आधारित है। उसके बाद '83 में भी नजर आएंगे। साल की शुरुआत में बमन ईरानी ने अपने प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की थी। अब वह अपनी पहली फिल्म निर्देशित करने की तैयारी में हैं। हालांकि उसमें वह खुद अभिनय करने से हिचक रहे हैं। बमन के मुताबिक, 'फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग लॉक हो चुकी है। अब उसकी आधिकारिक घोषणा करनी है। यह फिल्म रिश्तों को लेकर होगी। हालांकि इस फिल्म में काम करने को लेकर मैंने कुछ तय नहीं किया है। शायद मैं इसमें एक्टिंग न करूं। हालांकि लोग मुझसे कह रहे हैं कि मुझे इसमें अभिनय करना चाहिए, लेकिन मैं थोड़ा डरा हुआ हूं। दरअसल, मैं ही फिल्म का निर्देशन कर रहा हूं। अगर एक्टिंग करूंगा तो दोहरी जिम्मेदारी निभानी होगी। मुझे अपने निर्देशन पर फोकस करना है। मैं जानता हूं कि बहुत सारे निर्देशक फिल्म को निर्देशित करने के साथ एक्टिंग भी करते हैं। हालांकि मैं उसे लेकर तय नहीं कर पा रहा हूं। देखते हैं कि आगे क्या होता है।' बहरहाल, उन्होंने अपनी स्टार कास्ट का अभी खुलासा नहीं किया है। उसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

फावड़े से जमीन खोदते हुए करीना का वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर करीना कपूर का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह फावड़ा लेकर जमीन खोदती नजर आ रही हैं। कुर्ती और जींस पहनकर इस काम को करते हुए करीना काफी खुश दिख रही हैं। वीडियो में उनके आस-पास में और महिलाएं भी हैं। हालांकि वीडियो से यह समझ नहीं आ रहा कि उनका मकसद क्या है? मगर यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि करीना कुछ मजेदार करना चाह रही हैं। इस दौरान की उनकी कुछ तस्वीरें भी वायरल हैं, जिसमें वे गंदे हाथों के साथ पोज करती नजर आ रही हैं। गौरतलब है कि करीना आमिर खान के साथ 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी हॉलीवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' से ली गई है। साथ ही वह राज मेहता की 'गुड न्यूज' में अक्षय कुमार के अपोजिट नजर आएंगी। इसके अलावा करीना एक रेडियो शो भी होस्ट कर रही हैं, जिसमें उनकी सास शर्मिला टैगौर और पति सैफ अली खान हिस्सा ले चुके हैं।

'तारक मेहता...' में दया बेन की होगी वापसी

चर्चित कॉमेडी धारावाहिक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, धारावाहिक में दया बेन का किरदार निभा रहीं दिशा वकानी फिर से शो में वापसी कर रही हैं। लगभग दो साल के बाद वह शो में नजर आएंगी। दिशा ने साल 2015 में चार्टर्ड एकाउंटेंट मयूर पांड्या से शादी की थी। दो साल बाद साल 2017 के सितंबर महीने में वह छह माह के लिए मातृत्व अवकाश पर चली गई थीं। दिशा को छह महीने बाद फिर से शूटिंग शूरू करनी थी, लेकिन वह दो साल से ज्यादा समय तक इस शो से दूर रहीं। धारावाहिक में फिलहाल नवरात्र और गरबा का उत्सव मनाया जा रहा है। इस उत्सव में दया बेन की वापसी की भूमिका भी बनाई जा रही है। कहानी में दया बेन के पति जेठालाल ने देवी मां के सामने प्रतिज्ञा की है कि जब तक दया वापस नहीं आती, वह सोसायटी के गरबा में हिस्सा नहीं लेंगे। साल 2008 में शुरू हुआ 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भारतीय टीवी इतिहास में सबसे ज्यादा दिनों तक चलने वाले धारावाहिकों में से एक है।

जया बनने के लिए भरतनाट्यम सीख रहीं कंगना

कंगना रनोट अपनी आने वाली फिल्म 'थलाइवी' के लिए बहुत मेहनत कर रही हैं। फिल्म में वह जयललिता की भूमिका निभाएंगी। कंगना इस फिल्म के लिए भरतनाट्यम की कक्षाएं भी ले रही हैं। उनकी टीम ने कुछ फोटो पोस्ट किए हैं, जिनमें वह शास्त्रीय नृत्य के पोज में हैं। उनकी डांस टीचर के साथ प्रैक्टिस के फोटो शेयर करते हुए टीम ने लिखा है, 'परफेक्शन की तैयारी।' इसके पहले इस फिल्म के लिए पिछले महीने कंगना के प्रोस्थेटिक मेकअप के भी कुछ फोटो उनकी बहन रंगोली ने ट्विटर पर शेयर किए थे। फिल्म के प्रोड्यूसर विष्णु वर्धन ने बताया था कि हॉलीवुड आर्टिस्ट जैसन कोलिंस कंगना के लुक पर काम करेंगे। मैसूर में शूटिंग शुरू होगी। फिल्म की कहानी केवी विजयेंद्र प्रसाद और रजत अरोरा ने लिखी है। तमिल और तेलुगु में फिल्म का टाइटल 'थलाइवी' होगा, जबकि हिंदी में फिल्म 'जया' नाम से आएगी।

होगी सहूलियत

मस्तिष्क से नियंत्रित होती है डिवाइस, फ्रांस के रहने वाले एक मरीज पर किया जा रहा है ट्रायल, चार साल पहले हुए हादसे के बाद पैरालिसिस का शिकार हो गए थे थिबॉल्ट

एक्सोस्केलेटन से चल पाएंगे पैरालिसिस के मरीज

पेरिस, एएफपी : वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क से नियंत्रित होने वाला एक ऐसा एक्सोस्केलेटन तैयार किया है, जिससे पैरालिसिस (लकवे) के शिकार लोग भी चल फिर सकेंगे। एक्सोस्केलेटन हड्डियों के ढांचे की तरह काम करने वाला डिवाइस है, जो बाहर से शरीर को सहारा देता है। मस्तिष्क से संचालित होने वाले इस नए सिस्टम से टेट्राप्लेजिक्स के मरीजों के लिए उम्मीद की किरण जगी है।

टेट्राप्लेजिक्स के कारण मरीज के कंधे के नीचे का हिस्सा काम करना बंद कर देता है। फिलहाल इस नई तकनीक का इस्तेमाल फ्रांस के रहने वाले थिबॉल्ट (28) पर किया जा रहा है। एक नाइट क्लब में हुए हादसे के कारण चार साल पहले थिबॉल्ट के कंधे के नीचे का पूरा हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया है। कई महीने कंप्यूटर पर प्रशिक्षण लेने के बाद वह एक्सोस्केलेटन की मदद से चलने लगे हैं। उन्होंने कहा, इस तकनीक से मुझे नई जिंदगी मिली है। मैं अभी एक्सोस्केलेटन की मदद से अपने घर तो नहीं जा सकता लेकिन कुछ दूरी तक चल लेता है। जब मैं चाहता हूं चलता हूं और जब रुकना चाहता हूं, रुक जाता हूं।'

नई तकनीक का ट्रायल करने वाले वैज्ञानिकों के अनुसार इसके सार्वजनिक इस्तेमाल में कई साल लगेंगे। हालांकि, इससे पैरालिसिस के मरीजों का जीवन बेहतर हो सकता है। उनका यह भी कहना है कि इससे वह इंसान को रोबोट नहीं बना रहे हैं बल्कि एक चिकित्सकीय समस्या का तकनीक से समाधान निकाल रहे हैं।

किस तरह काम करता है डिवाइस : फ्रांस स्थित हॉस्पिटल ऑफ ग्रेनोबेल एल्पेस के अलीम लुईस बेनाबिड ने कहा, 'पैरालिसस के बाद भी मस्तिष्क हाथ व पैरों को घूमने का सिग्नल दे सकता है। हालांकि, हाथ व पैर मस्तिष्क के कमांड को लागू कर पाने में अक्षम होते हैं।' इसी के चलते शोधकर्ताओं ने थिबॉल्ट के सिर के दोनों हिस्से में एक रिकार्डिंग डिवाइस प्रत्यर्पित किया। ये डिवाइस सेंसोरिमोटर कार्टेक्स की जानकारियां रिकार्ड कर सकते थे। मस्तिष्क में मौजूद ये कार्टेक्स ही शरीर की चलने-फिरने की क्षमता को नियंत्रित करते हैं। इस रिकॉर्डर के जरिये मस्तिष्क के सिग्नल को एक एल्गोरिदम में बदला जाता है, जिससे एक्सोस्केलेटन को चलने का कमांड मिलता है।

संजीवनी से कम नहीं होगी डिवाइस: एक्सोस्केलेटन बाहरी रूप से देखने में किसी रोबोट की आकृति लगती है, पर वास्तविकता में यह रोबोट नहीं है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यदि हम अपने परीक्षण में सफल रहते हैं तो भविष्य में यह डिवाइस पैरालिसिस के शिकार लोगों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं होगी। इसकी मदद से लोग आसानी से चल-फिर सकेंगे और अपने दैनिक भी काम कर पाएंगे। लेकिन इससे पहले इसके डिजाइन पर और काम करने की जरूरत है।

नई तकनीक का इस्तेमाल फ्रांस के थिबॉल्ट पर हो रहा है। फाइल